

## मिरा भाईदर महानगरपालिका

महापालिका सभागृह कार्यालय,  
तिसरा मजला,  
दि. ०६/१२/२००६

आज दि. ०६/१२/२००६ रोजी मिरा भाईदर महानगरपालिकेची मा. महासभा सकाळी ११.०० वाजता सभा सुचना क्र. ०९ दि. २४/११/२००६ रोजीच्या विषयपत्रिकेवर विचार विनिमय करणेकरिता महापालिका सभागृह, ३ रा मजला येथे मा. महापौर यांच्या अध्यक्षतेखाली भरली असता खालीलप्रमाणे सदस्य हजर होते.

### उपस्थित सदस्य

|     |   |  |
|-----|---|--|
| १)  | श्रीम. निर्मला बाबुराव सावळे                                  | महापौर   |
| २)  | श्री. चंद्रकांत सिताराम वैती                                  | उपमहापौर                                       |
| ३)  | श्री. मेन्डोसा स्टिवन जॉन                                     | सभापती, स्थायी समिती                           |
| ४)  | श्री. हॅरल जॉर्ज बोर्जिस                                      | सभागृह नेता                                    |
| ५)  | श्रीम. गोविंद हेलन जॉर्जी                                     | सभापती, पुर्व प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षण समिती |
| ६)  | श्रीम. जयाबाई यशवंत भोईर                                      | सभापती, महिला व बालकल्याण समिती                |
| ७)  | श्रीम. संगिता विजय म्हात्रे                                   | उप-सभापती, महिला व बालकल्याण समिती             |
| ८)  | श्री. चिंतामण कमलाकर पाटील                                    | सभापती, गलिच्छ वस्ती निर्मुलन समिती            |
| ९)  | श्री. अशोक बळवंत पाटील  | सदस्य  |
| १०) | श्री. अनंत रामचंद्र पाटील                                     | सदस्य  |
| ११) | श्रीम. डिसोजा ज्युडी थॉमस                                     | सदस्या   |
| १२) | श्री. शेख आसिफ गुलाब  | सदस्य  |
| १३) | श्री. ठाकुर नितिन गोपीनाथ                                     | सदस्य  |
| १४) | श्री. म्हात्रे मिलन वसंत                                      | गटनेता   |
| १५) | श्री. तिवारी सुरेंद्रप्रसाद मुरलीधर                           | सदस्य  |
| १६) | श्रीम. म्हात्रे नयना गजानन                                    | सदस्या   |
| १७) | श्री. अग्रवाल धनराज नंदलाल                                    | सदस्य  |
| १८) | श्री. अग्रवाल ओमप्रकाश गंगाधरजी                               | सदस्य  |
| १९) | श्रीम. करंबेळे प्रियांका प्रकाश                               | सदस्या   |
| २०) | श्रीम. गोहिल शानु   | सदस्या   |
| २१) | श्री. सिंग मदन उदितनारायण                                     | सदस्य  |
| २२) | श्री. रोहिदास शंकर पाटील                                      | गटनेता   |
| २३) | श्रीम. पाटील प्रभात प्रकाश                                    | सदस्या   |
| २४) | श्री. भुदेका शिवप्रकाश प्रल्हादराय                            | सदस्य  |
| २५) | श्री. भोईर गजानन लक्ष्मण                                      | सदस्य  |
| २६) | श्री. नलावडे दिनेश दगडू                                       | अध्यक्ष, प्रभाग समिती क्र. ०३                  |
| २७) | श्री. पांडे हंसु कमलकुमार                                     | गटनेता   |
| २८) | श्रीम. पाटील सुनिता कैलास                                     | सदस्या   |
| २९) | श्रीम. पाटील लिला गुरुनाथ                                     | सदस्या   |
| ३०) | श्री. पाटील प्रफुल्ल काशिनाथ                                  | सदस्य  |
| ३१) | श्री. पाटील जयंत महादेव                                       | सदस्य  |
| ३२) | श्री. घरत केशव रामभाऊ   | सदस्य  |
| ३३) | श्रीम. हसनाळे ज्योत्स्ना जालिंदर<br>ऊर्फ<br>शिंदे पुजा प्रताप | सदस्या   |
| ३४) | श्रीम. वाडे जिवी हिरा   | सदस्या   |
| ३५) | श्रीम. अनिता जयवंत पाटील                                      | सदस्या   |
| ३६) | श्री. गावंड हरेश लक्ष्मण                                      | सदस्य  |
| ३७) | श्री. आसिफ गुलाम पटेल   | सदस्य  |
| ३८) | श्री. भोईर सुर्यकांत अनंतराव                                  | सदस्य  |
| ३९) | श्रीम. सुरेखा यशवंत गायकवाड                                   | सदस्या   |
| ४०) | श्री. मोदी चंद्रकांत भिकालाल                                  | सदस्य  |

|     |                                 |  |
|-----|---------------------------------|--|
| ४१) | श्री. खान शफीक अहमद             | सदस्य                                    |
| ४२) | श्रीम. सय्यद नुरजहाँ नझरहुसेन   | अध्यक्षा, प्रभाग समिती क्र. ०४           |
| ४३) | श्रीम. उमा विश्वनाथ सपार        | सदस्या                                   |
| ४४) | श्रीम. फॅरो ग्रिटा स्टीफन       | सदस्या                                   |
| ४५) | श्री. रोहिदास आत्माराम पाटील    | सभापती, आरोग्य परिरक्षण समिती            |
| ४६) | श्री. कुरेशी याकुब इस्माईल      | सदस्य                                    |
| ४७) | श्री. पाटील अशोक पांडुरंग       | सदस्य                                    |
| ४८) | श्री. कोलासो लिओ इजिदोर         | अध्यक्ष, प्रभाग समिती क्र. ०१            |
| ४९) | श्रीम. जेन्वी युस्टस आल्मेडा    | सदस्या                                   |
| ५०) | श्रीम. ऊर्मिला कोमल भामरे       | सदस्या                                   |
| ५१) | श्री. घोन्सालवीस जोजफ जॉन       | सदस्य                                    |
| ५२) | श्री. कोलासो जेम्स इजिदोर       | सदस्य                                    |
| ५३) | श्रीम. पाटील भानु भगवान         | सदस्या                                   |
| ५४) | श्रीम. जैन गिता भरत             | सदस्या                                   |
| ५५) | श्रीम. शाह रिटा सुभाष           | सदस्या                                   |
| ५६) | श्रीम. चौहाण महेंद्रसिंग        | अध्यक्ष, प्रभाग समिती क्र. ०२            |
| ५७) | श्री. पाटील ध्रुवकिशोर मन्साराम | सदस्य                                    |
| ५८) | श्री. पाटील रतन कृष्णा          | गटनेता                                   |
| ५९) | श्री. पाटील शरद केशव            | सदस्य                                    |
| ६०) | श्रीम. गोयंका सुधा लक्ष्मीकांत  | सदस्या                                   |
| ६१) | श्री. मोहन मधुकर पाटील          | सदस्य                                    |
| ६२) | श्री. शशिकांत जगन्नाथ भोईर      | गटनेता                                   |
| ६३) | श्रीम. मुक्ता प्रविण रांजणकर    | सदस्या                                   |
| ६४) | श्री. प्रेमनाथ गजानन पाटील      | सदस्य                                    |
| ६५) | श्रीम. नाईक शुभांगी सिताराम     | सदस्या                                   |
| ६६) | श्री. मेहता नरेंद्र             | सदस्य                                    |
| ६७) | श्री. तुळशिदास दत्तु म्हात्रे   | सदस्य                                    |
| ६८) | श्रीम. जानी कैलासबेन दिनेशचंद्र | सदस्या                                   |
| ६९) | श्रीम. शाह रक्षा एस.            | सदस्या                                   |
| ७०) | श्री. पाटील मिलन गोविंदराव      | सदस्य                                    |
| ७१) | श्री. जैन रमेश धरमचंद           | सदस्य                                    |
| ७२) | श्री. ठाकूर प्रकाश पांडुरंग     | नामनिर्देशित सदस्य (सभापती, शिक्षण मंडळ) |
| ७३) | श्री. दुबोले प्रकाश शंकर        | नामनिर्देशित सदस्य                       |
| ७४) | श्री. पांगे संजय नारायण         | नामनिर्देशित सदस्य                       |
| ७५) | श्री. सुवर्णा रोहित मोहनचंद्र   | नामनिर्देशित सदस्य                       |
| ७६) | श्री. टेरी पॉल परेरा            | नामनिर्देशित सदस्य                       |

### गैरहजर सदस्य

|    |                                |        |
|----|--------------------------------|--------|
| १) | श्री. रविंद्र भीमदेव माळी      | गटनेता |
| २) | श्री. रॉड्रिक्स मॉरस जोजफ      | सदस्य  |
| ३) | श्रीम. नरावत भवरीकुंवर चैनसिंह | सदस्या |

### रजेचा अर्ज दिलेले सदस्य

|    |                                |                 |
|----|--------------------------------|-----------------|
| १) | श्री. पाटील परशुराम दामोदर     | विरोधी पक्षनेता |
| २) | श्री. गावंड आत्माराम बाळाराम   | सदस्य           |
| ३) | श्री. म्हात्रे परशुराम पद्माकर | सदस्य           |
| ४) | श्रीम. मेंडोंसा मायरा गिल्बर्ट | प्रथम महापौर    |
| ५) | श्री. शशिकांत रतिलाल शहा       | सदस्य           |

(“वंदे मातरम” राष्ट्रीय गीताने सभेला सुरुवात करण्यात आली. )

### मा. महापौर :-

०६ डिसेंबर, २००६ ची सभा. नमस्कार. घटनेचे शिल्पकार महामानव डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर यांच्या ५० व्या महापरिनिर्वाण दिनी भावपूर्ण श्रद्धांजली व त्यांच्या क्रांतीकारी विचारांना कोटी कोटी अभिवादन! या घटनेमुळेच आज मिरा भाईंदरची महापौर होण्याचा बहुमान दिला आहे. महापालिकेच्या सभागृहात उपस्थित असलेले मा. उपमहापौर चंद्रकांत वैतीजी, या शहराचे आयुक्त सुदामरावजी गायकवाड साहेब, तसेच उपस्थित असलेले सर्व स्थायी समिती सभापती उपस्थित असलेले सर्व समितीचे सभापती, उपस्थित असलेले सर्व गटनेते, विरोधी पक्षनेते, तसेच नगरसेविका, नगरसेवक या शहराचे सचिव हरेश पाटील साहेब, सर्व प्रभाग समितीचे अध्यक्ष, सभापती, उपस्थित असलेले उपायुक्त, सन्मा. सर्व सदस्य, प्रेक्षक गॅलेरीत उपस्थित असलेले सर्व बंधू आणि भगीनींनो, पत्रकार गॅलेरीत उपस्थित असलेले सर्व पत्रकार, मिरा भाईंदर शहरातील काही खेळांडूंनी आंतरराष्ट्रीय स्तरावर पुरस्कार प्राप्त करून आपल्या मिरा भाईंदर शहराचे नावलौकिक वाढवलेले आहे, याचा आपण सर्वांना अभिमान आहे. आजच्या या महासभेत सदर व्यक्तींचा सत्कार आयोजित केलेला आहे. भाईंदर (पू.) काशीमीरा येथील श्री. वासुदेव टी. कामत यांच्या चित्रास अमेरिकेतील पोर्टेट सोसायटी ऑफ अमेरीका या संस्थेमार्फत आयोजित केलेल्या इंटरनॅशनल पोर्टेट कॉम्पीटीशनमध्ये सर्वोच्च पदाने (ग्रॅन्ट प्राईज) सन्मानित करण्यात आले. श्री. वासुदेव टी. कामत यांनी पुरस्कार प्राप्त केलेला आहे. सदर व्यक्ती मिरा भाईंदर शहराचे नागरीक असून, यांनी प्राप्त केलेला पुरस्कार ही अभिमानास्पद गोष्ट आहे. सभागृहाच्या वतीने तसेच शहरातील नागरीकांच्या वतीने त्यांचे अभिनंदन करते. डी.पी. रस्त्यामधील ज्या लोकांची घरे जातील त्यांना घरे देण्याबाबत धोरण निश्चित पटलावर आहे. विकास आराखड्यामध्ये जे आरक्षण दर्शविले आहेत ती आरक्षण विकसित करणेबाबत ठरविले आहे. तसेच बऱ्याच दिवसांपासून कर्मचाऱ्यांच्या पदोन्नती विषयी आपल्या माहितीसाठी विषय ठेवले आहे. पुढील येणाऱ्या नाताळ सणाच्या तसेच नुतन वर्षाच्या सर्वांना हार्दिक शुभेच्छा. धन्यवाद! सचिवजी सभेच्या कामकाजाला सुरुवात करावी.

(नगरसचिवांनी विषयपत्रिकेचे वाचन केले.)

### नगरसचिव :-

आजच्या सभेत प्रथम मा. महापौरांनी घोषित केल्याप्रमाणे मिरा भाईंदर हद्दीतील श्री. वासुदेव टी. कामत यांच्या केलेल्या इंटरनॅशनल फोटोग्राफमध्ये सर्वोच्च ग्रॅन्ट प्राईजेस सन्मानित करण्यात आले. ही अभिमानास्पद बाब आहे. आपण प्राप्त केलेल्या पुरस्काराबद्दल मिरा भाईंदर शहराच्या तमाम नागरिकांच्या वतीने, महापालिकेतर्फे आपण केलेल्या कामगिरीबद्दल आपणांस सदरचे प्रमाणपत्र देवून गौरविण्यात येत आहे. मी श्री. वासुदेव टी. कामत यांना सभागृहाच्या परवानगीने मंचावर येऊन आपला सत्कार स्विकारायचा आहे. त्यांचा सत्कार मा. महापौर मॅडम करत आहेत. त्यांना शाल, श्रीफळ व स्मृतिचिन्ह देवून त्यांचा सत्कार करण्यात येत आहे.

### सुरेखा गायकवाड :-

मा. महापौर मॅडम, आपल्या परवानगीने बोलत आहे की, दि. १३ एप्रिल, २००५ रोजी डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर यांचा पुतळा बसवावा असा मी ठराव मांडला होता. मॅडम, आपण आज भूमिपूजन केलेले आहे. मी सर्व समाजाच्यावतीने व मिरा भाईंदर वासियांच्यावतीने आपल्याला धन्यवाद देते. मा. उपमहापौर श्री. चंद्रकांत वैती साहेब आपल्यालाही धन्यवाद देते. आज डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर यांच्या ५० व्या महानिर्वाण दिनी आपण मिटींग लावलेली आहे. पण आपण ही सभा लावायला नको होती. आज जगभरातून लोक दादर चैत्यभूमीवर येत आहेत आणि आपण मिरा भाईंदर वासियांतर्फे खरं म्हणजे मिटींग ठेवायला नको होती. तरीही आपण ही मिटींग कशी काय लावली? आपण त्या समाजाच्या आहात. आमचे आयुक्त साहेबसुध्दा बौध्द समाजाचे आहेत. साहेब, आपण हा सर्व विचार करून मिटींग लावायला पाहिजे. मिटींग लावताना आपण विचार केलेला नाही. त्यामुळे आम्ही दुःखी आहोत.

### नगरसचिव :-

श्री. वासुदेव कामत हे आपले मनोगत व्यक्त करत आहेत.

### वासुदेव कामत :-

नमस्कार. आपण सर्वांनी मिळून एका कलावंताचा याठिकाणी जो सत्कार आणि सन्मान केला, याबद्दल मी आपणा सर्वांचा अत्यंत ऋणी आहे. अकबराच्या दरबारी जसे नवरत्न होते, शहाजानच्या दरबारी जसे नवरत्न होते. राजा भोजाच्या दरबारी नवरत्न होती. ती नवरत्नाची खाण आपल्या देशामध्ये फार पूर्वीपासून आजतागयत आहे. आपल्या या मिरा भाईंदर महानगरपालिकेमधला मी एक छोटासा रहिवासी, छोटासा कलावंत आहे. परंतु, आपण ज्याप्रमाणे घरोघरी जावून वेगवेगळी माहिती घेत असतो. त्यात एक थोडीशी भर टाकावी की, आपल्याकडे कितीतरी साहित्यिक आहेत. कवी आहेत, आपल्याकडे कितीतरी कलावंत आहेत, शिल्पकार आहेत. घरातल्या प्रत्येक व्यक्तीच्या नोंदणीबरोबर त्यांच्या बरोबर असलेल्या कलावंताची ही नोंद घेतली जावी आणि ही घेतली जाईल अशी मला खात्री आहे. आपणा सर्वांचे पुनश्च मनपूर्वक अभिनंदन करतो. धन्यवाद देतो.

**आसिफ शेख :-**

महामानव भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर यांना सर्वप्रथम मी कोटी कोटी अभिवादन करतो आणि सन्मा. महापौर साहेबा, आजच्या ऐतिहासिक दिनी ५० व्या डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर यांच्या महापरिनिर्वाण दिनानिमित्त आजची ही मा. महासभा लावली. या सभेमध्ये अनेक विकासात्मक विषय विषयपटलावर घेतले. त्याबद्दल मी आपणांस धन्यवाद व्यक्त करतो की, चांगल्या दिनी आपण चांगला शुभारंभ केलेला आहे. त्याबद्दल ही मी आपणांस या ठिकाणी धन्यवाद देतो. डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर यांची अशी शिकवण आहे की, स्वातंत्रता, समता आणि विश्वबंधुता ही शिकवण आपल्याला दिलेली आहे. त्याचप्रमाणे शिका, संघटित व्हा आणि संघर्ष करा. त्याप्रमाणे आपण एखाद्या गोष्टीविरुद्ध जर आपल्यावर अन्याय झाला असेल तर अन्यायाविरुद्ध लढण्यासाठी देखिल संघटित व्हायला पाहिजे आणि जी शिकवण डॉ. बाबासाहेब आंबेडकरांनी आपल्याला दिलेली आहे त्या शिकवणीला अनुसरूनच मी याठिकाणी आपणांस सांगू इच्छितो की, अन्यायाविरुद्ध जर लढायचे असेल तर त्यासाठी आपल्याला शिकले पाहिजे, संघटित व्हायला पाहिजे आणि लढा दिला पाहिजे. आज आपण बघतोय की, आपल्या शहरात देखिल आपल्या या शहराचे शिल्पकार आणि प्रथम नगराध्यक्ष श्री. गिल्बर्ट जॉन मॅन्डोसा साहेब यांच्यावर विरोधक वेळोवेळी वारंवार ऐन-केन प्रकारे त्यांना अडचणीत आणण्याचा प्रयत्न करित आहेत. दहा-बारा वर्षापूर्वी ज्या घटना घडलेल्या आहेत त्या घटनांची पुनरावृत्ती करुन त्यांना कसे कचाट्यात पकडता येईल, त्यांना कसे बदनाम करता येईल.

**मिलन म्हात्रे :-**

कोर्टाचे येथे बोलू नका. जे काय कामाचे आहे त्या कामाचे बोला. विरोधकांनी कोर्टामध्ये केस केली आहे जर तुमची बाजू खरी असेल तर आपण खरे ठराल. बाबासाहेब आंबेडकरांनी खोटं बोलायला शिकवले नाही. हे कळले का? फक्त मुद्दयाचे तेवढे बोला. एवढं बोला की, हायकोर्टामध्ये जी केस केलेली आहे ती खोटी केस केलेली आहे तेवढे बोला हिंमत असेल तर तो विषय बोलू नका बाकी सगळं बोला.

**आसिफ शेख :-**

या पार्श्वभूमीवर, विरोधकांनी नकारात्मक.....

**मिलन म्हात्रे :-**

ते बोलायचे नाही. डॉ. आंबेडकरांनी हे शिकवलेले नाही की खोटं बोलायचे. आपण डॉ. बाबासाहेब आंबेडकरांचे नाव घेऊन लबाडी करु नका. कोर्टाचा विषय आपण कशाला बोलता? आमच्यामध्ये हिंमत आहे म्हणून आम्ही कोर्टात गेलो. तर आपणही कोर्टात जा.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य मिलन म्हात्रे एक सदस्य बोलत असताना आपण बसून घ्या.

**मिलन म्हात्रे :-**

मॅडम, ते वाटेल तसे विषयाला सोडून बोलतात त्यांना डेकोरेम पाळायला सांगा.

**मिलन म्हात्रे :-**

न्यायालयाची बाजू आहे तर त्यांना न्यायालयात भांडायला सांगा ना.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य आपण बसून घ्या.

**महेंद्रसिंग चौहाण :-**

मॅडम, बिच मे बोलने का अधिकार मत दिजिए। अगर दुसरा नगरसेवक बोल रहा है तो।

(सभागृहात गोंधळ)

**मिलन म्हात्रे :-**

आपण बोलायचे नाही. आपण कोर्टाची बाजू कोर्टामध्ये करा. आपण वकील केलेला आहे ना. तो तिथे लढेल. हे येथे बोलायचे नाही. आपण आपले भाषण करा. हे डॉ. बाबासाहेब आंबेडकरांनी दलाली करायला शिकवले नाही. शिका, संघटित व्हा आणि संघर्ष करा असे सांगितले आहे. आम्ही संघर्ष केलेला आहे आणि आज ही तुमच्या बरोबर संघर्ष करतो व पुढेही करु. बाबासाहेबांची शिकवण तुम्ही आम्हाला शिकवायची नाही. आपण ते जरा आचरणात आणा.

**आसिफ शेख :-**

हे मी आपल्याला सांगितलेले नाही. हे मी सभागृहात बोलत आहे ना.

**मिलन म्हात्रे :-**

आपण कोणाला शिकवता? विरोधक आम्ही आहोत. तुम्ही सांगायचे कशाला? तुम्ही जे बोलता ते आम्हाळा कळत नाही का?

**आसिफ शेख :-**

तुमच्या मताशी इतर लोक सहमत असतील. परंतु, मी सभागृहात बोलत आहे.

**मिलन म्हात्रे :-**

मॅडम, सभागृहात या विषयी बोलायचे नाही.

**आसिफ शेख :-**

याबाबत आपण नंतर बोला ना.

**मिलन म्हात्रे :-**

तुमची हिम्मत असेल तर बोला ना की, न्यायालयात केस झालेली आहे ती चुकीची आहे. हिम्मत असेल तर ते बोला. बाबासाहेबांनी ते शिकवले आहे. बाबासाहेबांनी शिकवले आहे की, नेहमी खरं बोला. खोटं बोलायला शिकवले नाही.

**आसिफ शेख :-**

आमच्याकडे बुद्धी आहे आम्ही जे समजतो.

**मिलन म्हात्रे :-**

आणि आन्यायाच्या विरोधात लढा. आम्ही ते करत आहोत आणि तुम्ही लाचारी करता.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य मिलन म्हात्रे आपण बसून घ्या.

**आसिफ शेख :-**

याठिकाणी श्री. गिल्बर्ट मेन्डोसा साहेबांवर जो अन्याय झालेला आहे त्यांना जे दुःख झाले आहे, आम्हालाही अति दुःख झालेले आहे की, आमच्यावर नेत्यावर विरोधक वारंवार अनेकप्रकारे विरोधक हल्ले करत आहेत आणि आगामी निवडणुका लक्षात ठेवूनच हे संपूर्ण चाललेले आहे. काही लोक पडद्यामागून राजकारण करत आहेत तर काही पडद्यासमोर येत आहेत. तर अशापध्दतीने चाललेले आहे व या शहराचे शिल्पकार म्हणून त्यांची ख्याती प्रसिध्द आहे आणि महत्वाची .....

**मिलन म्हात्रे :-**

जे वादग्रस्त नाव आहे त्याच्यात तुमचेही नाव आहे. त्या तक्रारीमध्ये तुमचेही नाव आहे. त्यामुळे मेहरबानी करून खाली बसा आणि अजून बरच काय होणार आहे. आता ही सुरुवात आहे. "यह तो सिर्फ झाकी है। सब लडाई बाकी है।" ,

**रोहिदास पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, आमची विनंती आहे की, जेथे जे होत आहे तसे नाही व्हायला पाहिजे. आपण समज घायला पाहिजे हे कामकाजातले नाही.

(सभागृहात गोंधळ)

**मा. महापौर :-**

आपण सर्वानी बसून घ्या.

**महेंद्रसिंग चौहाण :-**

मॅडम, आप इनको बिच मे क्यो बोलने दे रहे है।

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य विषयाला धरून बोलावे.

**आसिफ शेख :-**

मॅडम, याठिकाणी आमच्या नेत्यांचे दुःख आम्हाला बघवत नाही. आम्हालाही अतिशय दुःख झालेले आहे.

**मिलन म्हात्रे :-**

तो तुमचा नेता आहे. आमचा नाही. तुम्ही जा ना कोर्टात. कोर्टांमध्ये जा आणि लढा. मोठा कौन्सिल दिला आहे ना. ते त्यांचे काम करतात. तुम्ही तुमचे काम करा.

**आसिफ शेख :-**

आम्हाल हे दुःख आतोनात झाले आहे.

**मिलन म्हात्रे :-**

तो आमचा नेता नाही. तो तुमचा नेता आहे आणि तुमचा नेता काय लायकीचा आहे ते आता दिसेल.

**रोहिदास पाटील :-**

मॅडम, हे संपूर्ण वक्तव्य कामकाजातून काढा. त्यांना समज द्या. आज अति महत्वाचा दिवस आहे. असे कसे.

**आसिफ शेख :-**

मा. महापौर मॅडम, याठिकाणी मी माझ्या सदस्य पदाचा राजीनामा देत आहे. आपण मला संधी दिली त्याबद्दल धन्यवाद. जय राष्ट्रवादी.

**रोहित सुवर्णा :-**

सन्मा. सदस्य आसिफ शेख साहेब, आपण आपला राजीनामा आयुक्त साहेबांकडे घायचा आहे. मा. महापौरांना नाही.

(सन्मा. सदस्य आसिफ शेख यांनी सकाळी ११.५० वा. मा. महापौर यांच्याकडे राजीनामा सुपूर्द करून सभागृहातून बाहेर गेले.)

**रोहिदास पाटील :-**

मॅडम, जर राजीनामा दिला असेल तर याच्यावर आम्हाला बोलायला लागेल.

**सुरेखा गायकवाड :-**

मा. महापौर मॅडम, माझी एक सुचना आहे की, मा. महापौर मॅडम आपल्या परवानगीने बोलत आहे की, भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब, आंबेडकर यांचा पूर्णआकृती पुतळा व अर्ध पुतळा आपण येणाऱ्या १४ एप्रिलच्या आतमध्ये दोन्हीही ठिकाणी बसवावे. अशी मी आपल्याला विनंती करते.

**रोहिदास पाटील :-**

मॅडम, याचा खुलासा करा. त्यांनी राजीनामा दिला आहे की, काय दिले आहे? त्यांनी तुम्हाला दिलेल्या पत्रात राजीनामा दिला की, काय दिले ते वाचून दाखवा. येऊ दे त्यांनी तेवढे घाईघाईने बोलून गेलेले आहेत. ते पत्र आहे ते सचिवांना वाचायला सांगा.

**रोहित सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडम, राजीनामा आहे की, रजानामा आहे?

**मा. महापौर :-**

आपण बसून घ्या. आपल्याला कळेल.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

सन्मा. सभागृह मोबाईलवर चालते की, काय? मग आम्ही सुध्दा आमचे काम मोबाईलवर सुरु करू. सभागृहाचे कामकाज सुरु असताना मोबाईलवर किती बोलावे ह्याचासुध्दा संयम ठेवला पाहिजे. सभागृहाचे कामकाज चालू करा. सचिव आम्हालाही दुसरी कामे आहेत.

**रोहित सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडम, जो राजीनामा दिलेला आहे त्याचे सभागृहात वाचन करावे.

**रोहिदास पाटील :-**

जे पत्र दिलेले आहे ते वाचायला काय हरकत आहे? आमच्या पक्षाचे अभिवादन व्हायचे बाकी आहे. सभागृह आहे ते सभाशास्त्राप्रमाणे चालवा. घाई कशाला? असे ही असा वेळ जात आहे. एक शब्द जरी बोलायचा असेल तर बोलायला दिला पाहिजे.

**रोहित सुवर्णा :-**

जो राजीनामा दिलेला आहे तो राजीनामा पत्र वाचून दाखवा की, त्याच्यात काय लिहिलेले आहे?

**मिलन पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, तो राजीनामा तुमच्याकडे दिलेला आहे. त्यामुळे सभागृहाला वाचून दाखविण्याची काही आवश्यकता नाही. हा पार्टीचा प्रश्न आहे. हा आपला अधिकार आहे.

(सभागृहात गोंधळ)

**रोहित सुवर्णा :-**

पार्टीचा प्रश्न पार्टीमध्ये जावून सोडवा. पार्टीच्या ऑफिसमध्ये जावून राजीनामा द्या.

**रतन पाटील :-**

हे पार्टीचे कार्यालय नाही.

**रोहित सुवर्णा :-**

हे पार्टीचे कार्यालय नाही. हे तुमच्या राष्ट्रवादीचे कार्यालय नाही. ही महासभा आहे.

**हॅरल बोर्जीस :-**

सन्मा. महापौर मॅडम, मा. महासभेच्या विषयालासुरुवात झाल्यानंतर सन्मा. सदस्य आसिफ शेख यांनी सभागृहामध्ये आपल्याला जे पत्र दिलेले आहे. वास्तविक मा. महासभा सुरु असताना एखादे पत्र एखाद्या सदस्यांनी दिले तर नियमाप्रमाणे त्याचे वाचन सभागृहासमोर व्हायला पाहिजे आणि सर्व सन्मा. सदस्यांची सुध्दा तीच इच्छा आहे. मी आपल्याला सभागृहाच्यावतीने विनंती करतो की, कृपया सचिवांना सांगून त्यापत्राचे वाचन करावे.

**रोहित सुवर्णा :-**

सभागृह नेते आम्ही आपले आभारी आहोत.

(मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने नगरसचिवांनी सन्मा. सदस्य आसिफ शेख यांनी दिलेल्या पत्राचे वाचन केले.)

**रोहिदास पाटील :-**

ते अॅडरेस कोणाला केलेले आहे?

**मिलन म्हात्रे :-**

सचिव किंवा मा. महापौर आहेत का? येथे श्री. गिल्बर्ट मेन्डोसाचा काय संबंध आहे? मा. आयुक्त साहेबांच्या नावे देवून येथे फुकटची नाटकं करू नका आणि कोणाचा वेळ खराब करू नका.

**रोहिदास पाटील :-**

हे सभागृह आहे. ही काही चावडी नाही.

**मिलन म्हात्रे :-**

त्यांनी बंगल्यावर जावून राजीनामा द्यायचा येथे द्यायचा नाही.

**रोहिदास पाटील :-**

हे सभाशास्त्र आहे त्याला महत्व आहे. ते एम.कॉम झालेले आहेत आणि या सभागृहात ते एकमेव सदस्य सुशिक्षित आहेत. म्हणजे उच्च शिक्षित आहेत आणि त्यांनी असे करावे. ही काय चावडी आहे का? त्यांनी हे पत्र दिलेच कसे? ह्याच्याबद्दल मा. महापौर मॅडम यांनी निवेदन करायला पाहिजे की, आपण काय कार्यवाही करणार? अन्यथा आम्ही मागणी करू.

**रिटा शाह :-**

मा. महापौर मॅडम, सन्मा. सदस्य आसिफ शेख हे एक अभ्यासू आणि एज्युकेटेड पर्सन आहेत आणि राजीनामा नेमकं कुठे द्यायचे आणि कोणाकडे द्यायचे ह्याची त्यांना जाणीव आहे. मला असे वाटते की, सभागृहाचे मागील १५-२० मिनिट त्यांनी खराब केलेली आहे. कारण राजीनामा द्यायचाच असेल तर पहिल्यांदा कलेक्टर यांच्याकडे सुपूर्द करायला लागते. नंतर मा. महापौरांकडे किंवा मा. आयुक्तांकडे .....

**रोहित सुवर्णा :-**

कलेक्टरकडे नाही कमिशनरकडे राजीनामा द्यायचा असतो.

**रोहिदास पाटील :-**

हे अशातले सभागृह नाही.

**रिटा शाह :-**

त्यांनी कमिशनर साहेबांकडे सुपूर्द करायला पाहिजे आणि सभागृहाचा एवढा वेळ वाया घालवायला आहे. आता आपण सभेला सुरुवात करा.

**रोहिदास पाटील :-**

त्यांनी त्यांचा राजीनामा मा. आयुक्तांकडे येऊन द्यावा ना. नाहीतर पक्षाच्या सचिवांकडे द्यावा. सभागृहात का?

**रोहित सुवर्णा :-**

राजीनामा देताना नोटीस द्यावी लागते.

**महेंद्रसिंग चौहान :-**

मॅडम, इसको कार्यवाही से निकाल दिजीए। सही मायने मे यह सभा मे देने की काई भी जरूरत नहीं थी। अगर राजीनामा देना ही था तो पार्टी अध्यक्ष को देते। यह सभा का जो समय खराब हुआ उसे कार्यवाही से निकाल दिजीए।

**रतन पाटील :-**

मा. महापौर मॅडमच्या परवागनीने बोलत आहे. जे पत्र आपल्या नावाने नाही त्याचा आपण स्विकार केला कसा? हा वेळ कशाला घालवला. आपल्या नावाने हे पत्र होते का? कशाला सभागृहाचा वेळ वाया घालवता? ते एम.कॉ.चा लॉग फॉर्म काय आहे ते माहित आहे का, मेयर क्वालिफिकेशन. मा. महापौरांना विनंती करत आहे की, आपण सभागृहाचा वेळ वाया घालवू नका.

(सभागृहात गोंधळ.)

**रोहिदास पाटील :-**

आजचा दिवस वेगळा आहे. आपण सभेला आहोत. अशाने प्रतिमा उंचावणार नाही. सगळे पत्रकार आहेत. सगळी लोक आहेत. सभागृह जागृत आहेत. तुम्हाला जरी वाटत असेल की, तुम्ही काय करता हे कोणाच्या लक्षात येणार नाही. ते छापणारे बसलेले आहेत. पण आजच्या अति महत्त्वाच्या दिवशी जी घटना घडली तो योग्य नाही. आपण आज सकाळी मा. महापौरांच्या वतीने सकाळी महापरिनिर्वाण निमित्त पुष्पांजलीचा जो कार्यक्रम झाला व अन्य सदस्यांनी सांगितले की आज सभा कशी लावली? हा सगळा जरी चर्चेला विषय असेल तरी आम्हाला असे वाटते की, हे जे सकाळी चालले किंवा एकतर चांगली सुरुवात की, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकरांचा पुतळा तुम्ही कायदेशीर मी पुतळ्या वरून बोलत आहे. कारण त्यानंतर मी लगेच एक ठराव देणार आहे की, या देशामध्ये एका पुतळ्यावरून अनेक प्रसंग उद्भवले त्याचे परिणाम जास्तीत जास्त महाराष्ट्रात भोगले जातात. आम जनतेला ते परिणाम भोगायला लागले. भंडारा जिल्ह्यातील खैराजली गावात दि. २९ सप्टेंबर, २००६ रोजी बोटमांगी या दलित कुटूंबातील चौघांची विटंबना करून अमानूष हत्या करण्यात आली व दि. १५ नोव्हेंबर, २००६ पर्यंत सरकारला त्याची कोणतीही माहिती नव्हती ही खेदाची बाब आहे. माणुसकीला काळीमा फासणाऱ्या या घटनेचा ही सभा निषेध करत आहे व गुन्हेगारांना अत्यंत कडक शिक्षा करावी. असा ठराव मांडत आहे. असा मी ठराव मांडत आहे.

**शरद पाटील :-**

अनुमोदन आहे.

**रोहिदास पाटील :-**

या ठरावाला सन्मा. सदस्य शरद पाटील यांचे अनुमोदन आहे आणि यात माझी सुचना आहे की, हा पुतळा करतेवेळी आम्ही अशी अपेक्षा करतो की, शासनाकडून आवश्यक असलेल्या सर्व परवानग्या आपण

घेतल्या आहेत. सर्व नियमानुसार तो पुतळा व्हावा. त्याच्या संरक्षणाची जबाबदारी असावी कारण आता पुतळा लावणे हे सोपं आहे. पण पुतळा सांभाळणे कठिण आहे. त्यामुळे अनेक मान्यवरांच्या, विचारवंतांच्या, शासनकर्त्यांच्या किंवा सामान्य नागरिकांच्या ही त्याबाबतीत वेगवेगळ्या भावना निर्माण व्हायला लागल्या आहेत. मग ते पेपरमध्ये छापून यायला लागले आहे. त्यामुळे आपण त्या सर्व बाबींची दखल घेऊन त्या पुतळ्याचे जितक्या लवकर होईल तितक्या लवकर अनावरण करावे आणि मी पुन्हा एकदा मा. आयुक्तांना, मा. महापौरांना त्याबद्दल धन्यवाद देतो.

**मोहन पाटील :-**

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलत आहे की, सन्मा. सदस्य आसिफ शेख व सन्मा. सदस्य महेंद्रसिंग चौहाण यांनी मघाशी आमचे सन्मा. सदस्य व बीजेपीचे सहकारी मित्र यांच्या दोघांमध्ये मघाशी जे काही संभाषण झाले ते संभाषण आणि सन्मा. सदस्य आसिफ शेख यांनी जो राजीनामा दिला. याचे इतिवृत्तांमध्ये भाषण होऊ नये. याबद्दल मी आपल्याला विनंती करतो. कृपया ते इतिवृत्तांतून वगळावे.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य आसिफ शेख व महेंद्रसिंग चौहाण यांनी केलेले वक्तव्य तसेच त्याच्या संदर्भात झालेले वक्तव्य हे आजच्या कामकाजातून वगळून टाकण्यात येत आहे. या विषयावर जे काही वक्तव्य झाले आहे ते कामकाजातून सचिवांनी वगळून टाकावे.

**रोहिदास पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, मी जो ठराव ठेवला आहे त्याबाबत निवेदन करा ना की, गुन्हेगारांना शिक्षा झाली पाहिजे व ठराव मंजूर झाला असे बोलायला पाहिजे ना.

**नगरसचिव :-**

दु. १२.१५ मि. झालेली आहेत. प्रश्न क्र. ७२ श्री. रमेश जैन यांचा प्रश्न आहे.

**डॉ. रमेश जैन :-**

मैने २००५ साल को प्रशासन को पत्र लिखा था और प्रशासनने देड साल के बाद मुझे जवाब दिया है की, दि. २८/०२/२००६ की महानगरपालिका आस्थापनेवरील वर्ग-२, वर्ग-१ पर्यवेक्षकीय पद को पदोन्नती दिया है। इसके लिए मैं प्रशासन को धन्यवाद देता हूँ और प्रशासनने जो जवाब दिया है। उसको विश्वास में रखकर मैं अपना समाधान करता हूँ। धन्यवाद।

**नगरसचिव :-**

प्रश्न क्र. ७३ सन्मा. सदस्य श्री. ओमप्रकाश गंगाधर अग्रवाल यांचा प्रश्न आहे.

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

मा. महापौर मॅडम, हा जो प्रश्न आहे तर या शहरासाठी अत्यंत महत्वाचा आहे. कारण आज या मिरा भाईंदर महानगरपालिकेमध्ये पार्श्वभूमीमध्ये अनेक बांधकाम अनधिकृतारित्या चालले आहे आणि अनधिकृत बांधकामाला आळा घालण्यासाठी प्रशासनाने अनधिकृत बांधकाम विभाग नेमलेले आहे आणि जे उत्तर दिलेले आहे त्या उत्तरामध्ये जे आपण केले पाहिजे ते आपण अजूनपर्यंत करत नाही. म्हणजे या उत्तराने समाधान मानायचे की खरोखर त्या विभागाने अतिक्रमण झालेल्या ठिकाणी काम केले पाहिजे असे मत या सभागृहाचे असले पाहिजे. याच्यात स्पष्टपणा असला पाहिजे. कारण अशा अनधिकृत बांधकामाबद्दल अनेक लोकांनी तक्रार केलेली आहे. तसेच, सर्व्हिस रोडबाबत मिरा भाईंदर परिसरामध्ये जो विषय चालला आहे तर भारतीय जनता पक्षाने महापालिकेचा सर्व्हिस रोडवर अनधिकृत बांधकाम होत आहे हे पत्र देवून त्याच्यावर आम्ही उपोषण करणार. ही बाब प्रशासनाकडे दाखवून सुध्दा त्याबद्दल प्रशासन अजूनही काही करत नाही. आताच नुकते महाराष्ट्र टाईम्समध्ये मा. महापौर मॅडमच्या बंगल्याच्या मागे अनधिकृत बांधकाम रवी डेव्हलपर्सचे बांधकाम तोडले, ते ही परवानगी न घेता. त्याने बांधकाम केले. ते बांधकाम किती मजल्याचे होते? म्हणजे हे बघण्याचे काम, जर आपण या प्रश्नोत्तरामध्ये बघितले तर क्षेत्रिय अधिकारी आहे की नाही? या शहरात बांधकाम विभाग आहे किंवा नाही? नगररचना विभाग आहे किंवा नाही? त्या रवी डेव्हलपर्सने बांधकाम केले आणि ते ही महापौरांच्या बंगल्याच्या मागे ते तोडल्यानंतर या अनधिकृत बांधकाम विभागाने मोठी कार्यवाही केली म्हणून महाराष्ट्र टाईम्समध्ये मोठी बातमी आली, फोटो आला आणि त्या ठिकाणी प्रत्यक्ष काय केले आहे ते प्रशासनाने बघितले आहे का? आयुक्त साहेब, आपण जर महाराष्ट्र टाईम्सची बातमी बघितली. परवानगी न घेता त्याने बांधकाम केलेले आहे. म्हणजे किती कार्यवाही केली आहे याचे निवेदन झाले तर बरे होईल.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य ओमप्रकाश अग्रवालजी आपण जे विचारलेले प्रश्न आहेत त्याचे उत्तर आपल्याला मिळालेले आहे.

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

मा. महापौर मॅडम, प्रशासनाने या उत्तराच्या संदर्भामध्ये जे काम केले पाहिजे ते काम केलेले नाही म्हणून आम्ही फक्त प्रशासनाचे उत्तर मिळाले म्हणून समाधान मानायचे का? म्हणजे जे काम अधिकाऱ्यांचे आहे ते अधिकारी करत नाही आणि उत्तर दिले म्हणून आम्ही समाधान मानायचे का? म्हणजे या शहरामध्ये चालले आहे की, उत्तर देवून समाधान मानून घ्या. बाकी आमची पुढची जबाबदारी नाही. जर असे प्रश्न



विचारून होत असेल तर मला माझ्या माहितीप्रमाणे असे जर उत्तर द्यायचे असेल व समाधान मानायचे असेल तर सभागृहाला प्रश्न विचारण्यात काही औचित्यच नाही.

**रोहिदास पाटील :-**

मॅडम, सन्मा. सदस्यांनी विचारलेला प्रश्न इतका साधा,सोपा सगळ्यांशी निगडीत आहे. आपण त्या रस्त्यावरून रोज येतात. मा. उपमहापौर रोज येतात. मा. आयुक्त साहेब रोज येतात. सर्व्हिस रोड जो आपल्या मॅपमध्ये दाखवलेला आहे. त्याच्यासाठी आपण बजेट प्रोव्हिजन केलेले आहे. ते काम सुरु होते. त्या सर्व्हिस रोडवर एक सोडून अनेक इमारती बनल्या. हे कोणाच्याही लक्षात येत नाही. तरी मा. महापौर काम करतात म्हणून सांगायचे तरी मा. उपमहापौर काम करतात म्हणून सांगायचे तरी मा. आयुक्त काम करतात म्हणून सांगायचे. हा प्रश्न आहे. एका वाक्यामध्ये याचा असा अर्थ आहे की, अनधिकृत बांधकाम करतेवेळी खरोखर एखाद्या प्लॉटमध्ये होत असेल तर गोष्ट वेगळी आहे. पण ती एखाद्या सार्वजनिक प्लेसमध्ये होते. त्याचेही आपण उत्तर देवू शकत नाही. याबाबत मी आपल्याला आधी ही बोललो होतो. ह्याच विषयाचे आपल्याकडून उत्तर मागत होतो. तेव्हा तुम्हाला संबंधित सल्ला देत होते. तुम्हाला हुकूम करतात. हुकूम नाही तर आम्ही तुम्हाला कर्तव्याची जाणीव करून देतो तुमचे ते कर्तव्य आहे की, सर्व्हिस रोडमध्ये असलेली बांधकामे तोडण्यात येतील. आत्ताच्या आत्ता जी बांधकामे चालू आहेत ती बंद करण्यात येतील असे रुलिंग द्या. ज्याच्यात तुम्ही आजच्या दिवसाला एक मर्दानी काम केले असा तरी निर्णय होईल. आपण निर्णय घ्या ना. ते तुमचे अधिकार आहेत. सभागृहाचे अधिकार आहेत.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य ओमप्रकाश अग्रवालजी ह्यांनी विचारलेल्या प्रश्नाचा संबंधित अधिकाऱ्यांनी खुलासा करावा.

**अजित पाटील :-**

मा. महापौर परवानगीने बोलत आहे की, सन्मा. सदस्य ओमप्रकाश अग्रवाल ह्यांनी जो प्रश्न रवी ग्रुप बांधकामासंबंधी उपस्थित केला. मी आत्ताच १ तारखेला चार्ज घेतलेला आहे. या संदर्भामध्ये .....

**रिटा शाह :-**

साहेब, प्रशासनाने असे उत्तर देवून चालणार नाही. आपण या शहराचे जुनेजाणते आहात.

**अजित पाटील :-**

सन्मा. सदस्यांनी सांगितलेले जे प्रकरण आहे त्याची चौकशी करून पुढच्यावेळेला माहिती देवू. आम्हाला आता त्याची डिटेल्स माहिती नाही की, परवानगी किती घेतली, बांधकाम तोडलेल आहे असे पेपरमध्ये आलेले आहे.

**शुभांगी नाईक :-**

आपल्या जागी यापूर्वी जे अधिकारी होते त्यांना आपण बोलवा. त्यांना विचारा ना. मी देखील यासंदर्भात माझ्या प्रभागाचे लेटर दिले होते. पण मला काहीही उत्तर मिळालेले नाही. अनधिकृत बांधकाम व्हावे असे आपल्याला वाटते का? मग आपण ते तोडत का नाही?

**अजित पाटील :-**

ज्या बांधकामा संदर्भात प्रश्न उपस्थित केलेला आहे. त्या बांधकामाबाबत सविस्तर माहिती मागवून पुढच्या सभेला ती माहिती देवू.

**शुभांगी नाईक :-**

नाही. तसे कसे करू. आपण आता अनधिकृत बांधकामचे उत्तर द्या. आम्हाला थातुरमातूर उत्तरे दिली जातात. बरोबर उत्तरे दिली जात नाही.

**रिटा शाह :-**

श्री. अजित पाटील साहेब, आपण या शहराचे प्रशासकीय अधिकारी राहिले आहात. कुठल्या विभागात पाण्याची लाईन किती इंचाची आहे त्याचेही तुम्हाला नॉलेज आहे आणि कुठे काय बांधकाम चालू आहे, किती वाढवले, किती कमी केले याचे सर्व नॉलेज तुम्हाला आहे. तुम्हाला काय बघायची गरज नाही असे मला वाटते. यु आर कॅपेबल.

**अजित पाटील :-**

आम्हाला जेव्हा प्रश्न विचारला तेव्हा त्याच्यात स्पेसिफिक बांधकामाचा उल्लेख नाही. नाहीतर आता माहिती दिली असती.

**रिटा शाह :-**

आम्हाला असे रुलिंग द्या. अतिक्रमण विभागाचे अधिकारी म्हणून प्लॅनमध्ये त्याच्यापेक्षा जास्त वाढीव बांधकाम केले असेल, अनधिकृत बांधकाम केले असेल तर ताबडतोब तोडण्यात येईल असे आपण काहीतरी अॅक्शन घ्या ना.

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

सचिव साहेब, माझा वेळ आहे. ह्याच्यामुळे माझा वेळ त्याच्यात पेन्डींग आहे जर कोण बोलत असेल तर त्याची नोंद करावी.

**रोहित सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडम, शांती पार्कमध्ये मा. आयुक्त साहेब स्वतः तिथे गेले. गार्डनच्या ठिकाणी बांधकाम चालू आहे. रात्रीचे हॅलोजन लावून बांधकाम करतात आणि मा. आयुक्त साहेब बोलले की, तिथे मी बांधकाम होऊ देणार नाही. ही कालची परिस्थिती आहे आणि मा. आयुक्त साहेबांनी मा. कलेक्टर साहेबांच्या समोर सांगितले की, लोकशाही दिवसामध्ये की ते अनधिकृत बांधकाम आम्ही तोडू. पण मा. आयुक्तांनी ते बांधकाम तोडले नाही. उलट शांती पार्कमध्ये गार्डनच्या जागेवर बिल्डर अनधिकृत बांधकाम करत आहे.

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

मा. महापौर मॅडम, सर्वात महत्वाची गोष्ट ज्या बिल्डींगमध्ये माझे दुकान आहे आणि त्या दुकानापसून १५ फुट अंतरावर महानगरपालिका आहे. ३५ वर्षांची जुनी बिल्डींग आहे आणि त्याठिकाणी स्टेट बँक होती. त्या स्टेट बँकेची संपूर्ण बाहेरची भिंत काढून तिथे एक मोठे शोरूम गॅरेज केलेले आहे. सोसायटीने पत्र दिलेले आहे, मी पत्र दिलेले आहे. तो प्रश्न आम्ही जनता दरबारमध्ये उपस्थित केलेला आहे. कोर्टात सोसायटीवाले गेले. तरी महानगरपालिकेची झोप उडत नाही. १५ फुटावर ते अंतर आहे आणि अशी दादागिरी करतात व उद्या जर बिल्डींग कोसळली, धोकादायक झाली तर आपण फक्त नोटीस देणार की, बिल्डींग खाली करा. ह्याच्या व्यतिरिक्त आपण काहीच करणार नाही. म्हणजे आम्ही तिथे भोगायचे. हे काय चालले आहे आणि मी तर जनता दरबारामध्ये मा. श्री. गणेश नाईक साहेबांना सांगणार आहे की, जर तुमच्या शब्दाचे पालन या महानगरपालिकेत होत नाही तर तुम्हाला जनता दरबार घेण्याचा सुध्दा अधिकार नाही. हे काय चाललेले आहे. आज मी स्वतः आयुक्त साहेबांना बोलून गेला. नंतर माझ्या व्यक्तिगत बोलण्यावरून त्यांनी कुठली अॅक्शन घेतली म्हणून मला पत्र द्यायला लागले. माझे त्या ठिकाणी दुकान आहे. मी स्वतः त्या दुकानाचा मालक आहे आणि त्या दुकानाचा मालक आहे आणि त्या बिल्डिंगमध्ये नगरसेवक आहे आणि दादागिरीने कोणी काम करत आहे. नगरसेवक तक्रार करतात त्याची कोणीही सुनवाई करत नाही. मग कुठे न्याय मागचे हे आपण आम्हाला फक्त सांगा. फक्त प्रश्नाचे उत्तर घेऊन आम्ही समाधान करायचे. आपण यावर काहीतरी खुलासा करणार की, नाही. तिथे मोठे गॅरेज आहे. रवी डेव्हलपर्स आहे. सर्व्हिस रोड आहे. म्हणजे हे सर्व चालू द्यायचे. इथे बाहेर अनधिकृत बांधकामासाठी उपोषणाला लोक बसलेली आहेत. उद्या त्यांचा कुठलातरी विषय रंगला आणि या भाईदरमध्ये असंतोष पसरला किंवा मारामारी झाली तर त्याला कोण जबाबदार आहे? त्याला कोण उत्तर देणार आहे? म्हणजे कोणालाही याची फिकीर नाही. खाली उपोषणाला लोक बसली आहेत. लोकांची तक्रार आहे. नगरसेवकांची तक्रार आहे. मी स्वतः त्या बिल्डिंगचा रहिवाशी आहे आणि कोणीतरी अनधिकृत बांधकाम करत आहे आणि त्याची कोणीही दखल घ्यायला तयार नाही. मॅडम, महत्वाची गोष्ट म्हणजे त्या सोसायटीचे लोक साहेबांच्या केबिनपर्यंत आले आणि तिथे त्यांना कोणीतरी दम दिला ते माहित नाही. मी आतमध्ये घुसलो आणि सर्व बाहेर पळाले. मी त्यांना विचारले की, आपण का गेले तर त्यांनी सांगितले की, “ ओ अभी नही करेंगे ” म्हणजे एवढी दहशत ३५ वर्षांची जुनी बिल्डिंग आहे. उद्या पडली तर त्याला कोण जबाबदार आहे?

**मा. आयुक्त :-**

सन्मा. सदस्यांनी जो प्रश्न सभागृहासमोर उपस्थित केलेला आहे. त्या संदर्भामध्ये मी खुलासा करतो की, मा. महापौरांच्या बंगल्याच्या पाठीमागे जे बांधकाम तोडण्यात आलेले आहे. त्याला चार मजल्यापर्यंत परवानगी दिलेली होती आणि वरच्या दोन मजल्याचे त्याने अनधिकृतरीत्या बांधकाम केलेले होते. त्याच्यावर आपण कार्यवाही केलेली आहे आणि ते बांधकाम आपण तोडलेले आहे. त्याचप्रमाणे स्टेट बँकेच्या बाबतीमध्ये सन्मा. सदस्यांनी जो प्रश्न उपस्थित केलेला आहे. त्या संदर्भात त्यांची तक्रार माझ्याकडे प्राप्त झालेली होती. माझ्याकडे एक-दोन वेळा ते स्वतः आलेले होते आणि त्याचप्रमाणे जनता दरबारामध्ये सुद्धा अशा प्रकारची तक्रार सन्मा. सदस्यांनी केलेली होती. त्या संदर्भामध्ये मी जी माहिती घेतलेली आहे ती माहिती अशी आहे की, त्याठिकाणी स्टेट बँकेची जी पूर्वी इमारत चालू होती. त्या स्टेट बँकेने एका कोपऱ्यामध्ये आर.सी.सी. म्हणजे स्ट्रॉंग रूम जो बँकेला आवश्यक आहे तो स्ट्रॉंग रूम त्यांनी तयार केलेला होता आणि माझ्या माहितीप्रमाणे तो स्ट्रॉंग रूम त्यांनी काढलेला आहे. परंतु, आतमध्ये कुठल्याही बिल्डिंगचे जे आर.सी.सी स्ट्रक्चर आहे त्याला कुठेही हात लावलेला नाही अशाप्रकारची माहिती मला प्राप्त झालेली आहे.

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

साहेब, आपल्याला माहिती कोणी दिलेली आहे? त्या अधिकाऱ्याचे नाव सांगा मी त्याला प्रत्यक्ष जागेवर घेऊन जातो. काय काय फेरबदल झालेले आहे. म्हणजे आपल्याला खोटी माहिती दिलेली आहे असे माझे क्लिअरकट मत आहे.

**मा. आयुक्त :-**

मला जी माहिती प्राप्त झालेली होती ती माहिती मी आपल्यासमोर ठेवलेली आहे आणि या माहितीच्या संदर्भामध्ये पुन्हा मी आपल्याला विनंती करतो की, जर समजा, या उत्तराने आपले समाधान होत नसेल तर तुमच्या सोबत मी स्वतः यायला तयार आहे. आपण प्रत्यक्ष बघून घेऊ या.

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

या गोष्टीबाबत ज्यावेळी मा. उपमहापौर केबिनमध्ये होते. त्यावेळी आपण मला सांगितले की, मी प्रत्यक्ष जागेवर जाऊन बघून येतो. मी त्यावेळी आतमध्ये तुमच्याकडे आलो आणि नेमके त्यावेळी मा.

उपमहापौर साहेब आले होते. आपण बोललात की, मा. श्री. गणेश नाईक मंत्री साहेबांनी मला सांगितले होते की, तुम्ही प्रत्यक्ष जागेवर जाऊन बघा. आज ही आपण मला तेच उत्तर देता आणि संपूर्ण बाहेरची भिंत त्यांनी काढून तिथे काचेचा मोठा दरवाजा लावलेला आहे आणि आपल्याला येथे कोण खोटी रिपोर्टिंग करतो.

**मा. आयुक्त :-**

मी जे आपल्याला सांगत आहे ते आर.सी.सी स्ट्रक्चरच्या बाबत सांगत आहे.

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

साहेब, आर.सी.सी असो किंवा भिंत असो. पण त्याने कुठलीही न घेता व त्याच्या नावावर परवानगी नाही. त्याच्या नावावर प्रॉपर्टी टॅक्स नाही, काही नाही आणि तो परवानगी घेत नाही व सोसायटी तक्रार करते ती ३० वर्षांची जूनी बिल्डिंग आहे. म्हणजे तो काहीही करेल. ३० वर्षांची जुनी बिल्डिंग आहे आणि महानगरपालिकेच्या १५ फुटावर ती बिल्डिंग आहे आणि आपण सांगता की फक्त तो रुम तोडलेला आहे आणि सोसायटीवरून कोर्टात केस चालू आहे व आपल्या वकिलाकडून त्यांना वेगवेगळे उत्तरे दिली जातात आणि आम्हाला जे नगरसेवकाला उत्तर दिले व कोर्टामध्ये जे उत्तर दिले त्यामध्ये विसंगती आहे.

**नितीन ठाकूर :-**

मा. महापौर मॅडम, सदरचा जो विषय आहे तो आमच्या प्रभागातील आहे आणि माझ्या माहितीप्रमाणे हा विषय कोर्टामध्ये गेलेला आहे तर कोर्टातील बाब आपण डिसकस करू शकतो का?

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

कोर्टात महापालिका गेलेली नाही.

**नितीन ठाकूर :-**

साहेब, अशी अनेक प्रकरणे आहेत आणि सन्मा. नगरसेवक त्या बिल्डिंगमध्ये गेले होते त्या बिल्डिंगमधून त्यांना बाहेर काढले की, आपण यामध्ये पडू नका. त्या बिल्डिंगमधल्या रहिवाशांनी सन्मा. नगरसेवकाला तेथून बाजूला नेले आणि सांगितले की, तुम्ही येथून जा. त्या बिल्डिंगमध्ये त्यांचे ही दुकान आहे ते कसे काय?

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

आपण त्या प्रभागातले नगरसेवक आहात. पण मी त्या बिल्डिंगचा स्वतः एक मालक आहे. दुकानदार मालक आहे. मॅडम, जे काही येथे बोलले जाते त्याच्याशी मला काय घेणं-देणं नाही. मला अशा प्रकारचे फक्त....

**नितीन ठाकूर :-**

मग असे बोलून कशाला वेळ घालवता?

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

अशाप्रकारचे उत्तर देणे हे योग्य आहे का? फक्त उत्तर दिले की, त्या उत्तराने संपूर्ण शहराच्या लोकांनी समाधान मानायचे का?

**महेंद्रसिंग चौहाण :-**

मॅडम, वह बंगला थोडा ही है। वह बिल्डिंग है ना। उसके यह मालिक कैसे हो सकते है। उस बिल्डिंगवालोने सोसायटी नही बनाई है क्या? वह बंगला थोडी ही है? वह बिल्डिंग है।

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

सन्मा. सदस्य महेंद्रसिंग चौहाण साहेब, आप बैठो। एक आदमी एक बिल्डिंग का शेअर है तो वह उसका उतना ही मालिक है।

**महेंद्रसिंग चौहाण :-**

आप बिल्डिंग के मालिक कैसे हो सकते हो?

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

जैसे बी. ए. पास को अक्कल नही वैसे आपको भी नही है क्या?

**मा. उपमहापौर :-**

सन्मा. सदस्य ओमप्रकाश अग्रवालजी आपण या विषयावर माझे ही नाव घेतले की आपण कमिशनर साहेबांकडे आलो होतो तर आपल्या माहिती, सभागृहाच्या संपूर्ण माहितीसाठी सांगू इच्छितो की, महापालिकेच्या गेटसमोर स्टेट बँक होती आणि ही स्टेट बँक तेथून नगरभवनच्या समोर शिफ्ट झाली आणि ते स्ट्रक्चर खाली झाले. आपल्या माहितीसाठी की, आपण कोणत्याही बँकेमध्ये गेलात की, बँकामध्ये भिंती नसतात. त्याच्यामध्ये फ्लायचे पार्टीशन असतात आणि बँकेच्या आवश्यकतेप्रमाणे त्यांना स्ट्रॉंग रूमची गरज असते आणि ही जी इमारत आहे.

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

मा. उपमहापौर साहेब.....

**मा. उपमहापौर :-**

आपण माझे बोलणे ऐकून घ्या.

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

नाही, आपण खोटं बोलत आहात. आपण अजूनही खोटं बोलता.

**मा. उपमहापौर :-**

आपण अगोदर ऐका आणि मग बोला ना.

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

मी बोलत आहे ना.

**मा. उपमहापौर :-**

पंचवीस-तीस वर्षांपासून....

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

माझे पण त्या बिल्डिंगमध्ये दुकान आहे. मी त्या दुकानात बसतो. त्यांनी बाहेरची अख्खी भिंत काढलेली आहे.

**मा. उपमहापौर :-**

सन्मा. सदस्य आपल्याला जे बोलायचे आहे ते आपण बोलू शकता.

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

आतले प्लायवूड काढले असते तरी ठीक आहे. पण आतली अख्खी भिंत काढलेली आहे.

**मा. उपमहापौर :-**

आपण ऐकून घ्या ना. आपण माझे नाव घेतले म्हणून मी तुम्हाला सांगत आहे.

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

मी असे बोललो की, तुमच्या समोर मा. आयुक्त साहेबांनी सांगितले की मी जाउन बघतो.

**मा. उपमहापौर :-**

सन्मा. सदस्य ओमप्रकाश अग्रवालजी ही जी इमारत आहे तिथे बँकेच्यावर रेसिडेन्स आहे. आणि ही इमारत त्या पॉप्युलर मोटर्स वाल्याने ९० लाखाला ते खालचे गाळे विकत घेतलेले आहे. त्याने पैसे दिलेले आहे.

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

आम्ही ही पैसे दिलेले आहे.

**मा. उपमहापौर :-**

त्यांचे रजिस्ट्रेशन झालेले आहे आणि जेव्हा माणूस ९० लाख रुपये देतो तो काय अनधिकृत बांधकाम काय करणार?

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

आणि दुसऱ्यांना त्रास द्यायचा? त्याने २ कोटी रुपये दिले म्हणजे त्याने दुसऱ्यांना त्रास करायचा का?

**मा. उपमहापौर :-**

त्या माणसाने ९० लाख रुपये टाकल्यानंतर.....

**रोहिदास पाटील :-**

हे अत्यंत जबाबदारीने बोलता की, तो ९० लाख रुपये देतो किंवा २ कोटी रुपये देतो. तो प्रश्न नाही. त्याने ९० लाख रुपये द्यावे, ९ रुपये द्यावे पण महापालिकेला विचारणे हे त्याचे कर्तव्य आहे की, नाही?

**मा. उपमहापौर :-**

आपण ऐकून घ्या. त्या विषयावरच मी निवेदन करतो की, या विषयात त्यांनी आर. सी. सी. कन्सलटंटशी कन्सलटंटसी केली त्याचा आर. सी. सी. कन्सलटंटचा रिपोर्ट महापालिकेने दिला. महापालिकेकडे त्यांनी परवानगी मागितली आणि त्याने डागडूजी केलेली आहे. आपण जेव्हा तक्रार करत होता. त्यावेळेला त्याची बाजू घेउन मी मा. आयुक्त साहेबांना हेच सांगायला गेलो होतो की, या माणसाने ते स्ट्रक्चर विकत घेतलेले आहे. गेल्या २५ वर्षांपासून तिथे बँक आहे आणि एखाद्या माणसाने एवढे पैसे टाकल्यानंतर तो तिथे व्यापारच करणार असेल ना आणि त्याच्यावर सोसायटीचे लोक कोर्टांमध्ये गेलेले आहेत आणि आपण सांगता की, अनधिकृत बांधकाम केले तर अनधिकृत बांधकाम काय केले असणार?

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

मा. महापौर मॅडम, ते सोसायटीवाले कोर्टात गेले म्हणजे काहीतरी झालेले आहे ना.

**मा. उपमहापौर :-**

आणि मी तर म्हणतो की, आपण जेव्हा तिथे जाणार असाल तेव्हा कन्सल्ट बँकेचे कर्मचारी मिरा भाईंदर मध्येच आहेत. त्यांना ही सोबत घ्या. कमिशनर साहेबांना सोबत घ्या आणि विझीट करा.

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

कमिशनर साहेब, आपण मला उत्तर दिलेले आहे की, त्याला नोटीस काढलेली आहे. ती नोटीस देवून २० दिवस झालेले आहेत. आपल्याकडून कुठलेही उत्तर आलेले नाही एकतर आपण माझ्या पत्राचे उत्तर दिले पाहिजे की, त्यांना परवानगी दिलेली आहे. त्याने कुठलेही अनधिकृत बांधकाम केलेले नाही असे तरी आपण उत्तर दिले पाहिजे होते. मग आपण आम्हाला का उत्तर देत नाही? की, त्याने परवानगी घेतलेली आहे व

कुठल्याही स्ट्रक्चरला त्याने जमिनदोस्त केलेले नाही. त्याने कुठलेही इल्लिगल बांधकाम केलेले नाही. असे उत्तर द्यायला आपण का भिता? प्रशासन उत्तर द्यायला का भिते? जर त्याने कुठलीही चुकीची गोष्ट केली नाही तर मला उत्तर द्या ना. प्रशासन फक्त त्याची बाजू घेत आहे. हे सभागृहामध्ये योग्य नाही. मा. उपमहापौर साहेबांनी जे वक्तव्य केलेले आहे. त्याबाबत मा. आयुक्त साहेब आपल्याकडून मला मी जे पत्र दिलेले आहे त्या पत्राच्या संदर्भामध्ये त्याने कुठलेही अनधिकृत गोष्ट केलेली नाही. कुठलेही काम केलेले नाही. महापालिकेले ही परवानगी दिलेली आहे. या नियमाखाली दिलेली आहे. असे मला उत्तर द्या. मग मी बघेन पुढे काय करायचे आहे ते. २ कोटी रुपयामध्ये त्याने जागा घेतली तर आम्ही १ लाख रुपयेवाल्यांनी रस्त्यावर यायचे का?

**मा. आयुक्त :-**

सन्मा. सदस्य आपण जे पत्र महापालिकेला दिलेले आहे. त्या संदर्भामध्ये मी आपल्याला सोमवार पर्यंत उत्तर देतो.

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

ठिक आहे. सर्व्हिस रोडबद्दल काय?

**रिटा शाह :-**

साहेब, सन्मा. सदस्य ओमप्रकाश अग्रवाल यांचे समाधान झाले. त्यांना आपण उत्तर देणार आहात. परंतु, अनधिकृत बांधकाम हा विषय आज नाही. १५ वर्षे झाली आम्ही सभागृहामध्ये बसतो, येतो आणि जातो. महत्त्वाचे ते नाही तर सर्व नगरसेवकांनी येथे बसून मंथन करायचे आहे की, मी बिल्डर आहे. माझ्या बिल्डिंगमध्ये रहिवासी आहेत व मी किती गाळे वाढीव बांधले आहेत. मी किती वाढीव बांधकाम केले. एवढे मी केले हे सूद्धा नगरसेवकांनी बघायला पाहिजे.

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

मॅडम, माझा प्रश्न आहे. सचिव साहेब, सर्व्हिस रोडबद्दल अजून खुलासा झालेला नाही. प्रश्नोत्तरामध्ये माझा प्रश्न आहे. आपण मला पुढे वेळ द्या. सर्व्हिस रोडबद्दल आमच्या भारतीय जनता पार्टीचे पत्र आलेले आहे. आपण जर उत्तर दिले नाही तर आम्ही उपोषणाला बसू. त्याचेही आंमहाला उत्तर मिळालेले नाही. आमचे गटनेते बसले. जिल्ह्याचे अध्यक्ष बसले आहेत त्यांना ही अजून उत्तर दिलेले नाही.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य ओमप्रकाश अग्रवाल यांनी विचारलेल्या प्रश्नाचा खुलासा सोमवारपर्यंत देण्यात यावा.

**रोहिदास पाटील :-**

सर्व्हिसरोडमध्ये चाललेल्या बांधकामाचे प्रत्यक्षदर्शनी आहे ना. तुम्ही त्याच्यात जबाबदार आहात. आपण तेथून रोज ये-जा करतात. चार ही मान्यवर माणसे त्या रोडने येतात. मागचे मंत्रीमंडळ ही येते. ह्या सभागृहाचे सर्व सदस्य जातात. त्याच्यावर रुलिंग द्या ना की, ते बांधकाम आज तुमच्या दृष्टीकोनातून अनधिकृत वाटते. ते आजच्या आज थांबवण्याचे रुलिंग द्या. तुमच्या दृष्टीने जे अनधिकृत वाटते ते उद्या तोडायचे रुलिंग द्या. म्हणजे या सभागृहाचा इतका वेळ गेलेला आहे. आपण बसलो आहोत तर तुमच्या कडून आम्ही अपेक्षा करतो की, आपण आज रुलिंग देणे गरजेचे आहे.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य ओमप्रकाश अग्रवाल व सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील यांनी जे सर्व्हिस रोड बद्दल प्रश्न उपस्थित केलेला आहे. या संबंधित अधिकाऱ्यांनी व प्रशासकीय विभाग यांनी पुर्णपणे माहिती मिळवून त्याच्यावर त्वरित कार्यवाही करावी असे मी त्यांना आदेश देते.

**शिवप्रकाश भुदेका :-**

मॅडम, २ दिवस, ३ दिवस, ७ दिवस असा पिरियड द्या ना की दो दिन, पाँच दिन, सात दिन में उत्तर दिया जाएगा। तो हमको ऐसा लगेगा की, मा. महापौर मॅडमने रुलिंग दी है और कार्यवाही पक्का होगा।

**कैलासबेन जानी :-**

सर्व्हिस रोड बाबत स्थायी समितीमध्ये सुद्धा उहापोह झालेला आहे. तरीसुद्धा या रोडचा काहीही निकाल लागत नाही.

**लिला पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, आपल्याकडून कधीपासून परवानगी मागत आहे.

**तुळशीदास म्हात्रे :-**

सर्व्हिस रोडचा जो विषय आलेला आहे. त्या सर्व्हिस रोडमध्ये जी काम चालू आहेत त्यांना आपण रिपेरिंगची परवानगी दिलेली आहे का? मा. आयुक्त साहेबांनी दुरुस्तीची परवानगी दिली आहे का? मग आपण त्या परवानग्या कशा दिल्या?

**मा. आयुक्त :-**

नाही.

**शिवप्रकाश भुदेका :-**

परवानगी दिलेली आहे.

**तुळशीदास म्हात्रे :-**

आपण त्या सर्व्हिस रोडवर दुरुस्तीची परवानगी कशी दिली? आपल्याला वाटल नाही का? आपण त्या सर्व्हिस रोडसाठी मागे १० करोड रुपयाचा ठराव ही केला होता. मग ते कशासाठी केले व ते कुठे गेले? आपण ते खर्च ही केले नाही.

**शिवप्रकाश भुदेका :-**

मा. महापौर मॅडम, दिल्ली में जैसे सिर्लींग का काम चालू है ऐसा कोई नागरिक हायकोर्ट में जाएगा। इधर वही काम चालू होने वाला है। इसके लिए आप कोई ना कोई अॅक्शन पहिलेही ले लो।

**तुळशीदास म्हात्रे :-**

मा. आयुक्त साहेब, प्रत्येक मिटींगला सर्व्हिस रोडचा विषय असतो व त्याच्या नंतरही आता परत कामे चालू झाली आहेत. तर त्यांना आपण रिपेरिंग करण्यासाठी परवानगी दिलेली आहे का? ते फुटपाथला लागून काम करतात हे मी जाउन बघितले आहे.

**रिटा शाह :-**

परवानगी दिलेली आहे. आम्ही मान्य करतो की, सर्व्हिस रोड सोडून आपण परवानगी दिलेली आहे. परंतु, काम करणारी लोक सर्व्हिस रोडपण बाजूला ठेवले आहे आणि त्याने किती वाढीव बांधकाम केलेले आहे हे बघणं कोणाचे काम आहे? अतिक्रमण विभाग काय करते? आता श्री. अजित पाटील बोलतात की मी नुकताच बसलो आहे. आज चार दिवस झाले. परत श्री. अजित पाटील यांच्या जागेवर दुसरा कोण येणार ते ही असेच उत्तर देणार की, मी नुकताच बसलो आहे. तर प्रशासन नेमके काय करते? हा मा. महापौरांचा विषय नाही. कारण मॅडम, आम्ही कुठल्याही केबिनमध्ये कामासाठी जातो तर नगरसेवकाला असे उत्तर मिळते की, हा तुमचा विषय नाही. ठिक आहे. हा आमचा विषय नाही. प्रशासनाचा विषय आहे. मग प्रशासन नेमके त्याच्याचा काय करते? सर्व्हिस रोडवर अनधिकृत बांधकाम डोळ्यासमोर चालू आहे. वाढीव बांधकाम चालू आहे. सर्व प्रशासन झोपलेले आहे. आणि आपण सर्व मिटींगमध्ये फक्त ओरडायचे - ओरडायचे आणि जायचे. हे चालणार नाही. त्याच्यावर क्विक अॅक्शन २४ तासात अॅक्शन व्हायला पाहिजे.

**तुळशीदास म्हात्रे :-**

आपल्याला या शहरामध्ये सर्व्हिस रोड करायचा आहे की नाही हा विषय महत्त्वाचा आहे. कारण रस्त्यावर काम झाल्यावर आपण तोडणार आहात का? नंतर रस्त्यावर काम झाली की ते कोर्टात जाऊन स्टे घेतील मग आपण सांगणार की, स्टे आहे. काय करायचे ते सांगा.

**रतन पाटील :-**

सभागृहाची एकमुखाने मागणी आहे की, सर्व्हिस रोड पाहिजे आणि सर्व्हिस रोड व्हायला पाहिजे.

**रोहिदास पाटील :-**

आपण हे साधं उत्तर द्यायला पाहिजे. आपण महापौर आहात. पिठासीन अधिकारी आहात. तुम्हांला तुमचे रुलिंग द्यायला अडचण काय आहे? सर्व्हिस रोड तर मोकळा व्हायला पाहिजे.

**रतन पाटील :-**

सन्मा. रोहिदास पाटील (काका) मिरा भाईंदर महानगरपालिकेच्या मुख्यालयासमोर आपण बसूया का? सर्व्हिस रोडसाठी अनशन घेउया. मग बघा, तो रोड कसा खाली होतो? सर्व्हिस रोडबद्दल आपण आम्हांला जर उत्तर देणार नसाल तर आम्ही येथे खाली बसू. आम्हांला व्यवस्थित उत्तर द्या. सर्व्हिस रोड मोकळा होणार आहे की, नाही? हे पहिल्यांदा सांगा. मिरा भाईंदर महानगरपालिकेच्या समोर गेले दोन महिन्यांपासून जे बसलेले आहेत त्यांच्याबाबत साहेब, आपण काय विचार केला आहे? ही शोभा कशाला? डी. पी. रोडवर बांधकाम चालू आहे म्हणून सन २००६ पासून ते मुख्यालयाच्या समोर बसलेले आहेत. हे काय चालू आहे? आमच्या महापालिकेची अधोगती आहे. गेले महिनाभर ते उन्हा-तान्हात तिथे बसलेले आहेत. ते बाहेर बसलेले आहेत. आणि आपल्याला येता-जाता कोणाला दिसत नाही कं? हे काय आहे? त्याला साधे उत्तरही दिले नाही.

**मा. आयुक्त :-**

सन्मा. सदस्य रतन पाटील आपण जो प्रश्न उपस्थित केलेला आहे त्याची पूर्ण माहिती आपल्याला नाही मी आपल्याला माहिती देतो की, ते जे बांधकाम चालू आहे व त्याठिकाणी मंडप टाकून जे व्यक्ती बसलेले आहेत त्या व्यक्तीचे समाधान मी मंडपामध्ये जाऊन व्यक्तीशः केलेले आहे. त्याठिकाणी जी मागणी आहे किंवा ते लोक जे सांगत आहे ते डी. पी. रस्त्यावर नाही. डि. पी. रस्त्यावर त्यांचे बांधकाम नाही हे मी पुन्हा पुन्हा सांगतो. त्यांचे समाधान झालेले आहे. त्यांचा जो वैयक्तिक प्रश्न आहे तो त्यांचा खाजगी आहे. खाजगी प्रश्नांची सोडवणूक आपण सभागृहामध्ये....

**रतन पाटील :-**

डी. पी. बाबत नसेल तर ते येथे कशाला बसलेले आहेत?

**प्रकाश दुबोले :-**

मा. आयुक्त साहेब, त्यांचा खाजगी प्रश्न आहे तर त्यांना तेथून उचलून हाकलून लावा. महापालिकेची बदनामी कशाला?

**रतन पाटील :-**

महापालिकेच्या समोर ते महिनाभर बसलेले आहेत ते कशासाठी? त्यांना रहायला आणि बसायला जागा नाही म्हणून ते महिनाभर बसतात का?

**प्रकाश दुबोले :-**

त्यांचा खाजगी प्रश्न आहे तर त्यांना हाकलून लावा.

**रतन पाटील :-**

त्यांनी महापालिकेच्या समोर बसण्याचे कारण काय? त्यांना त्यांची घर नाही आहेत का?

**मदनसिंग उदित नारायण :-**

मा. आयुक्त साहेब, मिरा - भाईंदर महानगरपालिकामें अतिक्रमण डिपार्टमेंट है या नही?

**मिलन म्हात्रे :-**

आपल्याच सभागृहाचा ठराव पास झालेला आहे. सुचक हॅरल बोर्जीस येथे बसलेले आहेत. ही अतिक्रमण त्वरित काढावी असा काँग्रेस व राष्ट्रवादी काँग्रेसने ठराव पास केलेला आहे. त्याचे इम्प्लिमेंटेशन आपले सत्ताधारी करत नाही. त्याला खुलासा मा. आयुक्त साहेबांनी करावा की, आम्ही ठरावाचे इम्प्लिमेंटेशन का करत नाही? उगीच ते पंडालमध्ये जावून आपण काय बोललात ते महत्त्वाचे नाही. या सभागृहामध्ये एकमताने जो ठराव पास झाला. सर्व्हिस रोडवरची अतिक्रमणे काढायची. त्याच्यात अनुमोदक परशुराम पाटील यांनी दिलेले आहे. ते अनुमोदक आणि सुचक गप्प का आहेत? त्या ठरावाची आपण अंमलबजावणी का करत नाही? कोणती अडचण आहे? नाहीतर ४५१ खाली विखंडीत करायला पाठवा. आपण हा ठराव विखंडीत करायला पाठवला का तर नाही. विखंडीत होत नसेल तर कार्यवाही का नाही?

**मदन सिंग उदित नारायण :-**

मा. आयुक्त साहेब, आज सब लोगो को पता है की, मिरा भाईंदर मे चौपाटी के नाम से कोई भी पेपर मे कुछ भी स्टैंटमेंट देता है। लेकिन आज जेसलपार्क से घोडबंदर तक जो चौपाटी के लिए आरक्षण मे सेकडो झोपडे बन गए है। सेकडो बांग्लादेशीयोंनो झोपडे बनाए है। मैंने कही बार पत्र दिया है। लेकिन उसबारे मे अतिक्रमण डिपार्टमेंट कोई भी दखल नही लेता हे। तो अतिक्रमण विभाग क्या कर रहा है?

**रोहिदास पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, त्या सर्व्हिसबाबत जर आपल्याला रुलिंग घ्यायचे नसेल तर आम्हांला नाईलाजाने या सभागृहात खाली बसायला लागेल. तुम्हाला कोणता मार्ग पसंत आहे ते तुम्ही सांगा.

**शुभांगी नाईक :-**

मा. महापौर मॅडम, आपण जर सर्व्हिसरोडच्या संदर्भात उत्तर देत नसाल तर आम्ही खाली बसतो.

**लिला पाटील :-**

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलत आहे की, मॅडम मी कधीपासून तुमच्याकडे परवानगी मागत आहे. माझ्या प्रभागामध्ये गोडदेव स्मशान भूमीच्या पाठीमागून जो नाला आलेला आहे आणि तो नैसर्गिक नाला आहे. तो कलावती आई मंदिराच्या येथे बिल्डरने पूर्णपणे भराव करून बंद केलेला आहे. मी आज दि. २८/०७/०६ ला पत्र दिलेले आहे. मला अजून त्याचे उत्तर मिळालेले नाही. मग अतिक्रमण विभाग करतोय तरी काय? क्षेत्रीय अधिकारी काय करतात? झोपा काढतात का? आज सात महिने झाले तरी माझ्या प्रश्नाचे उत्तर नाही.

**कैलासबेन जानी :-**

मॅडम, सर्व्हिस रोडचा रस्ता आपण खुला करा. जर परमिशन दिली नसेल तर तेथून अतिक्रमण काढून टाका.

**लिला पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, माझ्या प्रश्नाचे उत्तर द्या. माझ्या प्रश्नावर आपण रुलिंग द्या.

(दु. १२.५० वा. बीजेपी व शिवसेना सदस्य सभागृहात खाली बसले.)

**मा. उपमहापौर :-**

सन्मा. सभागृह, मा. रोहिदास पाटीलजी साहेब, आपण या सर्व्हिस रोडच्या प्रकरणावरून लॉबीमध्ये बसण्याचा आपण निर्णय घेतला आहे. आपल्याला विनंती करतो की, आपण खुर्च्यावर बसावे. सर्व्हिस रोडमध्ये माझी स्वतःची एक इंच जागा देखिल गेलेली नाही. फक्त तुम्हाला सांगतो तेवढे लक्षात घ्या की, आपण जेव्हा रस्ता बनवला. सन्मा. सदस्य चौहाण साहेब, उन लोगों की क्या मांग है। वह उनको बोलता हूँ। सभागृह मे सर्व्हिस रोडपर जो चर्चा हो रही है। आपको बोलना चाहता हूँ की, रोडपर मेरा खुदका कोई भी बांधकाम नही है। लेकिन जब शहर मे मिरा भाईंदर का रस्ता बढ रहा था। तो रस्ते पर कही बांधकाम थे। उसको वहा से निकाल दिया और उनको रिपेर परमिशन देके उनको बांधकाम करनेका परमिशन मिला। जितने लोगों को परमिशन मिला उसमे कुछ सही लोगों को परमिशन मिली और कुछ गलत लोगों को भी परमिशन मिली। लेकिन जिनके बांधकाम रस्ते को लगकर है वह गलत ही है। लेकिन उसमे जिनकी खुद जगह गई है उसके लिए उसमे कुछ तो पर्याय भी ढूँढना पड़ेगा।

**रोहिदास पाटील :-**

मा. उपमहापौर साहेब, याच्यात आम्ही तुमच्याकडून अपेक्षा करत नाही. आमच्यापैकी एकाही सदस्याने तुमचे नाव घेतलेले नाही. मा. उपमहापौर श्री. चंद्रकांतजी वैती यांचे त्याच्यात पार्टनरशिप आहे, हिस्सा आहे, हस्तक्षेप आहे. असे कधी बोलणे झालेले नाही.

**मा. उपमहापौर :-**

मी आपल्या माहितीसाठी सांगतो.

**रतन पाटील :-**

अगोदर इमारत्या होत्या. पण आता नवीन इमारत्या, बांधकामे चालू आहेत.

**रोहिदास पाटील :-**

सर्व्हिस रोड अबाधित राहावा.

**मा. उपमहापौर :-**

सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील (काका) एक विषय असा आहे की, प्रकल्पग्रस्तांना आपल्या सेवेत सामावून घ्यायचे. ज्यांच्या जागा गेल्या आहेत त्यांना आपण सामावून घ्यायचे पण ज्यांच्या जागा आपण या रस्त्यामध्ये घेतल्या आहेत त्यांना काय देतो?

**रतन पाटील :-**

त्याच्यासाठी आपल्याकडे तरतुद आहे ना. विकास आराखडयामध्ये आपण देतो ना.

**मा. उपमहापौर :-**

सन्मा. सदस्य रतन पाटील एखाद्या व्यापाऱ्याचे एखादं कुटूंब चालण्यासाठी एक दुकान होते....

**रतन पाटील :-**

टी.डी.आर देतो ना.

**मा. उपमहापौर :-**

दुकानाच्या टी.डी.आर किती देणार? सन्मा. सदस्य रतन पाटील आपण बुद्धिमान आहात हे आम्ही मानतो. कोणाचा आक्षेप नाही. पण एखाद्या दुकानाचा टी.डी.आर किती देणार?

**रोहिदास पाटील :-**

आपण उपमहापौर म्हणून या डायसवरून आहे त्या बांधकामाचे समर्थन करता का?

**मा. उपमहापौर :-**

मी समर्थन करत नाही.

**रोहिदास पाटील :-**

मग उगाच कशाला वेळ घालवता?

**मा. उपमहापौर :-**

त्यांना दुरुस्तीच्या परवानग्या दिलेल्या आहेत.

**रोहिदास पाटील :-**

दुरुस्तीच्या परवानग्या रस्त्यावर दिलेल्या आहेत?

**मा. उपमहापौर :-**

रस्त्यावर परवानगी दिलेली नाही.

**रोहिदास पाटील :-**

मग रस्ता मोकळा व्हायला पाहिजे ना. आपण विषय ट्वीस करू नका.

**मा. उपमहापौर :-**

शहरातील इल्लिगल कन्स्ट्रक्शनबाबत आपल्या ज्या भावना आहेत त्याच भावना सर्व सदस्यांच्या आहेत. आपल्यालाचं काय पडलेले आहे. अशातला भाग नाही. सर्व सदस्यांचे मत आहे.

**रोहिदास पाटील :-**

म्हणून तुम्ही कष्ट करू नका. मा. महापौरांना निवेदन करू द्या.

**मा. उपमहापौर :-**

नुसते रस्त्यावरचे अतिक्रमण नाही. शहरातल्या अनेक आरक्षणावर बांधकामे सुरू झालेली आहेत. शहरामध्ये फेरिवाले देखिल ना फेरिवाले झोनमध्ये बसतात. या सगळ्या गोष्टी अतिक्रमणचे आहे. अतिक्रमणने तर सगळ्याच गोष्टी काढल्या पाहिजेत या मताशी तुम्ही-आम्ही सगळेच जण आहोत.

**रोहिदास पाटील :-**

तो सब्जेक्ट वेगळा आहे.

**मा. उपमहापौर :-**

सन्मा. सदस्य ह्याच्यावर रुलिंग काय व्हावे हे मी म्हणत नाही. हे मी फक्त आपल्या निर्दशनास आणत आहे.



**रोहिदास पाटील :-**

आपण पिटासिन अधिकारी आहेत त्यांना बोलू द्या. आपण उपमहापौर आहात. आपल्याला मी खाली बसायला सांगत नाही. त्यांना बोलू द्या ना.

**मा. उपमहापौर :-**

त्यांच्या जागा आहेत ते निवेदन करतील.

**लिओ कोलासो :-**

असे कसे? तुम्ही बोलायचे आणि आम्ही फक्त ऐकायचे का?

**रिटा शाह :-**

मा. महापौर मॅडम, सर्व बसलेले आहेत. फक्त आपण असे रुलिंग द्या की, सर्व्हिस रोडवर जेवढे अतिक्रमण आहे. वाढीव बांधकाम आहे ते आपण काढणार. बाकी तुम्ही परवानगी दिली आहे ते आम्हांला मान्य आहे. ठिक आहे. कुठे ना कुठे त्यांना अॅग्येस्ट करायचे आहे. त्यांचे बांधकाम रोडमध्ये गेलेले आहे. पण आपली सर्व्हिस रोडची जी जागा आहे ती मोकळी करणार असे आपण रुलिंग द्या ना.

**मिलन म्हात्रे :-**

ठरावावर कार्यवाही करायला विसरलात का? आपणच तो ठराव पास केला आहे.

**रोहित सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडम, शांती पार्क डेव्हलपर्सचे ले आउट मध्ये १५ गार्डन आहे त्याच्यापैकी....

**लिओ कोलासो :-**

मा. महापौर साहेबा, आमची हरकत आहे. यांना जागेवर जाऊन बोलायला पाहिजे. असे कुठेही येउन सदस्य बोलणार तर असे सभागृहामध्ये चालणार नाही. त्यांना जागेवर जाऊन बोलायला सांगा. आम्ही त्यांचे ऐकू आणि आपले रुलिंग ही ऐकू.

**रोहित सुवर्णा :-**

मी जागेवर जाऊन बोलेन पण आपण मला बोलण्याची संधी द्यावी.

**लिओ कोलासो :-**

संधी दिलेली आहे ना. आपण जागेवर जाऊन बसा.

**महेंद्रसिंग चौहाण :-**

संधी दी है। आप जगहपर जाके बोलो।

**शिवप्रकाश भुदेका :-**

साहब, हमलोग किधर से भी बोल सकते हैं। ऐसा कुछ नहीं की, जगह पर जाके बोले।

**महेंद्रसिंग चौहाण :-**

वह तो आप कही से भी बोल सकते हो। उपर से भी वहा से भी। यह आदमी दो जगह से बोल सकता है।

**रोहित सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडम, शांती पार्कच्या ले आऊटमध्ये १५ गार्डन आरक्षित असताना त्याठिकाणी बिल्डरने फक्त १० गार्डन बनवलेले आहे आणि त्याठिकाणी मा. विभागप्रमुख यांनी दि. २ ऑगस्ट २००५ मध्ये नोटीस दिली आणि त्यांना १५ दिवसाची मुदत दिली. त्याच्यानंतर लोकशाही दिवसामध्ये मा. आयुक्त साहेब स्वतः श्री. जंत्रे साहेब जिल्हाधिकाऱ्यांच्या समोर बोलले की, ते बांधकाम तोडणार. गार्डनच्या जागेवर बिल्डर मंदिर बांधत आहे. मंदिर कोणासाठी तर तेही नागरिकांसाठी. पण ती जागा गार्डनसाठी आरक्षित असताना देखिल त्यावेळी मा. आयुक्त साहेब बोलले की, आम्ही बांधकाम होऊ देणार नाही. आम्ही १२ डिसेंबरला हेअरिंग लावली आहे असे असताना देखिल आम्हाला बोलावत नाही. तिथल्या नागरिकांना बोलावत नाही. आमच्या तक्रारीवरून ते हेअरिंग लावतात आणि आम्हाला हेअरिंगला बोलावत नाही. गार्डनच्या ठिकाणी ट्रेटसीचे बांधकाम होते. दोन-दोन नोटीसा दिल्या गेल्या. श्री. अजित पाटील यांचे माझ्याकडे पत्र आहे की, त्यांना नोटीस देण्यात आलेले आहे. ह्या गोष्टीला एक वर्ष झाले तरी बेकायदेशीर बांधकाम, काल रात्री हॅलोजन लावून गार्डनमध्ये बांधकाम चालू होते. शांती पार्कमध्ये हे असे होत आहे. हे काय चालले आहे? किती पत्रव्यवहार आम्ही केले पाहिजे?

**मोहन पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, सन्मा. सदस्यांच्या प्रश्नाला रुलिंग द्यावे. कारण आता सभागृहाचावेळ वाया घालवून उपयोग आहे का? सभागृहाचे कामकाज चालवायचे आहे आणि त्यांचाही विषय महत्वाचा आहे. तर त्यांच्या प्रश्नाला रुलिंग द्यावे.

**केशव घरत :-**

मा. महापौर मॅडम, प्रश्नोत्तराचा तास संपलेला आहे की नाही?

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सभागृह, सभागृहामध्ये उपस्थित केलेला सर्व्हिस रोडचा जो प्रश्न आहे त्या संबंधित नगरसेवकांनी जे जे आपल्या विभागातील, शहरातील अनधिकृत बांधकाम ज्या ठिकाणी चालू आहे त्याची

आपल्याकडे असलेली माहिती सविस्तरपणे ११ तारखेला, सोमवारी ११.० वा. महापौर दालनामध्ये याची बैठक आयोजित करण्यात येईल आणि ह्या बैठकीत आपण आपल्या समस्या तसेच सर्व्हिस रोडबद्दल निर्णय घेण्यात येईल.

**रोहिदास पाटील :-**

मॅडम, आमचे नाहीतर तुमचे ते कर्तव्य आहे. सर्व्हिस रोड अबाधित ठेवणे हे प्रशासनाचे, महापौरांचे, उपमहापौरांचे हे कर्तव्य आहे. आमचे त्याच्यावर हेअरिंग नाही. आमचे कसले हेअरिंग? डिमार्केशन तुम्ही केलेले आहे. तुम्हीच त्याचे .....

**मा. महापौर :-**

अतिक्रमणाचा पुढे विषय आहे.

**रोहिदास पाटील :-**

मॅडम, आपण सर्व्हिस रोडबद्दल निवेदन करा. एखादे व्यक्तिगत असेल तर ते बरोबर आहे. सन्मा. सदस्य ओमप्रकाश अग्रवाल यांनी स्टेट बँकेबद्दल जे सांगितले ते बरोबर आहे. ते ११ तारखेला ठेवा. पण सर्व्हिस रोडबद्दल आपला निर्णय पाहिजे. सर्व्हिस रोड देणे हे तुमचे कर्तव्य आहे. आमचे नाही. आम्ही तर येथे उगाच बोलत आहोत.

**तुळशीदास म्हात्रे :-**

मा. महापौर मॅडम, सर्व्हिस रोडबद्दल आपण स्वतः माहिती गोळा करा. हे आपले सर्वांचे काम आहे.

**रोहिदास पाटील :-**

तुमची ती खात्री पटलेली पाहिजे. आपण रुलिंग द्या ना. आता जे चालले आहे ते थांबवा. जे अनधिकृत आहे ते काढून टाका. जे फार वादाचे आहे जुनं आहे त्याचा नंतर निर्णय घ्या. पण तुमची अॅक्शनच नाही. जो उठला तो बांधत सुटला ते कसे काय? तो सर्व्हिस रोड आता नकाशावर सुध्दा राहिला नाही. ते आम्ही बोलत आहे.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सभागृहाने उपस्थित केलेल्या सर्व्हिस रोडच्या प्रश्नाबद्दल गेल्यावेळेस मा. महासभेमध्ये तसा ठराव ही पारित करण्यात आलेला होता की, सर्व्हिस रोडमध्ये जे अनधिकृत बांधकाम रस्त्यात येतात त्यांना ताबडतोब काढून सर्व्हिस रोड मोकळा करण्याचा त्यावेळेस ही आदेश देण्यात आला होता. त्यानंतर ही काही ठिकाणी कार्यवाही झाली नाही. तर त्याच्यावर सर्व्हिस रोड बनवण्यासाठी त्वरीत कार्यवाही करण्यात यावी असे मी प्रशासनाला सुचित करत आहे.

**नगरसचिव :-**

प्रश्नोत्तराचा तास संपलेला आहे व एक लक्षवेधी आलेली आहे. श्री. रोहिदास पाटील यांनी लक्षवेधी मांडलेली आहे त्याला अनुमोदन श्री. शरद पाटील यांचे आहे.

**शुभांगी नाईक :-**

पण सर्व्हिस रोडवाले कोर्टात गेले त्याचे काय?

**रतन पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, आपण जे रुलिंग दिलेले आहे त्याची कॉपी आम्हाला द्या. सभागृह संपण्याच्या अगोदर आपणाकडून आम्हाला त्या रुलिंगची कॉपी देण्यात यावी. अनधिकृत बांधकामाच्या संदर्भात कार्यवाही करणार आहात असे आपण सभागृहात रुलिंग दिलेले आहे त्याची प्रत आम्हाला सर्व सभागृहाला देण्यात यावी.

**लिओ कोलासो :-**

मा. महापौर साहेबा, अशी काही पद्धत नाही की, सभागृहात आश्वासन दिल्यानंतर त्याची लिखित प्रत लगेच सदस्यांना देण्याची कुठे प्रथा नाही.

**शुभांगी नाईक :-**

आपण असे कसे म्हणता?

**रतन पाटील :-**

आश्वासन दिलेले आहे ना.

**लिओ कोलासो :-**

आश्वासन दिलेले आहे ते सर्व समर्थ सभागृहाने ऐकलेले आहे त्यामुळे मा. महापौरांच्या अशा लिखित स्टेटमेंटची आवश्यकता नाही. मा. महापौर साहेबा आपण असे भलते-सलते ऐकू नका.

**मिलन म्हात्रे :-**

आपण ज्येष्ठ नगरसेवक आहात. आपण ठराव पास केला आहे.

**शुभांगी नाईक :-**

मागच्या वेळेलाही मा. महापौर मॅडमनी आदेश दिलेले होते मग त्याचे कुठे आपण पालन केलेले आहे.

**मिलन म्हात्रे :-**

आपलाच ठराव पास आहे.

**रतन पाटील :-**

आपण जे रुलिंग दिलेले आहे त्याचे पालन होणार आहे का?

**मिलन म्हात्रे :-**

आपण आपला जो ठराव केलेला आहे त्याच्यावरच कार्यवाही करा. बाकी आम्हाला काही नको.

**शिवभुदेका भुदेका :-**

साहब, शहर मे जो गलत काम होता है आप उसका समर्थन करते है। उपर से रुलिंग देने मे आपको तकलिफ होता है।

**लिओ कोलासो :-**

आम्ही समर्थन करत नाही. पण विरोधी पक्षच समर्थन करतो. अधिकाऱ्यांवर दबाव आणण्याचा...

**शिवप्रकाश भुदेका :-**

मॅडम को रुलिंग नही देने का बोलते हो, तो आपका उसमे समर्थन है। आप उसमे भागीदार है।

**लिओ कोलासो :-**

हे सर्व सेटींग करण्याचे काम तुम्हीच करता. आम्ही नाही.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य शिवप्रकाश भुदेकाजी आपण बसून घ्या.

**महेंद्रसिंग चौहाण :-**

ऐसा नहीं है। सभागृह के भावना की कद्र करना चाहिए। यह बात ऐसी नहीं है। जो कई बार हो चुकी है। लेकिन ऐसा लिखित कुछ भी देने की जरूरत नहीं है। लेकिन कार्यवाही के बारे में जिस तरह आपने कहा है। उस तरह से होगी तो मुझे लगता है की, सभागृह की जो भावना आज है याने जो कार्य नहीं हो रहा है। अनधिकृत काम ज्यादा से ज्यादा हो रहा है। अभी यह नहीं है की बीजेपी वाले ही इसमें सबसे आगे हैं। हम लोग भी इस तरहकी शिकायत करते रहते हैं। अभी यह उदाहरण बतादू की बीजेपी वाले दो नगरसेवक हैं। उनका वॉर्ड जेसलपार्क है। उधर बंगलो का गेट चौपाटी की तरफ कभी भी नहीं था। लेकिन वह अनधिकृत के बारे में कोई भी आदमी शिकायत नहीं करता है। यह बीजेपी वाले नगरसेवक हैं। उधर की शिकायत नहीं करते हैं। झोपडपट्टियोंकी शिकायत कर रहे हैं। सारे बंगलो के दरवाजे जेसलपार्क की तरफ करवा दिए गये। आधी दुकाने तोड़े गए। जेसलपार्क ने रोक दिया गया। यही सन्मा सदस्य रोहिदासजी पाटील वहा की शिकायत नहीं करेंगे।

**रतन पाटील :-**

ह्यांचे लेखी पत्र घेऊन ज्या बंगल्याचे अतिक्रमण झाले आहे ते तोडून टाका.

**महेंद्रसिंग चौहाण :-**

मै आपकी भावना से सहमत हूँ। हमलोग भी शिकायत करते हैं। सिर्फ बीजेपी ही नहीं।

**रोहिदास पाटील :-**

सत्ताधारी का आदमी ही तकलीफ देता है।

**कैलासबेन जानी :-**

आपके यहाँ कितना अनधिकृत बांधकाम हुआ है।

**महेंद्रसिंग चौहाण :-**

सन्मा. सदस्य रोहिदासजी पाटील कभी नहीं बोलेंगे की उधर अनधिकृत काम हुआ है।

**मा. महापौर :-**

सभागृहात शांतात पाळावी आपण बसून घ्यावे.

(सभागृहात गोंधळ)

**महेंद्रसिंग चौहाण :-**

इन्हे दिखाई नहीं देता है की चौपाटी पर दुसरी तरफ कैसे रास्ते खोल दिए गए हैं।

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्यांनी आपल्या जागेवर बसून घ्या. सचिवजी पुढील कामकाजाला सुरुवात करा.

**रतन पाटील :-**

आपण आता कार्यवाहीच्या संदर्भात जी रुलिंग दिली त्याबद्दल आम्ही आमचे आंदोलन मागे घेतलेले आहे.

**मा. महापौर :-**

सचिवांनी पुढील कामकाजाला सुरुवात करावी.

**लिला पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, माझ्या प्रश्नाला अजून उत्तर दिलेले नाही. नाल्यावर अतिक्रमण केलेले आहे. पूर्ण नाला बंद केलेला आहे. तो नैसर्गिक नाला आहे आणि सर्व्हे नं. २१३ आहे. आज ७ महिने झाले. मला या प्रश्नाचे उत्तर मिळालेले नाही.

**महेंद्रसिंग चौहाण :-**

बंगलो के यह दरवाजे पुरी तरह से अनधिकृत है। पुरी तरह से चौपाटी के तरफ का सारा रास्ता अनधिकृत है। गलत है वह गलत है।

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्या लिला पाटील यांनी विचारलेला प्रश्न, नैसर्गिक नाल्यावर अतिक्रमण वाढलेले आहे, यासंबंधी मा. आयुक्तांनी खुलासा करावा.

**लिला पाटील :-**

सर्व्हे नं. २१३ आहे. गोडदेव स्मशानभूमिच्या पाठीमागून येणारा नैसर्गिक नाला.

**रोहित सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडम, शांती पार्कच्या गार्डनच्या बाबतीत खुलासा करावा. त्याबाबत मा. आयुक्त साहेब बोलणार आहेत.

**चंद्रकांत मोदी :-**

सन्मा. सदस्य रोहित सुवर्णाजी मिरारोडमे सक्षम नगरसेवक है। आप अपने एरिया को संभालो, दुसरे एरिया की बात जाने दो। हमलोग सक्षम है। हमलोग बोलते नाही इसका मतलब यह नही के आप लोग बोलते रहो.

**रोहित सुवर्णा :-**

मिरारोड मे गार्डन की जगह पर .....

**चंद्रकांत मोदी :-**

वहाँपर जो ग्राऊंड है वहाँ चरसी लोग बैठते है। तो वहा मंदिर बनेगा तो अच्छी तरहसे भक्तीभाव रहेगा।

**रोहित सुवर्णा :-**

मिरारोड मे गार्डन की जगहमे बेकायदेशीर बांधकाम हो रहा है या नही इतना बोल दिजीए।

**चंद्रकांत मोदी :-**

मिरारोड मे गार्डनमे चरसी लोग बैठते है। चैन पुसिंगवाले बैठते है। यह आप जाकर पुलिसवाले से पुछीए।

**लिला पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, आपण माझ्या प्रश्नाबाबत जी रुलिंग दिलेली आहे त्याबाबत मा. आयुक्त साहेबांनी खुलासा करावा.

**रोहित सुवर्णा :-**

मा. आयुक्तांनी खुलासा करावा.

**चंद्रकांत मोदी :-**

और उधर गार्डन भी बन रहा है। सिर्फ मंदिर ही नही बन रहा है। मंदिर बनानेवाले उधर गार्डन भी बनानेवाले है।

**रोहित सुवर्णा :-**

गार्डन की जगह पर गार्डन ही बनाना चाहिए। दुसरा कुछ भी नही बांधनाहै तो परमिशन लेकर बांधे।

**चंद्रकांत मोदी :-**

इनको गार्डन मंगता है गार्डन।

**रोहित सुवर्णा :-**

दुसरा कुछ भी बनाना हे तो परमिशन लेकर बांधे। मंदिर वही बनाएंगे कसम राम की खाते है।

**अजित पाटील :-**

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलत आहे की, सन्मा. सदस्य रोहित सुवर्णा यांनी जे शांती पार्क येथील गार्डनच्या संदर्भात प्रश्न उपस्थित केलेला आहे. त्या संदर्भामध्ये १२ तारखेला हेअरिंग ठेवलेले आहे आणि त्यात सुनावणी देण्यात येईल व त्यांचे म्हणणे ऐकून घेण्यात येईल. त्यावर मा. आयुक्त साहेब हे आदेश देतील त्यानंतर उचित कार्यवाही करण्यात येईल. हेअरिंग देण्याची तरतुद २६० सेक्शनखाली असल्याकारणाने हेअरिंग दिलेली आहे.

**रोहित सुवर्णा :-**

बरोबर आहे. आपण २६०(१) आणि (२) च्या अंतर्गत ५४ खाली एम.आर.टी.पी. नोटीस त्यांना दिलेली आहे. गेल्यावर्षी देखिल नोटीस ऑगस्ट २००५ ला दिली होती. त्याची हेअरिंग झाली की नाही? त्याच्यानंतर ही बेकायदेशीर बांधकाम झाले. तुमचेच पत्र माझ्याकडे आहे. त्यावेळी आपण मिरारोडला प्रभाग अधिकारी होते.

**अजित पाटील :-**

नोटीस दिल्यानंतर सुनावणी घेण्याची तरतुद आहे. त्याकरिता १२ तारखेला सुनावणी देण्यात आलेली आहे.

**रोहित सुवर्णा :-**

ही तुमची दुसरी नोटीस आहे.

**अजित पाटील :-**

सुनावणी नंतर उचित कार्यवाही करण्यात येईल. सुनावणी देण्याचा कायदेशीर आवश्यकता आहे.

**रोहित सुवर्णा :-**

पण काल रात्रीसुध्दा बांधकाम चालू होते त्याचे काय? मा. महापौर साहेबांनी सांगावे की, आम्ही बांधकाम बंद करणार की नाही? मॅडम, १२ तारखेला सुनावणी आहे तर त्यांनी १२ तारखेपर्यंत काम बंद करावे. तुम्ही त्यांना १२ तारखेला सुनावणी दिली आहे हे मीच आपल्याला बोललो. पण सुनावणी पर्यंत त्यांनी बेकायदेशीर बांधकाम बंद करावे.

**मा. आयुक्त :-**

सन्मा. सदस्य शांती पार्कच्या बाबतीमध्ये जो प्रश्न सभागृहामध्ये उपस्थित केलेला आहे. त्या प्रश्नाबाबत मी खुलासा करू इच्छितो की, मागच्या लोकशाही दिनामध्ये सुध्दा याबाबतीतली तक्रार मा. जिल्हाधिकारी साहेब यांच्याकडे प्राप्त झालेली होती आणि लोकशाही दिनामध्येच मी त्याठिकाणचे जे काही बांधकाम चालू आहे ते बंद करण्याचा सुचना दिल्या होत्या. त्याप्रमाणे त्यांनी त्याठिकाणी बांधकाम बंद केलेले आहे. मी सभागृहाला परत एकदा आश्वासन देवू इच्छितो की, नियमाप्रमाणे त्यांना परवानगी दिली असेल तेवढेच बांधकाम त्याठिकाणी अनुज्ञेय होईल आणि जर त्यांनी वाढीव बांधकाम केलेले असेल तर वाढीव बांधकाम निष्कर्षित करण्याची कार्यवाही १२ तारखेनंतर म्हणजे त्यांना हेअरिंगला आपण बोलावलेले आहे. एम.आर.टी.पी. अॅक्टखाली आपण त्यांना नोटीस दिलेली आहे. परंतु, आपल्या मुंबई प्रांतिक अधिनियमाखाली त्यांना आपण नोटीस देणे हे बंधनकारक आहे. त्याप्रमाणे आपण त्यांना नोटीस दिलेली आहे. १२ तारखेला त्यांचे हेअरिंग झाल्यानंतर जेवढे वाढीव बांधकाम झालेले असेल ते ताबडतोब निष्कर्षित केले जाईल.

**रोहित सुवर्णा :-**

मा. आयुक्त साहेब, या मताशी मी पण सहमत आहे. पण १२ तारखेपर्यंत तरी त्यांनी काम बंद ठेवावे ना. तरी त्यांना काल रात्री हॅलोजन लावून बांधकाम चालू ठेवले आहे. माझे आपल्यासमोर ते म्हणणे आहे.

**मा. आयुक्त :-**

१२ तारखेपर्यंत बांधकाम बंद करण्याच्या सुचना आता या क्षणाला देण्यात येतील.

**रोहित सुवर्णा :-**

आपण नोटीसमध्ये ही तसे दिलेले आहे.

**लिला पाटील :-**

साहेब, मला माझ्या प्रश्नाचे उत्तर कुठे मिळाले आहे?

**अजित पाटील :-**

सन्मा. सदस्या लिला पाटील यांनी नाल्यावर अतिक्रमण बांधकाम झालेले आहे याबाबत प्रश्न उपस्थित केलेला आहे.

**लिला पाटील :-**

मातीचा भराव करून पूर्णपणे बंद केलेला आहे.

**अजित पाटील :-**

त्याची उद्या सकाळी पाहणी करून त्वरीत कार्यवाही करण्यात येईल. आपल्या समवेत पाहणी करण्यात येईल.

**लिला पाटील :-**

७ महिने झाले. आपले क्षेत्रिय अधिकारी झोपा काढत होते का?

**अजित पाटील :-**

उद्याच्या उद्या पाहणी करून कार्यवाही करण्यात येईल. उद्या सकाळी आपल्या समवेत पाहणी करण्यात येईल व त्वरीत कार्यवाही करण्यांत येईल.

**मा. महापौर :-**

सचिवांनी पुढील विषयाला सुरुवात करावी.

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

सचिव साहेब, आपण लक्षवेधी पुकारलेली आहे. त्याआधी मागच्या मा. महासभेमध्ये महात्मा फुले शिक्षण हमी योजनेबद्दल जी लक्षवेधी होती त्यावर मा. आयुक्त साहेब आपले निवेदन या सभागृहासमोर देणार होते. जर त्यांची कार्यवाही पूर्ण झाली असेल तर त्यांनी तसे आपल्यासमोर सांगावे.

**मा. आयुक्त :-**

मागच्या मा. महासभेमध्ये मी आपल्याला असे आश्वासन दिले होते की, सभागृहामध्ये ती इनफॉर्मेशन घ्यायची नव्हती ती आपल्याला दोन दिवसांमध्ये तातडीने माझ्या कार्यालयामध्ये आपण येणार होता आणि त्याठिकाणी मी आपल्याला संपूर्ण माहिती देणार होतो. त्याबाबतचा संपूर्ण अहवाल माझ्याकडे तयार आहे. माझ्या माहितीप्रमाणे प्रशासनाने आपल्याला याबाबतीमध्ये दोन-चार दिवसापूर्वी सुध्दा सुचना दिलेल्या होत्या आणि त्याप्रमाणे आपल्याला वेळ नव्हता म्हणून आपण आला नाहीत असे मला सांगण्यात आले. त्याप्रमाणे जी काय माहिती माझ्याकडे तयार आहे. ती संपूर्ण माहिती आपल्याला दिली जाईल.

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

मा. महापौर मॅडम, आयुक्त साहेब जर आपण मला माहिती आपल्या केबिनमध्ये देत असाल तर तुमच्या केबिनमध्ये येऊन ती माहिती घ्यायला माझी काही हरकत नाही. पण जेव्हा सेटींग आणि सिटींगची गोष्ट होते. तेव्हा आम्हाला या सभागृहामध्ये आपल्याकडून वक्तव्य पाहिजे. याच सभागृहामध्ये सेटींग आणि सिटींगचे शब्द झालेले आहे.

**लिओ कोलासो :-**

मा. महापौर साहेबा, सन्मा. सदस्यांच्या या प्रश्नाला आमची हरकत आहे. यांच्या या बोलण्याला आमची हरकत आहे. आम्ही तुम्हाला बोलू पण देणार नाही.

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

हे तुम्हीच सांगितलेले आहे की, ह्याची सगळी सेटींग झालेली आहे.

**लिओ कोलासो :-**

मा. आयुक्त साहेबांनी याच्यावर खुलासा केलेला आहे आणि सन्मा. सदस्यांचे शब्द हे दिशाभूल करणारे आहे. त्यांच्या या बोलण्याचा आमची हरकत आहे. मा. महापौर साहेबा, आयुक्तांनी याबाबत स्पष्ट निवेदन दिलेले आहे आणि दुसरे विषय चालू असताना पुन्हा पुन्हा त्याच गोष्टी बोलल्या जात आहेत. हे आम्ही चालू देणार नाही.

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

सचिव साहेब, आपण ती प्रोसिडींग मागवावी. मी सांगितलेले होते की, या सभागृहामध्येच उत्तर द्या. आयुक्त साहेबांनी विचारले की, कुठे उत्तर पाहिजे? तेव्हा मी सांगितले या सभागृहामध्येच उत्तर पाहिजे आणि मला तुम्ही तिथे बोलावून उत्तर दिले तरी चालेल. तुम्ही मला बोलावले हे ही खरं आहे. मी आलो नाही कारण हे जे आहेत ते त्याचा उलट अर्थ लावतात. सेटींग आणि सिटींगचे यांना शरम वाटली पाहिजे. सेटींग हे लोक करतात. आम्ही करत नाही.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य आपण बसून घ्या. आपला विषय झालेला आहे. सचिवजी पुढील कामकाजाला सुरुवात करावी.

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

मा. महापौर मॅडम, सचिव साहेब मी एक जण खाली प्रस्ताव दिला होता आणि (२) ड च्या खाली प्रस्ताव दिला होता. पण आपण तो प्रस्ताव पुन्हा घेतलेला नाही. ड (ज) चा प्रस्तावाखाली आपण उत्तर दिले पाहिजे. ते दर्शनिय जे बांधकाम...

**महेंद्रसिंग चौहाण :-**

मॅडम, यह क्या फिजूल की बात कर रहे हैं। यह मिटींग हो रही है या क्या हो रहा है? क्या सिर्फ एकही आदमी बोलनेका?

(सभागृहात गोंधळ)

**मिलन म्हात्रे :-**

मॅडम, सकाळपासून सन्मा. सदस्य ओमप्रकाश अग्रवाल बोलत आहे. का तर त्याला एकट्यालाच बोलता येते? तुम्ही त्याला परमिशन देता हे काय चालले आहे? आम्ही गपचूप बसलो आहोत ह्याचा अर्थ असा की, आम्हाला बोलता येत नाही. ह्यांनी सकाळपासून सभागृहाचा वेळ घेतलेला आहे.

(सभागृहात गोंधळ)

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्यांनी खाली बसावे.

**महेंद्रसिंग चौहाण :-**

मॅडम, आप इने बैठनेके लिए रुलिंग दिजीए। आप इने हाऊस से निकालो। इनके स्वार्थ के सिवा दुसरा कोईभी काम नहीं है। इनके इतने जो सब्जेक्ट है वह सारे इनके स्वार्थ के है। इनका एक भी सब्जेक्ट स्वार्थ के अलावा नहीं है। यह खाली सेटींग जानते हैं।

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

आपको किसीको भलाई नहीं देखी जाती है।

**जेन्ची अल्मेडा :-**

मा. महापौर मॅडम, आपण या रुलिंग द्या. आपण सकाळपासून एवढा वेळ का घालवता?

**महेंद्रसिंग चौहाण :-**

हमलोग भी हाऊस मे है। हमलोग भी जरूरी काम लेके आए है।

**प्रिटा फॅरो :-**

मा. महापौर मॅडम, आपण या विषयावर रुलिंग द्या.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य ओमप्रकाश अग्रवालजी आपण खाली बसून घ्या.

**लिओ कोलासो :-**

मा. महापौर साहेब, यांचे जे शब्द आहेत ते कामकाजातून काढून टाका. ते काहीही बोलत आहेत. आपण यावर रुलिंग द्या.

(नगरसचिवांनी लक्षवेधीचे सभागृहासमोर वाचून दाखविली.)

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य ओमप्रकाश अग्रवालजी आपण बसून घ्या.

**रोहिदास पाटील :-**

मी मा. महापौरांना विनंती करतो की, लक्षवेधी काय आहे ते आपण बघून घ्या. योग्य असेल तर ठेवा. नसेल तर ते काढा.

**नगरसचिव :-**

मी लक्षवेधी पुकारलेली आहे.

**अशोक पाटील :-**

सचिव साहेब, आम्ही लक्षवेधी ऐकलेली नाही. आपण पुन्हा एकदा लक्षवेधी वाचा.

**लिओ कोलासो :-**

मा. पिठासीन अधिकारी यांना विनंती आहे की, आपण ही जी लक्षवेधी स्विकारलेली आहे किंवा नाही हे आम्हांला काहीच कळालेले नाही. कारण सभागृहात एवढा गोंधळ होता. तर आपण ती लक्षवेधी पुन्हा वाचावी. स्विकारली असेल तर स्विकारली म्हणून सांगा. नसेल तर फेटाळली म्हणून सांगा. पण काहीतरी आपले मत मांडा.

**नगरसचिव :-**

लक्षवेधी स्विकारलेली आहे. लक्षवेधी पुन्हा वाचून दाखवतो.

**रोहिदास पाटील :-**

लक्षवेधी वाचावी. पण माझी सभागृहाला विनंती आहे की, मा. महापौर मॅडम, ही जी लक्षवेधी आहे ती मा. आयुक्तांना, मा. महापौरांना, मा. उपमहापौरांना मागे सगळे बसलेले सन्मा. अधिकारी आम्ही सगळे सदस्य ही लक्षवेधी नीट वाचून घ्या आणि त्याच्यावर नीट चर्चा करा.

**रतन पाटील :-**

ही लक्षवेधी वाचून घ्या. ही लक्षवेधी भाईदर पुर्वेच्या दृष्टीने निश्चितच हिताची आहे.

**नगरसचिव :-**

मी लक्षवेधी वाचत आहे. या लक्षवेधीला सुचक रोहिदास पाटील व अनुमोदक- शरद पाटील आहे. लक्षवेधीचा विषय आहे की, रेल्वे फाटकाचा बोगदा छोटा झाल्यामुळे पाण्याचा निचरा होण्यास अडचण होईल. त्यामुळे निर्माण होणाऱ्या गंभीर पुरपरिस्थिती बाबत.

(सदर लक्षवेधीचे सभागृहासमोर वाचन करण्यात आले.)

**रोहिदास पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, भाईदर पुर्वेची पुरपरिस्थिती किंवा पुरजन्य परिस्थिती या सगळ्यांनाच हकीकत माहित आहे. तुम्हीही आमच्या समवेत दौरा केलेला आहे. ज्यावेळी मा. महापौरांची अॅम्बेसिटर गाडी जाणे सुद्धा मुश्किल होते. त्या एका बोगद्यातून पाणी जात होते आणि आता त्या बोगद्यात पाईप टाकल्या मुळे आणि पुढे सिमेंट क्रॉक्रीटचे ब्लॉक आल्यामुळे जे सांडपाणी आहे. म्हणजे रोजचे उन्हाळ्याचे जे सांडपाणी आहे तेही सांडपाणी जात नाही. सकाळी साधारण ७.०० ते सकाळी १०.३० वाजेपर्यंत पाण्याची दिड दोन फुट लेवल चढते आणि सकाळी सगळं धुणं झाले आणि घरातले पाणी कमी झाले की, मग पाण्याचा निचरा होतो. पाणी निघून जाते आणि लेवल डाऊन होते. तेच पुन्हा संध्याकाळी होते. हे आता भर उन्हाळ्यामध्ये चालू आहे. जेव्हा शहरात पाण्याची टंचाई चालू आहे. त्यावेळी ही परिस्थिती आहे. पण जेव्हा पाऊस पडेल तेव्हा त्याला पर्याय काय? आम्ही आपले लक्ष यासाठी वेधत आहे की, जसे पुर्वेचे हे गटार आहे त्याला पर्याय काय तर ह्याच्यावर जेव्हा रेल्वे प्रशासनाने आपल्याला विनंती केली की, येथे पाईप उंच करायचा आहे की, काढायचा आहे की नाही. त्या पाईपामुळे पाणी जाण्याकरिता अडथळा निर्माण होईल. याची महापालिकेने नोंद घ्यायला पाहिजे होती. त्याला पर्याय काय? जर दुसरा कोणताही पर्याय केला नाही तर नर्मदा नगर, रावल नगर तो संपूर्ण भाग पाण्याखाली जात आहे. ते पाणी निघेल कुठून? आणि त्याच्या पलिकडे जो सतत मागणी करतो

की, आपण या शहरातील रेल्वे स्टेशन ते घोडबंदर पर्यंत आडवे कच्चे नाले खोदा. या नाल्याला ही आयुक्त साहेब कोणी उत्तर देत नाही. तुम्ही मला प्रेमपत्र दिलेले आहे. मा. उपायुक्तांना निर्देश दिले मिरा गावातून निघालेले पाणी, डोंगराचे पाणी, पुराचे पाणी घोडबंदरच्या खाडीपर्यंत न्यावे असा महिलांचा जेव्हा मोर्चा आला होता तेव्हा आपण उत्तर दिले, निर्देश दिले. पण पुढचे कोणतेही काम नाही. आम्ही आता ज्याठिकाणी म्हणत आहे की, नवघर गावच्या मागच्या बाजूला जो नाला आहे तो नाला मातीने भरलेला आहे. जे.सी.बी. कडून त्याची खोदाई करताना बांधकाम खात्याने स्पष्ट पत्र दिले की, खोदाईचे काम, कच्चे नाले खोदाईचे काम आमचे नाही. आरोग्य खात्याला कळवलेले आहे. माझी आजच्या सभागृहाला विनंती आहे की, मा. आयुक्तांना विनंती आहे की, हे जे कोणाचे अधिकार आहे त्यांना स्पष्ट निर्देश द्या की हे अति तातडीचे काम आहे. त्याच्यामध्ये जी बजेट प्रोव्हिजन असेल ती वर्ग करा किंवा त्याची तेवढी आवश्यकता नसेल तेवढी तर ती असणारच पण ते होणे गरजेचे आहे. ते न झाल्यामुळे डिसेंबर महिना संपेल. याच्यासाठी खास तरतुद करून गोल्डन नेस्टचा नाला, आम्ही तुम्हांला पुन्हा पुन्हा पत्र लिहिले की, गोल्डन नेस्टचा नाला दोन्ही बाजूने ९० फुटीचा रस्ता आहे. साहेब, तो विषय कुठेही लक्षात घेतलेला नाही. त्याच्यासाठी कोणती कार्यवाही झाली किंवा होत आहे असेही दिसत नाही. पुन्हा ती पुर्वपरिस्थिती निर्माण होईल आम्हाला तुमचे स्पष्ट आश्वासन पाहीजे. ही बाब संपूर्ण सभागृहाला माहित होईल. एका कोणत्या पक्षाचा विषय नाही, एका व्यक्तिका विषय नाही, एका सन्मा. नगरसेवकाचा विषय नाही. पाण्याचा निचरा होण्याच्या दृष्टीने अतितातडीची बाब म्हणून या सभागृहाने त्याची दखल घेतलेली आहे. आणि त्याच्यावर निर्णय दिलेला आहे असे होणे गरजेचे आहे. म्हणून मी सभागृहाचे लक्ष वेधलेले आहे.

#### शरद पाटील :-

मा. महापौराच्या परवानगीने बोलत आहे. केबीन रोडचा जो विषय मांडलेला आहे. आपण त्यावर काय उपाय योजना करू शकता किंवा त्यावर काय पर्याय आहे? मा. आयुक्त साहेब, जो केबिन रोडचा विषय मांडलेला आहे रेल्वेखालून जो बोगदा आहे तो आता छोटा झालेला आहे त्यासाठी केबिन रोडवर आपण काय पर्याय योजलेला आहे तरी याचा खुलासा करावा.

#### रतन पाटील :-

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलत आहे. एकत्रीत उत्तर देत असाल तर एकत्रीत उत्तर द्यावे.

#### काकडे :-

फाटका जवळ जे रेल्वेचे काम केलेले आहे ते १२०० मि. व्यासाचा पुर्वी एक पाईप होता. त्याच्यावर रेल्वेचे दोन ट्रॅक होते आता त्यांनी चार ट्रॅक करण्यासाठी इस्ट साईडला तिन आर.सी.सी बॉक्स बनविले होते दिड मिटर बाय दिड मिटर.

#### रतन पाटील :-

आपला आवाज येत नाही.

#### काकडे :-

१२०० मि. व्यासाचा आर.सी.सी पाईपला लागून दिड मिटर बाय दिड मिटर बाय दोन मिटर हया आकाराचे ३ बॉक्स टाकले आहेत आणि त्याच्यातून ती लाईन कट केली होती ती परत जोडून बाहेर पुर्वी होती तशीच ठेवली आहे. ती लाईन स्टेम प्राधिकरणाची आहे. त्याच्यामध्ये आर.सी.सी बॉल्क आहे तो बॉल्क बेडंवर टाकलेला आहे आणि तो बेडं जर बाजूला शिफ्ट केला आणि तो बॉल्क तोडून जर बाजूला शिफ्ट केला तर जो गॅप येईल बॉक्स आणि बॉल्क मधला तो वाढवून पाण्याचा निचरा होण्यास मदत होईल त्याच्याबाबतीत स्टेम प्राधिकरणास कळविण्यात येईल त्यांच्याकडून ते काम करून घेण्यात येईल.

#### रतन पाटील :-

आपण जी अर्धवट माहिती सांगत आहेत. सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील (काका) यांचे मी निश्चितच अभिनंदन करू इच्छितो की त्यांनी ही लक्षवेधी आपल्या समोर आणून मिरा भाईंदर पुर्व भागातील जो केबिन रोड पॅरेलल जो प्रभाग आहे ते पावसाळ्यात तुडूंब भरले जातात लोकांच्या घरात कमरे एवढे पाणी जाते. त्याला एकच कारण आहे ते म्हणजे रेल्वेच्या अंतर्गत असलेल्या गटारामध्ये त्या पाण्याचा निचरा होत नाही. वेळो - वेळी जर पाणी तो ज्या प्रमाणे गोडदेव कडे जावयास पाहीजे त्या पध्दतीने ते पाणी जात नाही. ते पाणी रेल्वेच्या खालून फाटका जवळ एक लहानशी मोरी आहे त्या मोरीतून त्या पाण्याचा निचरा होतो. तिथे मिरा रोडवरूनही पाणी येते. म्हणजे सगळ्या बाजूने पाणी तुंबल्यामुळे केबीन रोडला पाणी तुंबल जात आणि त्या ठिकाणच्या प्रत्येक घरामध्ये कमरेभर पाणी साठल जाते. आता महानगरपालिकेने जी पाईप लाईन टाकलेली आहे रेल्वेच्या रुंदीकरणमध्ये जे चार ट्रॅक वाढत आहेत. त्यामुळे ती पाणी जाण्याची जागा आहे ती फार कमी झाली आहे. आणि आता पाणी तुंबलेले असते. पाणी निघत नाही. याच्यावर पर्याय म्हणून महानगरपालिकेने रेल्वे खाली चार काळवट बनवायचे आहेत. त्या कामास प्रगती द्यावी त्यामुळे हा पाणी मिरारोड साईडला जाईल. आणखीन त्यात एक महत्वाचा मुद्दा एम. जी. पी. ने एक जी रेल्वे खालची पाईप लाईन आहे. त्याचा आराखडा बनवून रेल्वेच्या वरून ती पाईप लाईन वर घेण्याचा आराखडा बनविला आहे. सन्मा. रोहिदास पाटील तुम्हाला या संदर्भात माहित आहे का? मग त्या कामाचे काय झाले?



**रोहिदास पाटील :-**

बांधकाम खात्याने उत्तर दिले जे रेल्वेसाठी ब्लॉक बनविणार आहोत. आपण रेल्वेला ते लिहले आहे. ते काम कुठे आहे त्याचेही उत्तर दिलेले नाही.

**रतन पाटील :-**

त्या संदर्भात आम्हाला काय काम आहे? एम. जी. पी. ने त्या कामाची काय पुर्तता केली. ते काम कुठपर्यंत आले ते तर सांगा. हा आमचा जिवन मरणाचा प्रश्न आहे. आम्हाला उत्तर द्या.

**शशिकांत भोईर :-**

मा. महापौर मॅडम आपल्या परवानगीने बोलत आहे. सन्मा. सदस्यांच्या प्रश्नांशी संबंधीत प्रश्न आहे. त्यामुळे एकत्र उत्तर मागु जी लक्षवेधी सन्मा. सदस्य रोहीदास पाटील यांनी मांडली त्याचे मी समर्थन करतो. कारण श्री. काकडे साहेबांनी जे नुकतेच उत्तर दिले ते मोघम होते. एम. जी. पी. त्याचा पाईप कुठे एक्सेप्ट करणार त्याबद्दल होते पण काळवट बांधायचे की, मोरी बांधायची याबद्दल त्यांनी उत्तर दिले नाही आणि ते त्याच्याशी सक्षम नाहीत. या प्रश्नाचे उत्तर आपले सिटी इंजिनियरच देतील. आपले सिटी इंजिनियर आहेत. आपल्या मिरा भाईदरची त्यांनी सर्व पाहणी केली असेल. आता आपल्याला ४ कलवट बांधायचे होते ते प्रत्येक मा. महासभेत असा विषय यायचा की, ४ कळवटे बांधायचा. पण आजपर्यंत त्याची प्रगती कुठपर्यंत आहे? आपण हे काम कुठपर्यंत नेलेले आहे. त्यांनी ही कलवटे बांधण्यासाठी आपण आजपर्यंत काय प्रगती केलेली आहेत. कुठपर्यंत फ्लॉप केलेला आहे. त्याची आपण माहिती दिलेली नाही. तो पाईप हलविल्यानंतर पाण्याचा निचरा मुळीच होणार नाही. जे आता वक्तव्य केले ते चुकीच होते. या संबंधीत विभागाचे अधिकारी सिटी इंजिनियर आहेत त्यांनी याचे उत्तर द्यावे की, कलवट बांधून किंवा मोरी बांधून तुम्ही ताबडतोब पाण्याचा निचरा होईल. तसेच, जो आता केबीन क्रॉस रोड पासुन ते नवघर नाल्यापर्यंत नवघरचे ज्या उघड्या आहेत तिथपर्यंत पाणी निघते त्याचाही मेजरमेंट घेउन किंवा त्यांची लेवल काढून तो नाला आता नवीन बांधायला घेतला आहे. त्याची साफसफाई आणि आर. सी. सी. डिझाईन चांगल्याप्रकारे करावे त्यासाठी आपल्या सिटी इंजिनियरनी त्याचं उत्तर द्यावे.

**मा. उपमहापौर :-**

मा. सभागृहास आपल्याला मी थोडीशी माहिती देऊ इच्छितो की, रेल्वेच्या या भाईदर पासुन ते मिरा रोड पर्यंत जे दरवेळेला पाणी भरते व त्या पाण्याचा निचरा करण्यासाठी विशेष करुन पावसाळ्यामध्ये आपल्याला ४ कलवटे बनविणे गरजेचे आहे आणि त्यांच्यासाठी वारंवार नगरपालिकेच्या टेनर पासुन ते महानगरपालिकेपर्यंत वारंवार मागणी करत आलेलो आहोत. मागे मा. कमिशनर साहेबांनी चर्चा झाली त्यावेळेस मा. कमिशनर साहेबांनी उल्लेख केला की, रेल्वे डिपार्टमेंट कडे आपण एखादे काम दिले तर साधारणपणे १५ ते १८ डिपार्टमेंट मध्ये त्यांच्या मंजूरी साठी ते विषय फिरत असतात. आणि बऱ्याच वेळेला एखाद्या कॉन्ट्रक्टरला जर रेल्वेची कनेक्ट असतो त्यांना काम दिल्यानंतर त्यांचा तिथे चांगला जम असतो. आणि तो तिथे फॉलो - अप करत असतो. तर त्यावेळेस मी मा. कमिशनर साहेबांना असे सांगितले होते की, आपण ही जबाबदारी कोणाला तरी द्यावी. आणि या विषयात नेमकी काय प्रगती आहे याविषयात वारंवार आपण चर्चा करतो. जेसल पार्क सबवेच्या बाबतीत देखिल सभागृहाने मान्यता दिली. आपण फंड मंजूर केला तरी पण अजूनपर्यंत हा प्रश्न पुन्हा गुलदस्त्यात गेलेला आहे. तर जो केबिन रोडचा पाण्याचा निचरा पुर्वी पावसाळी पाण्याचा निचरा बोलायचो, पण आता रोजच्या पाण्याच्या निचऱ्याचा प्रश्न उद्भवला आहे. आपण या बाबतीत सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील यांच फार मोठे योगदान होते की त्यांनी त्यावेळेला जेसल पार्कच्या त्या रेल्वे पॅरेलल रोडला गटार काढण्याची एक संकल्पना ठेवली आणि त्यातूनच बऱ्याचशा पाण्याचा निचरा झाला. परंतु, केबिन रोडच्या बाजूने फाटकाच्या बाजूने देखिल तो पाण्याचा निचरा झाला. पण केबिन रोडमध्ये पाणी साठते ते आता साठणार नाही ती गोष्ट खरी आहे. या बाबतीमध्ये रेल्वे डिपार्टमेंटशी मी स्वतः व्यक्तिशः पत्रव्यवहार केला आहे. आणि त्या बाबतीत लवकरच साधारणपणे या विकमध्ये किंवा पुढच्या विकमध्ये आम्ही आम्हाला तशी वेळ देतील त्या वेळेनुसार आम्हाला डेलिकेशन घेउन जायचे आहे या डेलिकेशन च्या वेळेला आपल्या सन्मा. गटनेत्यांना या विषयी मी कल्पना देईन जर आपण त्याच्यामध्ये आलात तर आपलेही स्वागत. परंतु हे पत्र मी दिलेलं आहे. कारण हा रेल्वेकडून प्रश्न सुटत नाही परंतु मा. कमिशनर साहेब, मा. सभागृहात परत हा विषय आला आहे. आपण मागे चर्चा केली होती की, रेल्वेचा एखादा कॉन्ट्रक्टर असेल त्या संबंधित तो त्या सर्व डिपार्टमेंट शी हालचाली करू शकतो. अशा एका माणसाला जर आपण जबाबदारी दिली तर ते काम वेगाने होईल. मग ते फाटका जवळीत सबवे असेल की, जेसल पार्क मधून जाण्याचा सबवे असेल किंवा आपल्याला फुटवेअर ब्रिज जर बांधायचा असेल फाटका जवळ जर तो सबवे होत नसेल तर आणि हे कलवट या संदर्भात संयुक्तपणे जबाबदारी एखाद्याला परिचित माणसाला दिलीत तर आपल्याला त्या बाबतीत लवकरच निर्णय निघेल असे माझे मत आहे.

**रोहिदास पाटील :-**

मा. महापौरांच्या माहितीसाठी सांगत आहे की, या आधी या सभागृहात निवेदन झालेल आहे की, आपण एजन्सी फिक्स केलेली आहे. आपण बोलते वेळी दोन विषय एकत्र केलेत. एक सबवे विषय वेगळा आहे. आणि कलवट हा विषय वेगळा आहे. आता आमचा असा आग्रह आहे की, सभेमध्ये अनेकांनी मुहुर्त वेगरे

केले होते. एकच ध्येय वैगरे होर्डिंग्ज लागली होती. तो विषय जाउ द्या. आता सभागृहात वेगळे वळण कोणीच देउ नका. आता जो पाणी निचऱ्यासाठी बोलतो आपण जे बोलतात ते दोन विषय आहेत. एकतर माणस जाणार, गाडी जाणार, छोटी गाडी आणि पाणी जाणार. मिरा जाफरी खाडीपासून ते भाईदर खाडी पर्यंत रेल्वेला जर दोन सबवे झाले नाहीत तर त्यातल मिरा रोडचे पाणी हे पुर्ण जेव्हा ओव्हर फ्लो होते तेव्हा पुर्ण तेव्हा पुर्ण भाईदर म्हणजे गोडदेव, नवघर खाडी या गावामध्ये येते ते पाणी डायरेक्ट पश्चिमेकडे निघायला पाहिजे म्हणून रेल्वेला दोन बोगदे व्हायला पाहिजेत. त्यातून पाणी जाईल. तो पायऱ्या हे ते कारण तो विषय वेगळा हा विषय कुठे आता आहे याचे निवेदन करा. नसेल तर आम्हाला चला. आता मी तुमच्याबरोबर येत आहे.

#### मोहन पाटील :-

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलत आहे. मिरा भाईदर क्षेत्रातील खारीगाव.....

#### प्रफुल्ल पाटील :-

सिटी इंजिनियर या विषयी आपण काहीच बोलत नाही. सगळ्या सदस्यांनी या विषयी प्रश्न विचारला आम्हाला पण काही विचारायच आहे. निव्वळ खेळ खंडोबा करता बजेटमध्ये तरतुद करता ५ कोटी रुपये, ७ कोटी रुपयेची ४ बजेट गेली परंतु १ रुपयाच काम सबवेचे झालेल नाही आणि आजची अशी बातमी आहे की, तुमच्या अधिकाऱ्यांना रेल्वेच्या अधिकाऱ्यांनी असे सांगितले आहे की, सबवे कॅन्सल करा आणि एफ. ओ. बी. बांधा ते खरे आहे की नाही. तुम्ही राईची एजन्सी नेमलेली आहे. राईची एजन्सी त्यांच्या परीने काम करते तर आपला स्टाफ काय करतो. आपला स्टाफ काहीच करीत नाही आणि आता फोरलेनिंगचे काम अंतिम टप्प्यावर आल्यामुळे तुमचा गेल्या चार वर्षात काहीच फॉलोअप झाला नाही. बजेटमध्ये तुरतुद केली की, ती तरतुद दुसरीकडे वगळायची. कुठेतरी लगेच रिअॅप्रोप्रिशन करायचे आणि रस्त्यावर भरणा, गटारे खोदणे या करिता पैसा वापरता. २० कोटी रुपयामध्ये स्वतःचा सबवे झाला असता. परंतु, तुम्ही लोकांनी लक्ष दिले नाही. ४ कळवट आणि एक सब वे आहे. हा विषय सभागृहाच्या समोर आहे बजेटमध्ये आहे. परंतु, प्रशासनाने याच्यावरती काहीच केले नाही. आता तुम्ही ठाम मला सांगा नाहीतर आम्ही मैदानात उतरतो. तुमच्याने होत नसेल तर स्पष्ट सांगा. आम्ही मैदानात उतरतो व तुम्हाला रिझल्ट देतो.

#### रतन पाटील :-

लगे रहो मुन्नाभाई।

#### मोहन पाटील :-

चार कलवट आणि एक सबवेचा प्रस्ताव जो सभागृहासमोर आला होता तो प्रलंबित झाला आहे. सर्व सभागृहाचे मतही तसेच आहे. परंतु, केबिन रोडला मागच्या वर्षी जी अतिवृष्टी झाली त्याच्यानंतर जे पाणी भरले होते आणि मध्यंतरी आता जो पाऊस पडला त्यामुळे पाणी साचले. संपूर्ण श्री. सत्यनारायण मंदिराजवळील परिसर आणि केबिन रोडजवळ पाणी साचते त्यामुळे पाण्याचा निचरा न झाल्यामुळे पाणी पुढे जात नाही. याच महत्वाचे कारण म्हणजे आपण ४ ट्रक करतो. सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील यांनी उपस्थित केलेला महत्वाचा प्रश्न हा पाण्याचाच आहे. कळवट आणि सबवे हे दोन रेल्वेचे वेगळे विषय आहेत. परंतु, रेल्वेच्या ४ लाईन झाल्यानंतर त्या रेल्वेच्या अंतर्गत जी गटारे आहेत. महानगरपालिकेसाठी त्यावेळीसुद्धा हा वादग्रस्त प्रश्न निर्माण झाला होता. त्यानंतर रेल्वेने कंपाऊंड टाकून दिले. पूर्वी रेल्वेची कंपाऊंड नव्हती. परंतु, या गटाराच्या विषयावरून हा विषय निघाला आणि रेल्वेने कंपाऊंड टाकून दिली. आता त्या कंपाऊंडच्या आतमध्ये जे गटारे आहे ते अतिशय लहान गटारे आहेत. पाण्याचा निचरा तसेच सांडपाणी वाढत आहे. त्यासाठी काहीतरी पर्याय शोधला पाहिजे. थोडा पाऊस पडला १ तास किंवा २ तास जरी पाऊस पडला की, पुर्ण खारीगांवच्या एरियात पावसाचे पाणी साचते. राहूल नगरमध्येही पावसाचे पाणी साचते. जवळ तिकडे २ ते ३ फुट पाणी साचते. त्याकरीता काही पर्यायी मार्ग काढला पाहिजे. कारण रेल्वेच काम रेल्वेच्या पर्यायाने चालेल. आपल्या क्षेत्रात जी आतमध्ये गटारे बांधली पाहिजेत. ती बांधून घेणे गरजेचे आहे. म्हणून ह्यावेळेला आपण त्यांच्या प्रशासनाच्या अनुशंगाने, लक्षविधीच्या अनुषंगाने आपण रेल्वेची जागा सोडून आपण गटार बांधलं पाहिजे. बॉल्क स्टिमची जी गटारे आपण बोलतो ती बांधावी त्यावरून गाड्याही जातील आणि संपूर्ण पाण्याचा निचरा त्या गटारातून जाऊ शकेल. परंतु, त्याच्यावर लक्ष देणे फार जरूरी आहे. म्हणून आपण ४ कलवट आणि १ सबवे बद्दल बोलतो. सन्मा. सदस्य प्रफुल्ल पाटील साहेब बोलले की, आता एफ.ओ.बी. चा प्रस्ताव आणलेला आहे. आता एफ.ओ.बी. प्रस्ताव तर तिथे एफ.ओ.बी. होऊ शकत नाही. तिथे तसे फिजीकल नाही. कारण रेल्वेचा ज्या पद्धतीने बस स्टॅन्ड तिकडे आहे. तिथे जेसलपार्क चा रस्ता आहे. तिथे जाण्यासाठी आजच्या तारखेला कुठलाही रस्ता मिळत नाही. म्हणून एफ.ओ.बी. फेल आहे. याचे कारण की, आपला जो फॉलोअप आहे तो कुठेतरी कमी पडला म्हणून हा प्रश्न निर्माण झालेला आहे. म्हणून रेल्वेच्या भरवश्यावर आपण जर राहिलो तर उद्या पुन्हा येणारा पाऊस पडून केबिनरोड च्या परिसरामध्ये तसेच खारीगावच्या परिसरामध्ये पाणी भरेल. साहेब, खुप वेळेला तुम्हीही पाणी साचलेले बघितलेले आहे. कारण ती गटारे लहान आहेत त्यामुळे पाणी पास होत नाही. आता पुन्हा प्रशासनाकडे रेल्वे क्रॉसिंगचा प्रश्न निर्माण झाला. त्याठिकाणी एम. जी. पी. चे जे पाईप आहेत त्याचा बँड हा बाहेर काढून केले तर आपली तात्पुरत्या स्वरुपाची सोय होऊन जाईन. परंतु, तेवढ्याश्या ठिकाणाहून पाणी जाऊ शकत नाही. परंतु, एम.जी.पी. ने बँड जो मारला

आहे तो बॅंड जर आपण बाहेर घेतला तर तो बॉल्क मोकळा होईल. परंतु, जो पर्यायी मार्ग आहे तो तेवढा नाही म्हणून त्यासाठी कळवट होणे गरजेचे आहे म्हणून ह्यावेळेला ज्या पद्धतीने एस.एन. कॉलेज समोर जर मोठा नाला आपण जर बांधून घेतला. तशा प्रकारचा नाला केबीन रोड वरून उलट्या दिशेने गेला तर आपल्याला त्याठिकाणी त्या पद्धतीने पाणी जाईन. नाहीतर आपण कितीही धडपडीने कामे केली तरी रेल्वे आपल्याला मदत करू शकणार नाही. ह्या बाजूने रेल्वेचे स्टेशनही वाढत आहे. म्हणून आपण पर्यायी मार्ग म्हणून ह्याबाजूने आपण आपले गटार काढले पाहिजे नाहीतर ४ ट्रक्स होतील गटार लहान आहेत. आजच्या तारखेला आपण गटारावर स्लॅप टाकायला घेतलेले आहे. गोडदेव नाक्यापर्यंत खाली दलदल भरपूर आहे. कारण जशी गटारे बंद करणार आपण तशी दलदल काढायला फिजिकली अडचण निर्माण होईल म्हणून वेळच्या वेळी काम होण्यासाठी पर्यायी गटार काढणे जरूरी आहे. तशा प्रकारचे गटार जर काढले. तर मला वाटत नाही की पुर्ण पाणी भरेल आणि तो त्रास नागरिकांना होईल.

**रतन पाटील :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने मला अजून पाणी विभागाकडून उत्तर मिळालेले नाही. तसा खुलासा दिला नाही.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

सिटी इंजिनियरने याचा खुलासा करावा की, हे घडलेले आहे किंवा नाही आम्ही ही खरी परिस्थिती सांगत आहोत ते चुकीच आहे का बरोबर आहे. सिटी इंजिनियर यांनी याच्यावर खुलासा करावा ना.

**प्रभात पाटील :-**

सन्मा. सदस्य मोहन पाटील यांनी सिटी इंजिनियर यांचे काम सोपे करून टाकले आहे. सन्मा. सदस्य मोहन पाटील यांना यावर एवढे लेक्चर दिले आणि एवढ्या चांगल्या सुविधा आणि प्रोव्हिजन ठेवल्या की, सिटी इंजिनियर यांचे काहीच काम राहिले नाही. त्यांना आपणच काम देत नाही. आपणच त्यांच्यापुढेच सर्व ठेवतो आपण त्यांना कामच ठेवत नाहीत. त्यांनीच या शहराच नियोजन करावे तुम्ही कशाला त्यांना आयडिया देता? त्यांचे काम काय आहे? मला एकच म्हणायचय. मी मागच्या मिटींगमध्येही बोलले होते की, कलवट व्हावीत. ४ महिन्यात आपल्याकडे पाण्याचा खूप प्रॉब्लम होता. निचरा होण्याच्या दृष्टीने. परंतु, राजरोसपणे रेल्वे रुळ क्रॉस करतेवेळी दमेकरी माणसांची, गरोदर महिलांची, छोट्या मुलांची शाळेत जाण्यासाठी दररोजची परवड चालली आहे त्याचे उत्तर कोण देणार आहेत? किती वर्षे झाले आपण बजेटमध्ये सबवेची प्रोव्हिजन केली आहे हा तुमचा सबवे कुठे मार्गी लागणार आहे? तुम्ही सांगता त्याला आणखीन एक पादचारी पुल बांधा त्यावर दमेकरी माणस चढणार आहेत का? गरोदर महिला चढणार आहेत का? तुम्ही आजारी माणस तिथुन नेणार आहात? त्यांच्या जिविताची हमी कोण घेणार आहे?

**तुळशीदास म्हात्रे :-**

मागे त्या सबवेसाठी लोकांच्या सह्यासुध्दा घेतल्या. टेबल लावली होती. त्यांचा काय फायदा झाला?

**प्रभात पाटील :-**

त्याचा काय फायदा झाला आणि आपण इथे बसून काय फायदा करतो. फक्त येऊन तुमचा नाश्ता खायचा का?

**मोहन पाटील :-**

नारळ फोडायला तुम्हीच गेला होता.

**शरद पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, मी आणखीन एक पर्याय त्याच्यावर बोलतो आहे. कारण आता सन्मा. सदस्य प्रफुल्ल पाटील साहेबांनी सांगितल की, ४ वर्षे झाले कलवटचे काम चालू आहे. ते ४ महिन्यात होईल असं मला वाटत नाही. त्याच्यासाठी एक पर्याय आहे. पहिला जो पाणी आता आम्हाला सुचवु द्या. शेवटी आपल्यालाच त्यांना सांगावे लागणार आहे. माझा एक छोटासा पर्याय आहे.

**प्रभात पाटील :-**

सन्मा. सदस्यांमधुन एक सिटी इंजिनियर, एक कार्यकारी अभियंता असे नेमा ना.

**रिटा शाह :-**

माझी एक सुचना आहे. मॅडम, की, आता केबीन रोडवर जो रेल्वेची बॉन्ड्री बांधली आहे. ती बॉन्ड्री तिथे न बांधता जो भाईंदर पश्चिमेला जी बॉन्ड्री बांधलेली आहे तो जो नाला आहे तो नाला आपल्या शहरात सोडलेला आहे आणि केबीन रोडवर जो नाला आहे तो त्यांनी रेल्वेमध्ये इन्व्हल्युड केलेला आहे. तर ती बॉन्ड्री तिथे न बांधता पाठीमागे बांधून तो नाला आपल्या ताब्यात द्यायला पाहिजे आणि तिकडे आपण थोडेसे गटार वाईड करून त्याच्यावर स्लॅप टाकून रहदारीसाठी रस्ता निर्माण करून द्यावा अशी मी सुचना करत आहे.

**शरद पाटील :-**

सन्मा. सदस्य रिटा शाह मॅडम, आपण बरोबर बोलल्या आहेत. पण त्याच्यात राजकारण झाले म्हणून ती दिवार तिथल्या तिथेच राहिली. राजकारण करतात ना म्हणून असे होत आहे.

**रिटा शाह :-**

ह्याच्यासाठी राजकारण करू नये.

**शरद पाटील :-**

राजकारण केलं म्हणून ती भिंत तिथली तिथेच राहिली. कारण त्याचा मी स्वतः साक्षीदार आहे. माझा पत्रव्यवहार होता. आणि जी.एम. ज्यावेळेला आले होते. त्यावेळी मी मिटींग मध्ये बसलो होतो. आणि त्यांनी सांगितले की, रेल्वेला मिरारोडपर्यंत कुठेही जागा नाही आम्ही तिथे भिंत सरकवतो. आणि त्यानंतर मीठ राजकारण झाले. शहराचे अभियान झाले आणि सगळे विस्कटून गेले.

**रिटा शाह :-**

मा. महापौर मॅडम, भाईदर वेस्टला पण सदर गोष्टीसाठी राजकारण झाले. शेवटी जनतेच्या हितासाठी आपल्याला रस्ता द्यायचा आहे. त्या नाल्यावर जी बॉन्ड्री बांधली आहे. तिकडे काही मी इन्टरफेअर करत नाही. कारण ईस्टमध्ये माझा काही अधिकार नाही. फक्त मला समजलं म्हणून मी सुचना करते. तसे ईस्टचे सन्मा. नगरसेवक भक्कम आहेत. जर आपल्याला सुचना करण्यासाठी जर रेल्वेजवळ डेलिकेशन घेऊन जावे लागले तर आपण तिथे जाऊ.

**मा. महापौर :-**

संबंधित विषयाचा सिटी इंजिनियरने खुलासा करावा.

**मिलिंद वाणी :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो की, मिरा भाईदर मधील ४ सबवे...

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य रतन पाटील बसून घ्या.

**मिलिंद वाणी :-**

जे रेल्वेचे मुख्य प्रशासकीय अधिकारी आहेत म्हणजे डी.आर.एम. डिव्हीजन रेल्वे मॅनेजर त्यांना आम्ही भेटलो आमच्याबरोबर राईटचे कन्सल्ट मॅनेजर पण होते आणि आम्ही त्यांना आपला जो मुद्दा आहे तसेच आपल्या सर्वांच्या भावना त्यांना कन्वेन्स केल्या. त्यावर त्यांनी सबवेच्या बाबतीत असे सांगितले आहे की, रेल्वेला त्यामुळे बरेचसे प्रॉब्लेम येऊ शकतात तर तुम्ही आमचं मत आहे की, इथे आर.ओ.बी. व्हायला पाहीजे असे आमचे मत आहे. मी मा. महापौर मॅडम, आणि मा. आयुक्त साहेबांना आल्यावर सांगितले त्यांच्यासाठी मी त्यांना सांगितलं की आमच्या सर्व लोकांच्या भावना या सबवेच्या होण्याच्या मागे आहेत तर तुम्ही थोडा विचार करावा. आणि जे काही आपले ४ कलवट आहेत ती आपण आर.सी.सी. बॉक्स गरडर टाईप प्रपोज केली होती. तर त्यांच्याबद्दल त्यांनी असा अभिप्राय दिला की, तुम्ही शक्यतो इथे पाईपचे कलवट करावे. म्हणजे कलवट न करता पाईप तिथे फोर्सफुली तिथे टाकायचे आहे आणि जेणे करुन रेल्वेच्या ट्रफिकला अडचण येणार नाही. तर त्या बद्दलही मी सांगितले आमचं प्रपोजल हे कलवटच बॉक्स गरडर टाईप आहे आणि यामुळे आम्हाला जास्त एरिया मिळेल आणि पाईप मुळे आम्हाला कमी एरिया मिळेल. तर ते आम्हाला म्हणाले की तुम्ही दोन-दोन पाईप टाकायचे प्रोव्हिजन करा. किंवा जास्त डाय मिटरचा पाईप टाका. तर तसे मी राईटसला सांगितले आहे. आणि आपला सबवे व्हावा यासाठी सगळ्यांच्या भावना असल्यामुळे त्यांना मी सांगून या आठवड्यात ते किंवा नेस्ट विक मध्ये मा. महापौर, मा. आयुक्त सर्व सन्मा. पदाधिकारी आहेत त्यांनी वेळ द्यायचे कबूल केले आहे. आणि ते आपल्याला मिटींगसाठी वेळ देणार आहेत. पुढच्या आठवड्यात तेव्हा आपण सगळ्यांनी तिथे जाऊन त्यांना आपले जे काही म्हणणे आहे ते सांगायचे आहे अशी आमची मिटींग झाली आहे.

**रतन पाटील :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो आहे....

**प्रफुल्ल पाटील :-**

तुम्ही ते उत्तर देता ते मोघम देतात. आम्ही जो प्रस्ताव सादर केला आहे सबवेचा त्या प्रस्तावामध्ये प्रशासनाने कुठली भुमिका बजावली आहे. काय-काय पाठपुरावा केला ते सांगा. त्यांनी जो निर्णय घेतला तो तुम्ही आम्हाला सांगू नका. आमचा निर्णय होय आहे सबवेचा आणि सबवेचा हा निर्णय कायम राहणार आहे. जर रेल्वे वाकली तर वाकावी तर वाकावी लागेल आम्हाला त्यासाठी सरकार जवळ जावे लागेल याच्यापुढे कुठलीही यंत्रणा आम्हाला मदत करायला तयार नव्हती. पाणी पुरवठ्याच्या बाबतीमध्ये सुद्धा तेव्हा त्यांना आम्हाला वाकवावे लागले. तुम्ही त्यांच्या परीने का बोलता. तुमच्या प्रशासनाच्या तुमच्या इंजिनियर लोकांनी काय-काय पाठ पुरावा केले? तुम्ही फक्त एजन्सी नेमली आहे. ती एजन्सी तिचे काम करीत आहे. एजन्सी त्यांच्या मार्गावर बरोबर चाललेली आहे. परंतु, तुम्हाला तिथे काय घडले आहे तेही माहित नाही. फक्त शेवटी असं सांगितलं की, फुट ओव्हर ब्रिजच्या गोष्टी करतात. असे काय कारण घडले की, तुम्ही एफ.ओ.बी. साठी सांगत आहेत. आणि सबवे का नको? तुम्ही कोणाकडे गेला होता डी.आर.एम. कडे गेला होतात. तुम्ही अॅडीशनल डी.आर.एम. कडे गेला होतात. सी.पी.डी.एन. कडे गेला होतात का? अॅडीशनल डी.एन. कडे गेला होता का? कुठे-कुठे ती फाईल फिरली?

**मिलिंद वाणी :-**

ही फाईल सगळीकडे फिरल्यानंतर जेव्हा डी.आर.एम. कडे गेली तर डी.आर.एम. इज चिफ अॅडमेन्स्टेटीव पोस्ट त्याच्यावरती कुठलीच पोस्ट नाही त्या डिव्हीजनला.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

साहेब, तुम्ही उलट्या प्रवाहाने सांगता कदाचित इथे अशी परिस्थिती असेल की, सिटी इंजिनियर कडे कुठले प्रस्ताव येत नसतील. परंतु, मुख्य प्रस्तावावर मार्क केले आहे. डी.आर.एम. नी आणि डी.आर.एम. ने केले आहे. अॅडिशनल डी.आर.एम. ला अॅडिशनल डी.आर.एम. ने सिनियर डी.एन. ला मार्क केले आहे. सिनियर डी.एन. ने सी.पी.डी.एन. ला मार्क केले आहे. असा विषय तुम्ही घेऊ नका. जेव्हा डी.आर.एम. काही डिसिजन घेतात तेव्हा तो डिसिजन पक्का डिसिजन असणार खालच्या अधिकाऱ्यांने घेतला असता तर वरच्या अधिकाऱ्यांनी घेतला असता तर डी.आर.एम. ने असा डिसिजन घेईपर्यंत आमचे प्रशासन गप्प का बसले? हा विषय तुम्ही सभागृहात का आणला नाही? या विषयात आमच्या मा. महापौर, मा. उपमहापौर यांना का सांगितले नाही की आम्ही कुठेतरी कमी पडतो हा विषय पुर्वी आला असता तर आम्ही पाठपुरावा केला असता. अजून तुम्हाला सांगतो. अजूनही पाठपुरावा करुन सबवे आहे. त्याच ठिकाणी सॅन्शन करुन आणू फक्त तुम्ही एवढंच सांगा की, प्रशासन काही करणार नाही.

**मिलिंद वाणी :-**

याबाबत त्यांना संबंधित सर्व जे आपले १५ ते १६ तिथल्या लोकांच्या सहा असतात. त्यांच्याकडून आपण ते सगळे रिपोर्ट फेवरेबल करुन घेतले होते. त्यांनी त्याला संपूर्ण सहमती दिलेली होती. म्हणूनच ती फाईल डी.आर.एम. पर्यंत गेली आणि डी.आर.एम. कडे गेल्यानंतरच त्यांनी त्याची क्वेरी केली आणि त्याच्यानुसार आपण ते मंजूरी देत नव्हते म्हणून आम्ही स्वतः त्यांची अपाईटमेंट घेऊन त्यांच्याशी आम्ही मिटींग घेतली. त्यांना कन्वेन्स केले त्यांच्यानंतर आम्ही त्यांना सांगितले की, तिकडे जागा कमी आहे तर आरोपी होउच शकत नाही. आपण आपला एखादा इंजिनियर तिकडे पाठवा. सगळे आम्ही सांगितले आणि त्याच्यानंतर त्यांनी तयारी दाखविली की आम्ही तुमचे जे पदाधिकारी आहेत, मा. आयुक्त आहेत त्यांच्याशी आम्ही स्वतः वेळ देऊन त्यांची मी मिटींग करतो असे त्यांनी आपल्याला प्रॉमिस केलेले आहे की, ते पुढच्या आठवड्यात ते आपल्याशी एक मिटींग करुन घेणार.

**शशिकांत भोईर :-**

आपण जे आता वक्तव्य केले ते फक्त सबवे साठी केले पण आता कलवटचे काय?

**प्रफुल्ल पाटील :-**

कलवटला पण त्यांनी अडवले का? जर एकदा ओव्हर लेनींग झाले की तुम्हाला कोणी उभे करणार नाही. कुत्र्यासारखी परिस्थिती होईल या प्रशासनाची तुम्ही रेल्वेला असे साधे समजू नका. मेगाबॉल्क घ्यायला लागतात. जेव्हा ४ लेनिंग होईल. तेव्हा तुमची कलवटे होतील का? आज जे कलवटचे पैसे तुम्ही काढलेली आहे. कलवट अंदाजीत रक्कम तुम्ही भरलेत. जी कलवटची अंदाजिक रक्कम तुम्ही काढलेली आहे. कलवट बांधण्यासाठी जी बजेटची तरतुद केली आहे. या रक्कमेचा विचार करा आणि ४ लेनिंग झाल्यानंतर त्याचा खर्च तिप्पट होईल. पहिल्यांदा रेल्वे तयारच होणार नाही. मेगाबॉल्क तयार होईल का ४ लेनिंगला आणि ४ लेनिंग होईपर्यंत तुम्ही थांबणार तिथपर्यंत सगळा बाजार होणार.

**मिलिंद वाणी :-**

साहेब, यात त्यांनी जे आपले कलवट आहेत. त्याला मंजूरी दिली आहे. परंतु, फक्त त्याचा जो प्रकार आहे त्यांच्यात थोडा बदल करण्याची त्यांनी सुचना केली आहे. म्हणजे आपली ४ कलवटे होणार. फक्त सबवे बदल आपण सर्व लोकांनी त्यांच्याशी मिटींग करायची आणि त्यानंतर ते आपल्या बाजुने निर्णय घेतील.

**शरद पाटील :-**

बरोबर, निर्णय घेतील पण तो निर्णय कधी पर्यंत होईल पावसाळ्याच्या अगोदर होईल की पावसाळ्या नंतर होईल?

**मिलिंद वाणी :-**

ते आपल्याला पुढच्या आठवड्यातच वेळ देत आहेत.

**शरद पाटील :-**

पावसाळ्याच्या अगोदर जर झाले नाही तर त्याच्यासाठी केबिन रोडसाठी दुसरा पर्याय काढावा लागेल.

**शशिकांत भोईर :-**

सिटी इंजिनियर साहेब, आपण जेव्हा कलवट बांधणार आहोत. त्याचे प्लॅन आपण सॅन्शन केलेले आहे का? आपण कोणत्या पध्दतीने बांधणार आहोत. रेल्वेनेही ते मंजुर केले आहे का? हा कलवट आपण ह्या ठिकाणी बांधा आणि आम्ही प्लॅन सॅन्क्शन करुन देतो असे झाले आहे का?

**मिलिंद वाणी :-**

आपले जे प्रपोजल होते ते त्यांनी अॅडीशनल डी.आर.एम. पर्यंत मंजुर केले होते. आपले जसे प्रपोजल होते तसे त्यांनी सुचनेप्रमाणे मंजुर केले.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

कलवट संकल्प चित्र रेल्वेने फायनल मंजुर केले का?

**मिलिंद वाणी :-**

फायनल केलं नाही. जसे आपल्याकडे .....

**प्रफुल्ल पाटील :-**

मग, तुम्ही कसे सांगता ते बांधायला तयार आहेत.

**मिलिंद वाणी :-**

जसे आपल्याकडे आयुक्त लेव्हलवर गेल्यावर एखादा डिसिजन बदलू शकतो. तसे डी.आर.एम. ने तो डिसिजन पाईपचा बदलला. पाईप साईजचा कलवट करायला त्यांनी आपल्याला सुचना केली. अजुन त्यांनी फायनल डिसिजन घेऊन फाईलवर तसे काही पुटअप केले नाही. फक्त आमच्याशी त्यांनी तोडी चर्चा केली आणि त्यांनी सगळ्यांना वेळ द्यायचे प्रॉमिस केलेले आहे आणि ते या आठवड्यात आपल्याला वेळ देणार आहेत.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

पाईप कसे त्याला पुशब्लॉक लागणार आहे. रेल्वे चालू आहे. चालू रेल्वेमध्ये पाईप टाकता येते का? काही तरी मुर्खा सारख्या गोष्टी करायच्या. त्याला पुशब्लॉक सिस्टम लागणार आहे. कोण हा असा इंजिनियर आहे का तो सांगत आहे की, रेल्वे खालुन पाईप टाका. रेल्वेच्या खाली एक फुट मातीसुद्धा तुम्हाला खोदता येते का? काय तरी बोलता आणि काहीतरी तुम्ही तुमच्या मनाने सांगतात. पुशब्लॉक सिस्टीमचीच ते कलवट होतात.

**मा. आयुक्त :-**

रेल्वेच्या जागामध्ये कलवट आणि सबवेच्या संदर्भामध्ये सभागृहामध्ये जी गांभीर्य पूर्वक चर्चा सुरु आहे. त्या संदर्भामध्ये सभागृहाला मी थोडीशी माहिती देऊ इच्छितो की, आता पर्यंत जी चर्चा झालेली आहे. चिफ इंजिनियरनी आपल्या सभागृहासमोर जो खुलासा केलेला आहे आणि या बाबतीमध्ये काही सन्मा नगरसेवकांनी सुद्धा याचा पाठपुरावा केलेला आहे. मा. उपमहापौर यांनी सुद्धा या विषयामध्ये रेल्वेला पत्र पाठविले आहे. या सगळ्या बाबींचा जर आपण विचार केला तर एक आपल्याला असे वाटते की, रेल्वेचे जे अधिकारी आहेत त्या रेल्वेच्या अधिकाऱ्यांना आणि जो काही कन्सल्टन्सी आपण ज्यांना दिलेली आहे त्या संदर्भामध्ये मा. महापौरांना एक मी विनंती करतो की, आपल्या सभागृहामध्ये या संदर्भामध्ये एखादी छोटीशी कमेटी करावी जेणे करुन आपल्याला ह्या प्रत्येक रेल्वेच्या कामाचा आढावा १५ दिवसांनी, आठवड्याने किंवा महिन्यामध्ये आपल्याला सातत्याने घेता येईल आणि त्या संदर्भामध्ये प्रशासनाकडून जे जे संबंधित रेल्वे अधिकारी .....

**रोहिदास पाटील :-**

आपण या सभागृहामध्ये सन्मा. सदस्यांचे नाव सुचविले होते ना. ते सदस्य कुठे आहेत.

**रतन पाटील :-**

रेल्वे अधिकारी कोण आहेत?

**रोहिदास पाटील :-**

काय आहे? इकडे अधिकारी आहेत. हे जागृक सभागृह आहे.

**मा. आयुक्त :-**

मा. महापौर मॅडम, या बाबतीमध्ये सभागृहात तसा निर्णय घ्यावा अशी मी सभागृहास विनंती करतो आणि या संदर्भामध्ये जर आपण सांगाल त्याप्रमाणे आपण सन्मा. सदस्यांना घेऊ आणि त्याच्यात ते काम होणे हे अत्यंत गरजेचे आहे. शहराच्या दृष्टीने फार आवश्यक आहे. त्या दृष्टीने प्रत्येकाने .....

**हॅरल बोर्जिस :-**

एक संघटना गठीत करा.

**रतन पाटील :-**

आतापर्यंत सन्मा. सदस्य रेल्वेच्या बाबतीमध्ये काहीच बोलले नाहीत. जर त्यांना काही माहिती असेल तर ती त्यांनी सांगावी.

**प्रभात पाटील :-**

मा. आयुक्त साहेबांची सुचना खरोखरच सुझ आहे. किमान कोणीतरी या कार्याला गती येण्यासाठी कोणीही सदस्य घ्या. परंतु, या कामाला गती येण्याच्या दृष्टीने कमीटी होणे फार गरजेचे आहे. मा. महापौर, मा. उपमहापौर आणि मा. आयुक्त साहेब यांनी या बाबतीत निर्णय घ्यावा आणि कामाला लागावे एवढचं की, या शहरात जी रखडलेली कामे आहेत. किमान रेल्वेच्या साठी लोकांचे जे हाल होतात. ते न होण्याच्या दृष्टीने हे सगळे काम मार्गी लागणे गरजेचे आहे. कृपया तसा निर्णय घेण्यात यावा.

**हॅरल बोर्जिस :-**

मा. महापौर मॅडम, या संबंधित एक समिती गठीत करण्यात यावी. समितीमध्ये सर्व पक्षाचे गटनेते यांना समाविष्ट करून एक समिती गठीत करुन त्या समिती मार्फत हा विषय पुढे प्रोसिड करावा.

**ध्रुवकिशोर पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, आता सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील यांनी सांगितले की, जे रेल्वेच्या कमीटीचे मेबर्स आहेत. त्यांनी ह्याच्यावर काय केले. तर मा. महापौर मॅडम, माझी नियुक्ती फक्त एस.आर.वी.सी.सी.

कमिटी साठी झालेली आहे म्हणजे सर्वनवन रेल्वे युजस कन्सीडर कंमेटी आपल्या रेल्वेच्या ज्या गाड्या धावतात चर्चगेट ते विरार पर्यंत बाबतीमध्ये रेल्वेचे जे पॅसेंजर आहेत त्यांना काही त्रास असेल किंवा त्यांच्या जर काही सुचना असतील तर त्या सुचना आम्ही तिथपर्यंत पोहचवाव्यात ही एवढेच राईटस आम्हाला आहेत बाकीच्या नाही तरी सुद्धा आपले जे प्रॉब्लेम्स आहेत. मी सांगत आहे ते पहिला पुर्ण होऊ द्या. मा. महापौर मॅडम, माझी नियुक्ती झाल्यानंतर मी आपले जे एक्झीक्युटीव इंजिनियर आहेत मि. खांबित त्यांच्याकडून जे आपल्या मिरा भाईंदर शहराचे जे प्रॉब्लेम्स होते ते त्यांनी मला दिले. महानगरपालिकेतर्फे भरपूर पाठपुरावा झाला. परंतु, रेल्वे डिपार्टमेंट जे आहे ते कुठल्याही स्थानिक प्रशासनास ऐकत नाही. आज हा सेंट्रल गव्हर्नमेंटचा प्रश्न आहे. आज मिरा भाईंदर मधील राईटस या संस्थेला अपॉईंट केलेले आहे. आणि ही संस्था त्याचा पाठपुरावा करते. त्या संस्थेलाही पाहिजे तसा फिडबॅक रेल्वे डिपार्टमेंट कडून मिळत नाही. मी डी.आर.एम. यांची अपॉईंटमेंट घेण्याचा प्रयत्न केला त्यांनी मला अपॉईंटमेंट दिली आम्ही चर्चा केली. आणि त्यांनी सांगितले की हा सदरचा विषय एवढा इझी नाही. त्याला वेळ लागेल त्यानंतर मी आपले मा. खासदार मा. प्रकाश परांजपे ह्यांच्याकडे गेलो आणि त्यांना आपल्या मिरा-भाईंदरच्या समस्या सांगितल्या त्यांनी मला सांगितले की, डी.आर.एम. ची वेळ घेतो आणि त्यानंतर तुम्ही आणि तुमचे मा. महापौर, मा. आयुक्त आणि शिवसेनेचे सदस्य यांनी घेऊन जॉईंट मिटींग करू या. साहेब हा सेंट्रल गव्हर्नमेंटचा विषय आहे आणि आज आपले खासदार मिरा-भाईंदर शहराचे प्रतिनिधीत्व करतात. आपला हा प्रॉब्लेम आहे तो सेंट्रल गव्हर्नमेंटच्या निकडीचा आहे तर गेले १० ते १५ वर्ष बी.जे.पी. व शिवसेनेचे ते खासदार होते तर त्यांनी ह्याचा पाठपुरावा का नाही केला? त्याचे काम होते पाठपुरावा करणे पण त्यांनी केले नाही आणि आज सगळं ह्यांच्यावर बिल फाडत आहेत.

**रतन पाटील :-**

आपण जेव्हा आमच्या खासदारांकडे गेलात. साहेब, आपण फक्त एकटेच खासदारांकडे गेलात. जर आपण आम्हाला सांगितले असते तर आम्ही ही आपल्या जोडीला आलो असतो.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य आपण बसून घ्या.  
(सभागृहामध्ये गोंधळ)

**शुभांगी नाईक :-**

सन्मा. सदस्य आपण जेव्हा खासदारांना भेटायला गेलात तेव्हा आपण आम्हाला का नाही बोलावले? हे काय चालले आहे? आपण जाताना आम्हाला काहीच का बोलला नाहीत. आम्ही ही आलो असतो तुमच्या जोडीला.

**रतन पाटील :-**

या शहराच्या विकासाकरिता आम्ही आपल्या जोडीला आहोत ना.

**रोहिदास पाटील :-**

ह्याच सभागृहात आम्ही बोलतो आपण नाव घेऊन बोला.

**ध्रुवकिशोर पाटील :-**

साहेब, काय केले?

**शुभांगी नाईक :-**

आमच्या खासदारांच्या अपमान केला तर तो आम्हाला सहन होणार नाही.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य आपण बसून घ्या.

**शुभांगी नाईक :-**

आम्हाला सांगायचे होते. आम्ही आलो असतो तुमच्या बरोबर.

**रतन पाटील :-**

आम्हाला सांगायचे होते आम्ही आलो असतो आपल्या जोडीला.

**शिवप्रकाश भुदेका :-**

मा. महापौर मॅडम, भाईंदर रेल्वे स्टेशन का जो विकास हुआ है उसमें जो चार लाईन का रजिस्ट्रेशन हुआ है .....

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील यांनी जी मा. सभागृहासमोर लक्षवेधी ठेवली ....

**शिवप्रकाश भुदेका :-**

जो चार लाईनका जो रजिस्ट्रेशन होकर विरार तक जो काम चल रहा है। वह भारतीय जनता पार्टी के राजमें ही पास हुआ है। अभी सत्ताधारी बैठे हैं उनसे एक छोटासा नाला निकालनेका है वह काम नहीं हो रहा है और सह हमें बोलनेको सिखाते हैं। अगर इस स्टेशन पर ब्रिज बनावो तो मुहुर्त हमनेही किया है और एक काम बताईए की रेल्वे में ५० साल इनकी सत्ता थी तो एक काम तो करके दिखाईए की, यह छोटासा काम हमने किया है और नहीं होता तो हमें वह काम दिजीए। हमें वह काम करके दिखाएंगे।

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य शिवप्रकाश भुदेकाजी आपण बसून घ्यावे. सन्मा. सदस्य रोहिदासजी पाटील यांनी आज मांडलेली लक्षवेधी रेल्वे फाटक जवळ असलेला बोगदा व पाणी निचरा होण्यासाठी जी अडचण निर्माण झालेली आहे यासाठी सभागृहामध्ये चर्चा घडवून आणली यासाठी ४ कलवट तसेच सबवे मंजूर करण्यासाठी आवश्यक कार्यवाहीची पुर्तता होणे गरजेचे आहे. आतापर्यंतची सिटी इंजिनियरकडून आपल्या प्रशासनाकडून जी कार्यवाही झालेली आहे त्याच्यामध्ये गती आणण्यासाठी एक कमेटी नेमण्यात येणार आहे आणि त्या कमेटी अंतर्गत मा. महापौर, मा. उपमहापौर, मा. आयुक्त, मा. सभागृह नेते, सन्मा. विरोधी पक्षनेते तसेच सर्व सन्मा. गटनेते यांची एकत्रित कमेटी नेमून या विषयाच्या संदर्भात पाठपुरावा करण्यात येईल.

**रिटा शाह :-**

मा. महापौर मॅडम, मी जी सुचना केली त्याबद्दल सांगावे.

**मुक्ता रंजणकर :-**

मा. महापौर मॅडम, या विषयी माझी एक सुचना आहे की, प्रत्येक वेळेला एखादी कमेटी आपण नेमता त्याच्यामध्ये गटनेत्यांना प्राधान्य देण्यांत येते. ते ठिक आहे. पण ज्या सन्मा. सदस्यांना यामध्ये रस आहे त्याचा सखोल अभ्यास आहे त्यांचाही समावेश करण्यात यावा.

**मा. महापौर :-**

ठिक आहे. याबाबत गटनेते आपल्या सदस्यांना कळवतील.

**रतन पाटील :-**

आपल्या गटनेत्यांवर आपला विश्वास नाही असे वाटते.

**मा. महापौर :-**

सचिवांनी पुढील विषयाला सुरुवात करावी.

**रिटा शाह :-**

मॅडम, मी सुचना दिली आहे. ती ही इन्क्ल्यूड करावी. केबिन रोडला जो नाला जातो त्याच्यावर रेल्वेने जी भिंत बांधली आहे. ती भिंत त्यांनी पलिकडे बांधली आहे म्हणजे आपला नाला त्यांच्या बॉर्डरमध्ये जातो.

**मा. महापौर :-**

हा विषय समाविष्ट करून घेण्यात येईल.

**ध्रुवकिशोर पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, हा जो विषय होता त्या विषया संदर्भात आमच्या एस.आर.यु.सी.सी. कमेटीमध्ये विषय आला होता. तेव्हा रेल्वेने जे जी.एम. होते, त्या जी.एम. ने स्पष्ट नकार दिला की, ही रेल्वेची जागा आम्ही तुम्हाला देऊ शकत नाही. तुम्ही जबरदस्ती गटार बांधलेलं आहे आणि ज्या गटारामध्ये आम्ही तुम्हाला आधखीन अॅनक्रॉचमेंट करू देणार नाही आणि ती भिंत पण घेऊ शकत नाही.

**रिटा शाह :-**

मा. महापौर मॅडम, तिकडे आपले अॅनक्रॉचमेंट नाही. तिथे आपला नाला ऑलरेडी आहे आणि भाईंदर वेस्टलाही तसाच प्रकार होतो आणि ते जेव्हा त्या नाल्याची दुरुस्ती करायला आणि त्यावर स्लॅब टाकायला परमिशन देत नाही म्हणून मी स्वतः त्यांच्याकडे गेली होती आणि ते काम करून घेतले आणि भाईंदर वेस्टला तो रस्ता तयार झाला आहे. मा. महापौर मॅडम भाईंदर वेस्टला हा सेम प्रॉब्लेम होता आणि आम्ही ते काम करून घेतले आहे. त्यांनी ह्याच्यावर नकार दिला म्हणून करायचं नसत असे नाही. मा. महापौर मॅडम, मी जी काही सुचना केली आहे. ती इन्क्ल्यूड करा. सचिव साहेब, ती सुचना इन्क्ल्यूड करावी.

**हॅरल बोर्जिस :-**

मा. महापौर मॅडम, विषय पटलावरती जवळ-जवळ १३ विषय आहेत. सभागृहाच्या वतीने...

**रिटा शाह :-**

सभागृह नेते, आम्ही जी सुचना केली आहे त्याचे उत्तर येऊ द्या. ते बोलतात रेल्वेवाल्यांनी नकार दिला म्हणून आपण करायचे नाही. पण आम्ही भाईंदर पश्चिमेस रस्ता बनवून घेतला आहे. आणि केबिन रोड एवढे कन्झेस्टेड आहे. आपला नाला तिथे वाहतो. फक्त भिंती त्याठिकाणी टाकल्यानंतर तो नाला आपल्या ताब्यात यायला पाहिजे. आणि ती भिंत तिकडे न बांधता पलिकडे बांधली. आपण स्लॅब टाकून रस्ता बनवू शकतो.

**ध्रुवकिशोर पाटील :-**

आपण ही सुचना आज दिली. पण ही सुचना भरपूर वर्षांपासून प्रलंबित आहे. अजूनही काम चालू आहे.

**रिटा शाह :-**

मॅडम, मी असे नाही बोलले की, भरपूर लोकांनी सुचना दिली आहे की, नाही. मी असे नाही बोलले. फक्त ही सुचना मा. सभागृहापुढे मांडली आहे.

**मा. महापौर :-**

आपली सुचना समाविष्ट करण्यात येईल.



**हॅरल बोर्जिस :-**

मा. महापौर मॅडम, प्रोसिडींगला सुरुवात करण्याअगोदर सभागृहाच्या वतीने आपल्या सर्वांना विनंती करतो की, सभागृहाच्या विषय पटलावर एकंदर १३ विषय चर्चेसाठी आहेत. ११.०० वाजता सभा होती आता घड्याळ्यामध्ये जवळ-जवळ २.०० वाजत आले. घनकचरा आरक्षणाचे विषय, पाणी पुरवठ्या बाबतचे विषय आजच्या मा. महासभेत आहे. विषय क्रमांक ९१ च्या नंतर, विषय क्रमांक ९२ च्या वरती १०२ वाढीव पाणी पुरवठ्याच्या विषय आहे. मला वाटत आहे की, गेल्या दोन मा. महासभेत या विषयावरती वादंग झाला होता. आणि विषय पटलाचे विषय बघता वाटत नाही या विषयाला चर्चेसाठी वेळ मिळेल. तर सभागृहाच्या वतीने मी आपणांस विनंती करतो की, या प्रोसिडींगच्या नंतर विषय क्रमांक ९२ वरती विषय क्रमांक १०२ वाढीव पाणी पुरवठ्याबाबत विचार विनिमय करणे हा विषय कृपया या चर्चेसाठी सभागृहापुढे घ्यावा अशी मी आपणांस विनंती करतो.

**मा. महापौर :-**

सदरचा विषय घेण्यात येईल.

**प्रेमनाथ पाटील :-**

सचिव साहेब, सन्मा. सभागृह नेते हॅरल बोर्जिस साहेबांनी जो विषय मांडला तर काँग्रेस पक्षाचे आम्ही गेले अनेक सभामध्ये पाण्याच्या विशेष सभा बोलावण्यासाठी मिंटीगची मागणी केली होती. पण त्याच्यामध्ये काँग्रेस पक्षाकडून दिनांक १९/२/०६ रोजी एक लक्षवेधी मांडली होती तसेच दिनांक ११/१०/०६ ला हरकतीचा मुद्दा मांडत होता तसेच १८/१०/०६ सभा त्याग केली होती. त्यासाठी जो विषय आजच्या विषय पटलावर घेतला आहे तो १०२ विषय हा ९१ नंतर हा विषय घेण्यात यावा.

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

सचिव साहेब, दोन दर्जाचे प्रस्ताव दिले आहेत त्याच्यातील एक प्रस्ताव याच्यातला आपण एक घेतलेला आहे. एक आपण घेतलेला नाही.

**नगरसचिव :-**

पुढच्या वेळेस घेतला जाईल. जेवणाची सुट्टी करण्यात येत आहे.

**लंच टाईम :-**

२.००

**नगरसचिव :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने सभाकाजाला सुरुवात होत आहे.

(नगरसचिवांनी प्रकरण क्र. ९१ चे वाचन केले.)

**शशिकांत भोईर :-**

पान क्र. ३० खालून नववी लाईन. स्थायी समितीमध्ये आले आहे तिथे मा. महासभेमध्ये असे पाहिजे.

**हॅरल बोर्जिस :-**

प्रकरण क्र. ९१ चा सभागृहासमोर ठराव मांडला.

**चंद्रकांत मोदी :-**

मेरा अनुमोदन है।

**मा. महापौर :-**

ठराव मंजूर. सचिवजी पुढील विषय घेण्यात यावा.

**प्रकरण क्र. ९१ :-**

दि. २०/०९/२००६ रोजीच्या मा. महासभेचे इतिवृत्तांत कायम करणे.

**ठराव क्र. ६८ :-**

दि. २०/०९/२००६ रोजीचे मा. महासभेच्या इतिवृत्तांतामध्ये मा. सदस्य यांनी सुचविलेल्या दुरुस्त्यांसह इतिवृत्तांत कायम करण्यांत येत आहे.

सुचक :- श्री. हॅरल बोर्जिस.

अनुमोदन :- श्री. चंद्रकांत मोदी.

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

**धनराज अग्रवाल :-**

मा. महापौर मॅडम, विषय सुरू करणेसे पहिले एक छोटासा विषय मांडने का है की, हम लोगोंने ३ महिने पहिले एक प्रस्ताव मा. महासभा मे पास किया था की, जो भी जल्द टॅक्स भरेगा १५ दिन था १ महिनेके अंदर उसे ५% और ३% रिबेट दिया जाएगा। लोगोंने उत्साह पुर्वक टॅक्स के पैसे भरे।

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य हा पुढे विषय आहे तेव्हा तुम्हाला ५ मिनिट यावर बोलण्यासाठी दिले जातील.

**धनराज अग्रवाल :-**

विषय नही है।

**मा. महापौर :-**

विषय आहे. कर आकारणीचा विषय आहे. त्याच्यावर तुम्हाला बोलण्याची संधी मिळेल. सन्मा. सचिवांनी पुढील विषय घ्यावा.

(सभागृहाने ठरविल्याप्रमाणे प्रकरण क्र. १०२ चे वाचन करण्यात येत आहे.)

**शशिकांत भोईर :-**

मा. महापौर साहेबा, आपली परवानगी असेल तर मी बोलतो की, आताच आपल्या मिरा-भाईदर महानगरपालिकेने नियुक्त केलेले सन्मा. अजित पाटील अतिक्रमण विभागासाठी खरोखरच ते योग्य आहेत मी असे बोलतो कारण २ दिवसात त्यांनी बी.पी.रोडला अशी कार्यवाही केली.

**रतन पाटील :-**

त्यांचे सर्वांच्या कडून अभिनंदन.

**शशिकांत भोईर :-**

फेरीवाले आहेत त्यांना आता जागेवर बसणेही मुश्कील झाले आहे. त्यांनी अशीच कार्यवाही करावी म्हणून मी त्यांचा अभिनंदनाचा ठराव मांडत आहे.

**रतन पाटील :-**

अनुमोदन दिलेले आहे. निश्चितच गौरवास्पद प्रशासनाने काम देऊन सन्मा. अजित पाटील यांची नेमणूक करून काम चाललेले आहे. आणि त्या कामाला सुद्धा गती आलेली आहे.

**मा. महापौर :-**

सचिवांनी पुढील विषयाला सुरुवात करावी.

(नगरसचिवांनी प्रकरण क्र. १०२ चे वाचन केले.)

**प्रफुल्ल पाटील :-**

सन्मा. महापौर मॅडम, आपल्या कारकिर्दीमध्ये तसेच मागील मा. महापौर यांच्या कारकिर्दीमध्ये मिरा-भाईदर शहराचा पाणी पुरवठा वाढवावा. या दृष्टीकोनातून काही ठराव मंजूर करण्यात आले. पहिला ठराव मोरबे डॅम मधून १०० एम.एल.डी. पाणी घेण्याचा ठराव आपल्या महापालिकेने मंजूर केला होता. हे मोरबे डॅमचे पाणी आपल्यासाठी राखून ठेवावे जेव्हा नवी मुंबईच्या महानगरपालिकेकडून अशी विचारणा झाली. किंवा पत्र आपल्याला दिले की त्यांच्याकडे पाणी उपलब्ध आहे. आणि पाणी उपलब्ध असल्यामुळे त्याच्यामध्ये आम्हाला १०० एम.एल.डी. पाणी राखून ठेवावे अशा पद्धतीचा ठराव झाला होता. या ठरावावर पुढे काय अंमलबजावणी प्रशासनाने केली याची आपण माहिती द्यावी. १०० एम.एल.डी. पाणी जे मोरबे डॅम मधून घेण्यासंबंधी जो ठराव झाला होता. त्याच्यावरती आपण काय अंमलबजावणी केली? त्यामध्ये काही योजना झालेली आहे का? पाणी मिळणार आहे का? पाणी देण्या संदर्भामध्ये त्यांची भुमिका काय आहे? याची माहिती द्यावी.

**मा. आयुक्त :-**

सन्मा. सदस्य श्री. प्रफुल्ल पाटील यांनी सभागृहासमोर जो प्रश्न उपस्थित केला आहे. त्या संदर्भामध्ये मी खुलासा करू इच्छितो की मोरबे धरणातून १०० एम.एल.डी. पाणी मिरा-भाईदर शहराला पाणी उपलब्ध होण्यासाठी सन्मा. महासभेने जो ठराव केलेला होता. त्या अनुषंगाने वेळोवेळी आपण मा. महापौरांच्या मदतीने त्याचप्रमाणे मा. आयुक्तांबरोबर आपण चर्चा केलेली आहे. आणि त्यांनी हे तत्वता मान्य केलेले आहे की, मिरा-भाईदर शहरासाठी १०० एम.एल.डी. पाणी उपलब्ध करून देण्यात येणार आहे. त्या संदर्भामध्ये आता दिनांक २६/१०/०६ ला मा. आयुक्तांबरोबर माझी बैठक झालेली होती आणि त्या बैठकीत सुद्धा ह्या विषयावरती चर्चा झालेली आहे आणि त्यांनीही तत्वता मान्य केले आहे की, आम्ही तुम्हाला १०० एम.एल.डी. पाणी देऊ परंतु, त्याच्याकडून तसा तो ठराव होणे अपेक्षित आहे. तो अजूनपर्यंत ठराव झालेला नाही. त्याच्याकडून ठराव आल्यानंतर मग त्याची पुढील आपल्याला कार्यवाही करता येईल.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

१०० एम.एल.डी. पाण्याचा ठराव मंजूर करून जवळ-जवळ दिड वर्षे पुर्ण झालेलं आहे. आणि पाण्याची परिस्थिती काय आहे या शहरामध्ये मला, तुम्हाला, सर्वांनाच माहित आहे. अगदी जलद गतीने ती योजना व्हावी ती योजना काय आहे. खरोखरच आम्हाला पाणी मिळणार आहे का? त्यांनी ते पाणी आपल्यासाठी आरक्षित केलेले आहे का अशा प्रकारचे पत्रसुद्धा आपण नवी मुंबईकडून घेतलेले नाही. कोणत्या आधारे आम्ही असे समजायचे की, १०० एम.एल.डी पाण्याची स्कीम खरोखर होणार आहे. म्हणजे आज तरी आपण तसा हवाला देऊ शकता का? की, १०० एम.एल.डी. पाण्याची योजना होणार पाण्याची योजना आणि पाणी मंजूर करणे पाण्याची योजना तयार करणे यामध्ये जमिन आसमानचा फरक आहे. कारण पाणी आज मंजूर झाल्यानंतर योजना तयार करायला जवळ जवळ वर्ष जाईल. आणि ती योजना पुर्ण होण्यासाठी ३ वर्षे

लागतील. म्हणजे ४ वर्षांची शहरातील या पाण्याची परिस्थिती अतिशय बिकट असणार आहे. याच्यावर आपण काही पर्याय शोधला आहे की नाही. किंवा त्यांच्याकडून तशी तुम्हाला अपेक्षा आहे का? ते पाणी देणार आहे का? कारण त्यांनी पत्रसुद्धा साधं दिलेले नाही. तसे म्हणालं तर दोन्ही कडे सत्ताधारी पक्ष आहेत. अशा परिस्थितीत ताबडतोब त्यांनी १०० एम.एल.डी. पाणी राखीव ठेवल्याचे पत्र त्यांनी आपल्याला द्यायला पाहिजे होते. मग आपण त्यांच्यावर कसा काय क्लेम करणार? या संबंधित खुलासा करा. आपल्याला वाटते का ते १०० एम.एल.डी. पाणी मिळणार आहे.

**मा. आयुक्त :-**

या संदर्भात मी मघाशी सांगितल्या प्रमाणे मा. आयुक्तांची याबाबतीत चर्चा झाली आहे. त्यांच्याकडून अजूनपर्यंत आपल्याला पत्र आलेले नाही. परंतु, बैठकीमध्ये जी काही चर्चा झाली ती चर्चा मी आपल्याला सांगितलेली आहे की त्यांनी तत्वता मान्य केले आहे की, आम्ही तुम्हाला पाणी देणार आहोत आणि या बाबतीमध्ये विचार करुन जो २०३१ पर्यंत आपण जे संबंध शहराचे एक प्लॅनिंग केलेले आहे त्याच्यामध्ये सुद्धा आपण या योजनेचा समावेश केलेला आहे.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

सन २०३१ ला खुप वेळ आहे. आता २०११ ला काय परिस्थिती होईल त्यापेक्षा २००८ ला आपली परिस्थिती वाईट होणार आहे. आजच्या वेळेलाच पाण्याची एवढी टंचाई आहे की, शहरामध्ये वेगवेगळ्या भागामध्ये मोर्चे निघत आहेत. परवाच्या दिवशी सुद्धा पाणी पुरवठ्याच्या कर्मचाऱ्याला पब्लिकने मारहाण केली. अशी स्फोटक परिस्थिती असताना ह्या विषयावर आपण गांभीर्याने का पाहत नाही. आणि जर नाहीच समजा होत असेल तर पर्यायी व्यवस्था आपण काय केलेली आहे? आणि पर्यायी व्यवस्था ३५ एम.एल.डी. पाणी मंजूर केल्याचे जे राष्ट्रवादीने घोषित केले होते आणि ती दिवाळीची भेट म्हणून जाहिर केली. दिवाळी सरली पण अजूनही आम्हाला भेट आलेली नाही त्या ३५ एम.एल.डी. पाण्याच्या स्किमच काय झाले? त्याच्या संबंधी तरी आपण खुलासा करावा की त्या ३५ एम.एल.डी. पाण्याच्या स्किमचे होणार आहे का? पाणी मिळणार आहे का? पाण्याची योजना आहे का? योजना आहे तर ती कशी आहे? कुठून कशाप्रकारे पाणी घेणार? या संदर्भात आपल्या प्रशासनाकडे माहिती आहे का? असेल ती तर सादर करावी.

**मा. आयुक्त :-**

३५ एम.एल.डी. पाण्याच्या संदर्भामध्ये मी ओघाने बोलणारच होतो. या संदर्भामध्ये मा. महापौर, मा. उपमहापौर निवेदन करतील आणि मला जी काही थोडी फार माहिती मिळाली आहे. त्या नागपूरच्या माहितीवरून विधी मंडळाने मान्यता दिलेली आहे आणि हे पाणी आपल्या शहरात आणण्यासाठी आपण प्रयत्न करणार आहोत.

**मा. उपमहापौर :-**

मा. महापौर मॅडम, आपण मिरा भाईंदर महानगरपालिका हद्दीतील पाणी पुरवठ्याबाबत वारंवार जेव्हा जेव्हा या सभागृहामध्ये चर्चा झाली त्यावेळेला सर्वांनीच, सगळ्या सदस्यांनी सांगितले की, विशेष सभेचे आयोजन करावे. परंतु, आपण ते कधी करत नव्हतो. आपण या विषयावर विशेष सभा लावू असे चालले होते आणि या अनुषंगाने दि. १९/९/२००६ च्या मा. महासभेमध्ये कॉंग्रेस पक्षाच्यावतीने आम्ही एक लक्षवेधी दिली होती आणि मा. महापौरांनी आपल्याला आश्वासीत केले होते की, आम्ही विषयावर विशेष सभा लावतो. पुन्हा विशेष सभा लावली नाही. दि. १२/१०/२००६ च्या मा. महासभेमध्ये आम्ही हरकतीच्या मुद्याद्वारे सभागृहाच्या आणि आपल्या निर्देशनास ही बाब आणली. आपण पुन्हा आश्वासित केले की, मी विशेष सभा लावते आपण पुन्हा सभा लावली नाही. आणि दि. १८/११/२००६ च्या सभेमध्ये कॉंग्रेस पक्षाच्या नगरसेवकांनी सभात्याग करुन आपला निषेध व्यक्त केला होता. पाण्याची सभा का लावायची तर आपल्याला जे ८६ एम.एल.डी पाणी येते त्या ८६ एम.एल.डी पाण्यासाठी अजूनपर्यंत आपल्याकडे मिटर बसवलेले नाही. आपण फक्त अंदाजाने म्हणायचे की हे ८६ एम.एल.डी पाणी आम्हांला मिळते. त्यांच्यामध्ये ठाणे महानगरपालिकेला एम.आय.डी.सी. चे पाणी जाते तसे आपल्याला एम.आय.डी.सी. चे पाणी मिळते. ठाणे महानगरपालिका आपले पाणी चोरते असे वाटते या विषयी सन्मा. प्रफुल्ल पाटील साहेब आपण नगराध्यक्ष असल्यापासून या विषयात आपण भांडला होता आणि मागच्या सभेपर्यंत आपण हा विषय सांगितला होता. या विषयात एम.आय.डी.सी. आणि आपल्या पाण्यामध्ये आपण वेगवेगळे वाटेकरी झालो पाहिजे. एकत्र असल्यामुळे बायपासने पहिल्यांदा त्यांना पाणी मिळते व आपल्याला कमी पाणी मिळते परंतु, आपल्याकडे त्याठिकाणी मिटर नसल्यामुळे आपण असे मानायचे की आपल्याला पूर्ण पाणी आलेले आहे. याविषयी महाराष्ट्राचे मुख्यमंत्री आदरणीय श्री. विलासरावजी देशमुख साहेबांना मी पत्र लिहिले होते. आणि त्याच्यामध्ये आपल्या भावना व्यक्त केल्या होत्या. मला दि. २१ नोव्हेंबर २००६ रोजी मा. मुख्यमंत्री साहेबांचे पत्र आले आणि त्याच्यात त्यांनी स्पष्ट लिहिलेले आहे की, आपले मिरा भाईंदर महानगरपालिकेच्या पाणी पुरवठा योजनेतील ठाणे शहराचा वाटा सिमीत ठेवण्याबाबतची दिनांक ९ ऑक्टोबर, २००६ चे पत्र मिळाले. प्रसुत प्रकरणी लक्ष घालून याबाबतची कार्यवाही आपणांस कळविण्याबाबत मी प्रधानसचिव, नगरविकास यांना सुचना देत आहे. अशा आशयाचे पत्र आले आहे. या शहरासाठी, या शहराची लोकसंख्या दिवसेंदिवस वाढत आहे आणि शहराला पाण्याची गरज आहे. असे असताना जेव्हा आपली ५० एम.एल.डी ची योजना कार्यान्वित झाली. त्यावेळेला आपण एक निकष लावला आणि जे अनधिकृत

कनेक्शन होते त्या अनधिकृत कनेक्शनला ३५ हजार रुपये पेनल्टी आणि इतर बिल असे करून आपण लोकांकडून साधारणपणे १० करोड रुपये जमवले. ज्या लोकांनी अॅफिडेव्हिट देवून कनेक्शन घेतली नाही. आमची आर्थिक स्थिती चांगली नाही म्हणून आम्ही नंतर कनेक्शन आहोत. विद्यमान स्थितीत मिरा भाईंदर महानगरपालिकेच्या अधिकाऱ्यांनी सदरची अॅफिडेव्हिट जाणीवपूर्वक नजरेआड केले आणि त्या लोकांना नविनमध्ये कनेक्शन दिले. २७ हजार रुपये भरून कनेक्शन घ्या. त्याच्यामध्ये कनेक्शन दिले. आपण नियम लावला होता की, या शहराला पाणी पुरवठा देताना दि. १/१/९५ च्या आधीचा पुरावा द्या आणि कनेक्शन घ्या. पण आज परिस्थिती काय आहे? कमिशनर साहेब, आपण आपल्या ताब्यात आता सर्व फाईल्स घेतल्या. परंतु, सन २००६ मध्ये ज्या इमारतीचे काम चालू आहे त्याला देखिल कनेक्शन दिल्याचे आमच्या नजरेसमोर आहे. आता आपण पुन्हा कायदा सांगणार की दि. १/१/९५ चा पुरावा द्या. आता पुरावा गाढावा कोणाला काय करता येणार नाही. माझे सांगण्याचे तात्पर्य असे आहे की, आपल्याकडे सोळा हजार कनेक्शन होते तर आता तेवीस हजार कनेक्शन आहेत. आपल्याला जेवढे पाणी मिळत होते. तेवढेच पाणी आहे. परंतु, पाण्याचे वाटेकरी वाढले. पाणी जास्त वितरण व्हायला लागले. पुन्हा मिरा भाईंदरमध्ये पाण्याचे मोटर चालविण्याचे कल वाढलेला आहे. शहरामध्ये जागोजागी पाण्याचे मोटर आहे. त्याच्यामुळे ज्या लाईनवर मोटर आधी आहे. त्यांना लवकर पाणी मिळते आणि ज्यांचे मागे आहे त्यांना पाणी मिळत नाही. शहरामध्ये आपण जर तसे पाहिले तर व्यवस्थित पाणी पुरवठा देवू शकू. परंतु, आधी आपण ८ ते ९ एम.एल.डी. पाणी टँकरच्या माध्यमातून विकायचो. आपलेच पाणी, पाईप लाईन जाण्याऐवजी टँकरमधून जायचे. कमिशनर साहेब, आपण त्याच्यामध्ये इंटररेस्ट घेतला व ते टँकर बंद केले. परंतु, त्याच्यामुळे हा प्रश्न अजून सुटलेला नाही. आपण त्यानंतर ही पुढे जावून एक निर्णय असा घेतला की, ११ दिवसांनी प्रत्येक क्षेत्रामध्ये एकदा ब्रेक घ्यायचा. शहराला पाणी द्यायचे नाही. त्या परिसरामध्ये पाणी द्यायचे नाही. तात्पर्य एवढेच होते की, त्याच्यामुळे प्रेशर बिल्डअप होईल आणि सगळ्यांना दाबाने पाणी मिळणार. पण ह्या परिस्थितीमध्ये आपण जेव्हा मिरा रोडचा उल्लेख करतो किंवा भाईंदर पूर्व भागाचा उल्लेख करतो. तेव्हा भाईंदर पूर्व भागामध्ये लोकांना कधीच पाणी मिळत नाही. मिरा रोडमध्ये लोक पाण्यासाठी ओरडतच असतात. मग हे दोनच भाग या शहराची आपण प्रभाग निहाय परिस्थिती पाहिली तर दोन प्रभागांमध्ये विशेष करून मिरा रोडच्या शहरी भागामध्ये पाणी कमी, भाईंदर पूर्वेच्या संपूर्ण भागामध्ये पाणी कमी. हे कमी का? तर त्याच्यामध्ये आपण नियोजन करायला पाहिजे. हे नियोजन केले नाही. पाण्यामध्ये एवढ्या वाईट घटना घडतात. आपल्या निर्देशनास ही बाब आणू इच्छितो की, मागे कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिकेची एक निविदा आली. कल्याण-डोंबिवली महापालिका पाणी पुरवठा विभाग यांच्याकडून एक सुचना आली होती. त्यांनी त्याच्यामध्ये २५ मि.मि. चे मिटर ४,८६० रुपयाला आणि इतर मीटरचे अशी एक निविदा आली. हे मीटर व्यापारी संकुलनाला लावायची. कमर्शियल कनेक्शन लावायचे ठरले. पण आपल्याकडे हे कमर्शियल मीटर साधारणपणे ७ हजार रुपयाला आपण लावतो. बाजार भावामध्ये त्या मीटरची किंमत दोन ते अडीच हजार रुपये आहे. आपण निविदा काढली. प्रायव्हेट सर्व्हे केला आणि त्या इंडस्ट्रीवाल्यांची आणि ज्यांची व्यापारी कनेक्शन आहेत. कमर्शियल कनेक्शन आहे. त्यांची मीटर सरसकट बदलून टाकले. उद्या आपल्या लोकप्रतिनिधीना सांगू इच्छितो की, तुमच्या आमच्या घरची मीटर देखिल अशीच बदलली आणि त्याठिकाणी आपल्याला बाराशे रुपयाचे मीटर जर चार हजार रुपयाला लावायला लागले तर कोणीही असा स्वतःला धक्का लावून घ्यायचा नाही कारण ती ही घटना घडू शकते. जर याबाबतीमध्ये आपण यशस्वी झालो असू तर त्याबाबतीत देखिल डोमेस्टीक मीटर देखिल बदलले जातील. शहराला पाणी पुरवठा मिळाला पाहिजे. शहरामध्ये पाणी कुठून आणावे याविषयी चर्चा करण्यासाठी ही विशेष सभा लावण्याचा अड्डाहास सभागृहातील निदान प्रत्येक सदस्यांच्या याबाबतीत तीव्र भावना होत्या. सन्मा. प्रफुल्ल साहेब आपण ३५ एम.एल.डी. पाण्याचे त्याबाबतीत आमदार मुझफ्फर हुसैन साहेबांनी नेहमीच फॉलोअप ठेवला होता आणि आता चालू अधिवेशनात नागपूर येथे तिसऱ्या क्रमांकाची लक्षवेधी ठेवली होती. आज ती लक्षवेधी होती आणि त्याच्यावर चर्चा झाली आणि मा. मुख्यमंत्री साहेबांनी, मा. अशोक चव्हाण साहेबांना सांगितले की, मिरा भाईंदरच्या पाण्याचा परिस्थितीत काय सुधारणा करता येईल. याविषयी मी तुम्हाला सुचना दिल्या होत्या. आज ती लक्षवेधी आहे आणि त्याच्यावर आपण निवेदन करून त्यांच पाण्याचा प्रश्न सोडवावा. मा. अशोक चव्हाण साहेबांनी सांगितले की, मिरा भाईंदर शहर हे वाढते शहर आहे. लोकसंख्या वाढती आहे. पाण्याबद्दल त्यांच्या खुप वेळा मागणी आहे. तक्रारी आहेत. आमदारांनी एल.ए.के. केलेले आहे. तर त्याच्यावर त्यांनी निवेदन केले आणि निवेदन करून प्रधान सचिवांना त्यांनी तातडीने याबाबत कार्यवाही करण्याचे आदेश दिले आहेत आणि ३५ एम.एल.डी. पाण्याचा प्रश्न आपला सुटलेला आहे. ज्या विषयासाठी आपण वारंवार भांडत होतो. आज अतिशय आक्रमकपणे या भूमिकेवर आमचे निदान काँग्रेस पक्षाचे नगरसेवक या विषयाला फार सक्त होते. परंतु, मा. आमदार मुझफ्फर हुसैन साहेबांनी या विषयात फोन करून सांगितले त्यानंतर श्री. बारकुंड साहेबांचाही फोन आला. तेही तिथे नागपूरला आहेत आणि त्यांनीही मला फोन करून सांगितले की, आपल्या लक्षवेधीवर चर्चा झाली आणि आपल्याला तातडीने ३५ एम.एल.डी. पाणी पुरवठा एम.आय.डी.सी. च्या माध्यमातून बारवी डॅममधून देण्याचे आदेश झालेले आहेत. ही या शहराच्या हिताची बाब असली तरी अनेक प्रश्न कमिशनर साहेब मी उपस्थित केल्यापैकी पाण्याचे नियोजन व्यवस्थित केले तर शहरातील सगळ्याच लोकांना पाणी मिळेल. जर हे कनेक्शन देण्यामागे आपण काय कायटेरिया वापरला आहे. सगळ्या सदस्यांचा

एक अनुभव असेल एक बरे होते की, अंपंगाच्या भरतीकरिता इंटरव्यू चालू होते आणि आपण पाच-सहा दिवस तिथे होता. आपण इंटरव्यू मध्ये आहात म्हणून आपल्याला नगरसेवकांनी अॅप्रोच केले नसेल. परंतु, आजच्या सभेनंतर तुम्हाला जवळ जवळ लोकांची कामे झाली नाहीत. फाईलवर सही झाली नाही. लोक संबंधित नगरसेवकांना भेटतात आणि सही का झाली नाही हे विचारतात. तर आपण नक्कीच एक निकष लावा. दि. १/१/९५ पुरावा द्या आणि कनेक्शन घ्या. तर आता कोण देणार? मग आतापर्यंत आपण दि. १/१/९५ पुर्वीचा पुरावा न घेता जेवढ्या लोकांना कनेक्शन दिले त्याचे काय? त्यात आपण जो महसूल बुडवला जे पैसे आपल्याकडे अनधिकृत कनेक्शनचे येणार होते. जे आपण ५५ हजार रुपये, ७५ हजार रुपये वा काही लोकांकडून १ लाख १० हजार रुपये असे सरासरी बिल दोनदा लावले आणि ती जी बिल लावली होती ती अॅफिडेव्हिट करून दिली होती. पण त्या लोकांनी ते कनेक्शन घेतले नाही. मात्र त्या लोकांनी आता नविन ह्याच्यामध्ये येऊन ती कनेक्शन करून घेतली. मग जो महसूल बुडाला त्याला जबाबदार कोण? त्याची तपासणी होणार किंवा काय करणार? याबाबत साहेब, आपण विस्तृतपणे निवेदन केले पाहिजे.

### प्रफुल्ल पाटील :-

मा. उपमहापौरांनी याठिकाणी निवेदन करून मा. मुख्यमंत्री साहेबांच्या आर्शिवादाने ३५ एम.एल.डी. पाणी पुरवठा मंजूर झाल्याचे आज घोषित केले. आज आपल्या पुढे मोरबे डॅममधून १०० एम.एल.डी. पाणी पुरवठा त्याच्यातून जलसंपदा मंत्री मा. श्री. अजितदादा पाटील ह्यांनी ३५ एम.एल.डी. पाणी सॅन्क्शन केलेले आहे आणि आज मा. उपमहापौर साहेबांनी घोषणा केल्याप्रमाणे दुसरे ३५ एम.एल.डी पाणी या सगळ्या पाणी पुरवठ्याच्या बाबत निश्चित प्रकारे प्रशासनाची भूमिका काय आहे की, आपण ती स्कीम करणार आहात की, स्कीम अॅक्सेप्ट करणार आहात की, त्यांनी तुम्हाला कोणती स्कीम सुचवलेली आहे का? जशी १०० एम.एल.डी. ची आजपर्यंत नवी मुंबईला सुद्धा मोरबे डॅमची स्कीम झालेली नाही. १०० एम.एल.डी. सॅन्क्शन झाल्यानंतर आमची स्कीम होणार आहे. तशी ३५ एम.एल.डी. ची स्कीम जलसंपदा मंत्री मा. श्री. अजितदादा पवार ह्यांनी जी सॅन्क्शन केली ती स्कीम काय होती? ते कशाप्रकारे पाणी येणार होते? त्याला दिड कोटी रुपये खर्च येणार होता अशाप्रकारच्या वृत्तपत्रातून जाहिराती आल्या. आज मा. उपमहापौर साहेबांनी निवेदन केल्याप्रमाणे दुसरे ३५ एम.एल.डी. पाण्याचा पुरवठा एम.आय.डी.सी. च्या बारवी डॅममधून देण्याचे मंजूर केलेले आहे. ही स्कीम काय असणार आहे? या संदर्भात आपली काय भूमिका आहे? की, आपण काय तयारी करणार आहात? बारवी डॅममधून जर त्यांनी पाणी घ्यायचे म्हटले तर आपण निश्चितपणे ते कसे घेणार आहात? रॉ वॉटर घेणार आहात की, फिल्टर केलेले पाणी घेणार आहात? फिल्टरेशनसाठी आपण ती लाईन कुठे जोडणार आहात यासंदर्भात आपल्या पाणीपुरवठा खात्याची तयारी काय आहे? ह्याच्या संबंधी पाणी पुरवठा खात्याने याठिकाणी निवेदन करावे.

### प्रभात पाटील :-

मा. महापौर मॅडम, आपल्या परवानगीने बोलू इच्छिते की, आता जी बातमी मा. उपमहापौर साहेबांनी दिली व मा. आयुक्त साहेबांनी सुद्धा दिली. त्याबद्दल या राज्याचे सन्मा. मुख्यमंत्री मा. श्री. विलासराव देशमुख साहेब आणि मा. श्री. अशोक चव्हाण साहेब तसेच आमची ही समस्या तिथे नेऊन मांडणारे आमचे आमदार मा. श्री. मुझफ्फर हुसैन साहेब यांच्या अभिनंदनाचा ठराव मी येथे मांडत आहे.

### चंद्रकांत मोदी :-

अनुमोदन आहे.

### तुळशीदास म्हात्रे :-

आपण सांगितले की जरी पाणी वाढले तरी आपले पाणी जे टाण्याला मोफत वापरले जाते त्याच्या विषयी आपली काय खंत आहे आणि त्याच्या विषयी आपला काय विचार आहे? हे आम्हाला मा. आयुक्त महोदयांनी सांगावे.

### प्रभात पाटील :-

एक भूमिका माझी पण आहे की, आपल्या संपूर्ण प्रक्रियेमध्ये आपण ज्या ज्या मागण्या केलेल्या आहेत. जे जे मागितलेले आहे. त्याच्यामध्ये मला असे म्हणायचे आहे की, महसूल बुडाला असे मघाशी मा. उपमहापौर साहेबांनी म्हटले. पण मी असे अजिबात म्हणणार नाही. कारण केवळ मी इतरांचा प्रभाग म्हणून बोलणार नाही. परंतु, सगळ्यांचा अनुभव मी ऐकलेला आहे. माझ्या एकटीच्या प्रभागामध्ये ९० टक्के सरासरी बिल आलेली आहेत आणि जी सरासरी बिल तीन हजार रुपये यायला पाहिजे ती पाच हजार रुपये ते आठ हजार रुपयांपर्यंत गेलेली आहेत. त्याच्यामुळे महसूल बुडाला असे म्हणता येणार नाही. उलट महसूलात वाढ झाली आहे असे म्हणता येईल. पुन्हा एकदा सन्मा. नगरसेवक तुळशीदास म्हात्रे साहेबांचे शब्द की, "आंधळ दळतय आणि कुत्रं पिठ खातय." आपण नागरिकांच्या भावनांशी खेळतोय. आतापर्यंत आपण त्यांच्या भावनांशी खेळत होतो व आता त्यांच्या खिशाशी आपण खेळायला लागलो आहोत.

### शिवप्रकाश भुदेका :-

मेरे प्रभाग मे एक बिलिंग है उसमे देड लाख रुपया बिल आया है।

**प्रफुल्ल पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, उपप्रश्न विचारलेला आहे. यासंदर्भात प्रशासनाने त्यांची तयारी सांगावी ना की, काय तयारी आहे? कुठली स्कीम करायला ते तयार आहेत. कशा संदर्भात आपण नियोजन केलेले आहे.

**मा. आयुक्त :-**

सन्मा. सदस्यांनी ३५ एम.एल.डी. पाण्याच्या संदर्भामध्ये जो मुद्दा उपस्थित केलेला आहे. त्या संदर्भामध्ये प्रशासनाने जी तयारी केलेली आहे ते मी आपल्यासमोर सांगतो. मा. पाटबंधारे मंत्री अजितदादा पवार यांच्या केबिनमध्ये ३५ एम.एल.डी. पाणी देण्याच्या संदर्भात जेव्हा मिटींग झाली होती. त्या मिटींगसाठी एम.आय.डी.सी. चे चीफ इंजिनियर आलेले होते. त्याचप्रमाणे एम.जी.पी. चे चीफ इंजिनियर आलेले होते आणि त्यांनी ३५ एम.एल.डी. पाणी देण्याबद्दल जेव्हा निर्देशित केले तेव्हा एम.आय.डी.सी. चे म्हणणे असे होते की, ३५ एम.एल.डी. पाणी जर आम्हांला रॉ वॉटर उचलायला पाटबंधारे विभागाने परवानगी दिली तर आम्ही ३५ एम.एल.डी. स्वच्छ पाणी पुरवठा हा मिरा भाईंदर शहरासाठी करायला तयार आहोत आणि त्याचवेळी त्यांनी मान्य केले की, जर समजा तुमची तयारी असेल तर पाणी द्यायला हरकत नाही. त्यासंदर्भामध्ये एम.जी.पी. चे जे चीफ इंजिनियर आहेत जे ठाण्याला बसतात. त्यांच्याकडे मी कमीत कमी तीन ते चार वेळा यासंदर्भामध्ये बैठक घेतली आणि त्यांनी जे काही प्रस्तावित केलेले होते की, एका साठेत ज्याठिकाणी ही पाईप लाईन आलेली आहे त्या पाईप लाईनमधून एम.आय.डी.सी. चे वेगळे कनेक्शन द्यायचे. त्याठिकाणी एक कंपनी आहे त्या कंपनीमध्ये एखादी जागा बघायची आणि त्याठिकाणी अंडरग्राउंड टाकी बांधायची. त्या ठिकाणी बुस्टर बसवून ते पाणी परत स्टेमची जी पाईप लाईन आहे त्याच्यामध्ये टाकण्याचा प्रस्ताव होता. परंतु, तो प्रस्ताव थोडासा वेगळ्या पध्दतीचा प्रस्ताव होता. ज्याठिकाणी आपण जागा देणार होतो त्या जागेचे ॲक्वीझेशन आपल्याला करायला लागणार होते आणि त्याच्यामध्ये जास्त वेळ जाणार होता. परंतु, जे काही नविन नविन टेकनिक ह्याबाबतीमध्ये आलेले आहे. या टेकनिकच्या संदर्भामध्ये आपले जे कन्सल्टन्ट आहे त्यांच्याशी आपण विचार विनिमय केला आणि त्यांनी चीफ इंजिनियरला एक प्रस्ताव सादर केला आणि पाईप लाईनचरच बुस्टर ठेवायचे आणि ते पाणी स्टेमच्या पाईप लाईनमध्ये टाकण्याचा त्यांनी टेक्नीकली एक रिपोर्ट तयार केला. तो टेक्नीकली रिपोर्ट एम.जी.पी. च्या मुख्य अभियंत्यांनी स्विकारला आणि त्या संदर्भामध्ये त्याबाबतीमध्ये आपण त्यापध्दतीने पाण्याची कार्यवाही करणार आहोत. त्याचप्रमाणे मध्यंतरी जेव्हा एम.आय.डी.सी. च्या अधिकाऱ्यांकडे आपली बैठक झाली. तेव्हा एम.आय.डी.सी. च्या अधिकाऱ्यांनी एम.आय.डी.सी. चे जे सन्मा. मंत्री आहेत मा. श्री. अशोक चव्हाण त्यांच्याकडे याबाबतची बैठक झाली आणि त्याठिकाणी जे काही महापालिका करणार आहे. महापालिका हे जे काम करणार आहे हे ठेव पध्दतीने काम करणार आहे. त्याच्यासाठी लागणारा त्यांच्या जो अंदाजाप्रमाणे साधारण दिड कोटी रुपयाचा खर्च आहे. तर दिड कोटीचा खर्च हा आपण ठेव पध्दतीने करायला तयार आहोत. अशाप्रकारे सुध्दा आपण त्याठिकाणी निवेदन दिले आणि त्यांचे असे मत झाले आहे की, जर कार्पोरेशन आपल्याला एवढे पूर्ण सहकार्य करायला तयार जर असेल तर हे पाणी त्यांना तातडीने मिळायला पाहिजे आणि त्या संदर्भामध्ये त्यांनी निर्देश दिले की, ह्यांना तातडीने पाणी द्या आणि आजच आता मा. उपमहापौरांनी जसे सांगितले त्याप्रमाणे आजच विधी मंडळामध्ये त्याची घोषणा झालेली आहे आणि मिरा भाईंदरसाठी जो पाण्याचा प्रश्न होता तो प्रश्न जवळ जवळ निकाली निघालेला आहे. आता जे काही निर्देश उद्या-परवा प्राप्त होतील. त्या निर्देशाप्रमाणे तातडीने आपण हे काम महापालिकेच्या माध्यमातून करणे आवश्यक आहे आणि त्याप्रमाणे तांत्रिक सल्लागारांशी विचारविनिमय करू आपण टेंडर प्रोसिजर लगेच करून आणि साधारण माझ्या अंदाजाप्रमाणे जास्तीत जास्त अडीच ते तीन महिन्यामध्ये पाणी मिरा भाईंदर शहरासाठी उपलब्ध हाईल अशाप्रकारचा मला विश्वास वाटतो.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

आपण जाऊन सांगितले त्याप्रमाणे खरोखर जर ही योजना झाली तर मला वाटते हा ऐतिहासिक विक्रम होईल. परंतु, मला जी माहिती मिळाली आहे ती माहिती मी आपणाकडे सभागृहाला सादर करत आहे. एम.जी.पी. च्या चीफ इंजिनियरने स्पष्टपणे सांगितलेले आहे की, अशाप्रकारचे जे साकेत येथे कनेक्शन एम.आय.डी.सी. च्या पाईप लाईनवरून इंटर कनेक्शन आपल्याला स्टेमच्या लाईनला करायचे आणि त्याच्यातून पाणी द्यायचे ही जी कल्पना होती. ही कल्पना कागदावर राहिलेली आहे. याला कारण आपल्याला सांगतो की, तांत्रिक बाबीचा आपण विचार केला नाही. पण आपण अस्पष्टपणे बोललात ही तांत्रिक बाब अशी आहे की, एम.आय.डी.सी. ची पाईप लाईन साडेपाचशे एम.एम. ची तिथे आहे. त्या पाईप लाईनमधून स्टेमची लाईन तिथे दोन हजार एम.एम. ची आहे. त्या दोन हजार एम.एम. च्या पाईप लाईनमधून १०० एम.एल.डी. ठाणे महानगरपालिकेचे पाणी येत आहे आणि ५० एम.एल.डी. भाईंदरचे पाणी येत आहे. असे दिडशे एम.एल.डी. पाणी त्या दोन हजाराच्या एम.एम.च्या पाईपलाईनमधून येत आहे. सर्व साधारणपणे येथे बसणाऱ्या सर्व लोकप्रतिनिधींना आणि अधिकाऱ्यांना कल्पना यायला पाहिजे की, दोन हजार एम.एम.च्या पाईपलाईनमधून साडेपाचशे एम.एम. मध्ये पाणी जाऊ शकते का? साडेपाचशे एम.एम. मधून दोन हजार दोन हजार एम.एम.च्या पाईपलाईनमध्ये पाणी जाईल ह्याचा प्रत्यकाने विचार करावा. परंतु, तांत्रिकदृष्ट्या जेव्हा साडेपाचशे एम.एम.च्या पाईपलाईनवर हायड्रोलिक टेस्ट केले ते तुम्हांला माहित नसेल कोणालाही ही बाब. परंतु, जेव्हा पहिली मिटींग झाली मा. श्री. अजितदादा पवार यांच्याकडे त्यावेळी एम.आय.डी.सी. च्या अधिकाऱ्यांनी आणि

एम.जी.पी च्या अधिकाऱ्यांनी मिटींगमध्ये असे सुद्धा सांगितले की मी त्या मिटींगला हजर नव्हतो. परंतु, मला अधिकाऱ्यांनी दिलेली माहिती आहे ती माहिती मी आपणाला सांगतो की, त्यावेळी असे सांगितले गेले की, ही बाब तपासून घ्यायला लागेल. आपण घाई करू नका आणि ती घाई करण्यात आली. आजसुद्धा घाईचाच विषय चाललेला आहे. मी जे काय बोलत आहे त्याला कोणीही तांत्रिक आव्हान देऊ शकतो. फक्त मला माझा विषय मांडू द्या आणि हे झाल्यानंतर एम.जी.पी च्या चीफ इंजिनियरने स्पष्ट सांगितले की, अशापद्धतीने एम.आय.डी.सी. च्या पाईप लाईनमधून तुम्हाला पाणी देता येणार नाही. अजून एक हायड्रोलिक टेस्ट ५०० एम.एम च्या पाईप लाईनला सुद्धा साडेचार किलो पर स्क्वेअर इंच एवढे प्रेशर असायला पाहिजे. ते फक्त ३ किलो पर स्क्वेअर इन पाईप लाईनला तिथे प्रेशर असल्यामुळे आमच्या हायप्रेशरच्या पाईप लाईनमध्ये हे पाणी कशापद्धतीने जाऊ शकेल हे अजिबात शक्य नाही आणि म्हणून साडेपाचशे एम.एम ला त्याठिकाणी क्रॉस कनेक्शन करून दोन हजार एम.एम.ला साकेतच्या ठिकाणी पाणी देणे ही जी योजना होती ही कागदावर राहिली. तांत्रिक दृष्ट्या ती संपूर्ण सदोष आहे. आता आपण हे विसरलो पाहिजे की, एवढ्या झटपट जर आम्हाला पाणी मिळत होते. दिड कोटी रुपये भरून ३५ एम.एल.डी. पाणी जर मिळत होते. तर आम्ही सर्व मुख्य होतो की, ११० कोटी रुपये खर्च करून ५० एम.एल.डी पाणी आणले. मग त्यावेळीच आम्ही सांगितले असते की, अशापद्धतीने जर क्रॉस कनेक्शन करून जर पाणी मिळते तर ते जरूर घ्या. बुस्टर लावण्याची आपली कल्पना खूप चांगली आहे. जे अधिकाऱ्यांनी सांगितले की साडेपाचशे एम.एम. मधून दोन हजार एम.एम. मध्ये पाणी ढकलायला साडे पाचशे एम.एम. मध्ये पाण्याचे प्रेशर नाही आणि बुस्टर लावले तर प्रेशर वाढेल आणि दोन हजार एम.एम. मध्ये पाणी जाऊ शकेल. ही जी त्यांची कल्पना आहे. त्याबद्दल त्यांना असा जाब विचारा की, जेव्हा शांती नगरला ५ एम.एल.डी. पाणी एम.आय.डी.सी. देत होती. ते ५ एम.एल.डी पाणी सेन्क्शन केले होते. परंतु, एम.आय.डी.सी. चे पाणी ५ एम.एल.डी. शांती नगरला कधीही मिळालेले नाही. रेकॉर्ड सांगतो की, दोन अडीचच्या वर पाणी गेले नाही. त्यावेळी जिल्हाधिकारी साहेबांकडे शांती नगरच्या लोकांनी एक मिटींग घेतली होती. तेव्हा एम.जी.पी. च्या अधिकाऱ्यांनी हे सुचविले की, पाचशे एम.एम. ची जी पाईप लाईन पातली पाड्याला आहे. त्याठिकाणी शांती नगरची पाईप लाईन जोडलेली आहे. तर त्या पाईपवर बुस्टर बसवल्यानंतर तिथे पाणी येईल. त्याचवेळी मी सांगितले की, जर आडयात नसेल तर पोऱ्यात कुठून येणार? तरी सुद्धा शांतीनगर बिल्डरकडून जवळ जवळ सात-आठ लाख रुपये खर्च करायला लावून जबरदस्ती बुस्टर बसविला व तिथे पाणी आले नाही फक्त हवा असेल तेव्हा बुस्टर ची जी कल्पना आहे. ही तांत्रिक दृष्ट्या शंभर टक्के चुकीची आहे आणि ही जी मिळालेली माहिती आहे. ती अधिकाऱ्यांच्या सांगण्यावरून म्हणण्यापेक्षा प्रत्यक्ष त्याठिकाणी जी वेलॉसिटी आहे त्या वेलॉसिटीचे काही रेकॉर्ड माझ्याकडे उपलब्ध आहे. त्याच्यानुसार अभ्यास केला असता तर ही योजना सांकेत येथे क्रॉस कनेक्शन घेऊन तुम्हांला पाणी घेता येणार नाही. आपल्याला जर स्कीमची तयारी करायची असेल तर नव्याने जोमाने रॉ वॉटर अशुद्ध पाणी उचला. शहाडमध्ये त्याची काय व्यवस्था आहे ह्याची पहिल्यांदा एम.जी.पी. च्या इंजिनियरकडून माहिती घ्या आणि त्यांना बोलवा. मग आपण त्याच्यावर सुचवू कारण प्रत्येकवेळा एजन्सी जी आहे. ही एजन्सी सहजासहजी कोणालाही मदत करायला तयार होत नाही. प्रत्येक वेळेला त्यांची नाकारते पणाची भूमिका असते. सरकारने जरी किती ही ठरविले आणि एजन्सीने म्हटले की, करायचे नाही तर नाहीच करणार. परंतु, जर तांत्रिक बाबीत बसणार असेल तर ते शंभर टक्के होईल. दुसरी बाब अशी की, मघापासून असा विषय चालला आहे की, ठाणे महानगरपालिकेच्या हद्दीमध्ये पाणी चोरी होते. ही बाब तर स्पष्ट आहे. पण पाण्याचा मीटर लावला नाही अशाप्रकारे सुटून जायला एक मार्ग होता. आता पाण्याचा जो इलेक्ट्रॉनिक फ्लो मीटर आहे. तो चेणा येथे लावलेला आहे. काल रात्री १०.०० वाजता मी स्वतः त्याचे रिडींग घेतले परवा रात्रीच्या १०.०० वाजल्यापासून काल रात्रीच्या १०.०० वाजेपर्यंत ८३ एम.एल.डी. पाणी या शहरामध्ये आलेले आहे. म्हणजे तुमची चोरी जी आहे ती ३ एम.एल.डी. ने होत आहे. असे धरायला हरकत नाही. ८३ एम.एल.डी. पाण्याचे वितरण याशहरामध्ये जर नीट झाले तर मला वाटत नाही की, कुठे मिरा रोडमध्ये, भाईंदर पूर्वमध्ये पाणी येण्याची जी वेळ आहे ती ४० तासाने, ५० तासाने असे कधीही होणार नाही. पश्चिमेला काही ठिकाणी सन्मा. सदस्य महेंद्रसिंग चौहाण साहेबांच्या वॉर्डमध्ये २४ तास पाणी असते. याला मी त्यांना दोषी मानत नाही. यंत्रणा अशी आहे की, मी त्यांना दोषी मानत नाही. साहेब, यंत्रणा अशी आहे की, ५० एम.एल.डी.ची टेक्नॉलॉजी आपण स्टडी केली तर त्याठिकाणी चीफ इंजिनियरने असे म्हटलेले आहे की, ५० एम.एल.डी. पाण्याची योजना जेव्हा सुरु होईल तेव्हा ५० प्लस जुने ३१ असे ८१ एम.एल.डी. पाणी या शहराला मिळेल आणि तेही केवळ फक्त दोन झोनमध्ये. म्हणजे आमच्याकडे १२-१२ तास पाणी असू शकते. अशा पध्दतीची ही योजना आहे. मग नेमके आमचे कुठे चुकले? ह्याचा अर्थ आमची वितरण व्यवस्था सदोष आहे. चेण्याला ८३ एम.एल.डी. जर पाणी येते तर ह्या शहरामध्ये ते व्यवस्थितपणे वितरीत झाले तर मला वाटत नाही की, कोणाला प्रॉब्लम होईल. कारण कुठेतरी ते जास्त जात आहे आणि कुठेतरी ते कमी जात आहे. मग ह्याच्यावर कंट्रोल करायचा कसा? ह्याच्यावर कंट्रोल करण्याकरिता सुद्धा कार्यप्रणाली आखलेली होती. त्याच्यामध्ये तशी तरतुद केलेली होती. प्रत्येक टाकीवर अशाप्रकारचा इलेक्ट्रॉनिक फ्लो मीटर बसवावा. ज्या ज्या टाकीची जी जी क्षमता आहे आता ज्या टाक्या बनवल्या आहेत. त्या आजुबाजूची लोकवस्ती ध्यानात घेवून त्या टाक्या बनवलेल्या आहेत. अशी नवघरची टाकी ही सगळ्यात मोठी आहे. कारण तिथली लोकसंख्या मोठी आहे. तर

त्या टाकीवर जर फ्लो मीटर लावला तर आपल्याला एवढे लक्षात येईल की, अडीच एम.एल.डी. पेक्षा जास्त पाणी जर तिथे गेले तर आपण तिथे लगेच पुरवठा खंडीत करू शकतो. कनकियाच्या टाकीवर जास्त पाणी गेले की, आपण तिथे पुरवठा खंडीत करू शकतो. परंतु, फ्लो मीटर लावली गेली नाहीत. ५० एम.एल.डी. पाण्याच्या स्कीममधली जी जी कामे राहिली आहेत. मी मागेसुद्धा अनेकवेळा आपल्याला जागृत केलेले आहे. मी काही तक्रारी केल्या नाही. मी आरोप केले नाही. मी जागृत केले की, जी जी काम राहिली आहेत. संप्वची कामे आहेत. पंप रुमची कामे आहेत. जर पंप रुम झाले असते तर आपल्याला इलेक्ट्रॉनिक फ्लो मीटर लावता आला असता आणि आपण इलेक्ट्रॉनिक फ्लो मीटर लावले असते तर प्रत्येक भागाला रोज किती पाणी जाते ह्याच्यावर तुमचे नियंत्रण असते आणि वितरण व्यवस्था सुधारली असती. आज ही आपल्याला हे करायला पाहिजे. कारण ३५ एम.एल.डी. पाणी सॅन्क्शन झाले किंवा १०० एम.एल.डी. पाणी सॅन्क्शन झाले. तर ते काय लगेच येणार नाही. ते येईपर्यंत तरी आम्हांला हालअपेष्टा काढायच्या आहेत आणि एवढ्या लवकर तर या शहराला ही आंदोलन परवडणारी नाहीत.

#### रोहिदास पाटील :-

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलत आहे की पहिल्यांदा हा विषय खास सभा म्हणून बोलवावा आणि खास सभेत घ्यावा असे मा. उपमहापौरांनी विनंती केलेली होती. ते जुळलं नाही मागे पुढे झाले. सभात्याग झाला आणि आज शेवटी सभेत हा विषय आलेला आहे. पण क्रम पुढे दिला म्हणून मी मा. महापौरांचे अभिनंदन करतो व त्यांना धन्यवाद देतो की, त्यात नीट सविस्तर चर्चा व्हावी. मा. उपमहापौर साहेबांनी सांगितले की, मा. मुख्यमंत्री साहेबांनी आताच विधान सभेत घोषणा केली. ती माहिती हवेवर आपल्यापर्यंत आलेली आहे आणि आपण सगळे खुष झालो आहोत. मी माझ्या पक्षाच्यावतीने मा. मुख्यमंत्री साहेबांचे अभिनंदन करतो अभिनंदन करते वेळी या सभागृहात जे सुखिया-दुखिया सारखे चित्र दिसले. ते काय शहराला शोभणारे नाही. हे महाराष्ट्राचे मुख्यमंत्री म्हणजे महाराष्ट्राचेच आहेत. ते एका पक्षाचे नाही. एका बाजूला टाळ्या वाजतात आणि एका बाजूला टाळ्या वाजत नाही हे काही चांगले नाही.

#### आसिफ पटेल :-

सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील (काका) आग लावण्याचे धंदे बंद करा.

#### रोहिदास पाटील :-

पण एक नक्की आहे की, हे सगळं करतेवेळी या सभागृहात जे निवेदन होत आहे त्या निवेदनाची आजची नाही तर कालची साडेचार वर्ष शहराची वाया घालवल्यानंतर सत्ताधारी पक्ष दोन्ही राष्ट्रावादी आणि काँग्रेस "मी नाही बाई त्यातली" हे जे दाखवण्याचा जो प्रयत्न चालू आहे. हे अत्यंत निंदनीय आहे. हे खरं होते की ह्याच सभागृहामध्ये नवी मुंबईचे पाणी कसे येणार काय येणार व मी या पाण्यातला अनुभवी आहे असे मला स्वतः वाटते. अनेकांना वाटते. एक शब्द बोलू दिला नाही. जसे काय या सभागृहाच्या बाहेर कुठेतरी विमान उभे आहे आणि तो ठराव द्यायचा आहे. अशापद्धतीने सन्मा. सदस्य मोहन पाटील यांनी ठराव केला व तो घेऊन गेले. तो ठराव कुठे आहे आणि तो कशासाठी दिला? कोणी दिला? कोणाला दिला? नीव मुंबईचे पॅटन तुम्हाला वापरायचे असेल तर ते वापरा. पण ते यशस्वी व्हायला पाहिजे होते ना. आता तुमची नक्की खात्री पटली की, ते खरं नाही. ते खरं नाही आणि ते खरं नव्हतंचं. पण ते तुम्ही खरं दाखवण्याचा प्रयत्न केला. तिथे पूर्णपणे खोटे पडलात. हे तुम्हांला आता मान्य करायला लागेल. तसेच आता मा. उपमहापौरांनी जे तुम्हांला सांगितले आपण किती दिवस असे बालीश बोलायचे? आपण जे बोलतो ते कुठेतरी अॅथेटिक असायला पाहिजे. एकतर तुमच्या नक्कीच चेऱ्याच्या हद्दीत, महापालिकेच्या हद्दीत अर्ध्या किलोमीटर अंतरावर जेव्हा तुमचे तुमच्या साक्षीने तुमच्या उपस्थितीमध्ये मीटर लावले. ते मीटर खरं आहे की खोटं आहे ह्याच्याकरिता तुमची ताकद असायला पाहिजे की ते असलेले मीटर खोटं आहे. असे असेल तर ठिक आहे की, पाण्याची चोरी होत आहे. नाहीतर पाणी कमी येत असे बोला ना. चोरी होत आहे हे कसे? हे सभागृह आहे. या सभागृहामध्ये बोलताना प्रत्येक शब्दाला वजन आहे. आपण एका महापालिकेवर, एका अधिकाऱ्यावर, एका व्यवस्थेवर जेव्हा आपण विश्वास व्यक्त करतो. तेव्हा आपण नक्कीच सावकार असलो पाहिजे. आपले येणारे पाणी जे मीटर रिडींगप्रमाणे चेऱ्याच्या हद्दीत येत आहे. त्या पाण्याची रिडींग घ्या. त्याचे मासिक रिडींग घ्या. महिन्याला किती तुट आहे ती तुट भरून काढण्यासाठी आग्रह धरा. प्रयत्न करा. आता पाईप लाईनची कॅपेसिटी ही ९९.९५ एम.एल.डी. पाणी पर डे द्यायचे आहे. तोपर्यंत करताना, नुसताच बॉंबा ठोकून आपण चोर नाही तेच चोर आहेत हे दाखविण्यासाठी न समजणारी ही भाईदरची जनता नाही. हे सत्य आहे. ते येणारे पाण्याचे मॅकझीमम मीटर रिडींग ज्याची माझ्याकडे आता प्रिंट आहे की, जे ९०,८९,९१ कधी कधी पाणी आलेले आहे आणि ज्यावेळी पाणी बंद होते म्हणजे कुठल्या फॉल्ट होतो. मग तो टेकनिकल असेल, मॅकेनिकल असेल, इलेक्ट्रीकल असेल. त्या दिवसाकरिता तो शॉटेज येतो. शॉटेज पाण्याची तुट भरून काढण्यासाठी आपण जोपर्यंत करायला पाहिजे तो प्रयत्न न करता आपण साप समजून दोर धोपटायला लागलो आहोत. हे खोटं आहे. हा एक दुसरा भाग झाला. तिसरा भाग असा आहे की मा. आयुक्त साहेबांनी निवेदन करते वेळी सांगितले की, कन्सलटंट नेमला आहे. तर त्या टेक्नीकल कन्सलटंट चे नाव सांगा ना. की ह्या टेक्नीकल कन्सलटंटशी आपण सल्लामसलत करणार आहोत.



**मा. महापौर :-**

आपल्याला काय सुचना मांडायच्या आहेत त्या सुचना आपण मांडाव्यात.

**रोहिदास पाटील :-**

ही सुचना नाही. वस्तुस्थिती आहे.

**मा. महापौर :-**

एका सन्मा. सदस्यांनी बोललेले आपण परत तेच रिपीट करता.

**रोहिदास पाटील :-**

मी तेच विचारतोय ना. त्यांनी कोणत्या कन्सलटंट चे नाव सांगितले आहे? कोणती एजन्सी आहे? महापालिकेला, मा. आयुक्तांना, मा. उपमहापौरांना, मा. महापौरांना हे कन्सलटंट कोणती एजन्सी तुम्हाला सल्ला देते? ती कन्सलटंट एजन्सी खरोखर सक्षम आहे किंवा ती पात्र आहे किंवा ती दर्जेदार आहे. नाव सांगा. कोणी नेमली? हे कोणासाठी सर्व चालले आहे? कोणाशी तुम्ही बोललात आणि हीच बातमी तुम्ही आम्हाला दिली. येथून जोडणार तेथून जोडणार. आम्ही फक्त टाळ्या वाजवायच्या असे होणार नाही. आम्ही नक्की सांगू शकतो की जे तिथे चालते त्याचे सेंट परसेन्ट जरी नसेल तर ७० टक्के आम्हाला समजते. या सगळ्या खोट्या बातम्या देवून काहीतरी आपण कोणातरी बिल्डरसाठी काम करतो असे काम करू नका. आमजनतेसाठी काम करा. या मिरा भाईंदरमध्ये आज पाणी टंचाई सुरु झालेली आहे. त्याची तीव्रता वाढतच जाईल. बिल्डर लोकांचे भाव पडू नये म्हणून तुम्ही सांगाल की, आले ३५ एम.एल.डी. पाणी येथून ३५ आणि तेथून १०० ह्याच्याने फायदा होणार नाही. आमजनता पाणी पाणी करेल आणि आम करील तेव्हा हे कुठे जाणार आहेत? तुम्ही आम्ही सगळेच पाण्याकरिता करणार आहोत. तेव्हा सभागृहाला खरी माहिती न देता सभागृहाची दिशाभूल करण्यापेक्षा खरं काय आहे? मग आता वितरण व्यवस्था ज्या वितरण व्यवस्थेमध्ये जसे आता सांगितले गेले की, वसूलीमध्ये तुट येते. अनेक सोसायटीमध्ये जा तेव्हा समजेल की त्या ठिकाणी पाणी जात नाही. अशी सिस्टम केलेली आहे. पाणी विभाग निवेदन करतील. मा. आयुक्त साहेब ही निवेदन करतील. प्रशासन ही निवेदन करील की, २६ तासात आले. २८ तासात आले की ३० तासावर आले. आले काय तर वॉल उघडणे झालेले आहे. पण पाणी कुठे आले आहे? पाणी न येता सरासरी बिल देवून आज तुम्ही कोणत्याही सोसायटीमध्ये सांगा. आठ महिन्यापूर्वी ज्यांच्याकडे पाणी येत होत. तेवढ्या एकाही सोसायटीने आता सांगितले की, तेवढेच पाणी येत आहे. तर आपण त्यामध्ये हार खारू तेवढे पाणी येतच नाही. फक्त झोन पुरे केले जातात. आणि सांगितले जाते की, येथे पाणी सोडले आणि तिथे पाणी सोडले. लोकांना पाणी मिळत नाही.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य आपल्या सुचना सांगा. या विषयामध्ये आपल्या महत्त्वाच्या काय सुचना आहेत ते आपण आम्हाला सांगा.

**रोहिदास पाटील :-**

मी आपल्याला सुचना देत आहे.

**ज्योत्सना हसनाळे :-**

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगी बोलते की, मा. महापौर मॅडम मला या विषया संदर्भात बोलायचे आहे.

**रोहिदास पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, मला माझे बोलणे पूर्ण करू द्या. नंतर त्यांना बोलायला द्या. पंधरा मिनिट द्या.

**एस. ए. खान :-**

मॅडम, आम्हालाही या विषयावर बोलायचे आहे.

**रोहिदास पाटील :-**

पाणी न येता सरासरी बिल देण्याची सिस्टम निघाली ती आणखिन प्रभावी झाली. कोणत्या आधारे सरासरी बिल येत आहे. आपण जो ठराव केलेला आहे तो आम्हाला नक्की आठवतो की, एका सोसायटीमध्ये एक मीटर चालू असेल. दोन मीटर जर बंद असेल तर जे मीटर चालू आहे. त्याचे जे रिडींग आहे तेच बिल द्यायचे असा ठराव झालेला आहे असे मला आठवते. पण आपले अधिकारी तसे करत नाही. ते तुट भरून काढण्यासाठी सरासरी बिल पाठवतात. पण जेव्हा पाणी तीन हजार रुपयाचे येत नाही. तेव्हा आपण आठ हजार रुपयाचे बिल देतो. आपण बघा, सरासरी बिलांचे रेट काय आहे? सगळ्यांना ते येते. माझ्या एका वॉर्डत आहे किंवा माझेच आहे असे मी म्हणत नाही हे सगळेच सदस्य म्हणतील की, त्या पद्धतीने वसूली केली जाते.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील (काका) आपल्याला काय म्हणायचे आहे ते समजलेले आहे. आपण बसून घ्या. कारण इतरही सदस्यांना बोलायचे आहे.

**रोहिदास पाटील :-**

आम्ही न बोलता ही आपल्याला समजते.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्या ज्योत्स्ना हसनाळे मॅडम, आपण बोला. आपल्याला परवानगी दिलेली आहे. एका-एका नगरसेवकाला एक-एक तास दिला तरी ते पूर्ण होणार नाही.

**रतन पाटील :-**

पाण्यासारखा प्रश्न आहे आणि आपण कशाला बोलायला देत नाही?

**रोहिदास पाटील :-**

मॅडम, आपण असे कशाला करता?

**ज्योत्स्ना हसनाळे :-**

सर्वाना बोलायला परवानग्या दिलेल्या आहेत.

**रतन पाटील :-**

कशाला बोलायला देत नाही?

**मा. महापौर :-**

आपणच सकाळपासून बोलणार आहात का? सभागृहात दुसरे सदस्य नाही का? आपण बसून घ्या. आपल्या सुचना समजलेल्या आहेत.

**ज्योत्स्ना हसनाळे :-**

सकाळपासून आपण बोलत आहात ना.

**रोहिदास पाटील :-**

ज्या सुचना आहेत. त्या सुचना तुम्हाला समजणार नाहीत अशा त्या सुचना आहेत.

**मिलन पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, मी आपल्याला सकाळी सुद्धा बोललो की, दोनच व्यक्ती आज संपूर्ण दिवस सभागृहामध्ये बोलत आहे. आम्हालाही बोलायला देणार का नाही?

**ज्योत्स्ना हसनाळे :-**

मा. महापौर मॅडम, आम्हाला ही बोलायचे आहे. आम्हाला आपण बोलायला द्या. आमचे विषय आम्ही कधी मांडायचे?

**रोहिदास पाटील :-**

संध्याकाळच्या ७.०० वाजेपर्यंत टाईम आहे. उद्या पुन्हा सकाळी ११.०० वा. चालू करा. काय हरकत नाही. विषय महत्त्वाचे आहेत.

**रतन पाटील :-**

आपण सभागृहात बोलत होता तर विशेष सभा का लावली नाही? आम्ही विशेष सभा लावा म्हणून मागणी केली होती.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य आपण बसून घ्या. आपण बराच वेळ बोलला आहात. आपल्या सुचना समजल्या आहेत. आपण बसून घ्या.

**रोहिदास पाटील :-**

आपल्याला विशेष सभा लावण्याकरिता मा. उपमहापौर साहेबांनी विनंती करूनसुद्धा आपण तेवढा वेळ काढला का? तुमचा हेतू शुद्ध नाही हे दिसून येते ना.

**मा. महापौर :-**

दुसऱ्या सदस्यांना ही बोलायचे आहे. आपणच दिवसभर बोलत राहणार का? दुसऱ्या सदस्यांनी त्यांनी त्यांचे विचार नको का मांडायला? आपण बसून घ्या. आपल्याला सकाळपासून बोलण्याकरिता संधी दिलेली आहे.

**रोहिदास पाटील :-**

यातली कोणती चुकीची सुचना केली ते सांगा ना.

**रतन पाटील :-**

मा. महापौर साहेबा, आपल्याकडे विशेष सभेची मागणी केली होती. आपण विशेष सभा लावायला पाहिजे होती तरी आपण ती विशेष सभा लावली नाही आणि एवढे ११-१२ विषयामध्ये हा विषय घेतलेला आहे. प्रत्येकाला बोलायचे आहे. प्रत्येक पक्षाच्या सदस्याला बोलायचे आहे. आपणाकडून विशेष सभा का लावली गेली नाही?

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्या आपण बोला.

**ज्योत्स्ना हसनाळे :-**

मा. महापौर मॅडम, यांना बसायला सांगा मग आम्ही बोलतो.

**रोहिदास पाटील :-**

बोला, बोला सांगता म्हणून ना. हे कामकाज आहे. त्यांना ही बोलू द्या. सगळ्यांना बोलू द्या. मी बसतो ना. तुमचा मान ठेवून आपण बसायला सांगता तर आम्ही बसतो. आम्ही सांगितल्यावर समजायला पण समजदार पाहिजे ना.

**ज्योत्सना हसनाळे :-**

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलत आहे की, आज मिरा भाईंदर क्षेत्रामध्ये जितका पाणी पुरवठा होत आहे. आपण वाढीव पाणी पुरवठ्यासाठी जे काही निवेदन करत आहोत आणि याठिकाणी विचार विनिमय करत आहोत. याबद्दल अतिशय चांगला आनंद वाटतो की, या मिरा भाईंदर क्षेत्रासाठी आपण फार मोठा विचार करून आज याठिकाणी हा विषय आणला. याठिकाणी कुठल्याही पक्षाला श्रेय न देता आज आपण सर्व मिळून हे काम करत आहोत हे आपल्याला दाखवून द्यायचे आहे. त्यामध्ये पक्ष कुठलाही असू दे. आज सत्ताधारी पक्षाने जरी हे केले किंवा विरोधी पक्षाने केले. पण शेवटी पाणी येणार आहे ते मिरा भाईंदर क्षेत्रासाठी असा विचार करून जर आपण केले तर फार मोठे कार्य हे आपल्याकडून होणार आहे आणि आजच्या ठिकाणी मला असे सांगावेसे वाटते की, जे पाणी शहरामध्ये येत आहे` जर कमी आहे किंवा जास्त आहे हे जर आपण पाहिले तर तसा अधिकारी जो आपण नेमलेला आहे ते योग्य अधिकारी आपण नेमलेले आहेत का? पाणी पुरवठ्याचे जे अधिकारी आपण नेमतो ते बरोबर आहेत का? त्यांना पाणी व्यवस्थितरित्या डिस्ट्रीब्युशन करता येते का? ते अधिकारी प्रत्यक्ष सक्षम आहेत का? याठिकाणी आपण पहिल्यांदा लक्ष वेधले पाहिजे. हे वाढीव पाणी शहरामध्ये येत आहे ही अतिशय चांगली गोष्ट आहे. परंतु, आता जे शहरातले पाणी आहे ते सध्या सगळ्यांना पुरण्यासाठी आपण काय केले पाहिजे. आपल्या इंजिनियरने काय केले पाहिजे. याकडे आपले लक्ष असले पाहिजे आणि मला वाटत नाही की, आपण जे पाणी खात्याचे नेमलेले अधिकारी आहेत ते योग्य पद्धतीने काम करत आहेत. केवळ एका ठिकाणी पाणी जास्त प्रमाणात सोडणार एका ठिकाणी पाणी कमी प्रमाणात सोडणे अशा पद्धतीचा कारभार याठिकाणी चालू आहे. तर मला वाटते की, आपण त्या ठिकाणाहून त्या अधिकाऱ्याची बदली करावी आणि त्याठिकाणी चांगले इंजिनियर नेमावे. जेणेकरून पाण्याचा अशाप्रकारचा त्रास या शहरामध्ये होणार नाही. आता मा. माजी नगराध्यक्ष प्रफुल्लजी पाटील साहेबांनी म्हटले की, शहरामध्ये पाणी येत आहे. पण त्याचे डिस्ट्रीब्युशन चांगल्या पद्धतीने होत नाही. मला वाटते की, तशा पद्धतीने चांगल्यापद्धतीने जर शहरामध्ये डिस्ट्रीब्युशन केले तर पाण्याची सध्या जी भयंकर समस्या आहे ती कमी प्रमाणात होईल. आज आम्ही सगळे नगरसेवक म्हणतो की, आमच्या वॉर्डांमध्ये पाणी नाही आणि प्रत्येकजण नगरसेवक येऊन श्री. बारकुंड साहेबांच्या केबिनला गोंधळ घालत असतो. आता करतो, कधी येऊ तुमच्या वॉर्डांमध्ये, आता येऊ, लगेच येतो. पण तिथे येऊन काहीही समस्या सुटत नाही. पुन्हा आहे तो प्रश्न आहेच अशापद्धतीचे काम आज मिरा भाईंदर क्षेत्रामध्ये पाण्यासाठी सध्या होत आहे. आपण वाढीव पाणी पुरवठ्याच्या गोष्टीची चर्चा करत आहोत. पण आज जे आपण पाण्यासाठी मरतोय यासाठी समाधानकारक उत्तर आपल्याकडे आहे का? याचे उत्तर मला पाणी पुरवठा विभागाकडून मिळाले असते तर बरे झाले असते. आज पाणी खात्याचे अधिकारी सुद्धा येथे नाही. माझ्या विभागामध्ये पाण्याची समस्या आज भयंकर प्रमाणात आहे आणि वाढीव पाणी पुरवठा झाल्यावर सुद्धा आमच्या लोकांना पाणी मिळेल याची शाश्वती आम्हाला आजही नाही. कारण आमच्या येथे जे आदिवासी पाडे आहेत त्याठिकाणी अजून पाणी मिळालेलेच नाही. तर तुमचा कितीही वाढीव पाणी पुरवठा झाला तरी....

**रतन पाटील :-**

आपण मध्येच विषयांतर कशाला करता?

**ज्योत्सना हसनाळे :-**

विषय कुठे गाळलेला नाही. वाढीव पाणी पुरवठ्याबद्दलच चर्चा करत आहे. जर आपण या मिरा भाईंदर शहरासाठी वाढीव पाणी पुरवठा आणता तर आमच्या क्षेत्रामध्ये पाणी कधी मिळणार आहे? याचा खुलासा मला प्रशासनाकडून सभागृहातून मिळेल तर बरे होईल. मी माझ्या एकटीचा क्षेत्रासाठी बोलत नाही. मिरा भाईंदर क्षेत्रातील हा माझा प्रभाग आहे. तिथे वाढीव पाणी पुरवठा आला तरी तिथे पाणी पुरवठा होणार नाही आणि आजचा जो पाणी पुरवठा चाललेला आहे. तेही योग्य प्रमाणात डिस्ट्रीब्युशन होत नाही. त्याबद्दल आपण पहिल्यांदा काहीतरी विचार करा ना. हा वाढीव पाणी पुरवठा मिळणार आहे ही गोष्ट चांगली आहे हे तर व्हायलाच पाहिजे. परंतु, जे आहे त्याचे ही डिस्ट्रीब्युशन होत नाही मग जर ते व्यवस्थित केले तर आज शहरामध्ये जी समस्या आहे ती होणार नाही.

**मोहन पाटील :-**

मिरा भाईंदर क्षेत्रामध्ये वाढीव पाणी पुरवठा व्हावा या दृष्टीकोनातून आज सर्व सन्मा. सदस्यांनी आपआपल्या परिने पाणी कोणत्या पद्धतीने होईल यावर चर्चा सुरु आहे. दरम्यानच्या काळामध्ये ज्यावेळी सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील यांनी विषय काढला की, मिरा भाईंदर महानगरपालिका स्थापन झाल्यापासून आपण काय केले? म्हणजे "निदंकाचे घर शेजारी असायला पाहिजे" आणि सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील यांच्या सारखे निदंका जर शेजारी असतील तर खरचं या शहराचा विकास होईल. ह्याच्याबद्दल मला वाद नाही.

**रतन पाटील :-**

साहेब, आम्ही निदंक वगैरे नाही. आम्ही हे ५० एम.एल.डी. पाणी आणून दिलेले आहे. आम्ही निदंक नाही. आम्ही प्रत्यक्ष युती शासनाने ५० एम.एल.डी. पाणी तुम्हाला आणून दिलेले आहे. आपण काय केले ते सांगा. आम्ही करुन दाखवलेले आहे. ५० एम.एल.डी. पाणी दिलेले आहे आणि श्रेय आपण घेता. आम्ही आणलेले आहे. आपण गप्पा मारु नका. आम्ही हे पाणी आणलेले आहे. आपल्याला हे युती शासनाने पाणी आणून दिलेले आहे.

**मोहन पाटील :-**

निदंकाचे घर शेजारी असायला पाहिजे. जेव्हा मा. महापौर महोदयांना सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील (काका) नी सांगितले की, आपण काय करता? आपण पाणी आणून दाखवा. मागच्या वेळेला ज्यापद्धतीने पाणी आले. तर ह्यावेळी ही पाणी महानगरपालिका असताना यायला पाहिजे. या ३५ एम.एल.डी. पाण्याबाबत जेव्हा संपर्क साधला, मा. श्री. अजितदादा पवार यांना त्यावेळी त्यांनी आपली मिटींग बोलावून घेतली आणि ३५ एम.एल.डी. पाणी मंजूर केले. त्याची अंतिम मंजूरी आज झाली. आज जसे मा. उपमहापौरांनी आणि आपले स्थानिक आमदार मा. श्री. मुझफ्फर हुसैन साहेबांनी जो लक्षवेधी प्रश्न विधान सभेमध्ये मांडला होता. त्याला अंतिम मंजूरी मिळाली. तेच सेम ३५ एम.एल.डी. पाणी आज आपल्याला याठिकाणी मिळालेले आहे आणि ते ३५ एम.एल.डी. पाणी मिळाल्यावर....

**प्रफुल्ल पाटील :-**

ते पाणी मिळालं कुठे?

**मोहन पाटील :-**

मंजूरी मिळालेली आहे. ते पाणी आपल्याला मिळेल.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

नाहीतर भांडी घेऊन निघालो होतो डोक्यावर.

**मोहन पाटील :-**

आज ते ३५ एम.एल.डी. पाणी आपल्यापर्यंत लवकरच पोहचेल. सन्मा. सदस्य प्रफुल्ल पाटील साहेबांनी सांगितले की, पाणी मिळाले कुठे? कबूल आहे. पाणी मिळेल आणि आपण ही येथे अभ्यास पूर्वक सांगितले की, ज्यापद्धतीने टेक्नीकली ज्यांचा जो मुद्दा आहे. तांत्रिक जो मुद्दा आहे. त्या मुद्दयाप्रमाणे पाणी कोणत्या पद्धतीने मोठ्या लाईनवरून छोट्या लाईनवर येऊ शकेल आणि छोट्या लाईनवरून मोठ्या लाईनवरून जाईल हा तांत्रिक मुद्दा आहे. तर तांत्रिक मुद्दयाचा आढावा आपण मघाशी घेतला. त्याप्रमाणे आपण कोणती एजन्सी फिक्स केली आहे आणि कोणत्या अधिकाऱ्याकडून आपण ते करुन घेतले त्याचा उल्लेख आपण माझे बोलणे झाल्यानंतर करावा. परंतु, या शहरामध्ये कुठे कुठे पाणी येते. १०० एम.एल.डी. पाणी मिळावे ही आमची भावना आहे. आमचे असे नाही की, आम्हाला १०० एम.एल.डी. पाणी मिळू नये. आपली ही भावना आहे की, १०० एम.एल.डी. पाणी मिळावे. परंतु, जेव्हा नामदार श्री. गणेश नाईक साहेब यांनी निवडणुकीच्या वेळी सांगितले की, मोरबे धरणात जे पाणी येते ते १०० एम.एल.डी. पाणी आम्ही तुम्हाला जरूर देवू आणि त्याची पुर्तता सुरू आहे. पण ज्यापद्धतीने पुर्तता सुरू व्हायला पाहिजे. पाठपुरावा व्हायला पाहिजे. त्यापद्धतीने पाठपुरावा होत नाही. हे असमाधान सर्वांना लागलेले आहे. त्याकरिता प्रशासनाने त्याच्यावर....

**रतन पाटील :-**

हे प्रशासनाकडून होत नाही की, कोणाकडून होत नाही?

**मोहन पाटील :-**

तशापद्धतीने ते काम पुढे रेटले पाहिजे. परंतु, मला हे सांगावे लागेल की आज याठिकाणी जेव्हा ८६ एम.एल.डी. मिळत आहे. आपली गळती होत आहे. मीटर लावले आहेत. पण मीटर बरोबर दाखवत नाही. हा भाग वेगळा सोडला तर येणारे पाणी हे ८० एम.एल.डी च्यावर आजच्या तारखेला आपल्याला मिळत आहे किंवा २ एम.एल.डी. पाणी कमी मिळत आहे. आजच्या तारखेला शहराची लोकसंख्या ८ लाख इतकी आहे. लोकसंख्येच्या हिशोबाने जेवढे वर्कर याठिकाणी येतात तेवढीच माणसे शहराच्या बाहेर कामाला जातात. मग त्याची जी वितरण व्यवस्था आहे. त्या वितरण व्यवस्थेमुळे आपला खोळंबा झालेला आहे. प्रत्येक सदस्यांचे म्हणणे हेच आहे की, वितरण व्यवस्था व्यवस्थित होत नाही. तर प्रति माणूस आपण १० लिटर पाणी सांगितले तर त्या अनुषंगाने येणारे पाणी बरोबर आहे. परंतु, आपल्याला वितरण व्यवस्थेमध्ये जो दोष आढळत आहे. तो दोष निघायला पाहिजे. त्यापद्धतीने सांगितले की, जे ८६ एम.एल.डी. पाणी येत आहे. सन्मा. सदस्य प्रफुल्ल पाटील बोलले की, ८६ एम.एल.डी. येत आहे आणि त्यापद्धतीने त्याचे वितरण १२ तासाचे व्हायला पाहिजे. पण ते आपल्याकडे होत नाही. ते व्हायला पाहिजे. कारण काही ठिकाणी आपले अधिकारी बहूतेक सोसायटीमध्ये गेल्यानंतर, आजपर्यंत तुम्ही सुद्धा बघितले असेल तुमच्याकडे येणारे ते डेलिगेशन आहे. काय सांगतात की, वॉलमेन पाणी बरोबर सोडत नाही. वॉलमेन पाणी सोडताना पैसे मागतात. अशा पद्धतीच्या गोष्टी सांगतात. आम्ही अधिकाऱ्यांना सांगतो. आम्हीही अधिकाऱ्यांना बोलतो. आम्ही नागरिकांना सांगतो की, आपण हे असे प्रुफ करुन द्या. पण पुरावे हा भाग वेगळा झाला. परंतु, साहेब ज्यापद्धतीने लोक बोलतात. आपल्याला

रहिवाशी सांगतात की याठिकाणी अशापद्धतीने वॉलमेन आपल्याला पाण्याबद्दल बोलतात. तर खरोखर त्या गोष्टीचा विचार आपण केला पाहिजे. सरासरी बिल हा भाग वेगळा आहे. परंतु, येणारे जे पाणी आहे ते व्यवस्थित येत नाही. जे पाणी आम्ही एकदा ट्राय केले होते व ते पाणी २४ तास, २५ तास, २६ तास आणले होते. परंतु, जर तेच पाणी पुन्हा ४० तासावर जात असेल तर या शहरामध्ये पाण्यापासून कोणीही समाधानी राहणार नाही आणि पाणी कितीतरी आले. जरी उद्या १०० एम.एल.डी पाणी आले तरी आम्हांला समाधान मिळणार नाही. हे कबुल आहे. जर आपण ४०-४० तास पाण्याची वाट बघितली तर अतिशय केविलवाणी गोष्ट प्रशासनाकडून वाटते. हा जो खेळ खंडोबा चाललेला आहे तो कुठेतरी आपण थांबवला पाहिजे. आणि जर आपण थांबवला नाही तर उद्रेक होईल. कारण मागच्या आठवड्यामध्ये माझ्या प्रभागामध्ये टँकर मागायला गेल्यानंतर त्या टँकरवाल्याला मारझोड केली. का केली मारझोड? असाप्रकार कधी घडला नाही. आपण जर बघितले तर आपल्याला हे ८१ एम.एल.डी., ८६ एम.एल.डी. पाणी पुरणार नाही म्हणून त्याकरिता आपण कोणत्याही पद्धतीमध्ये त्याचा विचार केला पाहिजे. आज याठिकाणी जे ३५ एम.एल.डी. पाणी.....

**मिलन म्हात्रे :-**

सगळ्या वसुल्या एकत्र करत आहात. बसा खाली. तुमच्याच आर्शिवादाने चोरीची कनेक्शन मिळत आहेत. खाली बसा.

**मोहन पाटील :-**

खाली बसा. असे सांगणारे तुम्ही कोण आहात?

**मिलन म्हात्रे :-**

चोरीचे कनेक्शन तुमच्याच आर्शिवादाने मिळतात. ती पहिल्यांदा बंद करा. हिंमत असेल तर. बिल्डर लोक चोरीच्या पाण्याचे पाईप लाईन बसवतात हे पहिल्यांदा बंद करा. तुमच्या पक्षाचे फायनान्सर बिल्डर...

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य आपण पहिल्यांदा खाली बसा. त्यांना बोलू द्या.

**मिलन म्हात्रे :-**

हिंमत असेल तर ते बंद करून दाखवा. भाषण करू नका. कृती करा. तुमच्या बिल्डर लोकांची चोरीची कनेक्शन बंद करा.

**मोहन पाटील :-**

आम्ही कोणाचे चोरीची कनेक्शन घेत नाही.

**मिलन म्हात्रे :-**

तुमच्या रेकॉर्डला ते कुठे आहे? त्याचा हिसाब-किताब काय?

**मोहन पाटील :-**

चोरीची कनेक्शन घेतलेल्यांना शासन होईलच ना.

**मिलन म्हात्रे :-**

अशोक वगैरे किती बिल्डर आहेत?

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य आपण बसून घ्या.

**मिलन म्हात्रे :-**

तुम्ही महापालिका आंदण घेतली आहे का? सगळे पाणी खाते तुमच्याकरिता वापरले जाते. हिंमत असेल तर ही कामे बंद करा. सर्वसामान्यांना पाणी मिळेल.

**मोहन पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, यांना आपण गप्प बसायला सांगा.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य आपण खाली बसा.

**मिलन म्हात्रे :-**

तुम्हाला अधिकार नाही भाषण करण्याचा.

**मोहन पाटील :-**

आम्ही भाषण करत नाही.

**मा. महापौर :-**

आपण बसून घ्या. दुसऱ्या सन्मा. सदस्यांना बोलू द्या.

**मिलन म्हात्रे :-**

कार्यवाही करा आणि चोरीची कनेक्शन पकडून दाखवा.

**मोहन पाटील :-**

आम्ही पकडून दाखवू.

**मा. महापौर :-**

दुसरे सन्मा. सदस्य बोलत असताना आपण मधे कशाला बोलता?

**मिलन म्हात्रे :-**

तशी तरतुद केलेली आहे.

**मिलन पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, हे सन्मा. सदस्य दुसरे वस्तू शोधून काढतात. तसे चोरीची कनेक्शन ह्यांनी शोधून काढावेत. मग तुमचा पण त्यामध्ये भाग असेल.

**मिलन म्हात्रे :-**

तुमच्या मुर्धा येथे पुर्नमिलन असलेल्या बिल्डिंगला आपण स्वतः लावून दिलेले आहे.

**मिलन पाटील :-**

तुमचा सुद्धा त्याच्यामध्ये वापर असेल म्हणून तुम्ही चोरीची कनेक्शन शोधून काढत नाही.

**मिलन म्हात्रे :-**

नगरपालिकेच्या संडासचे कनेक्शन तुम्ही चोरले आहे. नगरपालिकेच्या शौचालयाचे कनेक्शन लागलेले आहे.

**मोहन पाटील :-**

मा. महापौर महोदया, सन्मा. सदस्य मिलन म्हात्रे यांच्या वॉर्डामध्ये चोरीचे कनेक्शन लागलेले आहे.

**मिलन म्हात्रे :-**

आपल्याकडे एकदा वाकून बघा. अॅफिडेवीट द्या. गुवाचे पाणी पण खाता तुम्ही. लायकी आहे का तुमची?

**रिटा शाह :-**

मा. महापौर मॅडम, सभागृहात हे कोणते शब्द वापरले जात आहेत. कोणते शब्द माहित नाही का? हे काय चालले आहे?

**रिटा शाह :-**

सन्मा. सदस्य मिलन म्हात्रे साहेब ते पाणी पित असतील म्हणून त्यांना असे वाटते की, आपली सर्व मिरा भाईंदर शहराची लोक ते पाणी पितात आणि त्यांनी चोरीच्या कनेक्शनच्या जे नेमके आरोप लावलेले आहेत की, चोरीची कनेक्शन तुम्ही दिली तर नेमके कनेक्शन कोणी दिलीत हे त्यांनी साबीत करावेत. आपण ऑर्डर करा आणि त्यांना पहिल्यांदा ते साबीत करायला लावा.

**मोहन पाटील :-**

मा. महापौर महोदया, सन्मा. सदस्य मिलन म्हात्रे हे संसदीय कामकाजामध्ये व्यवस्थित बोलतात तर त्यांना बोलता येते का? ते काय बोलत आहे त्यांना शुध्द आहे का?

**मिलन म्हात्रे :-**

आम्हाला शुध्द ही आहे आणि पुरावा ही आहे. तुमच्यात हिम्मत असेल ना, तर परत एकदा बोलतो की, पाईप लाईन बंद करा. पाणी सगळ्यांना मिळेल. तुम्हीपण चोरीची कनेक्शन लावता. तुम्ही इललिगल बिल्डींग बांधल्या आहेत. आमच्याकडे सगळे कागद आलेले आहेत.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य मिलन म्हात्रे आपण बसून घ्या.

**मिलन म्हात्रे :-**

आपण चोरीची कनेक्शन बंद करा. म्हणजे सगळ्यांना पाणी मिळेल.

**मोहन पाटील :-**

काय करायचे आहे ते करा. तुम्ही गप्प बसा.

**मिलन म्हात्रे :-**

आयुष्यभर तेच केले म्हणून श्री. शिवमुर्ती नाईक साहेबांना इललिगल कनेक्शन लिगल करायला लागली.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य आपल्याला बोलण्याची परमिशन दिलेली आहे का?

**मोहन पाटील :-**

गप्प बसा.

**मिलन म्हात्रे :-**

आपण बोलू नका. आपण गप्प बसा.

**रोहित सुवर्णा :-**

स्थायी समितीचे चेअरमन असताना आपण वीस करोड रुपये घेतले. मा. महासभेची मंजुरी घेतली का?

**मोहन पाटील :-**

मा. महापौर महोदया, अशी जर चोरीची कनेक्शन आपण शोधून काढली असतील तर त्याच्यावर कार्यवाही होणे हे जरूरीचे आहे. आता जे सन्मा. सदस्य बोलत आहेत तर त्यांच्याकडून माहिती घ्यावी.

**मिलन म्हात्रे :-**

सार्वजनिक संडासे चोरुन बिल्डींग बांधली आहे. आपण ते कागद मिटींगमध्ये सादर करा.

**रोहित सुवर्णा :-**

खारीगावात शौचालय चोरुन तुम्ही बिल्डींग बांधल्या आहेत.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य आपल्याला बोलायला वेळ देणार तेव्हा आपण बोला ना.

**मोहन पाटील :-**

मा. आयुक्त साहेबांना माझी अशी विनंती आहे की, आपण जी एजन्सी फिक्स केलेली आहे त्या एजन्सीबद्दल आपण सविस्तर माहिती द्यावी.

**मिलन पाटील :-**

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलत आहे की, आयुक्त साहेब जे वॉलमेन आहेत ते बरोबर झोपडपट्टीच्या ठिकाणी वॉल एकदम कमी सोडतात. म्हणजे जे पाणी गळती होते, सकाळी आपण स्टेशन रोड बघितले, यासाईडला बघितले तर बरोबर जिथे झोपडपट्टी आहे व तिथे जो कोणी प्रमुख आहे ते मुद्दामहून वॉलमेनला पैसे देऊन ते वॉल सोडायला लावतात. याची गळती इतकी होते की, त्याच्यातून भयंकर पाणी जाते. काही काही वॉलमधून एवढी गळती होते की, रोज एक इंचाचे पाणी जाते. २४ तास जर एक-एक इंचाचे एवढे पाणी गेले तर हे पाणी गेले तर हे पाणी किती फुकट जाईल. याकडे आपण लक्ष द्यावे. साहेब, माझ्या वॉर्डमध्ये देववाटीका म्हणून वॉर्ड आहे. तिथे जवळ जवळ दोनशे फुटाची एक लाईन आहे. तेथून त्या लोकांना प्रेशर जात नाही. साहेब, मी दहा वेळा बोललो की, छोटीशी दोन पाईपची लाईन टाका. त्या ज्या चार-पाच बिल्डींग आहेत त्यांना अजिबात पाणी मिळत नाही. तर दोन इंचाचे दोन पाईप टाकायला तेवढी व्यवस्था करा.

**हंसुकुमार पांडे :-**

मा. महापौर मॅडम, ईस्टके परिसर मे भाईदर ईस्ट मे पाणी की तकलीफ लगभग दो-अढाई-तीन महिने से जादा है। इसके बारे मे हमलोगोने वारंवार कम्प्लेंट किया है। कमिशनर साहब को बोला है। श्री. बारकुंड साहब को बोला है। लेकिन कोई भी सुनवाई नहीं होती है। कमिशनर साहब, अगर ऐसी सुनवाई नहीं होगी तो काम कैसे होगा? साहब हमारे भाईदर ईस्ट के परिसर मे लगभग तीन साडे तीन महिने से पाणी की बहुत तकलीफ है। यह बात आपको भी पता है। हमलोग सब नगरसेवक मिलकर आपके पास भी आकर गए लेकिन इसकेबारे मे कोई भी प्रस्ताव निकलता नहीं है। जब भी हमलोग श्री. बारकुंड साहब को बोलते है, वह अपने इंजिनियर को बोलते है। तो दुसरे एरिया का प्रेशर कम करते है और यह एरियामे प्रेशर डालते है। ऐसे कितने दिन चलेगा और भी नए कनेक्शन के बारे मे बोलता हू। अपने सब कनेक्शन की फाईल लेकर रख दी है। आप बोलते हो ओ.सी. चाहिए। अभी १९९३-९४-९५ के बिल्डींग का ओ.सी. माँगेंगे तो कैसे चलेगा?

**मा. आयुक्त :-**

आप जो अभी बता रहे है की, पानी का कम आ रहा है। वह पानी कम आता है उसके बारेमे तो इन्क्वायरी होगी और उसके बारेमे इन्क्वायरी करके .....

**हंसुकुमार पांडे :-**

हमारे यहाँ जो जनसंख्या है। तो पानी कम होना नहीं चाहिए लेकिन पानी कम क्यों होता है?

**मा. आयुक्त :-**

आप नए कनेक्शन यह जो बोल रहे हो। उसके बारेमे मैं आपको बता रहा हूँ।

**हंसुकुमार पांडे :-**

पानी हमारे चेसिया ८६ एम.एल.डी पानी है, मे ऑलरेडी उपलब्ध है। फिर भी पानी क्यों कम पड रहा है। हमारे पास इतनी लोकसंख्या नहीं है। एक आदमी के उपर १०० लीटर पानी का वितरण किया है तो वह हिसाब से हमारे पास साडे-सात, आठ लाख लोग है तो हमलोगो को ८६ एम.एल.डी. पानी पुरना मँगता है। पानी पुरता क्यों नहीं है? और जो आपने सब लिस्ट बनाके दे दिया की, ओ.सी. चाहिए, ओ.सी. चाहिए। तो १९९३ के बिल्डींग का ओ.सी. कहाँसे लाए?

**मा. आयुक्त :-**

आपण एका बाजूने असेही बोलता व दुसऱ्या बाजूने कनेक्शन द्या म्हणून सांगता.

**हंसुकुमार पांडे :-**

सर. आपने फ़ज़ईल आपके पास रख दिया है। आप उपलब्ध रहते नहीं है। तो तकलीफ हम लोगोको, नगरसेवकोको है। लोग हमारे पास आकर हमे चिल्लाने लगते है। पिछले तीन-तीन, चार-चार महिने से यहाँपर फाईल पडी हुई है। श्री. बारकुंड साहब के पास से रखडकर अभी फाईल आपके पास आयी हुई है। फिर भी वह होता नहीं है। इसमे से कुछ रास्ता निकालना चाहिए।

**रक्षाबेन शाह :-**

साहेब, महानगरपालिकेने एखाद्या बिल्डरचे किंवा एखाद्या सोसायटीचे पैसे घेतल्यानंतर जर ओ.सी. मागितली तर ती काही चुकीची बाब आहे का? मला असे वाटते की, त्यांना आपण कनेक्शन द्यायला पाहिजे. कारण आपण डी.डी. घेऊन बसलेलो आहोत. महानगरपालिकेत त्यांनी पैसे जमा केलेले आहेत आणि त्यानंतर

ओ.सी. मागण्याचे कारण काय? आजपर्यंत ८० टक्के बिल्लींगला ओ.सी. नसेल तरीही आपण आता ही परमिशन देता. कुठल्या बिल्लींगला ओ.सी. आहे.

**हंसुकुमार पांडे :-**

नविन कनेक्शनला ओ.सी. आहे का?

**रक्षाबेन शाह :-**

पाण्याची बाब ही सगळ्यांसाठी आहे.

**हंसुकुमार पांडे :-**

साहेब, आपल्याकडे पाणी कुठे कमी आहे? आपल्याकडे ८६ ,एम.एल.डी. पाणी आहे.

**रक्षाबेन शाह :-**

एकवेळा बोलतात की, पाण्याची कमी आहे आणि एकवेळा बोलतात की, पाण्याची कमी नाही.

**हंसुकुमार पांडे :-**

खाली विशेष सभा ही लगता है पर होता तो कुछ भी नहीं है।

**मा. आयुक्त :-**

सन्मा. सदस्यांना विनंती आहे की, पाण्याच्या संदर्भामध्ये बऱ्याचवेळेपासून आपली सभागृहामध्ये चर्चा सुरु आहे. तर पाण्याच्या व्यवस्थेच्या वितरणाच्या बाबतीमध्ये जे प्रश्न याठिकाणी उपस्थित झालेले आहेत. त्या संदर्भामध्ये जे संबंधित कन्सलटन्ट डेप्युटी इंजिनियर आहेत ते त्याबाबतीमध्ये खुलासा करत आहेत. ते कृपया शांतपणे ऐकावे.

**रतन पाटील :-**

साहेब, पहिल्यांदा आम्हाला बोलू द्या नंतर त्यांनी खुलासा करावा.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

ते वितरण व्यवस्थेबद्दल सांगत आहेत ते ऐकून घेऊ.

**रोहित सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडम, आमच्याही काही सुचना आहेत.

**प्रेमनाथ पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, माझ्या प्रभागामध्ये आता ९-९ महिन्यांनी पाण्याची बिले आलेली आहेत.

**मा. महापौर :-**

सभागृहात शांतता ठेवावी.

**प्रेमनाथ पाटील :-**

श्री. काकडे साहेब, आपण पाण्याचे बिल किती किती महिन्यांनी पाठवता?

**श्री. काकडे :-**

तीन महिन्यांनी.

**प्रेमनाथ पाटील :-**

मग माझ्या प्रभागामध्ये ९-९ महिन्यांनी बिले आलेली आहेत आणि तेही सरासरी. ह्याच्यावर आपण काय कार्यवाही करणार? एका बिल्लींगला तीन महिन्यांनी किंवा सहा महिन्यांनी बिल येते व त्याच्या बाजूच्या बिल्लींगला ९-९ महिन्यांनी बिल येते असे का?

**श्री. काकडे :-**

याबाबतीत पाणी पुरवठा विभागाचे ऑडीट चालू आहे.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

वितरण व्यवस्थेबाबत बोला ना. आपण वितरण व्यवस्थेमध्ये दोष काढणार का? ते बोला आणि कसे काढणार ते सांगा.

**श्री. काकडे :-**

मिरा भाईंदर शहराची सध्याची लोकसंख्या सुमारे आठ लाख इतकी आहे आणि शासनाच्या निकषाप्रमाणे दरडोई १४० लिटर पाणी आपल्याला द्यायला पाहिजे.

**रतन पाटील :-**

साहेब, आम्हाला एकदा बोलू द्या. नंतर तुम्ही खुलासा करा ना. आमचेसुद्धा प्रश्न त्यामध्ये घ्या ना.

**एस. ए. खान :-**

आपण सर्व सदस्यांचे ऐकून घ्या आणि मग नंतर खुलासा करा ना. पाण्याबाबत चर्चा करायची होती. पण ३५ एम.एल.डी. पाणी वाढीव झाले म्हणून आम्ही थांबलो नाहीतर, ही सभा गाजणारच होती.

**हंसुकुमार पांडे :-**

तसेच, सरासरी बिलचे ही प्रॉब्लेम खूप आहेत.

**मा. महापौर :-**

सर्व सन्मा. सदस्यांनी विचारलेल्या प्रश्नांचा खुलासा एकत्र करण्यात येईल.



**रतन पाटील :-**

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलतो की, निश्चितच आपल्याला येणारे हे पाणी मिळणार आहे आणि आपल्याला येणारा ८६ एम.एल.डी पाणी आताच सभागृहामध्ये आनंदाची गोष्ट झाली की, ३५ एम.एल.डी पाणी जे आपल्याला मिळणार आहे, निश्चितच मिरा भाईंदर वासियांच्या दृष्टीने चांगली घटना, चांगली बातमी मिळालेली आहे. आपल्याकडे १२० एम.एल.डी पाणी येणार आहे. स्टेम प्राधिकरणाचे सर्व मीटर बंद आहेत. ती प्रथम चालू करावीत आपल्याला किती पाणी पुरवठा होत आहे किंवा किती पाणी पुरवठा होत नाही व त्याची गळती कुठे होत आहे हेच समजत नाही. प्रथम त्याच्यावर नोंद घ्या की, स्टेम प्राधिकरणाचे सर्व मीटर चालू करण्यात यावीत. तसेच, मिरा भाईंदर शहरासाठी स्टेम प्राधिकरणमार्फत होणारा पाणी पुरवठा हा एकमेव मार्ग आहे आणि तेथून पाणी पुरवठा बंद झाला की शहराला दुसरा कोणताही स्रोत नाही. यापूर्वी शहरामध्ये पाणी टंचाईमुळे उग्र आंदोलन झालेले आहे व मोठया प्रमाणात वित्तहानी झाली आहे. त्यामुळे स्टेम प्राधिकरणाचा पाणी पुरवठा अखंडपणे सुरू राहण्याकरिता व दररोज किमान ८६ दशलक्ष पाणी पुरवठा होणे हे आवश्यक आहे. यामध्ये एम.एस.ई.बी. ची लाईट शहाड पंपिंग सेट, स्टेमघर पंपिंग सेट आणि पातलीपाडा पंपिंग सेट इथे फक्त १० मिनिट पॉवर गेली तर मिरा भाईंदर शहराला तीन तासाचा फटका पडतो. यासाठी तिन्ही ठिकाणी जनरेटर सेट बसवावेत अशी मागणी करा. या तिन्ही ठिकाणाहून जरी एका ठिकाणी पाणी गेले तरी सुद्धा तोच फटका पडणार आहे आणि तीन ठिकाणी जर जनरेटर असेल तर आपल्याला निश्चितच मिरा भाईंदरसाठी एकमेव स्रोत पाणी पुरवठा होईल. आपल्याला जर येथे दहा मिनिटासाठी पॉवर गेली तर जो पाणी पुरवठ्यासाठी फटका पडतो तो फटका पडणार नाही. ही माझी सुचना आहे. पातलीपाडा पंपिंग सेट हे सुरुवातीला मिरा भाईंदरसाठी २१ दशलक्ष लीटर पाणी व ठाणे महानगरपालिकेसाठी हद्दीतील ओवळा, आज्ञादनगर व डोगरी पाडा यांचा ७ दशलक्ष पाणी पुरवठा असा एकूण २८ दशलक्ष पाणी पुरवठ्यासाठी एम.जी.पी ने जागतिक जनटप्पा एक अंतर्गत बांधले होते. त्यानंतर मिरा भाईंदर मनपासाठी वाढीव १० एम.एल.डी. पाणी पुरवठ्यासाठी फेरबदल करण्यात आले व आता ५० एम.एल.डी पाणी पुरवठा शांती नगर मिरा रोड येथील ५ दशलक्ष पाणी पुरवठा असे एकूण ९३ दशलक्ष लीटरच्या क्षमतेची याठिकाणी पंपिंग मशिनरी.....

**लिओ कोलासो :-**

मा. महापौर साहेबा, आम्हांला त्या कागदाची कॉपी द्या. तो कागद आहे ना त्या कागदाची कॉपी आम्हाला द्या म्हणजे आम्ही एक्झामिन करतो. आम्हांला पण समजले पाहिजे ना.

**दिनेश नलावडे :-**

मा. महापौर मॅडम, एकूण पाच पाने लिहून आणलेली आहेत.

**रतन पाटील :-**

एकूण ९३ दशलक्ष लीटरची पंपिंग मशिनरी ह्याची एम.बी.आर पंप एवढी क्षमता आहे. प्रत्यक्ष तेथून १२५ दशलक्ष पाणी पुरवठा केला जातो व त्यातील मिरा भाईंदर शहरासाठी ८६ दशलक्ष व उर्वरित सुमारे ३९ दशलक्ष लीटर पाणी ठाणे महानगरपालिका हद्दीत दिले जात आहे. त्यामुळे तेथील पंपिंग मशिनवर एम.बी.आर. वाढीव काम करत आहे. त्यामुळे तिथे नादुरुस्तीचे प्रमाण वाढलेले आहे. तरी मंजूर ६ दशलक्ष पाणी पुरवठा सोडून ठाणे महानगरपालिकेच्या पातलीपाडा येथून बिगर मीटरने होणारा पाणी पुरवठा, ठाणे महानगरपालिकेच्या १०० दशलक्ष पाणी पुरवठा योजनेतून करावा. पातलीपाडा येथे सदर पाणी पुरवठ्यासाठी होणारे वाढीव काम हे कमी करावे जेणेकरून कोणत्याही ठिकाणी विद्युत पुरवठा खंडीत झाला की, पातलीपाडा येथून मिरा भाईंदरसाठी जादा पंपिंग करून २४ तासांच्या आत ८६ दशलक्ष पाणी पुरवठा होऊ शकतो. अशापद्धतीची माझी एक सुचना आहे. त्याचबरोबर एक छोटीशी सुचना पातलीपाडा येथून मिरा भाईंदर शहराकडे येणाऱ्या जलवाहिनीवर असलेले डोंगरीपाडा, आज्ञादनगर व हिरानंदानी संकूल यासाठी पाणी कनेक्शन दिलेले आहे.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य रतन पाटील आपल्या सर्व सुचना समजलेल्या आहेत. आपण बसून घ्या.

**रतन पाटील :-**

ते जलवाहिनीवर शिफ्ट करण्यात यावी. यापूर्वी शहर अभियंता, ठाणे यांनी दिड वर्षापूर्वी सदर कामे त्वरीत करून घेतो. असे आश्वासन मा. गव्हर्निंग समितीला दिले होते. परंतु, अदयाप त्याच्यावर काही कार्यवाही केलेली नाही. तसेच पातलीपाडा येथून एम.बी.आर ठाणे मनपा हद्दीला पाणी पुरवठ्यासाठी ई-एसार म्हणून करण्यात येणारा उद्योग त्वरित बंद करावा. ई-एसार म्हणून उद्योग केल्यामुळे एम.बी.आर ची लेबल कमी होते व मिरा भाईंदरसाठी पाण्याचे प्रेशर कमी मिळते. अशापद्धतीने ही सुचना आहे. त्या सुचनेचा निश्चितच पालन करावे.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य लिओ कोलासो साहेब आपण बोलावे.

**रतन पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, मी ह्या ज्या सुचना मांडल्या. ह्या निश्चितच मिरा भाईदरच्या पाणी प्रश्नासाठी प्रकाश टाकेल. त्या सुचना अंमलात आणा. धन्यवाद.

**लिओ कोलासो :-**

मा. महापौर साहेबा, आपल्या परवानगीने बोलतो.

**मा. महापौर :-**

सभागृहात शांतता ठेवावी. सर्व सन्मा. सदस्यांनी बसून घ्यावे. सन्मा. सदस्य लिओ कोलासो साहेब आपण बोला.

**लिओ कोलासो :-**

मी आपले लक्ष मुद्दामून वेधू इच्छितो की, या सभागृहामध्ये कितीतरी विरोधी पक्षाचे लोक चांगले बोलतात. सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील याचे भाषण ऐकावेसे वाटते. पण आता जे सन्मा. सदस्य रतन पाटील यांनी जे रटाळ बोलले तर ह्याच्यातले सगळे पाणीच निघून गेलेले आहे.

(सभागृहात गोधळ)

**लिओ कोलासो :-**

मा. महापौर साहेबा, आपण चर्चा बंद करा आणि दुसरा विषय पुकारा. ह्यांना काय ऐकायचे नाही आणि आम्हाला तर काय बोलू देणार नाही तर आपण पुढचा विषय घ्या.

**दिनेश नलावडे :-**

मा. महापौर मॅडम, पाण्यासंबंधी आपण याठिकाणी तीन महिन्यांनंतर हा जो विषय आणलेला आहे त्याबद्दल सर्वप्रथम मी आपल्या सर्वांना धन्यवाद देतो. मा. महापौर मॅडम, प्रभाग समिती कार्यालयामध्ये गेली तीन महिने ज्यावेळी आमची सभा असते. त्या तिन्ही सभेमध्ये पाण्याच्या विषयावर अतिशय गंभीरपणे विचार केला जातो. दोन वेळेस भाईदर पूर्वमधून मोर्चे देखिल आलेले आहेत आणि मा. महापौर मॅडम, मी आपणाला सांगू इच्छितो की, गुरुवारी माझा स्वतःचा मोर्चा येणार म्हणून मी आयुक्त साहेबांना पत्र दिलेले होते आणि त्याचे नेतृत्व मी स्वतः करणार होतो. याठिकाणी मी आपणाला सांगू इच्छितो की, पाणी विभागाचे इंजिनियर श्री. काकडे साहेब, श्री. नेमाडे साहेब आणि वॉलमेन ह्यांच्यासोबत मी कार्यालयामध्ये मिटींग घेतली व तिन्ही टाकीचे रिपोर्टस मागितले आणि तिन्ही टाकीचे नियोजन केल्यानंतर पाणी व्यवस्थित जसे आपल्या शहराला पाहिजे तसे मिळत असले तरीदेखिल आमच्या प्रभाग क्र.८ मध्ये नवघरला आणि प्रभाग क्र. ६ मध्ये रोजचे कमीत कमी .....

**रतन पाटील :-**

भाईदर पूर्व बोला.

**शुभांगी नाईक :-**

अध्यक्ष साहेब, भाईदर पूर्व बोला.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्यांनी बसून घ्यावे. सन्मा. सदस्य रतन पाटील आणि शिवप्रकाश भुदेकाजी आपल्याला बोलण्याकरिता परमिशन दिलेली नाही. आपण बसून घ्या.

**शिवप्रकाश भुदेका :-**

वह हमारे प्रभाग अधिकारी है। एक वॉर्ड के बारे में बोलोगे तो कैसे चलेगा।

**मा. महापौर :-**

एक सदस्य बोलत असताना दुसऱ्या सदस्याने मध्ये बोलू नका.

**रतन पाटील :-**

एकट्याने बोलू नका.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य रतन पाटील जर आपण मधे उठून बोलत असाल तर ह्यापुढे आपल्याला बोलण्याची संधी दिली जाणार नाही. आपल्याला जर गप्पा मारायच्या असतील तर प्रत्येक सदस्याने बाहेर जावून पाच-पाच मिनिटांनंतर मध्ये या.

**दिनेश नलावडे :-**

भाईदर पूर्वमधून रोजचे तीनशे ते चारशे टँकर आमच्या भाईदर पूर्व भागात पाणी पुरवठा करत आहेत. संबंधित अधिकाऱ्यांची मागे मिटींग घेतली .....

**हॅरल बोर्जिस :-**

मा. महापौर मॅडम, सन्मा. प्रभाग समिती अध्यक्षांना आपण बोलण्याची परवानगी दिलेली आहे. तर कृपया त्यांच्या ज्या सुचना असतील त्या त्यांना मांडायला सांगा. कारण त्यांनी अजूनपर्यंत जे वक्तव्य केलेले आहे त्यामध्ये अजून कोणत्याही प्रकारच्या सुचना बाहेर आलेल्या नाहीत.

**दिनेश नलावडे :-**

सन्मा. सभागृह नेते मी आपल्याला सुचना करतो की, .....

**हॅरल बोर्जिस :-**

सन्मा. दिनेश नलावडे आपल्या भावना आम्ही समजू शकतो. परंतु, या वाढीव पाणी पुरवठ्यावरती आपल्या ज्या अति महत्वाच्या सुचना असतील त्या कृपया सभागृहासमोर मांडा.

**दिनेश नलावडे :-**

मा. महापौर मॅडम, माझा सांगण्याचा हेतू असा आहे की, ज्यावेळी आम्ही इंजिनियरची मिटींग घेतली व वॉलमेन तिथे बोलावले आणि त्याच्या दुसऱ्या दिवसापासून आम्हाला पाणी चांगल्याप्रकारे मिळू लागले. आमचे सध्या काही विभागातील टँकर बंद झाले. मी सदर इंजिनियरला फोन करून सांगितले की, आमच्या येथे जे टँकर येत होते ते बंद झाले म्हणजे हे कुत्रिमरित्या पाणी टंचाई करण्याचे काम कोण करत होते. गेल्या तीन महिन्यांपासून भाईदर ईस्टमध्ये टँकर चालू आहेत. मिटींग घेतल्यानंतर आम्हाला पाणी व्यवस्थित यायला लागले. मी इंजिनियर श्री. काकडे साहेबांना फोन करून सांगितले की, आता पाणी व्यवस्थित येत आहे व प्रत्येक ठिकाणी जिथे टँकर चालू होते जसे साईबाबा नगर, सर्वश्री नगर, जेसलपार्क, केबिन रोड सगळ्या ठिकाणाहून फोन आले की, आता आमच्या येथे पाणी बरोबर येत आहे. तर हे वॉलमेन पहिल्या अगोदरचे वॉलमेन .....

**शुभांगी नाईक :-**

सन्मा. प्रभाग अध्यक्ष दिनेश नलावडे साहेब आपण सत्ताधारी आहात आणि आपले हे वाक्य?

**दिनेश नलावडे :-**

मला काही विभागांमधून फोन आलेले आहेत की, पाणी व्यवस्थित चालू आहे. पहिल्यांदा आपण वॉलमेन बदली केले. त्यांना सस्पेन्ड केले. तरीदेखिल ते वॉलमेन आजही त्या प्रभागाची कार्यवाही करत आहेत. म्हणजे कुत्रिमरित्या पाणी टंचाईचे काम आपल्याच महानगरपालिकेकडून केले जात आहे. मा. महापौर मॅडम, मी आपणाला सांगेन की, रामदेव पार्क जिथे गोल्डन नेस्ट आहे. त्याठिकाणी पाणी व्यवस्थित जात होते. सर्वच टँकर चालू नव्हते. एम.जी. जे टँकरवाले आहेत त्यांनी तिथे जावून अगोदर त्या लोकांना सांगितले आहेत की, तुमचे सात दिवसांमध्ये येथे टँकर चालू होणार आहे. तेही तुम्हाला महानगरपालिकेकडून नाही, तर शंभर रुपये जास्त भरून टँकर मिळेल. बरोबर, सात दिवसानंतर रामदेव पार्क येथे टँकर चालू झाले. ह्याचा अर्थ आपल्याला या शहरामध्ये पुन्हा टँकर चालू करायचे आहे. हे माझ्या मते इंजिनियर आणि ठराविक जे वॉलमेन आहेत ह्यांचे निश्चितपणे कुत्रिमरित्या पाणी टंचाई करून टँकर चालू करायचे आहे असे वाटते. मॅडम, यावर जर आपण लक्ष दिले तर निश्चितपणे टँकर बंद होतील. हे टँकर आपण मागवल्यानंतर पाणी बरोबर नव्याने मिळत आहे. तरीदेखिल आज टँकर चालू नसताना, पाणी मिळत असताना आपल्याला व्यवस्थित पाणी येत असताना टँकर चालू आहे. याकडे आपण लक्ष द्यायला पाहिजे. निश्चितपणे आज आमच्या शहरामध्ये, पूर्वेमध्ये आता वितरण व्यवस्था अतिशय चांगली चालू आहे. परंतु, येथे कुत्रिमरित्या पाणी टंचाई करण्याचे काम चालू आहे. हे मी आपल्या निर्दर्शनास आणून देत आहे. कृपया याकडे आपण लक्ष द्यावे.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य जयंत पाटील आपण बोलावे.

**जयंत पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, आपला आभारी आहे. पाण्याचा प्रश्न हा ज्वलंत प्रश्न आहे. यासंबंधी चर्चा चालू असताना आणि निश्चितच मा. उपमहापौर चंद्रकांत वैती साहेब यांचे मी अभिनंदन करतो की, त्यांना मुख्यमंत्री साहेबांचे पत्र आले. कारण मुख्यमंत्री साहेबांच्या पत्राला निश्चितच वेटेज आहे. मधल्या काळामध्ये बरीचशी फोटोग्राफी वर्तमानपत्रामध्ये पाहिली. एकदा हा फोटो देतो व एकदा तो फोटो देतो. नक्की पाणी कोण आणत आहे ते कळत नव्हते. पण आज आम्हाला एक मजबूत पत्र आलेले आहे की, ज्या पत्राला कोणी चॅलेंज करू शकत नाही आणि निश्चितच हे काँग्रेस पक्षाने आणलेले पाणी आहे किंवा येणार आहे. मा. मुख्यमंत्री हे काँग्रेस पक्षाचे आहेत. आपण ज्यावेळी वर्तमानपत्रामध्ये जाहिराती दिल्या तेव्हा कुठेही मुख्यमंत्र्यांचा फोटो नव्हता. तेव्हा कुठेही उपमहापौरांच्या फोटो नव्हता. तेव्हा तुम्ही विचार करायला हवा होता की, हे सुद्धा सत्तेमध्ये भागीदार आहेत. आमच्या बरोबर हे सुद्धा आहेत. असे मुख्यमंत्र्यांनी दिलेले पत्र आपल्या समोरच आहे. त्याच्यामुळे तिथे काही चॅलेंज होणार नाही. आतापर्यंत पाण्यासंबंधी जी चर्चा झाली. त्याच्यातले ८३ एम.एल.डी. पाणी आज आपल्याला सन्मा. सदस्य प्रफुल्ल पाटील ह्यांनी सांगितले ते येत आहे. परंतु, डिस्ट्रीब्युशनची पद्धत आपली एवढी वाईट आहे की, एखादा नगरसेवक मागणी करतो आणि आम्ही तिथे फिडर लाईन टाकतो. तेव्हा बाजूच्या इमारतीचा कुठेलाही सर्व्हे करत नाही आणि केला गेलेला नाही. १०० मि.मि. पाण्याच्या लाईनवर किती कनेक्शन असायला हवेत याचा कोणीही सर्व्हे करत नाही. १५ ते १६ कनेक्शन, ४० कनेक्शन दिले गेलेत. म्हणजे ज्यांना पाणी मिळत होते तेही मिळत नाही. पुन्हा मग ती लाईन काढा किंवा त्यांना एक्स्ट्रा लाईन द्या. आणि त्याच्यामधून ते पाणी कनव्हर्ट करा. म्हणजे एका खर्चामध्ये आमचे जे काम होणार होते त्याला आमचा चौपट खर्च वाढलेला आहे. त्या पाईप लाईनला आम्ही भोक पाडलेली आहेत. त्यामुळे ती पाईप लाईन आम्हांला काढता येणार नाही आणि काढले तर त्याच्याहून डबल खर्च होईल. अशातऱ्हेची परिस्थिती शहरामध्ये आहे. तुम्ही जर पाण्याचे डिस्ट्रीब्युशन योग्य प्रमाणात केले तर पाण्याची टंचाई या शहरामध्ये होणार नाही. ८६ एम.एल.डी. पाण्याचे नुसते ८ लाख जरी पकडले तरी पर हेड तुम्हाला १०० एम.एल.डी.

पाणी देता येईल हे तुम्ही लक्षात घ्या. म्हणजे कुठेतरी आमची चूक झालेली आहे. पाणी कोणी आणले, कोण आणणार आहे हा गौण मुद्दा आहे. या शहरातील जनतेला पाणी हवे आहे आणि जनता आपली आहे आणि आणखिन ५-६ महिन्यांनंतर त्या जनतेच्या समोर आम्ही जाणार आहोत. तेव्हा पाणी कसे लवकर येईल आणि कसे आणतो येईल. हा एक महत्त्वाचा विषय आहे तसेच अजून एक महत्त्वाचा विषय विचारत आहे की, मला या संबंधी कदाचित माहिती नसेल. आपल्याकडे गौरव गार्डन नावाची एक इमारत आहे. मध्ये ती खूप गाजली. साहेब हे आपल्या लक्षात असेल. त्या गौरव गार्डनला आपण नऊ कनेक्शन दिलेले आहेत. सभागृहाला कदाचित हे माहित नसेल आणि सन्मा. सदस्या रिटा शाह व सन्मा. सदस्य नरेंद्र मेहता यांनी त्याबाबतीमध्ये आवाज उठवला होता की, आपण कनेक्शन देवू नका. ती अनधिकृत बिलिंग आहे अनधिकृत असो किंवा अधिकृत असो आपण त्याला कनेक्शन दिलेले आहे. आपण कोर्टामध्ये हेही मान्य केलेले आहे की, ते कनेक्शन आपण तोडलेले आहेत. आजच्या तारखेला ते कनेक्शन लावले गेलेले आहेत आणि गेल्या पाच वर्षांमध्ये आपण एकही बिल त्यांना पाठविलेले नाही. ती लोक बिल द्यायला तयार आहेत. साधारणतः आठ ते दहा लाखाच्या आसपास आपले बिल झालेले आहेत. ते बिल द्यायला तयार आहेत. पण आम्ही त्यांना बिल पाठवत नाही. हे कोर्टात मॅटर आहे. मला वाटते की, त्यांच्याकडून बिल घ्यायला कोणत्याही तऱ्हेची हरकत असू नये. कारण असे आहे की, अनधिकृत इमारतीला आपण थप्पा मारून देतो. टॅक्स लावतो. त्याचप्रमाणे पाणी देताना तुम्ही लिहू शकता की, कोर्टाच्या अधिन राहून आम्ही आपल्याला हे पाण्याचे बिल पाठवत आहोत. जर त्यामुळे आपल्या महानगरपालिकेचा फायदा होणार आहे. महानगरपालिकेच्या उत्पन्नात वाढ होणार आहे. याबाबत मा. महापौर मॅडम, आपण विचार करा आणि त्यांना बिल पाठवा. एवढेच म्हणणे आहे. धन्यवाद.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्या रिटा शाह आपण बोलावे.

**रिटा शाह :-**

मा. महापौर मॅडम, धन्यवाद. सर्वप्रथम मा. उपमहापौर चंद्रकांत वैती साहेब, आणि आमचे आमदार मा. मुझफ्फर हूसैन साहेब, मा. अशोक चव्हाण साहेब, तसेच मा. अजितदादा पवार आणि मा. आर.आर.पाटील साहेब. आम्ही सर्वांचे नाव घेतो आणि सर्वांना धन्यवाद देते की, त्यांनी मिरा भाईंदर क्षेत्रामध्ये लक्ष दिले आणि ३५ एम.एल.डी. पाण्याची जी स्कीम आहे ती आपल्यापुढे ऑन दि पेपर ठेवलेली आहे. माजी नगराध्यक्ष यांनी टेक्नीकली पॉईंट सांगितले की, त्याच्यामध्ये काहीना काही टेक्नीकल पॉईंट काय आहे त्याच्यावर आपल्याला विचारविमश करायला पाहिजे की, खरोखर ते टेक्नीकल पॉईंट आहेत का? कारण मा. मुझफ्फर हूसैन साहेब हे विधान परिषदाचे सभासद असून त्यांनी तिथे तो विषय लक्षवेधी म्हणून मांडला आणि त्याच्यावर विचार विनिमय झाला. चर्चा विचारणा झाली. जशी आज आपण चर्चा विचारणा करतो आणि मला असे वाटते की, तिथे ही पाणी विभागाचे इंजिनिअर्स वगैरे बसत असतील व चर्चला हा विषय आला असेल की, टेक्नीकल पॉईंट आहे की नाही. पाणी पोहचणार का नाही याची तिथे सर्व चर्चा विचारणा झाल्यानंतरच ते आपल्यापर्यंत पोहचलेले आहे. त्याच्या अतिरीक्त ही मी जावून सांगते की, खरोखर काहीतरी टेक्नीकल पॉईंट असेल जसे माजी नगराध्यक्ष प्रफुल्ल पाटील साहेबांनी सांगितलेले आहे. तर त्याच्यावर आपण नक्कीच युद्धपातळीवर काम करायला पाहिजे. दुसरी गोष्ट अशी की जे ८६ एम.एल.डी. पाणी आपल्याकडे आहे आणि सर्व सभासदांचे असे म्हणणे आहे की, वितरण व्यवस्था बरोबर नाही. साहेब आपल्याला ते मान्य करावे लागेल. वितरण व्यवस्था कशी बरोबर नाही. त्याची मी आपल्याकडे सुचना मांडते. वितरण व्यवस्थेमध्ये एका वॉर्डमध्ये दोन झोन आहे. पुढचा झोन आणि शेवटचा झोन. त्या पुढच्या झोनमध्ये आपण जेव्हा पाणी सोडतो तेव्हा आपण टाकी लेव्हल करतो आणि ते बंद करून जेव्हा आपण त्याच्या मागचा झोन सोडतो तेव्हा आपण लेव्हल विसरतो. कारण तिथे लेव्हल बघणारा अधिकारी ते बघतच नाही. म्हणून मागचे जे बिलिंग आहेत त्यांना प्रेशरने पाणी मिळत नाही. लेव्हल बघत नाही. दुसरी वितरण व्यवस्थेमध्ये आपले वॉलमेन येतात. आपण वॉलमेनवर एलीगेशन लावतो की, पैसे मागतात. कारण मी दोन-तीन वॉलमेनला पकडले होते आणि त्यांना एवढेच सांगितले होते की, पाणी वाढवायचे पैसे घ्या. पण पाणी कमी करण्याचे आपण पैसे घेऊ नका. हा विषय पैशांचा झाला. तिसरी सुचना अशी आहे की, आपण जे टॅकर देतो. ज्या जागेवर आपल्या पाण्याची पाईप लाईन नाही. त्या बिल्डींगला आपण टॅकरने पाणी पुरवठे करतो. तर आपले पहिले लक्ष असे असायला पाहिजे की, ज्या ज्या जागेवर आपली पाईप लाईन गेलेली नाही. तिथे युद्धपातळीवर काम करून तिथे पाईप लाईन टाकून घेऊन हे टॅकर बंद करावे लागतील. कारण मागच्या महिन्यामध्ये मला असे वाटते की, पाणी विभागामध्ये पुष्कळ टॅकरवरून झाले आणि कुठलाही नगरसेवक असू दे किंवा कोणत्याही पक्षाचा पदाधिकारी असू दे त्यांच्या प्रेशरवरून ते टॅकर अमूक ठिकाणी पाठवा त्याच्यामुळे ही मिरा भाईंदर महानगरपालिकेच्या पाणी विभागाचा भरपूर लॉस होत आहे. बिल्डींगला फुकटामध्ये पाणी मिळते आणि ३००/- रु., ३२५/- रु. टॅकर बाहेर लोकांना ५००/- रु., ५३०/- रु., १०००/- रुपयाने विकत आहेत आणि हा जे तोडपाणीचा व्यवहार चालला आहे. तर तो टॅकर आपण कसा बंद करायचा व ज्या विभागामध्ये पाईपलाईन नाही ती कशी टाकायची त्याच्यावर आपण चर्चा करा आणि तिथे आपण पाईप लाईन घालून घ्या. सर्वात मोठे म्हणजे आपल्याकडे ८६ एम.एल.डी. पाणी असूनसुद्धा ही जी टंचाई निर्माण झालेली आहे तर मला असे वाटते की, ही टंचाई नाही. परंतु, आपण जेव्हा ठराव केला होता १९९३ नंतर पाणी कनेक्शन द्यायचे आपण जेव्हा सुरु

केले. तेव्हा आपण कसे नक्की केले होते की, झोपडपट्टीमध्ये १० घरांना मिळून एक कनेक्शन १० फॅक्टरी मिळून एक कनेक्शन असे आपण ठरावामध्ये नमुद केले होते. परंतु, काही जागेवर एक एक झोपडीला एक एक कनेक्शन दिलेले आहे. एक एक फॅक्टरीला एक एक कनेक्शन दिलेले आहे. त्याचा तुम्ही सर्व्हे करा आणि दहा फॅक्टरी दहा झोपड्यामध्ये एक कनेक्शन ठेवा आणि बाकीचे कनेक्शन आपण काढून टाका. कारण पर्सनल एक एक घरांना कनेक्शन दिले तर पाण्याची टंचाई ही होणारच आहे आणि शेवटचा मुद्दा म्हणजे जेव्हा माझी ही तिसऱ्या टर्मची सुरुवात होती तेव्हा गौरव नामक सोसायटीला नऊ कनेक्शन इललिगल लावले होते. त्याबद्दल मी आवाज उठविला होता आणि कमिशनर शिवमुर्ती नाईक साहेब असताना त्यांनी ते कनेक्शन दुसऱ्या दिवशी कापलेही होते. त्यानंतर ते कोर्टात गेले व कोर्टात जायचे त्या रात्री त्यांनी ते कनेक्शन परत लावून टाकले आणि कोर्टाने स्टेटस्कोची ऑर्डर दिली म्हणजे जशी स्थिती आहे तशी. म्हणजे त्यांनी ते कोर्टाचा स्टे मिळण्याच्या अगोदर लावून घेतले ही सर्व गोष्ट येथे चर्चेला आलेली आहे. आता हे राहिले आहे की, पाच वर्षांपासून पाणी फुकटमध्ये ते वापरत आहेत आणि पैसे द्यायला आता ते तयार आहेत. तर साहेब, माझी रिक्वेस्ट आहे की, पैसे घ्या. परंतु, ज्या माणसाने मिरा भाईंदर महानगरपालिकेमध्ये सत्ता आहे. राष्ट्रवादी काँग्रेस आणि काँग्रेसची सत्ता आहे आणि आपण प्रशासन मजबुत आहे. तर पहिल्या लोकांनी जेव्हा इललिगल कनेक्शन घेतले होते आणि आपण त्यांच्यावर जी कार्यवाही केली तर ह्यांनी तर आपले कायदे आणि कानून सर्वांची मजाक उडवून त्याने जी पायी वापरलेली आहे त्याच्याकडून ती दंडात्मक रक्कम वसूल करा आणि त्यांनी दंड भरल्यानंतर त्यांना ऑफिशियली नाही, तर त्यांच्यावर स्टॅम्प मारून द्या की, कोर्टाचा निर्णय जर तुमच्या बाजूने लगला नाही तर ते कनेक्शन कापण्यात येणार. यापध्दतीने आपले जे पैसे पेन्डींग आहेत आणि जे दंडात्मक वसुली आहे ती आपण वसूल करा. परंतु, त्याच्याही पलिकडे जावून सांगतो की, एकदा तुम्ही बिल पाठवले आणि दंड वसूल केल्यानंतर कोर्टात तो अशी बाजू ठेवणार की, आता मिरा भाईंदर महानगरपालिकेने मला माझ्या कनेक्शनसाठी अशी वसुली केली आणि मी ते पैसे भरलेले आहे. म्हणजे हे ऑफिशियल होणार व ते लिगल होईल. तो ही मुद्दा आपण लक्षात ठेवा आणि आपण टेक्निकली कसा काय पैसा वसूल करू शकू आणि कोर्टातही आपण जिंकू शकू. त्याबद्दल आपण विचार विनिमय करावा. धन्यवाद.

#### शशिकांत भोईर :-

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलू इच्छितो की, आपण ज्यावेळेस ५० एम. एल. डी. योजना आखली. त्यावेळेस बरीचशी कामे आपण एम. जी. पी. ला करण्यासाठी त्यांच्या निदर्शनास आणून दिली होती. त्यामध्ये बऱ्याच ठिकाणी टाक्या बनल्या. पण संप्य बनले नाही. हे संप्य बनणे गरजेचे आहे आणि संप्य बनल्यानंतर तिथे इलेक्ट्रॉनिक फ्लो मीटर लावयचे होते ते ही लावले गेले नाही आणि पंपिंग मशिनरी ही लावायची होती. पंपिंग मशिनरी एम. जी. पी.च्या गोडाउनमध्ये आणून ठेवलेली आहे. पण ती तशीच धूळ खात पडलेली आहे व तिचा वापर मिरा भाईंदर क्षेत्रासाठी होत नाही. आणि हा सर्व पैसा आपण एम. आर. डी. ए. कडून व्याजाने उचललेला आहे. लोन घेतलेला आहे. त्याचे लोन आपण फेडत आहोत आणि आपली मशिन तिथे धुळ खात पडलेली आहे. त्याचा वापर होत नाही. हे ही नमुद करा आणि प्रशासन पम्प आणि संप्य बनवण्यासाठी कुठे कमी पडले याचा ही खुलासा प्रशासनाने करायचा आहे आणि त्यांची नक्की भूमिका काय होती? ते बनवणार आहेत की, नाही. कारण संप्य बसविल्या नंतरच आपल्याला जिथे पाण्याची टंचाई आहे. वितरण व्यवस्था व्यवस्थित होण्याची गरज आहे. ह्याचा ही प्रशासनाने खुलासा करावा. त्याचप्रमाणे आम्ही काल रात्री सन्मा. सदस्य प्रफुल्ल पाटील वगैरे आणि रिडींग घेतले. आपल्या मिरा भाईंदर क्षेत्रामध्ये ८३ ते ८४ एम. एल. डी. पाणी २४ तासांचे रिडींग घेतल्यानंतर आम्हाला ते निदर्शनास आले की ह्याचा अर्थ आपले पाणी चोरी केले जात नाही. पाणी चोरी हे आपल्या क्षेत्रात आल्यानंतरच चोरी केले जाते. हे ही निदर्शनास आले आहे. यामध्ये आपले प्रशासन कुठे कमी पडते. कारण एकतर ते चोरीचे पाणी प्रशासनातर्फे कुठेतरी डायव्हर्ट केले जात असेल अन्यथा कोणत्याही झोनमध्ये जिथे गरज नसताना जास्त प्रमाणात पाणी सोडले जात असेल. तरीपण मी मध्ये प्रश्न विचारलेला आहे की, एम. जी. पी. द्वारे आपण वितरण व्यवस्थेसाठी संप्य आणि पम्पचा खुलासा प्रशासनाने पहिल्यांदा करावा आणि आपण ते करणार आहेत की, नाही ह्याचा ही खुलासा त्यांनी करावा. तसेच आपण प्रत्येकवेळी इंजिनिअर, इंजिनिअर असे बोलतो पण आता आपल्या मिरा भाईंदर क्षेत्रात गेली तीन वर्षांपासून सिटी इंजिनिअर आहेत. तर सिटी इंजिनिअरचे नक्की काम कोणते? बांधकामाचे क्षेत्र बघणार की, आपल्या या मिरा भाईंदर शहराच्या विकासासाठी ते विचार करतील किंवा पाणी पुरवठा वितरणासाठी विचार केला जाईल, की त्यांचे ज्ञान हे मिरा भाईंदर क्षेत्रासाठी वापरण्यात येईल. याचाही खुलासा त्यांनी करावा.

#### मा. महापौर :-

संबंधीत विषयाचा खुलासा पाणी विभागाचे अधिकारी करतील.

#### आसिफ पटेल :-

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलतो, कमिशनर साहेब आपण लक्ष द्या. हाटकेस उद्योग नगर म्हणून येथे क्षेत्र आहे आणि तिथे फॅक्टरी आहे. तिथे लहान उद्योग चालतात आणि त्याच्या पाठीमागे वसाहत आहे. पॉश बिल्डर आहे. शांती विद्यानगरी आहे. तिथे बरेचसे बिल्डिंग झालेले आहेत आणि तिथे रविग्रुप आहे. साहेब, तिथे वस्तुस्थिती अशी आहे की, तिथे अजून १०० एम.एल.डी. पाणी जरी आले तरी ते कमी पडेल.

सन्मा. सदस्या रिटा शाह मॅडम, बोलल्या की, दहा फॅक्टरीला एक कनेक्शन घायला पाहिजे. तर तिथे एका फॅक्टरीला दहा-दहा कनेक्शन आहेत. आपण चौकशी करा आणि हे जे मेस्त्री आहेत. वॉलमन आहेत. ते खरोखर इतके भ्रष्ट आहेत की, करपट आहेत की, त्यांची तुम्ही प्रत्येक तीन तीन महिन्यांनी बदली करा. ते एकाच जागेवर राहून माजावलेले आहेत. ते नगरसेवकांना काहीच समजत नाही. तर जनतेला काय समजणार आहेत. उद्धट भाषा करतात. आमच्याकडे श्री. सोनावणे म्हणून मिस्त्री आहे. मला असे वाटते की, श्री. बारकुंड साहेबसुद्धा त्यांच्यासमोर काहीच नाही. तो श्री. बारकुंड साहेबांपेक्षा ही मोठा अधिकारी असल्यासारखा मिरवत आहे. साहेब, आपण तिथे बघा. त्याने एका फॅक्टरीला दहा-दहा कनेक्शन आणि दहा-दहा मशीन्स लावल्या आहेत. तर लोकांना कसे काय पाणी मिळेल. हा किती भ्रष्टाचार चालू आहे. आपण पाणी विषयात लक्ष घाला व यांना तात्काळ सर्व्हिसमधून रिमूव्ह करा. साहेब, आपण या विषयावर खरोखरचं जातीने लक्ष घाला. या लोकांना रिमूव्ह टू सर्व्हिस केल्याशिवाय ही समस्या संपणार नाही. मॅक्झीमम टॅकर हे दोन नंबरने विकले जातात.

#### प्रभात पाटील :-

आपण जे नाव घेतले आहे तो माणूस त्याच्या खाजगी प्रापटीची पण आपण चौकशी करा.

#### आसिफ पटेल :-

त्याच्या प्रॉपर्टीचे म्हणत असाल बोरिवली येथे २५ का ४० लाखाचा फ्लॅट होत आहे आणि आता मला म्हणावे लागेल की, तो ऐकत नाही. त्याला असे वाटते की, मी या शहराचा कमिशनर आहे. त्याला आपण रिमूव्ह सर्व्हिस करा असे माझे म्हणणे आहे.

#### ज्योत्सना हसनाळे :-

मा. महापौर मॅडम, मी मघाशी विषय काढला की तोच विषय आता डिसकस होत आहे. माझे म्हणणे तेच होते की, श्री. बारकुंड साहेबांना आपण ज्या जागेवर बसवलेले आहे. पाणी खात्यामध्ये बसवलेले आहे त्या खात्यामध्ये ५० एम.एल.डी. पाणी काय किंवा १०० एम.एल.डी. पाणी काय किंवा २०० एम.एल.डी. जरी पाणी आणले तरी या भाईदर शहराला पाणी पुरणार नाही. कारण वॉलमेन वर नियंत्रण नाही. हाच विषय मघाशी तुमच्या सोबत डिसकस करायचा होता आणि मला वाटते मी बोलल्यानंतर बरीचशी चर्चा प्रत्येक नगरसेवकाने आपल्या वॉर्डाच्या विषयावर काढली व याठिकाणी चर्चादेखिल केली तर आपण आपल्याकडे असलेले पाणी हे चांगल्या पद्धतीने वाटण्याचा प्रयत्न करा आणि सन्मा. सदस्य आसिफ पटेलजी जे बोलत आहे ते अगदी बरोबर बोलत आहेत. त्याला माझे पुर्ण सहमत आहे की, आमच्या येथे जे वॉलमेन दिलेले आहेत ते अतिशय चुकीच्या पद्धतीने काम करत आहे.

#### प्रभात पाटील :-

मिरा पंपींग, संपूर्ण मिरा विभाग हा एकटा श्री. सोनावणे ह्या सुत्रधाराने चालत आहेत. तिथे श्री. बारकुंड कोणी नाही आणि श्री. काकडे ही कोणी नाही आणि कोणीच कमिशनर नाही व डेप्युटी कमिशनर नाही. केवळ तोच एक कमिशनर आहे आणि हे आपल्या लक्षात कसे येत नाही हेच मला कळत नाही. सदस्य जोपर्यंत बोलत नाही तोपर्यंत अधिकाऱ्यांनी लक्ष घालायचे नाही अशी आपली भूमिका आहे किंवा कसे ह्याची पूर्ण चौकशी व्हायला पाहिजे.

#### आसिफ पटेल :-

मा. महापौर मॅडम, आमचे आदरणीय या शहराचे "जयंत दादा" म्हणजे सन्मा. सदस्य जयंत पाटील हे आत्ताच माझ्यापुढे म्हणाले की, काँग्रेस पक्षाने पाणी आणले. परंतु, मला असे वाटते की त्यांना माहित नाही की, मा. महापौर मॅडम, ह्या काँग्रेस पक्षाच्या अगोदर तिथे गेले होते. परंतु, आता आपण परफेक्ट नाव घ्यायला पाहिजे होते की, या शहराचे आमदार मा. मुझपफर हुसैन यांनी ही लक्षवेधी मांडली आणि त्यांच्या माध्यमातून पाणी आले. हे आपण लपवले असे वाटते.

#### जयंत पाटील :-

म्हणजे तुम्ही मान्य करता की काँग्रेस पक्षाने पाणी आणले.

#### आसिफ पटेल :-

मी पुढे बोलत आहे. आपण माझे अगोदर ऐका नंतर आपल्याला किती बोलायचे आहे ते बोला. माझे एवढेच म्हणणे आहे की, काँग्रेस पक्षाने पाणी आणले आणि आम्ही म्हणू की, राष्ट्रवादी पक्षाने पाणी आणले. त्यापेक्षा असे म्हणायला पाहिजे की, आमच्या दोन्ही पक्षाने मिळून पाणी आणले. तर ह्या शहरामध्ये चांगला एक मॅसेज जाईल.

#### मिलन म्हात्रे :-

श्री. सोनावणे ह्यांचे काय?

#### शुभांगी नाईक :-

श्री. सोनावणे ह्यांचे काय झाले?

#### शशिकांत भोईर :-

मा. महापौर महोद्यांच्या परवानगीने जो खुलासा करायचा होता तो खुलासा करण्यात आलेला नाही.

**आसिफ पटेल :-**

आपण संपूर्ण वॉलमेनला रिमूव्ह टू सर्दिस करा. ते भरपूर भ्रष्ट वॉलमेन आहे. त्यामुळे आपल्या महापालिकेचे नाव बदनाम होत आहे आणि विनाकारण आपल्यावर ते आक्षेप ओढले जाते. न करता आपली ब्रम्हहत्या होत आहे. म्हणून आपण एकदम लास्ट टोकाची भूमिका घ्या आणि त्यांना रिमूव्ह टू सर्दिस करा. धन्यवाद.

**शशिकांत भोईर :-**

मा. महापौर मॅडम, प्रशासनाने माझ्या प्रश्नाचा अजून खुलासा केलेला नाही. महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरणमार्फत आपल्याकडे, संप, पंप आणि पंपींग हाउस बनवणार होते ते का बनविण्यात आलेले नाही. त्याचा खुलासा प्रशासनाने करायचा आहे. पण अद्याप पर्यंत त्यांनी तसा खुलासा केलेला नाही. ते बनविणार का, नाही? ह्याचा खुलासा करायचा आहे.

**महेंद्रसिंग चौहाण :-**

संप का खुलासा करिए। यह काम चालू था। अभी एक महिने से फिर बिल्कूल बंद हो गया है। संप का काम क्यो बंद हुआ है यह आप बताईए।

**शशिकांत भोईर :-**

संप के बारे मे खुलासा होने दो के यह संप बननेवाला है या नहीं?

**हॅरल बोर्जीस :-**

सन्मा. सदस्य शशिकांत भोईर यांचा खुलासा करण्याअगोदर मा. महापौर मॅडम दोन-तीन मुद्दे प्रशासनासमोर मांडू इच्छितो की, सन्मा. सदस्य दिनेश नलावडे यांनी जे वक्तव्य केले तर वास्तविक ते फॅक्ट होते. ज्यावेळेला सन्मा. सदस्य दिनेश नलावडे यांच्या प्रभागामध्ये पाण्याची कृत्रिम टंचाई केली गेली. सदस्य मोर्चाचे त्यांनी आयोजन केले होते. श्री. काकडे साहेबांना त्यांनी फोन केल्यानंतर २४ तासामध्ये त्या गोष्टीवर फरक पडलेला होता. म्हणजे सन्मा. सदस्य आसिफ पटेल बोलतात ते व सन्मा. सदस्य दिनेश नलावडे बोलतात ते फॅक्ट आहे. साहेब, वॉलमेनच्या बाबतीमध्ये प्रशासनामार्फत आपण एकदम कडक भूमिका अवलंबिली पाहिजे. कारण आज शहरामध्ये जी परिस्थिती दिसते त्याला सर्वस्वी वॉलमेन जबाबदार आहे. आज त्या इमारतीचे लोक सन्मा. प्रभाग अध्यक्षाना फोन करुन सांगत आहे की, साहेब आज आमच्या येथे भरपूर पाणी आलेले आहे ह्याचा अर्थ कृत्रिम पाणी टंचाईला सर्वस्वी आपले वॉलमेन जबाबदार आहेत. याठिकाणी सन्मा. प्रफुल्ल पाटील यांनी जेव्हा कथन केले. दि. ५/१२/०६ ची रिडींग ८६ एम.एल.डी त्यांनी सांगितली. मला वाटते की, प्रशासनाकडून याबाबत खुलासा होउ द्या. कारण जर सदस्य दि. ५/१२/०६ ची अधिकृत रिडींग किती होते ते सांगितले तर प्रशासनामार्फत सभागृहात माहिती द्यावी. पाण्याच्या टाकीवर इलेक्ट्रॉनिक फ्लो मीटरबाबत सन्मा. सदस्य प्रफुल्ल पाटील यांनी मुद्दा उपस्थित केलेला आहे. त्याबाबतीमध्ये जर ते बसवणार असाल तर किती कालावधीमध्ये बसवणार याबाबत कृपया सभागृहाला माहिती द्या. सन्मा. सदस्य मॉरस रॉड्रीक्स या सभागृहामध्ये नाही. आपल्या पंपींगवर जनरेटरच्या विषयाबाबत अतिशय प्रखर भूमिका ही त्यांची असते. १० मिनिट जरी लाईट गेली तरी आपल्या शहराचा पाणी पुरवठा तीन तासाकरिता खंडीत होतो. आज आपण वारंवार स्टेम प्राधिकरणाकडून मागणी करुन सुद्धा जनरेटरच्या बाबतीमध्ये कधीही काहीही घडलेले नाही. याबाबतीमध्ये प्रशासनाच्या वतीने आपण काय भूमिका घेणार? विशेष करुन जनरेटरच्याबाबत आपण काय भूमिका घेणार ते कृपया सभागृहासमोर सांगा.

**अनंत पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, माझी अशी सुचना आहे की, राई, मोर्वा आणि मुर्धा तर मोर्वा येथे पूर्वीपासून एक टाकी आहे आणि तिथल्या नागरिकांना बायपासने पाणी पुरवठा केला जातो. तर बायपासने पाणी पुरवठा करण्याचे कारण काय? टाकी का भरली जात नाही याचे स्पष्टीकरण करावे. बायपासने पाणी देवून त्याचे वितरण व्यवस्थित होत नाही.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

बायपास बंद करायला सांगा.

**अनंत पाटील :-**

बायपास बंद करा. डायरेक्ट भरु नका. कारण काय?

**चंद्रकांत मोदी :-**

मा. महापौर मॅडम, मा. उपमहापौर साहेब जो वॉलमेन के बारे मे चर्चा हो रही है। तो पूनम सागर वह एरिया मे जैसे सन्मा. सदस्य आसिफ पटेल साहबने बताया की, जो वॉलमेन है वह कॉक कम खोलता है और हमने यह अपने आँखों से देखा और मा. महापौर मॅडम, वहाँपर रहते हैं उनको यह मालूम है। उन्होने पूनम सागर का मोर्चा भी लाया था। तो पानी बहुत कम आता है और सोसायटी के प्रेसिडेंट से अपना वॉलमेन मिटींग करने जाता है। तो यह गलत बात है और जो देड महिने पहिले जो सिस्टम था। यह देड महिने से इतना त्रास हो रहा है। पूनम सागर, पूनम नगर, शांती नगर और शांती पार्क यह एरिया मे पानी बहुत कम आता है। और काफी कम्प्लेंट आती है। मा. उपमहापौर साहबने बिच में सक्टर ९ में मिटींग भी लिया था और सब लोग वहाँ जमा हो गये थे। सही में एक एक सोसायटी की ऐसी कम्प्लेंट है की, पानी बहुत कम आता

है और पूनम नगर मे मीटर के साईड में से वॉचमन और अपना वॉलमेन मिले हुए रहते है। वहाँसे प्लास्टिक की थैली निकाला की, वहाँ टँकर मंगवावे इसलिए उसने जो प्लास्टिक का थैली रहता है उसका बुच लगवाया था। ऐसे १५ सोसायटी से प्लास्टिक की थैली निकली है। साहब, मेरी यह सुचना है इसपर आप ध्यान दिजिए। तो पाणी की सुविधा हो जाएगी। पानी बहुत कम आता था। यह रिअल में सही बात है। शहर में पानी नहीं है ऐसा नहीं है तो शहर में पानी है और उसका सिस्टम चेंज करना जरूरी है। धन्यवाद।

**प्रभात पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, मघाशी पण माझ्या प्रश्नाचे उत्तर मिळाले नाही. वितरण व्यवस्थेवर सगळ्यांनी बोलले. वितरण व्यवस्था आणि वॉलमेन ह्या विषयी निर्णय कमिशनवर साहेब घेतीलच. परंतु, माझ्या प्रश्नाचे मगाशी उत्तर दिले नाही की, शहरामध्ये सगळ्यांना पाणी कमी मिळते हे तर सत्य आहे आणि आपण सर्वांच्या तोंडून हे ऐकत आहोत. परंतु, असे असतांना देखिल बिलींगच्या बाबतीमध्ये आठ - आठ, दहा - दहा, बारा - बारा हजार रुपये सरासरी बिल आपण पाठवतो. तर ते जे तुमचे मीटर रिडींग आहे ह्याच्यावर सुद्धा तुमचे कंट्रोल आणि कार्यवाही होणे आवश्यक आहे. ही बाब सुद्धा ध्यानात घेतली पाहिजे.

**एस. ए. खान :-**

मा. महापौर महोदया, आज वाढीव पाणी पुरवठा यासंबंधी बरेच सन्मा. सदस्यांनी चर्चा केली. पण खऱ्या अर्थाने आजच वाढीव पाणी पुरवठा नागपूर विधी मंडळामध्ये मा.ना.श्री. विलासरावजी देशमुख, मा. श्री. अशोक चव्हाण साहेब यांनी मंजूर केला आणि त्याचा पाठपुरावा मा. आमदार श्री. मुझफ्फर हुसैन साहेबांनी केला. सन्मा. सदस्य आसिफ पटेल यांनी आता सांगितले की, दोन्ही पक्षाने हे काम केले आहे पण मागे मिरा भाईंदर शहरामध्ये बरेच पोस्टर लावण्यात आले त्यामध्ये काँग्रेस पक्षाचा कुठेही उल्लेख करण्यात आला नाही. पण आमचे सन्मा. सदस्या रिटा शाह यांनी मा. श्री. आर. आर. पाटील आणि मा. श्री. अजितदादा पवार यांचे नाव घेतले. त्यांना सन्मान दिला आणि खऱ्या अर्थाने दोन्ही पक्षाचे लोक इथे आहेत. जे काही घडते ते दोन्ही पक्षाच्या लोकांमुळे घडते. जो वाढीव पुरवठा करण्यात आलेला आहे त्यामुळे आपल्या शहरात लवकरात लवकर पाणी पुरवठा होईल ह्याची दक्षता घ्यावी. गेल्या ३ - ४ महिन्यांपासून जी पाणी टंचाई चालू आहे आणि आजसुद्धा पाण्यामुळे लोक त्रस्त झालेले आहेत. पाणी ३० - ३५ तासामध्ये येत आहे. त्याच्यासाठी काय नियोजन करणार आहे? आमच्या मिरा रोडमध्ये १ ते दिड लाखाची वस्ती आहे. मोठे - मोठे संकुल आहेत. आणि जी जलवाहिनी गेलेली आहे ती मेन रोडवरून गेलेली आहे. पण त्याच्या टाक्या बऱ्याच आतमध्ये असल्यामुळे तिथे नेहमी पाण्याची टंचाई होते. तर त्याच्यासाठी आपण काय नियोजन करणार आहात? काय योजना करणार आहात? त्याचा खुलासा द्यावा.

**मा. महापौर :-**

पाणी पुरवठ्याच्या अधिकाऱ्यांनी सन्मा. सदस्यांनी विचारलेल्या प्रश्नाचा आणि दिलेल्या सुचनांचा सविस्तर खुलासा करायचा आहे.

**एस. ए. खान :-**

मा. महापौर मॅडम, मला बोलू द्या..... मिरा रोडचा नंबर हा शेवटी येतो. तेव्हाही बोलू देत नाही. आमचे सहा नगरसेवक आहेत व दोन लाख वस्तीचे आंमहाला नेतृत्व करायचे आहे.

**मा. महापौर :-**

याबाबत अधिकारी बोलत आहेत ना.

**एस. ए. खान :-**

बोलू द्या. व जो काही निर्णय द्यायचा आहे तो देऊ द्या.

**मा. महापौर :-**

बोला.

**एस. ए. खान :-**

मिरा रोडमध्ये आमचे मोठमोठे संकुल आहेत आणि जलवाहिनी लांब असल्यामुळे नेहमी पाण्याची टंचाई असते. पण काही लोक तिथे येतात आणि सांगतात की, चार इंचाची लाईन फुकटमध्ये टाकून देतो. फुकट टँकर देतो असे सांगून निघून जातात आणि असे एक दोन ठिकाणी लाईन टाकण्यात आलेली आहे. कमिशनर साहेबांना माहिती आहे. त्यांनी कन्सर्न अधिकाऱ्यांला नोटीस ही इश्यू केलेली आहे. म्हणून मी त्यांना विचारत आहे की त्या अधिकाऱ्याविरुद्ध काय कार्यवाही झालेली आहे. याची ही माहिती देण्यात यावी तसेच सन्मा. सदस्या प्रभात पाटील मॅडम यांनी सांगितले की, पाणी पुरवठामध्ये महसुल वाढत आहे. म्हणजे जास्त बिल पाठवत आहेत. असा त्यांच्याकडे पुरावा आहे. तर माझ्याकडे असा पुरावा आहे की, ब्लॉक दिलेला आहे त्याच्यामध्ये एक पैसा भरलेला नाही. एका बिलींगचे दोन बिल आहेत. दोन मीटर आहेत आणि एका मीटरमध्ये पैसे भरलेले आहेत आणि एका मीटरमध्ये एक ही पैसा भरलेला नाही. जे तुम्हाला पाहिजे असतील ते तुम्ही लिहा. दोन रुपये लिहा. पाच रुपये लिहा आणि भरून टाका. अधिकाऱ्यांची सही आहे आणि ऑफिशियल बिल आहे. असा व आपला पाणी खात्याचा कारभार चालू आहे. त्यावर नियंत्रण करणे हे गरजेचे आहे आणि जे वॉलमेन बदल सांगत आहे ती खरी गोष्ट आहे. आमच्या विभागात श्री. सोनावणे नाही. तिथे श्री. बागुल आहे. त्यांची आता नविन बदली करण्यात आलेली आहे. पहिले श्री. सोनावणे होते. वॉलमेन जे



आहेत ते वॉल कमी जास्त करतात अशी लोकांची तक्रार आहे आणि तसे होत आहे. जी टँकर लॉबी आहे ती मध्ये बंद झाली होती. पण परत टँकर पाणी पुरवठा सुरु करण्यात आलेला आहे. याच्यावर नियंत्रण ठेवणे गरजेचे आहे. श्री. बारकुंड साहेबांबद्दल जी शोकास नोटीस देण्यात आलेली आहे त्याचे काय झाले? याबाबत माहिती देण्यात यावी आणि पाणी पुरवठा सुरक्षित होण्याच्या दृष्टीने दक्षता घ्यावी.

**शिवप्रकाश भुदेका :-**

मा. महापौर मॅडम, आधा घंटा हो गया है।

**एस. ए. खान :-**

जे अधिकारी दोषी आहेत जे वॉलमेन दोषी आहेत. त्यांच्या विरुद्ध लवकरात लवकर कायदेशीर कार्यवाही करण्यांत यावी. त्यामुळे पाणी सुरळीत होईल व जे ८६ एम. एल.डी. पाणी येत आहे ते सेफिशियन्ट आहे. पण आपली डिस्ट्रिब्यूशनची जी योजना आहे. आपण जे डिस्ट्रिब्यूशन करत आहोत ते व्यवस्थित नसल्यामुळे लोकांना नागरिकांना पाणी मिळत नाही. माझी सभागृहाला एवढीच विनंती आहे की, तिथे व्यवस्थितपणे योजना करण्यात यावी ज्याच्यामुळे मिरा भाईंदर नागरिकांना व्यवस्थित पाणी मिळेल. धन्यवाद.

**चंद्रकांत मोदी :-**

मा. महापौर मॅडम, काफी सोसायटी ऐसी है की, जहापर अभी तक बिल नहीं गया है वह आप नोट करिए।

**मिलन पाटील :-**

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलत आहे. आयुक्त साहेब, सुभाषचंद्र बोस मैदान येथे जे महानगरपालिकेचे सम्प आहे, टाकी आहे, ती कित्येक महिने बंद आहे. ते कस्टमवाल्यांनी बंद केलेले आहे. हयाचे कारण काय? गेले दोन वर्षांपासून बंद आहे. त्याबाबत आपण काय कार्यवाही केलेली आहे की, नाही आपण जसे त्यांना बंद पाकीट दिलेले आहे. तसे आपण त्यांना आश्वासन दिलेले आहे की, जर ही तुमची जागा निघाली तर आम्ही तुम्हांला पैसे देवू आणि जर शिलोत्र्यांची जागा निघाली तर आपण शिलोत्र्यांना पैसे द्यायचे. त्या लोकांनी पुढे कार्यवाही काय केली आहे? दोन वर्ष नाही तर कित्येक वर्षांपासून ते बंद आहे. यामुळे किती वाईट परिणाम होतो. जर ती टाकी झाली तर आमच्या साईडला जो भाग येतो त्यांना भरपूर पाणी मिळेल.

**केशव घरत :-**

मा. महापौर मॅडम, घोडबंदर येथे ७ दशलक्ष लिटर पाण्याची टाकी बांधायचे आणि ३ दशलक्ष लिटर सम्प बांधण्याचा जो प्रस्ताव आहे. गेले एक वर्ष झाले. घोडबंदर पाण्याची टाकी एक महिन्याअगोदर पाडण्यात आलेली होती. सध्या तिथे बायपासने पाणी पुरवठा सुरु आहे. परंतु, ती टाकी का होत नाही. याचा काय खुलासा होईल का? विचारायला गेल्यानंतर हेच उत्तर मिळते की, या आठवड्यात काम सुरु होईल आणि त्या आठवड्यात काम सुरु होईल. असे करता करता एक वर्ष गेलेले आहे. परंतु, पाण्याच्या टाकीचे काम आजतागाजत सुरु झालेले नाही. याला जबाबदार कोण? साहेब, हा विषय मांडण्याकरिता मला स्वतःला खेद वाटत आहे. कारण आमच्याच गावाचे महापौर आणि आमच्याच गावाचे उपमहापौर. शेवटी हे बोलावेच लागते. या गोष्टीला वर्ष झाले आहे. तरी टाकीचे काम पूर्ण होत नाही. याचा अर्थ काय? एक वर्ष झाले ही टाकी पाडून पण आजपर्यंत तिथे टाकी होत नाही आणि रोज बायपासने पाणी देवून लोकांना पाणी मिळत नाही. यामुळे रोजच्या तक्रारी असतात.

**एस. ए. खान :-**

मा. महापौर महोदया, माझी एक सूचना होती की, सन्मा. सदस्य शशिकांत भोईर यांनी सांगितले त्याप्रमाणे सिटी इंजिनियर यांना माझी सुचना होती की, पाण्याचे जे पाईप गेलेले आहेत तर ते बरेच पाईप गटरातून गेलेले आहे. त्यामुळे ही पाण्याचा हा असा प्रॉब्लेम होत आहे.

**शिवप्रकाश भुदेका :-**

आपको कितना बोलनेके लिए देने का? इधर हमको २८ घंटे पानी नहीं मिलता है और सन्मा. सदस्य महेन्द्रसिंग चौहाण साहब के वॉर्ड मे ८ घंटे मे पानी मिलता है। वह एक बार भी पानी के समस्या के बारे मे बोले नहीं। फिर भी आप लोगों को ही बोलनेके लिए देने का।

**केशव घरत :-**

मा. महापौर मॅडम, मला या प्रश्नाचे उत्तर मिळेल का, की टाकीचे काम कधी सुरु होणार आहे?

**मा. महापौर :-**

घोडबंदरच्या टाकीचे काम कालपासून सुरु झालेले आहे आणि आजही ते काम सुरु आहे.

**केशव घरत :-**

धन्यवाद.

**मिलन पाटील :-**

आयुक्त साहेब, मी विचारलेल्या प्रश्नाचे उत्तर काय आहे? कस्टमच्या येथले काम का बंद केलेले आहे?

**रोहिदास पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, आम्ही आपले अभिनंदन केले. मुख्यमंत्री साहेबांचे अभिनंदन केले. मा. उपमहापौर साहेबांचे अभिनंदन केले आणि आताच्या नागपूर अधिवेशनाचे जे पेपर आले...

**मा. महापौर :-**

दोन मिनिटांमध्ये आपण आपल्या सुचना मांडा.

**रोहिदास पाटील :-**

ते आपण आम्हाला द्या. सांगायला पाहिजे ना, असे कसे? ३५ एम.एल.डी. पाणी वाढले की, ४० एम.एल.डी. पाणी वाढले असा एक पेपर येतो ना. ते कधी द्याल ते सांगा.

**मा. उपमहापौर :-**

सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील (काका) यासाठी आपले अधिकारी श्री. शिवाजी बारकुंड साहेब तिथेच आहेत.

**रोहिदास पाटील :-**

त्यांच्याकडे पेपर आहे का? मग मी डायरेक्ट बघतो.

**मा. उपमहापौर :-**

ते तेथून येताना पेपर आणतीलच आणि कामकाजामध्ये आमदार मा. मुझफ्फर हुसैन साहेबांनी जे इलेक्ट्रिक केलेले आहे त्याची प्रत, निविदा काढायची प्रत आपल्याकडे देणार.

**रोहिदास पाटील :-**

मा. मुझफ्फर हुसैन साहेबांबरोबर जो अधिकारी गेलेला आहे. त्याचे नाव घ्या ना.

**मा. उपमहापौर :-**

मी ती प्रत आपल्याकडे देणार ती माझी जबाबदारी

**मिलन म्हात्रे :-**

मा. महापौर मॅडम, पाण्याच्या प्रश्नावर सभागृहाचे साधक बाधक चर्चा झाली. परंतु, आपल्या बाजूला जे आयुक्त साहेब बसलेले आहेत. त्यांना माझे एक दिड महिन्यापूर्वी लेखी पत्र आहे की, आपल्या येथे जे पाण्याचे रिडींग चालते त्याच्यामध्ये आपले वॉलमेन सोसायट्यांना गाढून ४० हजाराचे २० हजार रुपये, २० हजाराचे १० हजार रुपये व १० हजाराचे ५ हजार रुपये असे बिल करत आहेत. सोसायटीवाले त्याचे अॅफिडेव्हिट पण द्यायला तयार आहे. पण पत्रव्यवहार झाल्यानंतर एकाही अधिकाऱ्याने किंवा आपल्या आयुक्तांनी मला त्या पत्राचे अजून लेखी उत्तर दिलेले नाही. हे तर बजेट आहे. या बजेटमध्ये आपल्याला पाण्याचे डेप्रीशिएशन दाखवायला लागणार आणि डॅमेजच्या पोटी आपण जवळ जवळ करोडो रुपयाची पाणी गळती दाखवतो. या प्रश्नावर आयुक्तांना अजूनपर्यंत वेळ मिळालेला नाही. माझ्याकडे सर्व पुरावे आहेत. पहिल्यांदा प्रशासनाचे उत्तर येऊ दे मग आम्ही आपल्यासमोर पुरावे ठेवू. प्रशासन काय बोलते हे आम्हाला बघायचे आहे. आज ज्या ज्याठिकाणी सांगितले की, पाणी येत नाही. तर आपल्या पाणी विभागामध्ये ज्या ज्या बिल्डिंगचे कनेक्शन दोन महापालिका मंजूर करते. त्याठिकाणी वास्तविक पाहता. त्या त्याठिकाणचे प्लंबर दोन वर्क ऑर्डरवर सहा-सहा कनेक्शन मारून घेत आहेत. या कामामध्ये आपल्या इथल्या सभागृहाचे लोकसुद्धा सामील आहेत. त्याची पहिल्यांदा चौकशी करा. मी जर कुठे दोषी वाटत असेल तर माझ्यावर चार्जशिट फाईल दाखल करा. यामध्ये आपल्या लोकप्रतिनिधींचा ही सहभाग आहे. त्याच्यामध्ये काही लोकांची पत्र आहेत. माहितीच्या अधिकारामध्ये मी ती मिळविलेली आहेत. पण आपण काय करता याकडे आमचे पहिले लक्ष आहे आणि मग ते पत्र आम्ही तुमच्यासमोर पटलावर ठेवू. आता बऱ्याचशा लोकांनी काही कॉमेंट्स पास केल्या. त्या त्या बिल्डिंगला पाण्याचे कनेक्शन द्या. हे आपल्याच लोकप्रतिनिधींनी त्यांच्या मागे हे लावले आणि बिल्डिंगचे सी.सी. सर्टीफिकेट नसून सुद्धा बऱ्याचशा बिल्डिंगला लोकप्रतिनिधींच्या आग्रहाखातर तिथे पाण्याचे कनेक्शन लागले आहे. नगररचना विभागात अनेक प्रतिनिधींना फाईल उचलून धावताना आम्ही बघितलेले आहे. पाण्याचे कनेक्शन, हे काम प्रशासनाचे आहे. मी कधीही फाईल घेऊन धावलेलो नाही. टेबलवरच्या फाईलला आम्ही कधी हात लावलेला नाही. पण आम्ही जे बघतोय ते सत्य आहे आणि ऐकतोय ते असत्य आहे. एवढेच आहे की, प्रत्येक बिल्डिंगमध्ये जे इल्लिगल कनेक्शन आहे जे श्री. शिवमूर्ती नाईक साहेबांनी केले ते श्री. सुदामराव गायकवाड साहेबांनी करून दाखवावे त्याला धमक लागते. मर्दाची छाती लागते. ती आपल्याकडे नाही. तुम्ही ते करा. पाण्याची गळती थांबेल. महापालिकेचा रेव्हेंयू वाढेल आणि आपसातील जे भांडण, मान्यामान्या आहेत ते सुद्धा कमी होतील. कारण तुमचा जो निकष आहे. पंधरा फ्लॅटच्या मागे एक कनेक्शन, ३० फ्लॅटच्या मागे तुमची ६-६ कनेक्शन आहेत. हायकोर्टामध्ये केस झालेल्या आहेत. ते कनेक्शन तोडण्याकरिता तुम्हाला ऑर्डर आलेले आहेत. पण काही ठराविक नगरसेवकांचे काही बिल्डर लोकांचे लागेबंदे आहेत. कुठे पार्टनरशिप आहेत असे अॅग्रीमेंट बोलतात. मी बोलत नाही. त्या अॅग्रीमेंटमध्ये त्यांच्या सह्या आहेत. ते सुद्धा भाईदरचे दुय्यम निबंधक ७ आणि ४ ह्यांच्याकडून अॅग्रीमेंटच्या कॉपी मी माहितीच्या अधिकारात मिळवलेल्या आहेत. ते ऐतिहासिक दस्तावेज माझ्याकडे आहेत. मी वारंवार सांगत आहे. आपण हे ट्रेस करा. काढा आणि त्याच्यावर कार्यवाही करा. कुठे माझी सही असेल तर पहिले कलम माझ्यावर चालवा. पण हे तुमच्याकडून होणार नाही. आम्ही हे सहा महिन्यांपासून ओरडत आहोत. पाणी आणले कोणी हे आम्ही गेल्या

वीस वर्षापासून ऐकत आहोत. काँग्रेसचे राज्य होते आणि ५० एम.एल.डी च्या पाण्यामध्ये ही अनेक लोकांनी नगारे पिटले. पण पाणी काही प्रत्यक्षात आले नाही. भाईदरची जनता जेव्हा रस्त्यावर उतरली तेव्हा त्या श्री. संपतराव शिंदे यांनी या शहराला दहा दिवस पाण्यापासून वंचित ठेवले. त्यांचे कपडे फाटेपर्यंत लोकांनी त्यांना मारले. महापालिकेची गाडी पलटी केली त्यानंतर लोकांना पाणी मिळालेले आहे हे लक्षात ठेवा. हे दिवस परत येणार आहेत. आता लोकांचे छोटे-छोटे मोर्चे येत आहेत. या दोन्ही सत्ताधिकाऱ्यांचीच माणसे मोर्चे काढतात आम्ही अजून काढलेले नाहीत. पण ह्याच्यात कुठेतरी सुधारणा करणे गरजेचे आहे. आम्ही विरोधक असून सुद्धा आपल्याला ज्या ज्या सुचना देत आहोत. त्याच्यावर प्रशासनातर्फे इम्प्लीमेंटेशन होत नाही. सरकारी अधिकारी बदलले. बाटली तिच आहे. दारु बदलते. फरक काहीच नाही. ह्याच्यावर आपण काहीतरी कराल का? पत्रव्यवहार केला पण अजून वॉटर ऑडीट झालेले नाही. माहितीच्या अधिकारामध्ये आपण पत्र दिलेले आहे. वॉटर ऑडीटचा ठिकाणा नाही. तुमच्या अधिकाऱ्यांनी तीन-चार महिन्यापासून थातूरमातूर उत्तर दिलेले आहे. आज आपल्या महापालिकेची एवढी भयंकर स्थिती आहे की, सकाळी जर एखाद्याला उपायुक्ताला पाणी खात्याचा चार्ज दिला असेल तर संध्याकाळी त्याला भलताच कुठलातरी चार्ज असतो. तो कुत्र्याचे ऑपरेशन करायला बसतो. आज संध्याकाळी कुत्र्याच्या ऑपरेशनचा चार्ज आहे तर उद्या त्याला माणसाच्या ऑपरेशनचा चार्ज आहे. आज परिस्थिती फार वाईट आहे. म्हणजे एखाद्या माणसाला पत्रव्यवहार करताना आमच्या सारख्याला विचारावे लागते की, हा चार्ज तुमच्याकडे आहे का? ही दुदैवाची बाब आहे. आमदार सक्रीय असतील तर आमदारांनी या महापालिकेत लक्ष घालावे.

**मा. महापौर :-**

विषयाला धरून बोला.

**मिलन म्हात्रे :-**

मी विषयाला धरूनच बोलत आहे. आपण कोणावर कार्यवाही करणार? आज नोटीस काढली तर सकाळी त्याच्याकडे तो चार्ज नसतो. आपण कोणाला धरून बोलणार? आज तर तुम्ही श्री. बारकुंडला ५६ अंतर्गत नोटीस काढली तर उद्या सकाळी त्यांच्याकडे तो चार्ज नाही. आयुक्त येणार आणि चार्ज काढून घेणार. कोणतरी डी.एम.सी. बसवणार. डी.एम.सी. गेल्यानंतर परत तो चार्ज श्री. बारकुंड यांच्याकडे जाणार.

**लिओ कोलासो :-**

आपल्याला कोणी सांगितले की, रोज रोज बदलत्या होतात. हे एकदाच झाले आहे ना.

**मिलन म्हात्रे :-**

हे रोज चालले आहे. मास्तर, आपण पेपर वगैरे वाचता का नाही? आपण पेपर वाचा ना.

**लिओ कोलासो :-**

रोज पेपर वाचतो.

**मिलन म्हात्रे :-**

मग तुमचे वाचन अपूर्ण आहे. म्हणजे तुम्ही मास्तर की कमी केलेली आहे. या परिस्थितीमध्ये टॅकरच्या पाण्याचेही जवळ जवळ ३ ते ४ एम.एल.डी. पाणी वाया जात आहे. आपल्याकडे याचा हिशोब नाही व एक एक पावतीवर २५-२५ टॅकर दिले जातात आणि टॅकरच्या प्लॉईटवर कर्मचारी आपली बदली करून घेण्यास का इच्छूक असतात ह्याचे गणित आम्हांला अजून कळलेले नाही. तिथेच जायला इच्छूक का? ठराविक स्पेसिफिक ठिकाणी वॉलमेन जायला लोकांच्या उड्या का पडतात? माझ्या वॉर्डमध्ये लावून द्या ना. मी खेचून काम करून घेतो. माझ्याकडे आणा, आमचे बरोबर लक्ष असते. पाण्याच्या शेड्यूलचे फॉर्म आयुक्तांना सांगून दोन महिने गेले. अजूनपर्यंत त्यांच्याकडे पाण्याच्या शेड्यूलचे फॉर्म आयुक्तांना सांगून दोन महिने गेले. अजूनपर्यंत त्यांच्याकडे पाण्याच्या शेड्यूलचे फॉर्म नाहीत. पण माझ्याकडे दिड महिन्याच्या सगळ्या फाईल आहेत. भाईदर वेस्टला आज पाणी का मिळाले? याबाबतचा सर्व लेखाजोखा माझ्याकडे आहे. पण आयुक्तांच्या टेबलवर ते नाही ही आपली शोकांतिका आहे. हे सर्व सुधारा. नुसते तुम्ही आम्ही बोललात आणि झाले ठिक आहे. पाणी आले नाही तर काल माझ्या सोसायटीमध्ये २० मिनिटे पाणी होते. आमच्या मा. महापौर ह्या आमच्या नगरसेविका आहेत. येथे बसलेले सन्मा. नगरसेवक आमचे नगरसेवक आहेत. मी ज्या वॉर्डमध्ये ज्याठिकाणी राहतो तिथले सन्मा. अशोक पाटील हे नगरसेवक आहेत. आमच्याकडे वीस मिनिट पाणी आहे आणि आमच्या वॉर्डमध्ये ह्यांच्या पुढाऱ्यांनी जावून आमची बदनामी करायची की, मिलन म्हात्रे तुमच्या वॉर्डमध्ये नगरसेवक आहे म्हणून पाणी कमी आहे. माझ्याकरता ते चांगले आहे. मला मोर्चा काढायला आपण मोकळीक दिली. मला वाईट वाटत नाही. मला तर उलट आणखिन बरे आहे. पण वास्तव कुठे टिकत नाही व माझ्याकडे पाणी येत नाही हे त्रिवार सत्य आहे. माझ्या सोसायटीला काल विस मिनिटे पाणी मिळते हे त्रिवार सत्य आहे. कुठेतरी आपण ही पोजिशन बदला अन्यथा तयारीला लागू. असेही निवडणूक जवळ येत आहे. आम्हाला हे घाणेरडे राजकारण करायचे नाही. करू तर मग...

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य रोहित सुवर्णाजी आपण बोला.

**रोहित सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडम, या विषयावर आपण मला दोन मिनिटे बोलायला दिली व कमीत कमी जी मुदत दिली त्याबद्दल मी आपला आभारी आहे. स्थायी समितीने ठराव केला होता की, जेवढे स्टॅण्ड पोस्ट आहेत ते सर्व स्टॅण्ड पोस्ट बंद करण्यात यावे. पण ते अजून बंद झालेले नाही. याच्यामुळे आपले नुकसान होत आहे. तसेच आकाश निधी नावाची एक बिल्डिंग होती. आकाश निधी नावाची बिल्डिंग त्या अंडर कन्स्ट्रक्शन बिल्डिंगला ही पाण्याचे कनेक्शन लावले. श्री. बारकुंड साहेब हे उपअभियंता असताना त्यांनी ते कनेक्शन कापले. मग दि. १/१/१९९५ चे खोटे कागदपत्र सादर करणारा तो कोण नगरसेवक आहे. त्याच्यावर कोणी अॅटेसटेशन केले आहे. ह्याची चौकशी करण्याची जबाबदारी प्रशासनाची आहे. मग तुम्ही पाण्याचे कनेक्शन कापताना देणाऱ्याला पण सस्पेन्ड करा. डिसमिस करा. श्री. सोनावणेच्या बाबतीत सन्मा. सदस्या प्रभात ताई पाटील जे बोलल्या त्या मताशी मी देखिल सहमत आहे. पण विभागीय चौकशी करून चालणार नाही. जे जे वॉलमेन पाणी खात्यामध्ये भ्रष्टाचार करत आहेत त्यांना घरी बसविण्याचे काम करा. फक्त त्यांची आपण येथून बदली करू नका. आकाश निधीची फार मोठी सिरीयस केस आहे. अंडरकन्स्ट्रक्शन बिल्डिंगला पाण्याचे कनेक्शन लागते म्हणजे काय? खोटं रेशनकार्ड बनविण्यात आलेले आहे. माझ्याकडे रेशनिंग ऑफीसचे पत्र देखिल आहे की, त्याठिकाणी कोणीही राहत नाही आणि आम्ही एकही रेशनकार्ड त्याठिकाणी इश्यू केलेले नाही. मॅडम, मी आपल्या निर्देशनास आणू इच्छितो की, भाईदर पश्चिमेला ९० फिट रोड हा कधी निर्माण झाला. दि. १/१/९५ ला तिथल्या स्थानिक नगरसेवकांनी मला सांगावे की, जेवढे टॉवर्स आणि बिल्डिंग उभ्या राहिलेल्या आहेत ते काय दि. १/१/९५ च्या आधीच्या आहेत. ९० फिटी रोडबाबत बोलत आहे. ६० फिटी रोडबाबत नाही. ९० फिटी रोड हे सगळे दि. १/१/९५ च्या नंतर आहे. मग त्या सगळ्या बिल्डिंगांना पाण्याचे कनेक्शन कसे लागले? आंबेडकर नगर आणि भोला नगर व २३३ मध्ये गरीब आदिवासी समाजाचे जे लोक आहेत त्यांना पाण्याचे टँकर सहा-सात दिवसांनी एकदा जातो. याबाबत आम्ही किती वेळा तक्रार करायची? ज्यांचे तुम्ही घरे तोडली आहेत त्यांना तुम्ही पाणी देणार नाही. पण ज्या बिल्डिंगमध्ये लोक राहतात त्यांच्याकडे दि. १/१/९५ पुर्वीचा पुरावा नसताना श्री. शिवाजी बारकुंड साहेबांनी किंवा त्यांच्या पाणी खात्याच्या अधिकाऱ्यांनी पाणी कनेक्शन दिले त्यांच्यावर कार्यवाही करा. आमच्याकडे डॉक्युमेंट आहेत. भारतीय जनता पार्टीचे समाजसेवक डॉ. येवले यांनी हजारो पत्रव्यवहार मा. आयुक्त साहेबांकडे केले आहे. पण आयुक्त साहेबांची हिम्मत नाही की, कोणावरही कार्यवाही करण्याची त्यांच्या ऑफीसमध्ये असणारा शिपाई देखिल कधी युनिफॉर्म घालत नाही. खतगांवकर साहेबांच्या केबिनमध्ये देखिल असणारा शिपाई कधी युनिफॉर्म घालत नाही. चॅरिटी बिगिन अॅट होम त्यांनी स्वतःच्या केबिनपुरते तरी काम करावे. जयहिंद।

**मा. महापौर :-**

सभागृहामध्ये पाण्याच्या विषयावर सर्व सन्मा. सदस्यांच्या भावना तीव्र आहेत. सर्व सदस्यांनी आपआपले मत प्रदर्शन केले. यामध्ये आपल्याला स्टेमकडून उपलब्ध होणारे ८३ एम.एल.डी. दशलक्ष लिटर पाणी याची वितरण व्यवस्था योग्यप्रकारे क्षेत्रिय विभागाचे अधिकारी आणि वॉलमन यांनी जरी व्यवस्थित केली तर हे पाणी सुद्धा आपल्याला वेळेवर पिण्यासाठी उपलब्ध होईल. ह्याही भावना आज सभागृहातून पाहण्यास मिळाल्या. प्रशासन म्हणून आपण जे कोणी वॉलमेन व त्याठिकाणी पाणी सोडणारे अधिकारी किंवा क्षेत्रिय अधिकारी असतील त्यांच्यावर कडक कार्यवाही करावी. तसेच, सन्मा. सदस्या प्रभात पाटील यांनी सांगितले की, बिल वसुलीसाठी जी योग्य कार्यवाही झाली पाहिजे ती होत नाही व काही ठिकाणी कमी बिल आलेले आहे व काही ठिकाणी जास्त बिल आलेले आहे. तर याच्यावर सुद्धा आपले लक्ष सभागृहाने वेधलेले आहे आणि मिटर रिडींग घेणे व त्यावर कंट्रोल ठेवणे हे सुद्धा प्रशासनाचेच काम आहे. या सर्व सभागृहातून सदस्यांनी ज्या भावना व्यक्त केलेल्या आहेत. त्याचे प्रशासनाकडून काटेकोरपणे पालन होणे गरजेचे आहे आणि प्रशासनाला पाणी विभाग डिपार्टमेंटला आदेश देते की, या सर्व गोष्टींचे व्यवस्थितपणे नियोजन करून दोन दिवसामध्ये रिपोर्ट सादर करावा.

**रोहित सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडम, आकाश निधी बिल्डिंग संबंध कार्यवाहीचे काहीतरी बोला.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्या रिटा शाह यांनी गौरव गार्डन येथील नऊ कनेक्शनबद्दल बोलले आहे. तसेच, सन्मा. सदस्य रोहित सुवर्णा यांनी आकाश निधी या बिल्डिंगबद्दल बोलले तर याची चौकशी करून ते कनेक्शन जर चुकीच्या पद्धतीने लावले गेले असेल तर त्याच्यावर कार्यवाही होऊन ते त्वरीत तोडण्यात येईल.

**रोहित सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडम, धन्यवाद.

**शशिकांत भोईर :-**

मा. महापौर मॅडम, मी ५० एम.एल.डी. पाण्याचे महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरणातर्फे....

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सभागृह नेते आपण बोला.

**रिटा शाह :-**

मा. महापौर मॅडम, आपण आता रुलिंग दिलेले आहे की, गौरव गार्डनच्या येथील कनेक्शन कापण्यात यावे तर...

**शशिकांत भोईर :-**

मा. महापौर मॅडम, प्रशासनाने माझ्या प्रश्नाचा अजूनपर्यंत खुलासा केलेला नाही. त्यांनी तो खुलासा करावा. याबाबत मी सांगितले आहे की, आपण एम.जी.पी. कडून जी काम करून घेणार आहात ती कामे करून घेणार आहात की नाही? याबाबत त्यांनी खुलासा करावा.

**मा. महापौर :-**

संबंधित अधिकाऱ्यांनी खुलासा करावा.

**श्री. काकडे :-**

मिरा भाईंदर शहराची लोकसंख्या सुमारे ८ लाख इतकी आहे. आणि शासनाच्या निकषाप्रमाणे दरडोई १४० लिटर पाणी देणे आवश्यक आहे आणि १४० लिटरप्रमाणे ८ लाख लोकसंख्येला ११२ एम.एल.डी पाणी पाहिजे. परंतु, आपली सध्या मिरा भाईंदर शहरासाठी जी योजना आहे. त्यातून आपल्याला फक्त ८६ दशलक्ष लिटर पाणी उपलब्ध होत आहे. म्हणजे २६ दशलक्ष लिटर पाणी शासनाच्या निकषापेक्षा कमी उपलब्ध होत आहे आणि १४० लिटर एवजी आपण नागरिकांना १०७ लिटरपर्यंत पाणी देवू शकतो तर ह्या सगळ्या गोष्टींमुळे शहरामध्ये पाणी पुरवठा बऱ्याच भागात कमी पडत आहे आणि त्याकरिता आपण दि. १७ पासून पाण्याचे नियोजन करण्याच्या दृष्टीने एक प्रोग्राम आखला होता त्या प्रोग्रामप्रमाणे शहरातील एकूण जलकुंभाचे ११ भाग केले होते व प्रत्येक भागात ७ ते ८ एम.एल.डी पाणी पुरवठा महिन्यापासून दोन वेळ दर बाराव्या दिवशी बंद करून ते पाणी टंचाई किंवा उशिरा पाणी पुरवठा होणाऱ्या भागात मुख्यत्वे अस्मिता, गोडदेव आणि कमला पार्क या तीन जलकुंभावर होता. त्याच्यासाठी आपण नियोजन केले होते की एक दिवस एका-एकाचे पाणी बंद करायचे आणि तो पाणी पुरवठा अस्मिता, गोडदेव, कमलापार्क येथे सुमारे ३८ ते ४० तासांनी सप्लाय मिळायला सुरुवात केली. १९ ते २२ तारीख या पिरियडमध्ये आपण २२ ते २३ तासांनी सगळ्या पुर्ण शहरामध्ये तो एरिया बंद ठेवला जातो ते सोडून संपूर्ण शहरामध्ये २२ ते २३ तासांच्या आत पाणी पुरवठा केला होता. परंतु, पातलीपाडा येथून २३ तारखेपासून विद्युत पुरवठा खंडीत झाल्यामुळे किंवा शटडाउन घेतल्यामुळे हे विस्कळीत झाले आणि परत हाच प्रोग्राम आपण २८ तारखेपासून इम्प्लीमेंट करायला सुरुवात केली. तरीही पातलीपाडाचा एक पंप नादुरुस्त झाला आहे. स्टॅण्ड बाय पंपाचा डिसचार्ज कमी मिळत आहे. या सगळ्या गोष्टींमुळे थोडासा डिस्टम झाले होते. आता परत सुरळीत होण्याच्या मार्गावर आहे. परंतु हा पाणी पुरवठा सुरळीत राहण्यासाठी पुरेशा दाबाने राहण्याकरिता पातलीपाडा येथून जो पाणी पुरवठा होत आहे. तो पाणी पुरवठा दोन एम.बी.आर. मधून होत आहे. त्या दोन एम.बी.आर च्या लेव्हल मेन झाले तर आपल्याला प्रेशर मिळतो आणि सर्व जलकुंभात पाणी भरते. परंतु, आता सध्या ते पाणी पुरेशा दाबाने मिळत नसल्याने बऱ्याच टाक्यांमध्ये पाणी पडण्यास प्रॉब्लेम येत आहे. त्याच्यासाठी आपण सम्पची प्रोव्हिजन केलेली आहे. त्यापैकी फक्त दोन सम्प बांधून झालेले आहे. आणि उर्वरित जलकुंभाच्या येथे जे सम्प प्रपोज केले होते त्याचे अद्याप काम सुरु झालेले आहे. काही कारणामुळे रखडलेले आहे. त्याबाबत एम्. जी. पी. बरोबर पत्रव्यवहार सुरु आहे. त्यांनी ५ कोटी ३३ लाख रुपये त्यांचे पैसे जादा खर्च झाले. त्याच्या अनुदानापेक्षा असे कारण सांगितले आहे आणि त्या पैशाची मागणी केलेली आहे. तरी आपण त्यांना १० लाखाचा एक चेक ऑलरेडी इश्यू केलेला आहे. आज ३० लाख रुपयाचा चेक देण्याचे सांगितलेले आहे आणि जी रखडलेली कामे आहेत ती काम तुम्ही सुरु करा. याबाबतीत मा. महासभेमध्ये ठराव ही झालेला आहे.

**मिलन पाटील :-**

सुभाषचंद्र येथील सम्पचे काय?

**श्री. काकडे :-**

जे दोन सम्प तयार आहेत, त्यापैकी अस्मिताचा सम्प तयार झालेला आहे. एम्. आय. डी. सी.चा सम्प तयार झालेला आहे. जे सम्प तयार व्हायचे आहे त्यामध्ये कमलापार्क, सुदामा नगर, सर्व्हे नं. ७७७, सगळे नंबर, नवघर, कनकिया या सम्पचे काम अजून व्हायचे आहे.

**मिलन पाटील :-**

सुभाषचंद्र बोस गार्डनचे काय?

**श्री. काकडे :-**

त्याचा सर्व्हे नं. ७७७, सुभाषचंद्र बोस गार्डन. निधी अभावी ते काम रखडलेले होते. सॉल्ट डिपार्टमेंटचा अडथळा येत होता. परंतु, सॉल्ट डिपार्टमेंटचा अडथळा आल्यानंतर ते काम निधीमुळे बंद होते तर अद्याप निधी दिलेला नव्हता म्हणून ते काम बंद आहे असे त्यांचे म्हणणे होते. आपण त्यांना आता निधी द्यायला सुरुवात केलेली आहे. मागे १० लाख रुपये दिले आणि आता ३० लाख रुपये देत आहोत. त्यांनी सिल्व्हर पार्क येथील सम्पचे काम चालू केले होते आणि सुदामा सम्पचे काम चालू केले होते, कमलापार्कच्या सम्पचे काम चालू केले होते. आता परत, आज त्यांना ३० लाख रुपये देण्याचे कबूल केलेले आहे आणि

जसजसे त्यांचे काम होईल त्या हिशोबाने त्यांना पैसे द्यायचे आणि त्यांनी ते काम करायचे असे त्यांना सांगितलेले आहे. त्याबाबतीत वेळोवेळी बैठकाही होत असतात.

#### रोहिदास पाटील :-

जोपर्यंत ते संपन्न होत नाही. सगळे होत नाही. तोपर्यंत एखादा चालू केला तर सगळी सिस्टम बिघडते. एक तरी निर्णय पक्का करायला पाहिजे की, जोपर्यंत ते संपन्न होत नाही तोपर्यंत सगळ इ. एस्. आर. ने पाणी जाईल. मग ज्याठिकाणी तुम्ही खालून पाणी घेतले की, वरच्या टाकीला पोहचत नाही. ज्याचा जो पहिला फटका बसतो तो आंमहाला बसतो. सगळ्या टाकीपेक्षा गोडदेवची टाकी उंच आहे. आणि त्यामुळे आंमहाला पाणी मिळत नाही. आपण एक सिस्टम मॅनटेन करा की, जोपर्यंत संपन्न होत नाही तोपर्यंत गोडदेवला सर्व इ. एस्. आर. ने पाणी पुरवठा होईल. आपण तर ते एक सुत्र पाळले तर लोकांना साधारण नीट पाणी मिळेल.

#### श्री. काकडे :-

काही ठिकाणी ते संपन्न तयार आहेत. काही ठिकाणी आता जसे घोडबंदरचा जलकुंभ आपण तोडला आणि नविन जलकुंभाचे काम सुरु केले आहे तो पूर्ण होत नाही तोपर्यंत आपल्याला प्रेशर नसल्याने बायपास सिस्टम द्यावी लागते.

#### रोहिदास पाटील :-

घोडबंदरच्या ई.एस्. आर च्या ऐवजी संपन्न किंवा डायरेक्ट पाईपमध्ये ते सोडले तर सिस्टम बिघडत नाही. त्याच्यावर रिक्वायरमेंट किती आहे त्याला पर डे किती क्वॉन्टीटी जाते. त्यामध्ये केलेतर फार डिस्टब करणार नाही. पण अन्य ठिकाणी जर तुम्ही कुठे गेलात.

#### श्री. काकडे :-

काशी येथे हाच प्रश्न आहे.

#### रोहिदास पाटील :-

तर ७ ते ८ एम.एल.डी, ९ एम.एल.डी पाण्याचा उपसा होत आहे. त्यामुळे दुसऱ्याला प्रेशर मिळणारच नाही.

#### श्री. काकडे :-

काशीच्या बाबतीत तोच प्रॉब्लेम आहे की, टाकीची क्षमता कमी आहे त्याच्यावर आलेला एरिया मोठा आहे आणि त्याच्यामुळे तिथे परत टाकीची लेवल लवकर डाउन होऊन जाईल म्हणून आपण बायपास सिस्टम ही देतो.

#### प्रफुल्ल पाटील :-

काशी मध्ये तुम्हाला प्रॉब्लेम होतो, एम.आय.डी.सी ला आपले दोन जलकुंभ आहेत तुम्हाला हे माहित असेल तशी तरतुद जर एम.आय.डी.सी त्या दोन लोअर लेव्हल आणि हायर लेव्हल असे जे इ. एस्. आर. बांधले ते कशासाठी बांधले. एक इ. एस्. आर. हे काशी आणि जनता नगर वगैरे या भागासाठी वापरत आहेत. तुम्ही त्याची प्रोव्हिजन का विसरलात? ठिक आहे, तुमचा नविन जलकुंभ बांधून होईल तेव्हा होईल पण ह्या जलकुंभभारून त्यांना प्रोव्हिजन करायला पाहिजे. एवढ्यासाठीच ती आहे. पुर्वी सुद्धा जेव्हा ५० एम.एल.डी. पाण्याची योजना तयार केली तेव्हा जनता नगर, मघाशी सन्मा. सदस्या ज्योत्सना हसनाने बोलत होत्या की, ह्यांच्या वॉर्डमध्ये इंटरनल डिस्ट्रीब्युशनची प्रोव्हिजन नव्हती. ती केल्यानंतर त्या इंटरनल डिस्ट्रीब्युशनची प्रोव्हिजन नव्हती. ती केल्यानंतर त्या इंटरनल डिस्ट्रीब्युशनची पाणी कुठून देणार? तर लोअर लेव्हल हायर लेव्हलच्या जलकुंभातून देणार. मग तुम्ही तशी व्यवस्था का करत नाही? हे काहीतरी दुसरे थारूमातूर सांगून काय उपयोग आहे. जे तुमच्याकडे आहे ते तुम्ही वापरत नाही.

#### श्री. काकडे :-

हायर लेव्हलच्या ई.एस्.आर मधून तिथे जलवाहिनी संपन्नच्या बाजूने टाकलेली सुद्धा आहे. पोलिस स्टेशनच्या बाजूने टाकलेली आहे. त्यावरून त्यांनी पूर्वेला पाणी सोडून चेक केले तर त्यांचे म्हणणे असे आहे की, लॅथ डिस्टन्स जास्त असल्यामुळे पाण्याचा प्रेशर मिळत नाही. तरीही मी परत एकदा त्याच्यावर.....

#### प्रफुल्ल पाटील :-

साधी गोष्ट आहे. पाईप लाईनला प्रेशर न मिळणे ह्याच्यामध्ये दोन कारणे आहेत. एकतर पाईप लाईनला डाय मीटर कमी आहे. त्याचा थिकनेस कमी आहे. त्याची जेवढी लांबी वाढते तेवढे त्याचे डायमीटर वाढले पाहिजे. हे तर तंत्र आहे आणि आपल्या महापालिकेमध्ये हाच एक महत्त्वाचा भाग आहे. आम्ही अनेक इंजिनियर भरती केले आणि अजूनही करत आहोत. पण आमच्याकडे एक सुद्धा हायड्रोलिक इंजिनियर नाही. जर ह्यांच्याकडे कोणी गेले की, आमच्या भागामध्ये पाणी कमी येत आहे तर तिथे चार इंचाची लाईन आहे तिथे आठ इंचाची लाईन टाका. ह्यांच्यावर आमचे प्रेशर आले की, लगेच आठ इंचाची लाईन टाकतात. पण त्या आठ इंचाच्या लाईनमध्ये मागे जर लाईन आठ इंचाची असेल तर प्रेशर कसे काय डेव्हलप होणार? आणि प्रेशर डेव्हलप करण्यासाठी हायड्रोलिक स्टेटमेंट काढणारा इंजिनियर हा आपला पाहिजे. तो इंजिनियर आम्ही भरती करत नाही. बाकी सगळे इंजिनियर आम्ही करायला लागलो आहोत. पाणी पुरवठ्याच्या इंजिनियरला आपण बांधकाम विभागामध्ये पाठविले. श्री. वाकोडे साहेब यांना एवढा अनुभव आहे की, ही पाण्याची योजना

सुरु असताना जेव्हा योजना चालू होती तेव्हा ते ठाणेच्या योजनेवर काम करित होते. आपली आणि ठाणे महानगरपालिकेची संयुक्तिक योजना काही भागामध्ये दोन्ही मिळून आहेत. त्यांना संपूर्ण अनुभव आहे. आता आपण काय केले? पाणी पुरवठ्याची लावली वाट आणि श्री. वाकोडे यांनी धरली बांधकामाची वाट. अशी परिस्थिती झाली आहे. ते गेले बांधकाम विभागामध्ये अशा परिस्थितीमध्ये इंजिनियर जर काम करत असतील तर जे इंजिनियर आम्ही ज्या कामासाठी आणतो ते ते काम करतच नाही आणि हायड्रोलिक इंजिनियरची गरज आहे. त्याची तुम्ही पहिल्यांदा भरती केली पाहिजे.

**सुधा गोयंका :-**

मा. महापौर मॅडम, जैसे अभी इन्होंने बताया की, गोडदेव टाकी का जो सम्प है तो वह गोडदेव टाकी उँचाईपर है और उधर ही सारी जनरेशन ज्यादा है। वहीपर ११ झोन है। नर्मदा नगर, केबिन रोड आणि २२ नंबर, २३ नंबर का पुरा पानी गोडदेव टाकी से आता है और उसीमे सबसे ज्यादा बार प्रॉब्लेम होती है। तो वहाँपर सम्प क्यो नही बनाया जा रहा है?

**मा. महापौर :-**

सचिवांनी पुढच्या विषयाला सुरुवात करावी.

**सुधा गोयंका :-**

मा. महापौर मॅडम, मेरे प्रश्न का खुलासा करिए ना।

**शशिकांत भोईर :-**

मा. महापौर मॅडम, जी माहिती दिलेली आहे जी चुकीची दिलेली आहे. एम्. जी. पी. कडून जेव्हा लोन घेतले तेव्हा संपूर्ण पैसे दिले होते. ५ कोटी रुपये जास्त खर्च झाला असे ते उद्देशून बोलले. मग तो पैसा ज्यावेळेस आपण निविदा काढली त्यावेळेस सम्प का बनले नाही? तेव्हा अडचण काय होती? आपण बोलता की, ५ कोटी रुपये जास्त खर्च झाले. मग आपण ही चुकीची माहिती दिली ना. तेव्हा त्या आराखड्याप्रमाणे सम्प नव्हते का? होते ना. मग आता आपण १० लाख रुपये दिल्यानंतर ३० लाख रुपये दिले. असेच पैसे देत राहिले तर आपले सम्प होतील किंवा नाही त्याचा पहिल्यांदा खुलासा करा.

**सुधा गोयंका :-**

सम्प होगा या नही, वही तो पुछ रही है और क्या पुछ रही हूँ।

**श्री. काकडे :-**

ह्याच्याआधी मा. महासभेने ठराव केलेला आहे की, सदस्य निधी मिरा भाईंदर महानगरपालिकेच्या निधीमधून उपलब्ध करून द्या म्हणून ठराव केलेला आहे. आठ कोटी रुपये या वर्षासाठी तरतूद ही ठेवलेली आहे. त्याच्यामधून आपण ४० लाख रुपये दिलेले आहेत आणि उर्वरित रक्कम.....

**शशिकांत भोईर :-**

तरी सुद्धा गोडदेवच्या सम्पचे काम सुरु का नाही? काय अडचण आहे? आपण तीस लाख रुपये दिले असे आपण बोलता ना.

**श्री. काकडे :-**

आज चेक देणार आहे.

**शशिकांत भोईर :-**

ते काम सुरु कधी होणार?

**प्रफुल्ल पाटील :-**

सर्वात महत्त्वाची बाब अशी आहे की, पाण्याच्या योजने करिता जे अंदाजपत्रक ११० कोटी रुपयाचे तयार केले होते. त्या ११० कोटीमध्ये एम्. जी. पी. ने काटछाट करून सगळे सम्प. सम्पावर पम्प आणि पंपामध्ये पंपिंग मशिनरी, प्रत्येक टाकीवर फ्लो मीटर, इलेक्ट्रॉनिक फ्लो मीटर हा सगळा खर्च धरून त्याने १०९ कोटी रुपया पेक्षा एक रुपया देखील जास्त खर्च होणार नाही असे एम्. जी. पी. ने दावे पण नाही तर लेखी दिलेले आहे आणि एम्. एम्. आर. डी. ए. ने कर्ज दिलेले आहे. आपल्याला राज्य सरकारने अनुदान दिलेले आहे. हे सगळे अनुदानाची रक्कम मिळायला जर एम्. एम्. आर. डी. ए. कडून आपल्याला कर्ज मिळाले नसेल तर ते मिळून द्यायला आपण काहीतरी कार्यवाही केली पाहिजे. महापालिकेचा निधी तिथे वापरणे म्हणजे शुद्ध मुखपणा आहे असे मला वाटते. जर एम्. एम्. आर. डी. ए. ने ह्या स्कीमची पुर्ण हमी घेतलेली आहे की, ही स्कीम पुर्ण होईपर्यंत पाणी पुरवठा करणार आहे. त्यांच्या कर्जाची रक्कम, मा. आयुक्त साहेब हे मी आपल्या माहितीसाठी सांगतो की, सर्वात पहिल्यांदा १०० कोटी रुपयासाठी होते. या सगळ्या स्कीमखी जी रक्कम होती ती १४७ कोटी रुपये इतकी होती. ती रक्कम रिडयूस करत करत १० कोटी रुपयावर आली. त्यांनी कर्जसुद्धा ७२ कोटी रुपयावर आणले नंतर ६८ कोटी रुपयावर आणले. अशा परिस्थितीमध्ये जर आपल्याला एम.एम.आर.डी.ए कडून वाढीव निधी लागला तर कर्जरूपाने वाढीव निधी द्यायला ते तेव्हाही तयार होते आणि आता ही तयार आहेत. आपले त्यांच्या बरोबर तसे अॅग्रीमेंट आहे आणि असे असताना आपण एम.एम.आर.डी.ए च्या मागे तगादा लावता. आपलाच फंडस् नसतील तर हे सम्प होणार नाही. त्यापेक्षा एम.एम.आर.डी.ए. बरोबर आपण मिटींग करावी की, निधीचे काय झाले? तुम्ही खरोखर आमचे ६८ कोटी रुपये त्यांना दिले का आणि दिले तर त्यांनी ते वापरले कुठे? एम.जी.पी. ला युनलायझेशन सर्टीफिकेट कॉपी

जेव्हा एम.एम.आर.डी.ए जा द्यावी लागते तेव्हा त्याची एक कॉपी ते आपल्या महानगरपालिकेला देतात. जेव्हा जेव्हा जसजसा निधी लागतो. तसतसा तो निधी त्यांनी वापरल्यानंतर आपल्याला कळवतात. फक्त ५ कोटी रुपये एवढा निधी त्यांच्याकडे कायम बॅलन्स असतो. तर तो ५ कोटी रुपये कमी करून त्यांच्या हातामध्ये २ कोटी रुपये ठेवायचे आहे. एम.जी.पी. चा स्टॉईल आहे. एकदा का योजनेचा निधी आला की, ही योजना बंद आहे. या योजनेमध्ये सम्प होणार नाही. या योजनेमध्ये पंपींग मशिनरी लागणार नाही आणि तो निधी दुसरीकडे वापरायचा. आता निधी कशाला लागणार आहे ते तुम्ही मला सांगा. फक्त आर.सी.सी. बांधकामाला लागणार आहे. तुमची पंपींग मशिनरी आलेली आहे. भिंवडीच्या गोडाऊनमध्ये धूळखात पडलेली आहे. त्या पंपिंग मशिनला आमचा पैसा लागलेला आहे. त्या पंपींग मशिनला आमचा पैसा लागलेला आहे. त्या पंपींग मशिनरीगचे पुर्ण पैसे १९९९ साली आम्ही दिलेले आहे. आता सात वर्षे व्हायला आली आहेत. याला जबाबदार धरायला पाहिजे ना. प्रशासन हे असे ढिल सोडून चालणार नाही तुमचे वरिष्ठ अधिकारी जरी असले तरी आमच्या पदाधिकाऱ्यांच्या समोर त्यांना उभे करा ना. आम्ही त्यांना जाब विचारू ना.

**सुधा गोयंका :-**

मा. महापौर मॅडम, मेरा और एक प्रश्न ऐसा है की मैंने श्री. काकडे सर को पंधरा दिन से लेटर दिया हुआ है। हमारे यहापर लता बिल्डिंग है। उसके अंदर दूषित पानी आ रहा है। अभीतक उन्होंने उसका खुलासा नहीं किया है। वहा की पब्लिक रोज पानी बाहर से खरीदके पिती है।

**श्री. काकडे :-**

लता बिल्डिंगच्या बाबतीत जी पाण्याची तक्रार केलेली आहे. तर मी ऑलरेडी पाणी चेक करायला सांगितले आहे. टाकीच्या पाण्याचे सॅम्पल चेक करायला सांगितले आहे आणि नळाच्या पाण्याचेही सॅम्पल चेक करायला सांगितलेले आहे. कारण असे होऊ शकते की, आपल्या भाईदर महानगरपालिकेचे जे पाणी मिळते तर ते चांगले असू शकते आणि त्यांच्या टाकीमध्ये बाहेरचे पाणी लिकेज होत असेल म्हणून टाकीच्या पाण्याचे सॅम्पल खराब येऊ शकते म्हणून मी दोन्ही सॅम्पल तपासायला सांगितलेले होते. त्याच्याबाबतीत रिपोर्ट आला असेल तर तो प्राप्त करून मी आपल्याला सांगतो.

**सुधा गोयंका :-**

मेरा वही कहना है की, वहा की जो पाईप लाईन है वह काफी पुरानी है और बहुत सारे लिकेजेस है। उस रोडपर बार-बार लिकेज होता रहता है और वहा की बिल्डिंग भी पुरानी है। जैसा वह एरिया काफी पुराना है। अगर आप लोग चाहो तो वह पाईप लाईन चेक करो। अगर वास्तव मे बहुत ज्यादा खराब है। तो वह लाईन को चेंज करो ना। हर बिल्डिंग की यही पोझिशन है। कभी राजेश मे से आता है। कभी रिका मे से आता है। अभी इन दिनों मे आपके सामने चार-पाच बिल्डिंग का आ चुका है की, हमारे यहाँपर बिल्डींग का पानी खराब आ रहा है। आपके पास कम्प्लेंट आ चुकी है ना, तो आप उस चीज का चेकअप करवाईए। बार-बार मेरे बोलने पर भी आप लोग करेंगे।

**श्री. काकडे -**

ठिक आहे. मी त्याप्रमाणे सर्वांना सुचना देतो आणि लिकेजही काढायला सांगतो व पाण्याचे सॅम्पल ही चेक करून घेतो.

**सुधा गोयंका :-**

आप जैसे बता रहे हो जैसे गोडदेव टाकीपर पानी की फिलहाल क्या पोझीशन है? फिलहाल वहाँपर पानी कम आ रहा है दो दिन पहले ही परसो ५१ घंटे से पानी आया.

**श्री. काकडे :-**

आपल्याकडे २३ तारखेला पातलीपाडा येथे लाईन गेली होती. वीज पुरवठा खंडित झाल्यामुळे पाणी बंद झाले. त्यांनी २४ तारखेला जवळजवळ १५ तास झाले व आता सांगितले की, १५ तासाच्या शटडाउन करिता टाईम लावला. २५ तारखेला लाईट नसल्यामुळे परत पाणी बंद झाले. २७ तारखेला पुन्हा बंद झाले. २ तारखेला परत बंद झालेले आहे. असे सारखे .....

**सुधा गोयंका :-**

आप वही बताईएना की, जब आप बोल रहे हो की, ११ दिन के लिए हमलोग बराबर २४ घंटा पाणी देंगे। १२ वे दिन बंद करेंगे लेकिन ३ दिन के अंदर दो बार बंद हो गया है।

**श्री. काकडे :-**

हा पाणी पुरवठा पातलीपाड्याहून बंद होतो.

**सुधा गोयंका :-**

जो कारण है उसको पहिले आप सुधारिए ना।

**श्री. काकडे :-**

त्याच्याबाबतीत आपण पाठपुरावा करत असतो व जनरेटर बसवा ही मागणी केलेली आहे.

**सुधा गोयंका :-**

अब तो यह हिसाब हो गया की, ऑलरेडी ग्यारह दिन का आपने बोला ही है। वह आप नहीं दे रहे हो। उपर से और तोड दे रहे है ना।



**श्री. काकडे :-**

याबाबतीत पातलीपाडयाला आपला एक स्टाफ दोन शिफ्टमध्ये नियुक्त करायचा. दोन जणांची नियुक्ती करायची. त्यांनी तेथून रिपोर्ट करायचा असे ही ठरलेले आहे. त्याप्रमाणे आदेश द्यायचे आहे.

**सुधा गोयंका :-**

तो जनरेटर के लिए आपने जो पैसे निकाला थे तो वह अभी तक क्यों नहीं लगवाया?

**श्री. काकडे :-**

जनरेटर बसविण्याची सुचना म्हणजे त्यांच्याकडे चर्चा चालू असती त्यापैकी पातलीपाडयाच्या जनरेटरचे टेंडर ही कॉल केलेले आहे. शहाड आणि टेमघर या दोन्ही ठिकाणी डी.जी.सेट म्हणजे जे जनरेटर बसवायचे आहे. तो प्रस्ताव स्टेमच्या सभेमध्ये मान्य होत नाही, खर्चिक आहे. त्याचा एवढा उपयोग नाही. कारण तिथे कधीतरी लाईट जाते. त्याच्यासाठी पाच-पाच, दहा-दहा कोटी रुपये इनवेस्ट करायचे. याबाबतीत ठाणे महापालिकेचे आयुक्त, महापौर यांचे मत होत नाही की, असे असे आहे. तसे त्यांना चार सोर्सस असल्यामुळे विशेष फरक पडत नाही.

**सुधा गोयंका :-**

लेकीन अभी पब्लिक भुगत रही है ना।

**श्री. काकडे :-**

त्या बाबतीत आपला पाठपुरावा सुरु आहे व पत्रव्यवहार ही सुरु आहे.

**सुधा गोयंका :-**

गोडदेव के सम्प के बारे में डिसीजन क्या है?

**श्री. काकडे :-**

गोडदेवच्या सम्पच्या बाबतीत ही मी एम.जी.पी. ची चौकशी करतो.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्या आप बैठीए। आप के यहा के पानी में सुधार होगा। सन्मा. सदस्या शानू गोहिल आपण बोला।

**शानू गोहिल :-**

मा. महापौर मॅडम, मेरे प्रभाग में कुछ ऐसे टॉवर्स हैं जो लास्ट में आती हैं इसलिए उन लोगों को पानी का प्रेशर बहुत कम आता है। झोन वाईस करनेके बावजूद भी दो झोन करनेके बावजूद भी जो सेकेन्ड झोन आता है। वह सेकेन्ड झोन में टॉवर्स को पानी कम आता है। तो उनके लिए आपने क्या रस्ता निकाला। जो लास्ट की बिल्डिंग है उनको आप कनेक्शन ट्रान्सफर करके दे सकते हो क्या?

**श्री. काकडे :-**

उसके लिए मैंने वह लाईन लुक करनेके लिए बोला है। मैं खुद भी आकर वहापर लोगों को लेकर जाएगा।

**शानू गोहिल :-**

पहिले भी शिकायत की थी लेकिन आपने उसके बारे में कोई भी प्रिपेड नहीं किया।

**श्री. काकडे :-**

लाईन लुक करनेके बारे में टॉवर के इधर अभी लाईन लुक नहीं की है।

**रोहिदास पाटील :-**

श्री. काकडे साहेब तुम्ही ह्याच्यामध्ये आमची दिशाभूल करता आम्हाला माहिती ही करू देत नाही. मा. आयुक्त साहेब यांना मी पत्र दिलेले आहे की, जेसलपार्कमध्ये तीन झोनने पाणी सुटत होते. आम्हाला कोणालाही माहिती नाही. ह्यांना ही माहित नाही. मला ही माहित नाही की दोन झोन केले. दोन झोन झाल्यामुळे त्या लाईनला पाणी जात नाही. पहिले तीन झोन होते आणि तीन झोनने पाणी सुटत होते. याबाबत मी आपल्याला दिड महिन्यापूर्वी पत्र दिलेले आहे.

**श्री. काकडे :-**

तीन झोनचे दोन झोन करण्याबद्दल आपल्या प्रभाग कार्यालयाच्या मिटींगमध्ये तेव्हा तशा सुचना दिल्या होत्या.

**रोहिदास पाटील :-**

तो इफेक्ट मिळाला नाही म्हणून ते त्यांना निस्तरायला लागते.

**श्री. काकडे :-**

मी परत त्यांना सांगतो.

**शानू गोहिल :-**

आज भी इतनी तकलिफ है की, वहापर टँकर कभी भी जाते हैं। बाकी पुरे जेसलपार्क में टँकर कहीपर भी नहीं जाता है।

**रोहिदास पाटील :-**

पहिल्यांदा जी सिस्टम होती त्याने सगळ्यांना सारखे पाणी मिळत होते.

**श्री. काकडे :-**

प्रभाग कार्यालयाच्या मिटींगमध्ये विषय झाला होता.

**रोहिदास पाटील :-**

प्रभाग कार्यालयामध्ये मिटींग होती तेव्हा आम्ही तुम्हाला सुचना केली होती तेव्हा तुम्ही सांगितले होते पण त्याचे इम्प्लीमेंटेशन झाले नाही.

**श्री. काकडे :-**

त्याबाबतीत अहवाल मागवतो आणि ती लाईन ही लुक करुन घेतो त्याच्याने बराच फरक पडेल.  
(सन्मा. सदस्य हॅरल हॅरल बोर्जीस ह्यांनी प्रकरण १०२ च्य ठरावाचे वाचन केले)

**चंद्रकांत मोदी :-**

इस ठराव को मेरा अनुमोदन है।

**प्रफुल्ल पाटील :-**

तसा ठराव न घेता ह्याच्यावर प्रशासनाने तज्ञशुध्द योजना सादर करावी. खर्च किती येईल तर आपण काय म्हणणार? जर तीन बाबींच्या माध्यमातून जर पाणी घ्यायचे झाले तर तुम्हाला नुसते क्रॉस कनेक्शन देवून पाणी घ्यायचे झाले तर दिड कोटी लागतील. शहाडला रॉ वॉटर घ्यायचे झाले तर तुम्हाला जास्त लागतील हे सगळे त्यांच्याकडून आल्यानंतर तुम्ही घ्या. प्रस्तुत आता तुम्ही एवढी मंजूरी द्या की, ३५ एम.एल.डी. वाढीव पाणी पुरवठा आम्हाला शहराडमधून घेण्यास ही सभा मंजूरी देत आहे.

**मा. महापौर :-**

३५ एम.एल.डी. पाणी घेण्यासाठी प्रशासकिय व आर्थिक मंजूरी व सर्व सन्मा. सभागृहाने सुचविलेल्या सुचनासह ठराव मंजुर.

**प्रकरण क्र.१०२ :-**

वाढीव पाणी पुरवठ्याबाबत विचार विनिमय करुन निर्णय घेणे.

**ठराव क्र. ७७ :-**

मिरा भाईंदर महानगरपालिकेसाठी महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळाकडून ३५ द.ल.लि. प्रति दिन पाणी उपलब्ध करुन देण्याचा निर्णय झाला असून त्यासाठी अंदाजपत्रक तयार करावयास व महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण, महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळाच्या तांत्रिक अहवालास येणाऱ्या खर्चास ही सभा प्रशासकिय व आर्थिक मंजूरी देत आहे.

**सुचक :- श्री. हॅरल बोर्जीस.**

**अनुमोदन :- श्री. प्रफुल्ल पाटील.**

**ठराव सर्वानुमते मंजुर**

**सही/-**

**महापौर**

**मिरा भाईंदर महानगरपालिका**

(सचिवांनी प्रकरण क्र. ९२ चे वाचन केले.)

**रोहिदास पाटील :-**

यात कशाला नाव द्यायची आहेत. फक्त महापौर बंगल्याला नाव द्यायचे आहे की, आणखिन नाव द्याची आहे की, कसे आहे?

**रतन पाटील :-**

आपण गोषवारा दिलेला नाही. कुठल्या कुठल्या इमारतीला .....

**शुभांगी नाईक :-**

मा. महापौर मॅडम, आपण या विषयाचा गोषवारा दिलेला नाही. कोणत्या इमारतीला कोणते नाव द्यायचे आहे. त्याचा आपण उल्लेख करा ना.

**रतन पाटील :-**

कोणत्या कोणत्या इमारतीला कोणते नाव देणार आहे?

**शुभांगी नाईक :-**

प्रशासनाने याचा गोषवारा द्यावा.

**रोहिदास पाटील :-**

गोषवारा नाही. अशावेळी आम्ही काय समजायचे.

**शुभांगी नाईक :-**

मॅडम, गोषवारा नसेल तर मी या विषयाला ठराव मांडतो.

**हॅरल बोर्जीस :-**

प्रकरण क्र. ९२ मनपाच्या सभागृह, इमारती, बंगले यांना नाव देण्याबाबत .....

**शुभांगी नाईक :-**

मुख्य इमारतीला नाव ....

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्या आपण बसून घ्या. सभागृह नेते ह्यांना आपण बोलू तरी द्या.

**शुभांगी नाईक :-**

मा. महापौर विचार विनिमय झालेला आहे ना, मग आम्हाला बोलू द्या ना. आम्हालाही कळते, आम्हीही सदस्य आहोत. आम्हाला बोलू द्या ना. मी ठराव मांडतो. महापालिकेच्या सभागृहाला स्वातंत्र्यवीर सावरकर.

**मा. महापौर :-**

आपण त्यांच्या ज्या सुचना आहेत त्या आपण ऐकून घ्या ना.

**शुभांगी नाईक :-**

आयुक्त बंगल्याला शिवनेरी, महापौर बंगल्याला देवगिरी असा मी ठराव मांडत आहे.

**प्रियांका करंबेळे :-**

या ठरावास माझे अनुमोदन आहे.

**हॅरल बोर्जीस :-**

मिरा भाईंदर महानगरपालिका मुख्य इमारत .....

**रतन पाटील :-**

आम्ही ठराव मांडलेला आहे.

**शिवप्रकाश भुदेका :-**

ते ठराव मांडणार आहेत ना, ते ऐकून घ्या.

**रतन पाटील :-**

मतदान, आपण गोषवारा का देत नाही?

**शुभांगी नाईक :-**

मतदानाला का घ्यायचे? प्रत्येकवेळी गोष्टीचे आम्हीच समर्थन करायचे का?

**रतन पाटील :-**

नेहमी असेच चालेल का?

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्या शुभांगी नाईक आणि सन्मा. सदस्य रतन पाटील आपण बसून घ्या. सभागृह नेते नाव सांगत आहेत आणि आपण नावे सुचवायची आहेत. आपण असून घ्या. आपण सभागृहात किती गोंधळ घालत आहात? सभा सुरु झाल्यापासून तुमचा गोंधळ आहे. आपण बसून घ्या.

**शुभांगी नाईक :-**

आपण पहिल्यांदा गोषवारा पाठवून द्यायचा होता ना. आपण गोषवारा का नाही दिला?

**रतन पाटील :-**

आपण गोषवारा का दिला नाही? किती इमारतीला कोणते नाव द्याचे आहे?

**हॅरल बोर्जीस :-**

मिरा भाईंदर महापालिका मुख्य इमारत स्वर्गवासी इंदिरागांधी भवन इमारत.

**रतन पाटील :-**

छात्रपती शिवाजी महाराजांचे नाव द्यावे. हे नाव द्यायचे नाही.

**रोहिदास पाटील :-**

आपण आम्हाला याचा गोषवारा द्या ना.

**हॅरल बोर्जीस :-**

आपण ऐका ना.

**रतन पाटील :-**

तुमचे काय ऐकू.

**रोहिदास पाटील :-**

तुम्हाला ठराव द्यायचा असेल तर तुम्ही गोषवारा द्यायला पाहिजे होता ना.

(सन्मा. सभागृहनेते श्री. हॅरल बोर्जीस ह्यांनी प्रकरण क्र. ९२ च्या ठरावाचे सभागृहासमोर वाचन केले)

**हॅरल बोर्जीस :-**

मा. महापौरांचे निवास स्थान याचे नाव त्रिवेणी निवास.

**रतन पाटील :-**

त्रिवेणी निवास कुठले? शिवनेरी नाव घ्या.

**शुभांगी नाईक :-**

शिवनेरी नाव घ्या ना.

**रोहित सुवर्णा :-**

मॅडम, चिमाजी अप्पा हे नाव घ्या.

**हॅरल बोर्जीस :-**

मा. आयुक्त निवास-पारिजात निवास.

**मिलन म्हात्रे :-**

महापौर निवासाला कोणता संगम होणार आहे? त्रिवेनी संगम होणार आहे का?

**रतन पाटील :-**

महापौरांच्या बंगल्याला शिवनेरी नाव द्यावे व आयुक्तांच्या बंगल्याला देवगिरी हे नाव द्यावे.

**मा. महापौर :-**

ठराव सर्वानुमते मंजूर. सचिव पुढील विषयाला सुरुवात करा.

**रतन पाटील :-**

येथे जो इतिहास झाला त्याला साक्षी ठेवून ही नाव घ्या.

**मा. महापौर :-**

सचिवजी पुढील विषयाला सुरुवात करा.

**रोहित सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडम, चिमाजी अप्पा यांचे नाव घ्या.

**रतन पाटील :-**

असे चालणार नाही. तुम्ही म्हणाल ते चालणार आहे का?

**रोहिदास पाटील :-**

आपण असेच चालणार का?

**रतन पाटील :-**

आपण जी नावे दिली त्याला आम्ही होकार दिला. तसेच आम्ही जी नावे सुचवतो त्याला सुद्धा होकार द्या.

**रोहित सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडम, नगरभवन येथे जी लायब्ररी आहे....

**रोहिदास पाटील :-**

केंद्रीय मंत्री, गृहमंत्री प्रमोद महाजन यांचे नाव द्यावे असे तुम्हाला वाटते की, नाही. मा. महापौर मॅडम, प्रमोद महाजन यांचे नाव देणे योग्य वाटते की, नाही? आपण आम्हाला होकार तरी देता का? आपण आम्हाला कधी मौका दिला. तुम्ही ज्या पद्धतीने हे करत आहात ते चांगले नाही. तुम्हाला त्यात आनंद वाटत असेल.

**रतन पाटील :-**

महापौर बंगला आणि आयुक्त बंगल्याची जी नावे आम्ही सांगू ती नावे आपण घ्या. आपण सांगितली ती नावे आम्ही ऐकली आहे. आम्ही मान्य केली. आम्ही सांगू तीच नावे घ्या.

**मा. महापौर :-**

सचिवजी पुढील विषयाला सुरुवात करा.

**रोहित सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडम, नगरभवनमध्ये जे सार्वजनिक वाचनालय आहे. त्या वाचनालयाला डॉ. राधाकृष्णन यांचे नावे द्यावे.

**मा. महापौर :-**

नगरभवनच्या लायब्ररीला डॉ. राधाकृष्णन हे नाव देण्यात येईल.

**रोहित सुवर्णा :-**

धन्यवाद.

**प्रकरण क्र. १२ :-**

मनपाच्या सभागृह / इमारती / बंगले यांना नावे देणेबाबत विचार विनिमय करून निर्णय घेणे.

**ठराव क्र. ६९ :-**

|                      |    |   |
|----------------------|----|---|
| मुख्य इमारत          | :- | स्व. इंदिरा गांधी भवन                   |
| मुख्य सभागृह         | :- | छत्रपती शिवाजी महाराज सभागृह            |
| स्थायी समिती सभागृह  | :- | लालबहादूर शास्त्री सभागृह               |
| प्रभाग समिती क्र. ०१ | :- | स्व. काका बॅप्तीस्टा प्रभाग कार्यालय    |
| प्रभाग समिती क्र. ०२ | :- | डॉ. राजेंद्रप्रसाद प्रभाग कार्यालय      |
| प्रभाग समिती क्र. ०३ | :- | मोresh्वर नारायण पाटील प्रभाग कार्यालय  |
| प्रभाग समिती क्र. ०४ | :- | मौलाना अब्दुल कलाम आझाद प्रभाग कार्यालय |
| नगरभवन कार्यालय      | :- | स्व. डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर भवन          |

|                     |    |                                      |
|---------------------|----|--------------------------------------|
| नागरी सुविधा केंद्र | :- | स्व. राजीव गांधी नागरी सुविधा केंद्र |
| मा. महापौर बंगला    | :- | त्रिवेणी निवास                       |
| मा. आयुक्त बंगला    | :- | पारिजात निवास                        |

सुचक :- श्री. हॅरल बोर्जीस.

अनुमोदन :- श्री. जयंत पाटील.

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

(नगरसचिवांनी प्रकरण क्र. ९३ चे वाचन केले.)

**प्रफुल्ल पाटील :-**

५० एम.एल.डी. पाणी पुरवठा योजना तयार करत असताना पाईप लाईन टाकण्यासाठी बऱ्याच ठिकाणी अडथळे निर्माण झाले. विशेषतः टेमघर भागामध्ये २ हजार एम.एम ची पाईप लाईन टाकण्याचा प्रस्ताव होता. तेव्हा तेथील रहिवाशांनी एम.जी.पी. च्या चीफ इंजिनियरला सुद्धा मारहाण केली आणि ते संपूर्ण रखडलेले काम अलिकडचे काम पूर्ण झाले आणि टेमघरच्या पलिकडचे काम पूर्ण झाले. परंतु, जे काम आहे ते अपूर्ण राहिले शेवटी तिथल्या जमिन मालकांशी वाटाघाटी करून त्यांची काय मागणी होती याची विचारणा केली तेव्हा त्यांनी असे सांगितले की, आमच्या घरातील एकातरी व्यक्तीला आपल्या नगरपालिकेमध्ये नोकरी द्या. अशापद्धतीने संपूर्ण टेमघर पासून ते मिरा भाईंदरपर्यंत ज्या ज्या ठिकाणी खाजगी जमिनी किंवा आदिवासी जमिनीच्या मालकीच्या जागेमध्ये पाईप लाईन टाकण्याची वेळ आली. त्या त्या ठिकाणी अडचण निर्माण झाली. त्यावेळी त्यांच्याशी वाटाघाटी करून त्यांना नोकरी देतो अशी हमी दिली. त्यानंतरच या शहराला पाणी पुरवठा सुरू झाला. आपण दिलेल्या हमी नंतर आपण ते सगळे कर्मचारी म्हणून घ्यायचे असे ठरले. तत्पूर्वी त्या कर्मचाऱ्यांना एम.जी.पी. मार्फत प्रशिक्षण द्यावे अशाप्रकारचा ठराव करण्यात आला होता. एम.जी.पी. ने प्रशिक्षण दिल्यानंतर एम.जी.पी. ने त्यांना स्टायपेंड सुद्धा दिलेले आहे. असे १८ कर्मचारी आपल्याला भरती करायचे होते. इतर ६ आदिवासी कर्मचारी त्यांना आपण ताबडतोब सेवेत घेतले कारण त्यावेळी आदिवासींचे मोठे आंदोलन उभे राहणार होते. श्री. विवेक पंडीत यांच्याशी आम्ही चर्चा केली की, आपण असे काही आंदोलन करू नका. या शहराचा जीवन मरणाचा प्रश्न आहे. पाणी पुरवठ्याचा प्रश्न आहे. त्यावेळी त्यांनी ते आंदोलन मागे घेतले. सहा आदिवासी कर्मचाऱ्यांना आपण ताबडतोब नोकरीत घेतले. परंतु, त्यांना परमनन्त केले नाही. आता या सर्वांचा प्रस्ताव आपण शासनाकडे पाठविला. शासनाने आपल्याला सक्षम आहे म्हणून त्यांना कर्मचारी म्हणून घेण्यास मान्यता दिलेली आहे. त्याप्रमाणे सन्मा. महापौरांना मी धन्यवाद देतो की, खरोखर आपण जे वचन दिले होते. आपण जरी दिले नसेल तरी आपल्या पूर्वीच्या पदाधिकाऱ्यांनी जे वचन दिले होते त्याला आपण जागलात आणि हा विषय पुढे आणला. नंतर तुम्ही वचन दिले. त्यानंतर गेल्या सभेमध्ये तुम्ही वचन दिले. तुमच्या लक्षामध्ये ही परिस्थिती आणली की, वस्तुस्थिती अशी आहे. तर अशापद्धतीने आपण विषय आणल्या बद्दल धन्यवाद आणि त्यांना आपण सामावून घ्यावे असा मी ठराव मांडतो.

**केशव घरत :-**

मा. महापौर मॅडम, गेल्या मा. महासभेत काजूपाड्याचे आदिवासी जे प्रकल्पग्रस्त म्हणून होते त्यांना शासनाकडून मंजूरी मिळाल्यानंतर मा. महासभेने त्यांना आपल्या सेवेत रुजू करून घ्यावे असे ठरलेले असतानासुद्धा आजतागायत त्या प्रकल्पग्रस्तांना सेवेत रुजू करून घेण्यात आलेले नाही. याचे कारण काय? हा प्रश्न जनता दरबारामध्ये मा. पालकमंत्री गणेशजी नाईक यांच्यासमोर मांडला होता आणि त्यावेळी आयुक्त साहेबांनी त्यांना तसे सांगितले होते की, त्यांना लवकरात लवकर सेवेत रुजू करण्यात येईल. परंतु त्यांना आजतागायत ते रोज तगादा लावतात की, साहेब, आम्हांला अजूनपर्यंत का घेतले जात नाही. त्याचे कारण काय? दुसरी गोष्ट, सन्मा. सदस्य प्रफुल्ल पाटील साहेबांनी सांगितले की, टेमघर पासून येणारी जी पाईप लाईन आहे आणि तसेच, घोडबंदरमधून एम.जी.पी. ची पाईप लाईन ज्यांच्या शेतातून गेलेली आहे. जे शेतीजमिन मालक आहेत. त्यांची सुद्धा ही अडचण आहे आणि त्याचा प्रत्यय सन्मा. प्रफुल्ल पाटील साहेबांना आलेला आहे. ज्यावेळेला दुसरी लाईन बी.एस.ई.एस. च्या मधून टाकण्यासाठी सन्मा. सदस्य नगराध्यक्ष असताना घोडबंदर गावातील रहिवाशांसमोर ठेवला होता. त्यावेळी त्याला ठाम विरोध झाला. त्याचे कारण हेच होते की ज्यावेळेला अगोदर जी पाईप लाईन टाकली गेली त्यावेळेला घोडबंदरच्या शेतकऱ्यांना त्याचा मोबदला किंवा एखाद्या व्यक्तीला महापालिका सेवेत रुजू करून घेण्यात येईल असे सुद्धा सांगितले गेले नव्हते. तर माझे असे म्हणणे आहे की, ह्या व्यतिरिक्त जे काही दोन-चार शेतकरी जे घोडबंदरचे आहेत त्यांच्या शेती-जमिनीमधून पाईप लाईन गेलेली आहे. त्यांना सुद्धा यासेवेत सामावून घेण्यात यावे असे मी विनंती करत आहे आणि जे सहा आदिवासी आहेत, कर्मचारी आहेत. त्यांना कधीपर्यंत रुजू करून घेण्यात येईल. याचा उल्लेख करावा.

**मा. महापौर :-**

प्रशासनाने याचा खुलासा करावा.

**रतन पाटील :-**

मॅडम, गोषवारा का देत नाही? कोणाकोणाची नावे आहेत? कोण कोण आहेत? हे का लपले जाते? ठराव पास केल्यानंतर दुसरी नाव घुसवली जातील. ही भिती वाटते का? यासाठी आपण गोषवारा देत नाही का? तुमच्याकडे असूनसुद्धा आपण आम्हाला का देत नाही? याच्या जोडीला का देत नाही? हे तसेच असते. वाचून आम्हाला द्या ना. ते कोण नेणार आहे? हे नेहमीचेच सगळे चालले आहे. ठराव पास करायचा आणि दुसरी नाव घुसवून टाकायची. ही पद्धत बदलून टाका.

(सन्मा. सभागृहनेते श्री. हॅरल बोर्जीस ह्यांनी प्रकरण क्र. ९३ च्या ठरावाचे सभागृहासमोर वाचन केले)

**प्रफुल्ल पाटील :-**

या ठरावाला माझे अनुमोदन आहे.

**चंद्रकांत मोदी :-**

मेरा अनुमोदन है।

**केशव घरत :-**

मा. महापौर मॅडम, आता जी नावे वाचली ही काजूपाडा किंवा काजूपाड्याच्या पुढील म्हणजे कासारवडवली, ओवळा ह्या विभागातील आहेत. आता ह्याच्यात उल्लेख आहे काजूपाडा ते घोडबंदर परिसरातील मग घोडबंदर परिसरातील नाव कुठे आहेत ते सांगा? त्याच्यात तुम्ही असा उल्लेख करा की, त्यांना सामावून घेण्यात येईल.

**मा. महापौर :-**

किती जण आहेत?

**केशव घरत :-**

चार ते पाच जण असतील. त्यांना ही सामावून घेण्यात येईल असा आपण उल्लेख करा ना.

**हॅरल बोर्जीस :-**

मॅडम, एकंदर २४ लोक होती. त्याच्यातील ६ जणांना आपण मागच्या सभेत घेतले आणि ही उरलेली उर्वरित १८ आहेत.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

एकूण २४ लोक होते असे सन्मा. सदस्य केशव घरत जे सांगतात. तर त्यांना मी स्पष्टीकरण करतो की, त्यांच्या गावातून पाईप लाईन प्रस्तावित केली होती. त्याच्यासाठी मी गावात ग्रामस्थांनी मिटींग घेतली होती व ग्रामस्थांची मिटींग घेतली होती व ग्रामस्थांनी त्याला विरोध केला. मी त्यांना सांगितले की आपण आम्हाला मोकळीक द्या. ही भाईदर शहराची पाईप लाईन आहे. तर आपल्याला सुद्धा पाणी येणार आहे आणि त्या बदल्यात आम्ही तुम्हाला प्रत्येक घरी एक माणूस घेतो. ज्याची जमिन जाईल त्याचा एक माणूस घेऊ. त्यांनी त्याला विरोध केला. दुदैवाने आपण ५० एम.एल.डी च्या आराखड्यामध्ये जेथून पाईप लाईन होती तेथून ती आम्हाला बदलावी लागली. तेही त्यांनी विरोध केला म्हणून आणि शेवटी आम्ही डायरेक्ट घोडबंदरच्या डोंगरावरून जे उतरलो ते बी.एस.ई.एस. चा रस्ता नाही, तो आपलाच रस्ता आहे. त्या बी.एस.ई.एस. च्या रस्त्यावरून आणून आम्ही कनकियामध्ये सरळ पाईप लाईन घातली. तिथे त्या लोकांच्या जमिनी गेल्या नाही किंवा तिथे त्यांनी पाईप लाईन टाकू दिली नाही. जेव्हा तेथून ती पाईप लाईन टाकली तेव्हा कोणीही आमच्याकडे आले नाही की, आमच्या जमिनी गेल्या आहेत. उलट, नवघर गावाकडे पाईप लाईन टाकली तेव्हा बरेचसे लोक आले. पण त्यांना आम्ही सांगितले की, नगरपालिका तुम्हांला इतर सुविधा देईलच. आम्ही रस्त्यातून पाईप लाईन टाकत आहोत आणि रस्त्याचे तुम्हाला एफ.एस.आय. मिळणार आहे. रस्त्यातून पाईप लाईन आणल्यामुळे याठिकाणी तिथल्या लोकांच्या जमिनी गेलेल्या नाही हे एवढेच खरे आहे.

**केशव घरत :-**

मा. महापौर मॅडम, सन्मा. सदस्य प्रफुल्ल पाटील साहेबांनी सांगितले की, घोडबंदर गावातील लोकांच्या जमिनी गेलेल्या नाही. परंतु, सध्या एम.जी.पी. ने जो रस्ता बनविलेला आहे. ती जागा महापालिकेने विकत घेतलेली आहे का? मला याचे उत्तर मिळेल का आणि ही जागा कोणाकडून संपादन केली याचे मला उत्तर मिळेल का?

**प्रफुल्ल पाटील :-**

जागा संपादन करण्याचा प्रश्न नाही. त्याठिकाणी रस्ता आहे. रस्त्यावरूनच पाईप लाईन आणलेली आहे.

**केशव घरत :-**

साहेब, रस्ता नाही.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

त्यांना नगरपालिकेने रस्ता दिलेला आहे.

**केशव घरत :-**

सन्मा. सदस्य प्रफुल्ल पाटील साहेब तो रस्ता नाही. तिथे पाईप लाईनची दुरुस्ती व्हावी. यासाठी तो रस्ता बनविलेला होता आणि बी.एस.ई.एस हे नंतर झालेले आहे.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

सन्मा. सदस्य केशव घरत साहेब, मला तुमच्या गावातील लोकांना नोकऱ्या मिळाल्या तर मला काही दुःख होणार नाही. परंतु, जी सत्य परिस्थिती आहे.

**केशव घरत :-**

पाईप लाईन कोणाच्या जागेतून गेली हे तुम्ही सांगा ना.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

बी.एस.ई.एस. ला जो रिसीव स्टेशनचा रस्ता दिलेला आहे. त्या रस्त्यावरून पाईप लाईन गेलेली आहे.

**केशव घरत :-**

नाही, तो रस्ता नाही. बी.एस.ई.एस. चा रिसीव स्टेशन नंतर झालेले आहे. मा. उपमहापौर साहेब वर डायसवर बसलेले आहेत. त्यांना विचारा.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

बी.एस.ई.एस. चे रिसीव स्टेशन झाल्यानंतर पाईप लाईन गेलेली आहे.

**केशव घरत :-**

अगोदर पाईप लाईन टाकली व तो रस्ता बनविला आणि मग त्यांनी अॅप्रुव्हल करून तो रस्ता वापरलेला आहे.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

तो रस्ता, त्यावेळी वॉटर सप्लाय डिपार्टमेंट होते. महाराष्ट्र एम.डब्ल्यू.एस.एस.बी. चे आणि त्यांनी तो रस्ता तयार केलेला होता. त्या रस्त्यावर बी.एस.ई.एस. चे रिसीव स्टेशन झाले. त्याच रस्त्यावरून आम्ही पाईप लाईन आणली ह्यांनी विरोध केला नाहीतर ह्यांच्या जमिनीमधून ती पाईप लाईन जात होती ती घोडबंदरच्या पहिल्या उघाडीवर पण त्यांनी विरोध केल्यामुळे दुदैवाने आम्हाला ती पाईप लाईन डायव्हर्ट करायला लागली आणि जेव्हा पाईप लाईन टाकली तेव्हा संपूर्ण कनकियापर्यंत रस्ता झालेला होता. कनकियाच्या डी.पी.रोडपासून आपण ती समुद्राच्या खाडीपर्यंत आणली आणि खाडीच्या रस्त्यावरून नवघर गावाकडे आणली.

**केशव घरत :-**

सन्मा. सदस्य प्रफुल्ल पाटील साहेब माझे म्हणणे असे आहे की, अगोदर जी ५० दशलक्ष लिटरची पाईप लाईन टाकलेली आहे. ती कोणाच्या जागेतून टाकलेली आहे?

**प्रफुल्ल पाटील :-**

पाईप लाईन ही रस्त्यावरून टाकलेली आहे. रस्ता हा महाराष्ट्र राज्य सप्लाय डिपार्टमेंटने बनविलेला आहे.

**केशव घरत :-**

साहेब, हा रस्ता एम.जी.पी ने पाईप लाईन दुरुस्तीसाठी बनविलेला आहे. कारण बी.एस.ई.एस. चे रिसीव स्टेशन हे नंतर झालेले आहे.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

पुर्वीची पाईप लाईन सुद्धा.....

**केशव घरत :-**

ते नंतर झालेले आहे. त्याचा वापर त्यांनी केलेला आहे.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

पुर्वीची पाईप लाईन आहे. पुर्वी आपल्याला जे ३१ एम.एल.डी पाणी येत होते ती पाईप लाईन त्याच रस्त्यावरून आहे. ज्या रस्त्यावरून आहे. ज्या रस्त्यावरून पुर्वीची जी ३१ एम.एल.डी ची पाईप लाईन आहे त्याच रस्त्यावरून आपण आलेलो आहोत. त्याच्यासाठी आम्ही नविन रस्ता काढलेला नाही. ह्यांच्या जमिनीतून होते पण ह्यांनी विरोध केल्यामुळे ती पाईप लाईन आपण डायव्हर्ट केली.

**केशव घरत :-**

ज्या पाईप लाईन आपण जे सांगत आहात. ते बी.एस.ई.एस. च्या मधून घेऊन जाणार होते आणि तिथे विरोध झाल्यामुळे आपण कनकियाच्या रोडने नेली. परंतु, आता जी प्रस्तावित लाईन आहे ती कुठून आहे? ती लाईन कोणाच्या तरी शेतातूनच गेलेली आहे ना, का ऑलरेडी ती जागा अशीच पडून होती.

**मोहन पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, हे स्थायी समितीपासून आजपर्यंत ह्यांची चोवीसच (२४) नाव आहेत. खरोखर त्याच्यावर अन्याय झाला आहे असे वाटत असेल तर प्रशासनाने खात्री करावी. आणि पुन्हा हा विषय घेऊन यावा.

**केशव घरत :-**

साहेब, तुम्हाला उतारे मिळतील ना.

**मोहन पाटील :-**

या विषयामध्ये तुम्हाला नाव घेता येणार नाही. कारण ही पूर्वीची २४ नाव आज आलेली आहेत. या कामासाठी मा. आयुक्त साहेब आपल्याला "दादा" नी बोलवले. त्यांना एकत्र केले. त्यांची मिटींग बोलावली व त्या मिटींगमध्ये त्यांचा प्रस्ताव घ्यायला लावला तेव्हा हा प्रस्ताव येथे आला. नाहीतर ती ६ लोक होती आणि ६ लोकांना एम.जी.पी ने चुकीची माहिती वर घेतले होते आणि ६ लोकांना एम.जी.पी ने कॉन्ट्रक्ट बेसीसवर घेतले होते आणि खरं म्हणजे एम.जी.पी. ने चुकीची माहिती दिली म्हणून आज त्यांच्यावर अन्याय झाला आणि आज मा. पालकमंत्री श्री.गणेश नाईक (दादा) यांनी मनावर घेतले म्हणून पुन्हा विषय येथे घेतला. मिटींग लावली. ते स्वतः फाईल घेउन आले, माहिती दिली आणि आपण पुन्हा तो विषय घेतला. आजपर्यंत २४ लोकांचा विषय होता. २४ लोकांचा विषय कम्प्लीट होउन जाईल आणि खरोखर त्यांची जागा गेली. असेल व त्यांच्यावर अन्याय होत असेल तर तो होता कामा नये. प्रशासनाने खात्री करुन घ्यावी. आणि पुन्हा विषय आणून त्याप्रमाणे करावे.

**केशव घरत :-**

साहेब, तुम्हाला त्याचे उतारे मिळतील ना. पाईप लाईन गेलेली आहे त्याचे उतारे मिळतील ना. त्या लोकांनाच घ्या ना.

**मोहन पाटील :-**

आपण बरोबर बोलता ना. प्रशासनाने खात्री करुन पुन्हा तो विषय घ्यावा ना.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य केशव घरत साहेब, आपण ज्यांचा उल्लेख करत आहात. त्यांचे प्रस्ताव महापालिकेला सादर करा. त्यांच्यावर विचार केला जाईल. ठराव सर्वानुमते मंजूर सचिवजी पुढील विषयाला सुरुवात करा.

**रोहिदास पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, आम्ही तुमचे अभिनंदन करतो तेही आपण घेत नाही.

**केशव घरत :-**

मा. महापौर मॅडम, त्या ६ कर्मचाऱ्यांना कधीपासून रुजू केले जाईल. साधारण किती महिने लागतील?

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य केशव घरत यांनी विचारलेल्या प्रश्नाचा प्रशासनाने खुलासा करावा.

**बालाजी खतगांवकार (मा. उपायुक्त (मुख्यालय) सा.) :-**

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने व सन्मा. आयुक्त साहेबांनी निर्देश दिल्याप्रमाणे मी सभागृहाला या विषयाच्या अनुषंगाने माहिती देवू इच्छितो की, सदर प्रस्ताव या सभागृहामध्ये नव्याने नाही. यापूर्वी सुद्धा नगरपालिका असताना तदनंतर महापालिका झाल्यानंतर सुद्धा हा प्रस्ताव आलेला आहे आणि वेळोवेळी याला मान्यता दिलेली आहे. त्यामध्ये ७ कर्मचारी आपल्याकडे जे रोजंदारीवर होते त्याबाबत आणि १८ कर्मचारी जे एम.जी.पी. कडे ठेका पद्धतीने होते त्याबाबत मान्यता दिलेली होती. तसा प्रस्ताव प्रशासनाने मा. शासनाकडे सादर केला होता. पण शासनाने याच्यात अंतिम निर्णय न घेता. जिल्हाधिकाऱ्यांची मंजूरी घेउन ६० दिवसांच्या मुदतीने त्यांना नेमण्यात यावे अशा सुचना मा. तत्कालिन संचालकांनी दिल्या होत्या. त्याप्रमाणे आपल्याकडे ७ कर्मचारी जे आपल्याकडे होते. त्यांना रोजंदारीवर घेतले होते. मध्यंतरी महापालिका झाल्यानंतर त्या अनुषंगाने लेखापरिक्षकांचा आक्षेप आल्यानंतर ते ७ कर्मचारी आपण कमी केले होते. सन २००३ मध्ये महापालिकेने त्यांना पुर्नश्च कामावर घेण्याबाबतचा ठराव केला. तत्कालीन मा. आयुक्तांनी हा फेर प्रस्ताव मा. शासनाकडे सादर केला होता. सध्याच्या मा. आयुक्तांनी सुद्धा हा फेर प्रस्ताव सादर केला होता तरी शासनाने ह्याच्यामध्ये प्रचलित शासन आदेश विचारात घेउन यांच्या नेमणुकीची कार्यवाही करावी असे निर्देश दिलेले आहेत, या प्रस्तावाला अंतिम मान्यता न देता. त्यामध्ये मुख्य कारण म्हणजे मा. सर्वोच्च न्यायालयाचे निर्देश आहेत की, कोणत्याही प्रशासनाने सुमोठे म्हणजे प्रचलित नियम न वापरता जी भरती केली जाते. ते करण्यात येउन नये. असे जे मा. सर्वोच्च न्यायालयाचे जे निर्देश आहेत. त्याला बाधा येत असल्यामुळे अशी भरती करायला प्रशासनाला अडचण आहे ही वस्तुस्थिती आहे. या उपर आज झालेला आपला मा. महासभेचा एक मताचा ठराव आम्ही शासनाकडे विशेष बाब म्हणून सादर करु आणि त्यांच्या मान्यतेचे पुढील कार्यवाही करण्यात येईल.

**केशव घरत :-**

आयुक्त साहेब, अगोदर जी मा. महासभेने मंजूरी व अगोदर मंत्रालयातून त्यांचा जो ठराव मंजूर होउन आला होता. मा. महासभेने त्याला मंजूरी दिली होती की, त्यांना सेवेत घ्यावे. मग आता हे परत शासनाला ठराव पाठविण्याचा प्रश्न येत नाही.

**लिओ कोलासो:-**

चतुर्थ श्रेणीचे कर्मचारी घेण्याकरिता शासनाकडे प्रस्ताव पाठवू नये. अशाप्रकारचा आदेश आलेला आहे.



**केशव घरत :-**

परत शासनाला प्रस्ताव पाठविण्याचे कारण काय?

**लिओ कोलासो:-**

मा. महापौर साहेब, याबद्दल आमचे असे म्हणणे आहे की, आम्हाला जी माहिती आलेली आहे की, आपण क्लास ४ च्या लोकांचे प्रस्ताव शासनाकडे पाठविलेले होते त्याबद्दल शासनाने डायरेक्टर्स दिलेले आहेत की, याबद्दलचे नियम, अपॉईंटमेंट अर्हता वगैरे सर्व स्वयंस्पष्ट आहे आणि याबाबतीत महापालिका ही सक्षम प्राधिकरण आहे तर त्यामुळे आपण पुन्हा पुन्हा कशासाठी घोळ करतो हे काय कळत नाही? आम्हाला याच्यावर खुलासा पाहिजे.

**मा. आयुक्त :-**

सभागृहामध्ये ज्या विषयावर चर्चा चालू आहे. त्यासंदर्भामध्ये मी आपल्याला माहिती देवू इच्छितो, यापुर्वीचा प्रस्ताव जो या २४ कर्मचाऱ्यांचा पाठविलेला होता. त्याबाबतीमध्ये आता उपायुक्त (मुख्यालय) यांनी आपल्याला माहिती दिलेली आहे आणि शासनाने आपल्याला याबाबतीमध्ये जे काही निर्देश दिलेले आहेत ते निर्देश मी आपल्याला वाचून दाखवतो.

(मा. आयुक्त साहेबांनी सदर पत्राचे सभागृहासमोर वाचन केले.)

अशाप्रकारे शासनाकडून आपल्याला निर्देश दिलेले आहेत.

**लिओ कोलासो :-**

साहेब, शासनाचे प्रचलित आदेश कोणते? हे पत्र कालचे आहे आणि यासंबंधी आणखिन प्रचलित आदेश कोणते आहेत?

**मा. आयुक्त :-**

उपायुक्त (मुख्यालय) यांनी सांगितले त्याप्रमाणे सर्वोच्च न्यायालयाने याबाबतीमध्ये एक वेगळे निर्देश दिलेले आहेत.

**लिओ कोलासो :-**

जर निर्देश दिलेले असतील तर आम्हाला सांगा हा घोळ ठेऊ नका. सांगा काय आहे? ते या नियमाखाली यांना भरती करणे शक्य होणार नाही असे स्पष्टपणे सांगा.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

साहेब, आता याठिकाणी फक्त कार्यवाही प्रोसिजर बाकी राहिलेली आहे. तुम्हाला मा. महासभेची मंजूरी पाहिजे तर तुम्हाला आम्ही मा. महासभेची मंजूरी दिली. सर्वोच्च न्यायालयाचे जे काही आदेश असतील त्या आदेशाप्रमाणे आपल्याला जर काय अडचण येत होती तर आपण फक्त मान्यता देता. याठिकाणी मंजूरी देतो. आपण शासनाची मान्यता घ्या ना. शासनाची अंतिम मान्यतेला मंजूरी घ्या.

**मा. आयुक्त :-**

मी मघाशी तेच सांगितले.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

म्हणूनच म्हणतो की, आता तर प्रोसीजनमध्ये फक्त बाकी आहे. कायद्याची अडचण नाही. फक्त प्रोसीजर बाकी आहे.

**मा. आयुक्त :-**

होय, प्रोसीजर बाकी आहे.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

आम्ही तेच म्हणत आहोत की, आपण प्रोसीजर पूर्ण करावी.

**मा. आयुक्त :-**

उपायुक्त मुख्यालयांनी तेच सांगितले.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

आता एवढे दिवस ते बिचारे रखडलेत आणि मा. महापौरांच्या आशिर्वादाने आज तेही झाले तर तेवढे थांबायला आम्ही तयार आहोत ना.

**रोहिदास पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, उशिरा का होईना पण तुम्ही खरोखरच गेल्या मा. महासभेमध्ये अत्यंत पोटतिडकीने विषय मांडल्यानंतर आपण २४ पैकी ६ घेतले....

**केशव घरत :-**

सन्मा. सदस्य एक मिनिट साहेब, मला उत्तर मिळाले नाही की, किती कालावधी लागेल? ते पुढचे प्रोसिजर पूर्ण करण्याकरिता साधारणतः किती कालावधी लागेल.

**मा. आयुक्त :-**

आता सन्मा. सदस्यांनी सांगितले त्याप्रमाणे आपण हा जो विशेष ठराव करत आहोत. तो शासनाकडे पाठविणे आवश्यक आहे आणि त्यादृष्टीने आपण त्यांच्याकडून मान्यता घेऊ.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

आपण त्यांना नेमणुकी देत आहोत....

**केशव घरत :-**

महापालिका कार्यक्षम आहे मग परत शासनाकडे प्रस्ताव का पाठवायचा?

**प्रफुल्ल पाटील :-**

आपला ठराव झाल्यानंतर आपण त्यांना असे नेमणुकीचे आदेश द्यावेत. जसे शासनाच्या सेवाशर्ती नियमाच्या बाबतीत केले. तसेच, आपण त्यांना शासनाच्या मंजूरीच्या अधिन राहून त्यांना नेमणूक पत्र द्यावे.

**मा. आयुक्त :-**

असे देता येणार नाही.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

आपण इतरांना दिले आहे ना.

**मा. आयुक्त :-**

सर्वोच्च न्यायालयाचे निर्देश आहेत त्या निर्देशाप्रमाणे आपल्याला अशाप्रकारचे आदेश देता येणार नाही.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

ठिक आहे. आता आम्हाला सर्वोच्च न्यायालयाचे निर्णय बघावे लागतील. कारण ते सभागृहामध्ये आलेले नाही.

**मा. आयुक्त :-**

मी आपल्याला ते निर्देश दाखवतो ना.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

आम्ही वैयक्तिक भेटून तुमच्याशी चर्चा करू. परंतु, मला असे वाटते की, शासनाच्या मंजूरीच्या अधिन राहून आपण त्यांना नेमणूक पत्र द्यायला काय हरकत नाही.

**मा. आयुक्त :-**

सर्वोच्च न्यायालयाने त्यांना जे आदेश दिलेले आहेत ते सुद्धा आपल्याकडे आहे. आपल्याला वाचायला पाहिजे तर देतो.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

ठिक आहे. ते खरं असेल. मला त्याबद्दल काही वाद नाही. आता या सर्वोच्च न्यायालयाच्या आदेशाची माहिती शासनाला सुद्धा असेल. शासनाकडे सुद्धा ही माहिती आहे. शासनाने याच्यातून मार्ग काढलेला आहे.

**मा. आयुक्त :-**

हे निर्देश शासनानेच आपल्याला पाठविलेले आहेत. सर्वोच्च न्यायालयाचा जो आदेश आहे ना तो शासनानेच आपल्याला पाठविलेला आहे.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

म्हणून आपण त्याप्रमाणे पुढची कार्यवाही करावी व त्यांना नेमणूक पत्र द्यायला हरकत नाही. मंजूरीच्या अधिन राहून द्या ना. कारण ते सुद्धा ६ कर्मचारी आदिवासी लोक आपण घेतली व पुन्हा सहा महिन्यांनी काढले. पुन्हा दोन वर्षे ठेवले. तर असे अन्याय करणे हे चुकीचे आहे ना आणि त्यांना ज्यावेळी आपल्याला सहकार्य केले. जिल्हाधिकाऱ्यांची तिच भूमिका होती. प्रकल्पग्रस्त या व्याख्येत ते मोडत नाही. नाहीतर एव्हाना आपले काम कधीच झाले असते. जे प्रकल्पग्रस्त म्हणता येत नाही. परंतु, आपला प्रकल्प पूर्ण करण्यासाठी त्यांनी आपल्याला मदत दिली. तर आपण मदतग्रस्त आहोत म्हणून आपण मदतग्रस्त आहोत म्हणून आपण त्यांना सहकार्य करायला पाहिजे असा तो विषय आहे.

**केशव घरत :-**

साहेब, आपला सर्वोच्च न्यायालयाचा आदेश कधीचा आहे? म्हणजे आज त्याला किती महिने झालेले आहे? मग आपण मा. महासभेची परवानगी घ्यायलाच नको होती की, त्यांना रुजू करून घेण्यासाठी.

**संजय गोखले :-**

२५ ऑगस्ट, २००५.

**केशव घरत :-**

साहेब हे पाहिल्यांदा तुम्हाला सगळं माहिती तर असेल मग तुम्ही फक्त मा. महासभेचा ठराव झाल्यानंतर त्यांना महापालिकेच्या सेवेत रुजू करण्यात येईल असे सांगितले होते. मग तुम्हाला हे अगोदर माहिती नव्हते का?

**प्रफुल्ल पाटील :-**

२५ ऑगस्ट, २००५ चा जर सर्वोच्च न्यायालयाचा आदेश असेल तर एक तुम्हाला तर माहिती आहे की, हे प्रकरण पूर्वी झालेले आहे. तुम्हाला तर माहिती आहे की, हे प्रकरण पूर्वी झालेले आहे. मुल पूर्वी जन्माला आलेले आहे आदेश नंतर निघालेला आहे. साहेब, तुम्हाला सगळ्या गोष्टी माहिती आहेत. टेक्निकली

आपण कसे करायला पाहिजे. सन २००५ ला जर सर्वोच्च न्यायालयाचा आदेश आलेला आहे आणि नेमणूका आपल्या अगोदरच्या आहेत तर त्यांना मंजुरी आपण देऊ शकता द्यायला काय हरकत नाही.

**केशव घरत :-**

तरी साधारणतः किली अवधी लागेल? साहेब, माझा असा प्रश्न आहे की, त्यांना महापालिकेच्या सेवेतून का कमी करण्यात आले होते? ते आपल्याकडे रोजंदारीवर कामावर होते. कारण काय?

**मा. आयुक्त :-**

जेव्हा नगरपालिका असताना शासनाने जे काही निर्देश दिलेले होते. रोजंदारीवर त्यांना कामावर घेतले तेव्हा रोजनदारीवर कामावर घेऊ नये अशाप्रकारचे शासनाचे आदेश असतानासुद्धा त्यांना कामावर घेतले होते म्हणून त्यांना कमी करण्यात आले होते.

**प्रकाश दुबोले :-**

साहेब, माझ्या माहितीप्रमाणे रोजंदारीकरिता शासनाचे असे आदेश असताना १९९२ साली नगरपालिकेचे रोजंदारीवर जे कर्मचारी होते. जवळ - जवळ ५३८ कामगार कायम झाले. तर १९९३ साली शासनाचा आदेश होता की, रोजंदारीवर कर्मचारी घेऊ नये. त्यानंतर सुद्धा आपण रोजंदारीवर कर्मचारी घेतले व त्यांना कायम केले व त्यांना मागील फरक पण दिला. तसा स्थायी समितीला आपण ठराव केला. मग ते रोजनदारी म्हणून एका व्यक्तीला एक न्याय आणि दुसऱ्या व्यक्तीला वेगळा असे प्रशासनात का? एका व्यक्ती कोणीतरी महिला, ती रोजनदारीमध्ये कलेक्टरकडे काम करत होती. आपल्या आस्थापनेवर नाही. फक्त कलेक्टरनी सांगितले की, त्यांना तुमच्या आस्थापनेवर घ्या. तेव्हा रोजनदारी ही आपली झाली व तिला महापालिकेत कायम केली आणि मागच्या.....

**केशव घरत :-**

तिला कायम स्वरूपी कसे केले?

**प्रकाश दुबोले :-**

आणि तिला मागच्या तारखेपासून घ्यायचे असे स्थायी समितीमध्ये ठराव झाला आणि यांनी पाण्याच्या पाईपलाईनसाठी जागा दिली. हे आदिवासी आपल्याकडे रोजनदारीवर काम करत होते आणि शासनाचा निर्णय आहे म्हणून आपण त्यांना कमी करतो.

**केशव घरत :-**

मग त्या बाईला परमनन्ट कसे काय केले?

**बालाजी खतगांवकर (मा. उपायुक्त (मु.) सो.) :-**

मा. महापौर आणि मा. आयुक्त साहेबांच्या परवानगीने बोलतो की आपण जो मुद्दा मांडला रोजंदारी नसता त्या अस्थायी स्वरूपात होत्या. रोजंदारीमध्ये सुद्धा दोन प्रकार आहेत. एक डेली वेजेस आणि फिक्स रेट म्हणजेच त्या डेली वेजेस पुढच्या स्टेजमध्ये होत्या जसे ५३८ कर्मचारी आपल्याकडे होते त्या कॅटेगरी मधले होते पण त्यांचे त्या ५३८ कर्मचारीमध्ये नाव समाविष्ट न होता ते आपल्या स्तरावरच राहिले होते. अस्थायी स्वरूपात राहिले होते. म्हणूनच ते १२ वर्षे कंटीन्यु आपल्याकडे आस्थापनेवर कार्यरत होते. म्हणून त्यांना स्थायी समितीच्या मान्यतेने घेतले आहे. नव्याने आपण त्यांना घेतलेले नाही आणि हे करण्यामागे सुद्धा प्रशासनाची निगेटीव्ह भूमिका नाही. पण मध्यंतरीच्या काळात जे मा. सर्वोच्च न्यायालयाचे निर्णय झालेले आहे. त्याला कुठलीही बाधा न येता आपल्याला कोणालाही असा निर्णय करता येत नाही. मा. महासभेचा हा निर्णय विशेष बाब म्हणून शासनाकडून मान्यता करून घेऊन आपल्याला ही कार्यवाही करावी लागणार आहे.

**रतन पाटील :-**

त्या कोर्टात गेल्या होत्या ना.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

सर्वोच्च न्यायालयाचा निर्णय यायच्या अगोदर या नेमणूका झाल्या असे आपण कुठेतरी म्हटले पाहिजे.

**बालाजी खतगांवकर (मा. उपायुक्त (मु.) सो.) :-**

साहेब, तसे नाही ना. जर तसा रेकॉर्ड असता तर त्याप्रमाणे निर्णय आला असता.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

त्या सहा कर्मचाऱ्यांचा रेकॉर्ड आहे.

**बालाजी खतगांवकर (मा. उपायुक्त (मु.) सो.) :-**

हे १८ कर्मचारी ठेक्यावर एम्. जी. पी. कडे होते.

**प्रकाश दुबोले :-**

नाही, ते सहा कर्मचारी....

**प्रफुल्ल पाटील :-**

ते एम्. जी. पी. कडे प्रशिक्षणासाठी होते.

**रोहिदास पाटील :-**

एकाच वेळी त्यांना घेतले होते. ते वेगळे होते. त्यांना तिथे काम दिले होते व यांना इथे काम दिले होते. पण अंडरस्टॅंडिंग एकच होते. एक गोष्ट खरी आहे की, या २४ लोकांना कामावर घ्यायचे आहे.

**बालाजी खतगांवकर (मा. उपायुक्त (मु.) सो.) :-**

ही सर्व परिस्थिती आणि सर्वांच्या फॅमिलीने आपल्याला पाणी पुरवठ्यामध्ये कशी मदत केली. हा सर्व इतिवृत्तांत घेउन शासनाच्या निदर्शनास आणून त्यांच्या मान्यतेने आपल्याला न्याय देता येईल.

**प्रकाश दुबोले :-**

आपण २५ ऑगस्ट, २००५ नंतर त्यांच्याबाबत निर्णय घेतलेला आहे.

**रिटा शाह :-**

५३८ जे कर्मचारी आहेत ते अस्थायी आहेत का, स्थायी आहेत?

**बालाजी खतगांवकर (मा. उपायुक्त (मु.) सो.) :-**

पुर्वी ते अस्थायी होते आता शासन मान्यतेने स्थायी झालेले आहेत.

**रिटा शाह :-**

आपण त्या ६ लोकांना परमनन्त केले व बाकी १२ लोक राहिली त्यांना तोच नियम का लागू पडत नाही. त्यांच्यासाठी वेगळा नियम का लागू पडतो? त्या सर्वांना एक नियम लागू पडणार आहे की वेगवेगळा नियम लागू पडणार आहे?

**प्रकाश दुबोले :-**

साहेब, जे ६ कामगार होते ते रोजंदारीवर आपल्याकडे होते ते एम्. जी. पी. कडे नव्हते.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील आपण बोला.

**रोहिदास पाटील :-**

मा. महापौरांचे अभिनंदन करतो. मा. उपमहापौरांचे अभिनंदन करतो. मा. आयुक्तांचे ही अभिनंदन करतो की, महापालिकेच्या कामकाजामध्ये पाणी पुरवठ्यामध्ये ज्या शेतकऱ्यांनी जमिनी दिल्या होत्या. त्या जमिनीच्या मालकांच्या मुलांना या सेवेमध्ये समाविष्ट करून घ्यावे म्हणून ज्यावेळी आम्ही आग्रहाने सांगत होतो की, २४ चे २४ घ्या पण संबंधितांना ६ लोकांचा ठराव करून मतदानाची पाळी आणली होती. आम्ही अत्यंत प्रेमाने पोटतिडकीने सांगत होतो. तरीसुद्धा मतदान झाले होते. ही दुर्दैवी बाब होती. पण नंतर मा. महापौरांची समजूत पटवून दिली. आयुक्तांनीही शब्द खर्च केला. मा. उपमहापौरांनी शब्द खर्च केला आणि आजच्या या मा. महासभेत विषय घेतला. अत्यंत सन्मानाने त्याच्यावर तोडगा निघाला. मी अपेक्षा करतो की, शासनाकडे प्रस्ताव पाठवायचा आहे त्याची तुम्ही प्रक्रिया सुरू ठेवा. अशी काय अडचण आली की, २४ च्या लोकांचे तुम्ही अॅफिडेव्हिट घ्या. टेकनिकल अडचण येत असेल तर गोष्ट वेगळी आहे. पण, आधीपासून होती म्हणून घेतलेली आहेत आणि त्यांना रोजीरोटी द्यावी त्यांना कामावर घ्यावे असे माझे मत आहे. पुन्हा एकदा या इकडच्या भुमिपुत्रांची आपण कदर करावी आणि.....

**प्रफुल्ल पाटील :-**

पुढे गरज लागणार आहे.

**रोहिदास पाटील :-**

पुढे गरज लागणार आहे म्हणूनच मी सांगत आहे. कुठेही वातावरण न बिघडता त्या लोकांना कामामध्ये समाविष्ट करा पुन्हा एकदा मा. महापौरांना मा. उपमहापौरांना आणि मा. आयुक्तांना मी धन्यवाद देतो. त्याचबरोबर या सभागृहाच्या सर्व सदस्यांना ही धन्यवाद देतो. कारण कधी चुकीच्या माहितीत किंवा सत्तेच्या मस्तीत निर्णय घेतो.

**प्रकरण क्रं. ९३ :-**

काजुपाडा ते घोडबंदर येथे ५० एम.एल.डी. वाढीव पाणीपुरवठा पाईप लाईन टाकणे कामी जागा दिलेल्या उर्वरित प्रकल्पग्रस्तांना महानगरपालिकेच्या आस्थापनेवर कायमस्वरूपी नेमणूक देणे बाबत.

**ठराव क्र. ७० :-**

मिरा भाईंदर शहराकरिता ४०.०० एम. एल. डी. वाढीव पाणीपुरवठा करीता १३५०.०० मी. मी. व्यासाची जलवाहीनी टाकण्याकरिता सदर भागातील शेतकऱ्यांनी जागा उपलब्ध करून दिली होती. सदर शेतकऱ्यांच्या मुलांना नगरपालिका वेळेत सामावून घेण्याकरिता मा. स्थायी समिती सभा दि. १६/१०/२००० ठराव क्र. २२९ अन्वये मंजूरी दिलेली आहे. तदनंतर मा. महासभा दि. १९/०६/२००३ ठराव क्र. १६ अन्वये सदर कर्मचाऱ्यांना सेवेत सामावून घेण्याकरिता आवश्यक तो प्रस्ताव शासनाकडे पाठविण्यास मान्यता दिली. शासनाकडील क्रमांक मिभापा-२००४/४६९/प्र.क्र. १४०/०४/नवि-२८ दि. २६/०६/२००६ च्या पत्रान्वये सदर नेमणुकीस महानगरपालिका सक्षम असून पत्रात नमुद केल्यानुसार कार्यवाही करण्याबाबत कळविलेले आहे. सदर कर्मचाऱ्यांचा तपशिल खालीलप्रमाणे आहे.

| अ.क्र. | नाव                   |
|--------|-----------------------|
| १.     | श्रीधर अनंत म्हात्रे  |
| २.     | विनोद दशरथ म्हात्रे   |
| ३.     | परशुराम नरेश म्हात्रे |

|     |                         |
|-----|-------------------------|
| ४.  | गुलाब गजानन पाटील       |
| ५.  | जगदीश दिगंबर म्हात्रे   |
| ६.  | जयहिंद बाबुराव म्हात्रे |
| ७.  | हनुमान शासिक पाटील      |
| ८.  | नामदेव शांताराम पाटील   |
| ९.  | राजाराम मोतीराम पाटील   |
| १०. | जयप्रकाश नारायण पाटील   |
| ११. | राजकुमार केशव पाटील     |
| १२. | आकाश जयहिंद पाटील       |
| १३. | नरेश मोतीराम पाटील      |
| १४. | राजेश शांताराम पाटील    |
| १५. | रमेश नारायण पाटील       |
| १६. | विलास रामचंद्र वारंग    |
| १७. | एडवर्ड अँथोनी फिलीप्स   |
| १८. | किशोर मदन पाटील         |

वरील कर्मचाऱ्यांना महानगरपालिकेच्या आस्थापनेवर "सफाई कामगार" या संवर्गातील पदे रीक्त असल्याने सदर पदावर नेमणुकीस मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम ५३ (१) नुसार एक खास व अपवादात्मक बाब म्हणून ही महासभा मंजूरी देत आहे.

सुचक :- श्री. हॅरल बोर्जीस.

अनुमोदन :- श्री. प्रफुल्ल पाटील.

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईदर महानगरपालिका

मा. महापौर :-

सचिवांनी पुढचा विषय घ्यावा.

(नगरसचिवांनी प्रकरण क्रं ९४ चे वाचन केले.)

मिलन म्हात्रे :-

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलत आहे की, प्रकरण क्रं. ९४ मध्ये वाटरस्ता, धनकचरा , संकलन, वर्गीकरण, वाहतुक व्यवस्थापन जवळ जवळ याप्रस्तावामध्ये सारखे सारखे सर्वोच्च न्यायालयाचा आपण उल्लेख केलेला आहे हा प्रस्ताव, गोषवारा वाचल्यावर तर असे वाटते की, आपण हे आता पहिल्यांदाच सुरु करत आहोत करण मा. श्री. शिवमुर्ती नाईक असल्यापासुन त्यावेळेला आपण ज्या घंटा गाड्या वैगरे विकत घेतल्या. श्री. संपतराव शिंदे यांनी गाड्या विकत घेतल्या व ते निघून गेले आणि त्या घंटा गाड्यांना नाव जरी घंटा गाडी असली तरी आज मितीस आपण एक वेबसाईड आणि सी. डी या घनकचरा व्यवस्थापनेची तयार केलेली आहे . त्यामध्ये अजिज शेख, मा. उपआयुक्त साहेब यांचे लोकांना एक निवेदन आहे. घंटागाडी दाखविली आहे आणि त्या घंटा गाडीला घंटा नाही. त्या गाड्या सगळ्या उघड्या आहेत. म्हणजे त्याच्यावर किंथन नाही. शेजारची नालासोपाराची नगरपरिषद आहे त्याच्या गाड्या जावुन बघा. अगदी उत्कृष्ट पॅक आहे. हाफ गाड्या व्यवस्थित पॅक केलेल्या आहेत. आज मला सांगा याच्यामध्ये असे काही दाखवत आहे की, आपण काही नविन करायला चाललो आहोत. आता तीन आयुक्त बदलले. श्री. शिवमुर्ती नाईक साहेब गेले. श्री. आर. डी शिंदे साहेब गेले व आता श्री. सुदामराव गायकवाड साहेब आले पण गाड्या काही बदललेल्या नाहीत. आता याच सभागृहातल्या काँग्रेस पक्षाने मोर्चे काढले. डम्पींग पडले आहे. कचरा पडला आहे. अमुक पडले आहे.

मा. महापौर :-

सन्मा. सदस्य आपल्या या विषयावर ज्या सुचना नोंदवायच्या आहेत त्या थोडक्यात नोंदवा.

मिलन म्हात्रे :-

मी याच विषयावर बोलत आहे आणि आपल्याला हे ऐकावे लागेल. शहरभर रस्त्यावर कचऱ्याचे ढिगारे पडलेले असताना. या प्रस्तावामध्ये आपण लिहिले आहे की, सगळ व्यवस्थित चाललेले आहे खरं काय आणि खोट काय हे मा. उपमहापौर श्री. चंद्रकांत वैती साहेबांनी सांगावे ना. आपण हे जे सगळं म्हणतोय आणि तुम्ही जे ५ वर्षांचे बोलत आहात त्या गाड्यांचे ठिकाण नाही. वर्षाला कोणत्या गाड्या कॉन्ट्रक्टरला घ्यायच्या आहेत हे तुमच्या टर्म आणि कंडशिन नुसार तुम्ही घांना. ज्याला जमत असेल तो ठेका घेईल . कशासाठी ५ वर्ष? सुप्रीम कोर्टाच्या कुठल्याही आदेशामध्ये असे म्हटलेले नाही की, ५ वर्षाकरिता तुम्ही गाड्या हायर करा किंवा

तीस वर्षोकरिता करा किंवा एक वर्षोकरिता करा. असे कुठेही म्हटलेले नाही. सारखे सारखे दहा वेळा सुप्रीम कोर्ट - सुप्रीम कोर्ट म्हणत आहात. पण आजच्या परिस्थितीला जे कॉन्ट्रक्टर काम करत आहेत तुम्ही त्यांच्याशी तर सॉटिसफाय आहात का? डम्पींगबद्दल तुमची भानगडी. रस्त्यावर कचरा पडला आहे त्याच्याबद्दल भानगडी. कचरा कुठे टाकायचा त्याबाबत आपल्याकडे अजुनपर्यंत काहीच नाही. सुप्रीम कोर्टाच्या आदेशानुसार आपण घनकचरा व्यवस्थापनेचा प्रकल्प लवकर करायचा होता. तर अजुन झालेला नाही. आत्ताही कार्यरत होत आहे. याच्याकरिता हा जो पाच वर्षांचा प्रस्ताव आहे. त्याला आमचा विरोध आहे. आपण काय करायचे आहे ते आपण करा. मी ह्या सुचना केल्या आहेत. सुप्रीम कोर्टाच्या डायरेक्शनमध्ये कुठेही पाच वर्षांचे द्या असे म्हटलेले नाही. असेल तर तुम्ही शो करा.

**रोहीत सुवर्णा :-**

मा.महापौर मॅडम, जर आपली परवानगी असेल तर मला या विषयावर सुचना करायची आहे ते ही ठराव मांडण्याच्या आधी. मा. महापौर मॅडम, आपण जर परवानगी दिली तर मी बोलेन.

**हॅरल बोर्जीस :-**

प्रकरण क्रं. ९४ ठराव.....

**मा. महापौर :-**

सुचना मांडायला सन्मा. सदस्यांना वेळ देण्यात येईल.

**रोहीत सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडम, हा जनहिताचा विषय आहे.

**सुर्यकांत भोईर :-**

वाढीव कामगार पाहिजे हे पाहिजे ते पाहिजे, जागा पाहिजे. आपण आमच्या अगोदर सुचना द्या. आपण सुचना घ्यायच्या अगोदरच ठराव मांडत आहात.

(सन्मा. सभागृहनेते श्री. हॅरल बोर्जीस ह्यांनी प्रकरण क्र. ९४ च्या ठरावाचे सभागृहासमोर वाचन केले)

**चंद्रकांत मोदी :-**

मेरा अनुमोदन है।

**रोहीत सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडम, आपण मला परवानगी दिलेली आहे.....

**चंद्रकांत मोदी :-**

मा. महापौर मॅडम, जो कचरा मिरा रोड मे डाला जाता है। उसके लिए कडक से कडक सजा करनी चाहिए क्योंकि रोडपर कचरा दिखता है। शांती नगर के हर एरिया मे आपके घर के निचे, पुनम सागर, अलाहाबाद बैंक है। वहापर भी स्टोरेज किया जाता है। उस कारण शहर मे मच्छर का इतना उपद्रव हुआ है। साहब मै मजाक नही करता हु। रिअर में दो साल से मै निंद का गोली खाता हु ताकी मच्छर न काटो। निंद का गोली खाकर सो जाता हु। मच्छर काटता है वह मालुम नही पडता हे। मेरा आपको यह विनंती है की, मच्छर का उपद्रव इतना बढ है इसलिए आरोग्य समिती जो दवा डालती है वह पानी डालते है या दवा डालते है वह मालुम नही पडता है। एक भी मच्छर मरता नही हे।

**सुर्यकांत भोईर :-**

मा. महापौर मॅडम, प्रभागामध्ये अजिबात फवारणी होत नाही.

**चंद्रकांत मोदी :-**

यह जो रस्ते पर कचरा डालते तो उसके लिए फौजदारी गुन्हा दाखल करेंगे।

**रोहीत सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडम, पान क्रं. ३ वर सध्या सुरु असलेले प्रभाग निहाय वार्ड निहाय सफाई ठेक्याची मुदत दि.१५/१/२००६ लिहिलेली आहे. कदाचित, ते सन २००७ पाहिजे असे मला तरी वाटते. तसेच, दुसरी गोष्ट म्हणजे एका ठिकाणी मुख्य आरोग्य निरीक्षक असे बोलतात की ४२५ ते ४५० टन कचरा आणि याठिकाणी आपण गोषवाच्यामध्ये प्रशासनाने गोषवारा दिलेला आहे त्याच्यात ४०० मॅट्रिक टन असा उल्लेख केलेला. एक्झॅक्ट किती? ४२५ की, ४५० त्याचा प्रशासनाने खुलासा करावा. याठिकाणी आपण महाराष्ट्र शासनाने जी लाड समिती नेमलेली आहे त्या लाड समितीच्या शिफारशीच्या अनुसार एक हजारावर पाच कर्मचारी पाहिजे तर तिथे आपण कर्मचारी वाढ करण्याच्या बाबतीत काहीच बोलत नाही. त्या ठिकाणी फक्त १८६४ कामगार आहेत. झोपडपट्टी विभागामध्ये आपणच बोलता की, ३७५० कामगारांची गरज आहे. त्याठिकाणी जवळजवळ २००० कामगार कमी पडतात. तसेच केंद्र सरकारने बर्मन कमिटी, सुप्रीम कोर्टाने अमृता पटेल वर्सन युनियन ऑफ इंडिया या केसमध्ये दिलेला जर्जमेंट हा स्पष्ट असुन त्यामध्ये बर्मन कमिटीने दिलेला अहवाल देखील त्याच्या शिफारशी देखील आपण लक्षात घ्यायच्या आहेत. मिरा भाईदरला फक्त सॉलिडवेस्ट मॅनेजमेंट संबधी आम्ही वेळोवेळी बोललेलो आहोत. ज्याठिकाणी सी. आर. झेड आहे. सी.आर.झेड मध्ये देखील प्रशासनाने कचरा टाकलेला आहे. आपल्या अधिकाऱ्यांना कोर्टात जाउन बेल आणायला लागली आहे. अशी परिस्थिती आहे. आज देखिल आपण सृष्टीमध्ये कचरा टाकलेला आहे. अशा प्रकारचा प्रकार आपले कॉन्ट्रक्टर करतात. त्याठिकाणी कचरा टाकुन त्याच्यापासुन खत बनवा किंवा वीज बनवा पण, त्यासाठी

योग्य तो मार्ग पाहीजे. तो मार्ग आपण अमंलात आणत नाही. या विषयावर आपण कृपया रुलिंग द्यावी. कारण जो लाड समितीचा अहवाल आहे त्याच्या शिफारशीचा आपण उल्लेख केलेला आहे. तर मॅडम, कर्मचारी वाढवा. आपण सफाई कामगार वाढवत नाही. आणि शहरामध्ये घाण पडलेली आहे. आम्ही प्रत्यक्ष जागेवर उभे राहून साफसफाई करतो. आज माझ्या प्रभागामध्ये वॉड नंबर २ मध्ये ज्याठिकाणी मी काम करतो. आंबेडकर नगर आणि भोला नगर येथे पावणे सात वाजता फक्त ३० कामगार येतात. त्याच्यातले जरी ५ कामगार आले नाही तर आम्हाला ते अॅडजेस्ट करावे लागते. कामगार वाढवा, फक्त २७ कामगार आहेत.

**मा. महापौर :-**

आपल्या सुचना सामावून घेण्यात येईल.

**संगिता म्हात्रे :-**

मा. महापौर मॅडम, आपल्या परवानगीने बोलत आहे की, त्या प्रभागाचे तीनही नगरसेवक सक्षम आहे. आपल्याला तिथे जाण्याची काही गरज नाही.

**जेम्स कोलासो :-**

मा. महापौर मॅडम, आयुक्त साहबांचा गोषवारा बघितल्यानंतर ह्याच्यामध्ये बारकाईने अभ्यास केल्यानंतर लक्षात येते की, हा गोषवारा तीन विभागामध्ये देण्यात आलेला आहे. सर्वप्रथम कचरा वाहतुकीसाठी ठेकेदारांना जी भांडवली गुतवणुक करायची आहे. ते म्हणता की, मोठ्या भांडवली खर्चासाठी पाच वर्षांचा त्यांना ठेका देण्यात यावा. त्यानंतर गोषवाऱ्यामध्ये पान क्र. ४ मध्ये आपण असे नमुद केलेले आहे की, आदि सर्व कामास लागणाऱ्या निविदास नमुद केलेल्या कार्यवाहीची पुर्तता करण्यास मुदतवाढ देणे आवश्यक आहे आणि दुसऱ्या ठिकाणी तुम्ही मुदतवाढीचा प्रस्ताव ठेवता आणि तिसऱ्या ठिकाणी साफसफाई कामगारावर एक वर्षासाठी येणाऱ्या खर्चाचा आपण तक्ता देता. तर मला असे म्हणायचे आहे की, फक्त दैनंदिन कामाकरिता एक वर्षाचा ठरावास आमचे अनुमोदन असेल. त्यासाठी मी ठराव मांडतो.

(सन्मा. सदस्य श्री. जेम्स कोलासो यांनी सभागृहासमोर प्रकरण क्र. ९४ च्या ठरावाचे वाचन केले.)

**कैलासबेन जानी :-**

या ठरावाला माझे अनुमोदन आहे.

**मदन उदितनारायण सिंग :-**

याला आमचे अनुमोदन आहे.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

सन्मा. महापौर मॅडम, याठिकाणी जो विषय आणलेला आहे. हा विषय वाचा. सर्वोच्च न्यायालयाच्या निर्देशानुसार घनकचरा व्यवस्थापन व प्रभाग निहाय वार्ड साफ सफाई कामाबाबत सर्वोच्च न्यायालयाचे घनकचरा व्यवस्थापन बाबत जे निकष आहेत. त्याच्या संदर्भात गोषवाऱ्यामध्ये काहीच नाही. हा गोषवारा काय आहे, तर हा गोषवारा रेकमेन्ड करतो की, पाच वर्षांची निवीदा देण्यासाठी सर्वोच्च न्यायालयाचे घनकचरा व्यवस्थापन संदर्भात ज्या नियमावली आहेत त्या नियमावली प्रमाणे प्रशासनाने आतापर्यंत काहीतरी कार्यवाही केली का? सन्मा. मायरा मेन्डोसा मॅडम, जेव्हा महापौर होत्या तेव्हा त्याच्या कारकीर्दमध्ये ग्रीनकोर्ट क्लब येथे सभा बोलवली होती तेव्हा असे ठरले की, कचऱ्याचे विघटन म्हणजे कचरा हा नुसता ओला सुका नव्हे तर ज्या कचऱ्यापासून जैविक कचरा म्हणजे खत निर्माण होईल. जो कचरा रिसायकल करता येईल. जो कचरा अजिबात कुठल्याही प्रकारची प्रक्रिया होणार नाही. असा वेगवेगळा कचरा साठविण्यासाठी सोसायटी पासून सुरुवात करावी. आपण त्या गोषवाऱ्यामध्ये म्हटले आहे की, आम्ही घरोघरी जाऊन कचरा गोळा करू. असे न करता प्रत्येक सोसायटीला एक सोसायटी डस्टबीन देवून सर्वोच्च न्यायालयाच्या आदेशानुसार त्या डस्टबीनची आखणी करावी. त्या डस्टबीनचे संकल्प चित्र करावे. त्याला येणारा जो खर्च आहे. तो खर्च जेव्हा आपण सर्वसामान्य नागरिकांना घरपट्टीची बिले आकारतो. त्या घरपट्टीच्या बिलामधुनच तशा प्रकारे ते बिल आकारण्यात यावे आणि प्रत्येक सोसायटीला आपण कॅम्प्लसरी अशाप्रकारचे डस्टबीन घेण्यासाठी प्रवृत्त करावे आणि तेव्हाच आपला जो घनकचरा आहे त्याचे विघटन त्या ठिकाणी होईल अशाप्रकारचे घनकचरा व्यवस्थापनाचे नियम आहेत. आणि ते नियम आपण बाजुला ठेवलेले आहेत. ते नियम बाजुला ठेवून आपण जेव्हा एखाद्या ठेकेदाराला याठिकाणी आपण प्रवृत्त करतो की, त्यांनी घंटा गाडी तयार करावी आणि ती घंटा गाडी चालू होती. त्या घंटागाडीची काय अवस्था आहे हे सन्मा. सदस्य मिलन म्हात्रे यांनी सांगितले. आता जे कचऱ्याचे कॉन्ट्रक्टर आहेत. त्यांना घंटा गाडीबद्दल काम माहित आहे का? आपण जरी घंटागाडी जर बघितली तशी नुसती घंटागाडी असणार नाही. ही घंटागाडी सर्वोच्च न्यायालयाच्या नियमानुसार त्याच्यामध्ये तीन कम्पार्टमेंट असणार आहे पहिल्यामध्ये ज्याच्यापासून खत निर्माण होईल. असा कचरा दुसऱ्या कम्पार्टमेंट मध्ये रिसायकल होईल म्हणजे कचऱ्याचे डब्बे वगैरे तसा कचरा आणि तिसऱ्यामध्ये ज्याच्यावर काही प्रक्रिया होणार नाही. म्हणजे विटांचे तुकडे, खडी - रेंती वगैरे. बांधकाम व्यवसायकाने टाकलेला कचरा. अशा प्रकारे तो कचरा जमा करायचा आहे. तो कचरा तशाप्रकारे वाहतुक करायचा आहे आणि ज्याठिकाणी प्रक्रिया होईल त्याठिकाणी तो नेऊन टाकायचा आहे. प्रक्रिया न होणारा कचरा शेवटी डम्पींग ग्राउण्डवर टाकायचा आहे. आज आम्ही काय करतो, आम्ही शेवटून सुरुवात केली. आज आम्ही डम्पींग ग्राउण्डचा शोध घेत आहोत. पण अजून आमच्याकडे विघटन सुरु झालेले नाही. प्रशासन जर ह्याची सिरीयस घेत नसेल तर तुम्हाला मी तो

आघादेश पुन्हा वाचुन दाखवितो. सुप्रीम कोर्टाच्या निर्णयानंतर केंद्र सरकारने, राज्य सरकारने जी नियमावली तयार केली आहे. त्याच्यामध्ये टाईम-बॉड पिरीयड दिलेला आहे. सन २००३ पर्यंत संपुर्ण गोष्टी तयार करायच्या होत्या. पण आपल्याकडून साध कचऱ्याचे विघटन ही सुरु झालेले नाही आणि आपण हे जे काही करत आहोत हे कचरा वाहतूकीचे डायरेक्ट पाच वर्षांचे कॉन्ट्रॅक्ट देऊ लागले आहे. साहेब, आपण पहिल्यांदा संकल्प चित्र तरी समोर आणा. ठाणे महानगरपालिकेने काय केले? त्याच्यापुढे देखिल हाच प्रश्न होता. ठाणे महानगरपालिकेने अशाप्रकारे कचरा विघटन करण्याकरिता ज्या घंटागाड्या तयार करण्यात आल्या त्या घंटागाड्यांचे पहिल्यांदा संकल्प चित्र तयार केले व हे चित्र तयार केल्यानंतर त्या गाड्यांवर किती खर्च येईल तर तो भांडवली खर्च करोडच्या किंमतीत जाईल. मग ते ठेकेदाराला परवडणार नाही. म्हणुन मग काय करा, तर प्रत्येक टनामागे त्यांनी कचऱ्याचा रेट फिक्स केला. एक टन कचरा उचलला तर तुम्हाला अमुक रेट देण्यात येईल असा कचऱ्याचा रेट तुम्ही फिक्स करावा. प्रशासनाने संकल्प चित्र तयार करावे आणि त्यांच्यानंतर निविदा मागवायला पाहिजे. तुम्ही निविदा मागवता आणि तेही पाच वर्षांचा निविदा मागवता ठाणे महानगरपालिकेने सुद्धा पाच वर्षांचा निविदा मागवल्या नाही. हे तुम्हाला स्पष्ट सांगतो आणि भविष्यात येणाऱ्या बॉडीचे अधिकार काढून आम्हीच काहीतरी निर्णय घ्यायचा आणि तो त्यांच्या माथी मारायचा हे चुकीचे आहे आणि कायद्याच्या दृष्टीने सुद्धा ते चुकीचे आहे. अजूनपर्यंत कुठलाही कचरा वाहतूकदार हा रेकग्नाईज झालेला नाही. तुम्ही त्याला सांगू शकत नाही की, तुझ्याकडे ते तंत्र आहे. कचरा वेगवेगळा जमा करण्याचा आणि वाहतूक करण्याचा. तुझ्या गाड्यांमधून लिचेड आहेत. लिचेड नावाचा द्रव पदार्थ हा गाडीमधून गळती होता कामा नये, झाला तर त्याला सिरीयस पनीशमेंट आहे. या सगळ्या गोष्टी असताना आम्ही ह्याचा कुठेही विचार केला नाही आणि डायरेक्ट कचरा वाहतूकीचे पाच वर्षांचे कॉन्ट्रॅक्ट देणे. हे अतिशय चुकीचे आहे आणि हे जर आपण केले तर मग आम्हाला कार्यवाही करावी लागेल. दुदैवाने आपल्याला जर ही कार्यवाही टाळायची असेल तर मला वाटते की, आपण सर्वात प्रथम कचरा (डस्टबिन) चे संकल्पचित्र तयार करावे. या सगळ्या कचरा पेटया सोसायटींना द्याव्यात. त्यानंतर प्रत्येक टनामागे कचरा उचलला तर एका टनामागे किती पैसे आम्ही देणार तो रेट कोट करावा. त्यानंतर आपण टेंडर कॉल करावे. एखादा सक्षम नसेल तर व तो माणूस जर टेंडर घेईल तर घंटा गाडीची परिस्थिती हातगाडी सारखी होणार आहे आणि ती जर आपल्याला टाळायची असेल तर जे वाहतूकदार आहेत त्यांना आपण तात्पूर्ती मुदतवाढ द्या आणि एक वर्षासाठी का होईना आपण नविन टेंडर मागवा. परंतु, घनकचरा व्यवस्थापनेचे नियम डावलून आपण कुठली कार्यवाही केली तर आमच्या सारख्याला मैदानात येऊन आपल्यावर कार्यवाही करायला लागेल याची आपण नोंद घ्या.

**रोहिदास पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, आम्ही आपल्याकडे ठराव दिलेला आहे. आम्ही चार नगरसेवकांनी मतदानाची मागणी केलेली आहे.

**सुर्यकांत भोईर :-**

मा. महापौर मॅडम, माझ्या प्रभागामध्ये प्रभाग क्र. १३ मध्ये संपूर्ण प्रभाग हा मोठा असल्यामुळे तिथे जे ६९ कामगार दाखवलेले आहेत. त्याच्यामध्ये वाढवून ११० कामगार करण्यात यावे व जिथे चार गाड्या आहेत तिथे ८ गाड्या करण्यात याव्यात.

**रोहिदास पाटील :-,**

आम्ही चार जणांनी मतदानाची मागणी केलेली आहे.

**सुर्यकांत भोईर :-**

मा. महापौर मॅडम, तसेच प्रभाग क्र. १२ मध्ये ८० सफाई कामगार दिलेले आहेत दिलेले ११० कामगार करण्यात यावे व प्रभाग क्र. १३ मध्ये ६९ कामगार दिलेले आहेत तिथेही ११० कामगार करण्यात यावे.

**प्रेमनाथ पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, आपण आता जे पाच वर्षाकरिता टेंडर कॉल करणार आहात. पण आता येणाऱ्या इलेक्शनमध्ये २६ वॉर्ड दिलेले आहेत व २६ वॉर्डचे ७९ वॉर्ड होणार आहेत. तर त्याच्यामध्ये आपण कसे करणार आहोत. पाच वर्षाकरिता न देता त्यांना पुढच्या आठ महिन्याची मुदत दयावी.

**सुर्यकांत भोईर :-**

आयुक्त साहेब, आपण आता प्रभागवाईस केलेले आहे. त्याची वॉर्डरचना आहे तर त्या वॉर्डरचनेनुसार ठेके देणार आहात का?

**रोहिदास पाटील :-**

आपण हा विषय इतक्या घाईघाईमध्ये आणता. त्याच्यावर कोणतीही चर्चा नाही. ठराव मांडता व कोणालाही मुदतवाढ देता. पाच वर्षाची मुदतवाढ देता. काय चर्चा? तुम्ही ठराव मांडून मोकळे झालात ना. आपण सुप्रीम कोर्टाचा किती वेळा अपमान करणार आहात. आम्ही पुन्हा पुन्हा सांगतो की, तुम्ही सगळ्यांनी आम्ही नाही. तुम्ही सगळ्यांनी सुप्रीम कोर्टाचे निर्देश तोडलेले आहेत. आदेश मोडलेले आहेत आणि पुन्हा चूक करता. एकाही ठेकेदाराचे, तो त्या दर्जेचा ठेकेदार आहे का? त्याच्या कामाच्या प्रगतीचा तुमच्याकडे अहवाल आहे का? मी सांगू शकतो, प्रभाग क्र. ६ मध्ये अर्नाला नाला, हिरणनगर नाला हे नाले आजच्या घडीला तीन-



तीन फुट भरलेले आहेत. त्याचे काम होत नाही. त्याच ठेकेदारांना तुम्ही पुन्हा मुदतवाढ देता. त्याच ठेकेदाराला आपण पाच वर्षाकरिता सिलेक्ट करता. तुमचे अभिप्राय काय आहे? कोणाचे अभिप्राय आहेत. आरोग्य अधिकाऱ्यांचे आहेत, कोणत्या डेप्युटी कमिशनरचे आहेत की कमिशनरचे आहेत, मा. महापौरांचे आहेत की, मा. उपमहापौरांचे आहेत? कोणाच्या हितासाठी हे काम चालले आहे? जनतेच्या हितासाठी जेव्हा आपण १३ कोटी रुपयाची मंजूरी देता. वर्षाचे १३ कोटी आहे. म्हणजे पाच वर्षांचे  $१३ \times ५ = ६५$  कोटी रुपयाला आपण मंजूरी देत आहोत. त्यावेळी होणारी वाढ, त्यावेळी होणारी कामाची पध्दत, त्यावेळी होणारी शहराची रचना हे कशा विचारात घेतले? एक मिनिटात सभागृह नेत्यांनी ठराव मांडला की, मंजुर आणि म्हणून याला मी प्रखर विरोध करतो. याठिकाणी जर तुम्ही आमचे नीट समजून घेतले नाही तर आम्ही न्यायालयात या प्रकरणात दाद मागणार हे रेकॉर्डवर ठेवा. पुन्हा पुन्हा आपण न्यायालयाचा असा अपमान करू नका. आम्ही शहराच्या विकासासाठी आपल्याला भावनात्मक पाठिंबा देत आहोत. त्याचीही तुम्हाला किंमत राहिलेली नाही. त्यात तुम्ही पुन्हा पुन्हा चुका करत राहिल्या. ठराव मतदानाला टाका असे आम्ही बोलत आहोत.

**नरेंद्र मेहता :-**

मा. महापौर मॅडम, आपण सर्वाम पहिले इथे म्हटले आहे की, सर्वोच्च न्यायालयाच्या निर्देशाप्रमाणे घनकचरा व्यवस्थापन ह्याचे आणि पाच वर्षाकरिता टेंडर मागविणे यात काय संबंध आहे हे मला अजून समजलेले नाही. दुसरी गोष्ट वॉर्ड नं. २५ यामध्ये आपण रस्ता साफसफाई आणि गटार साफसफाई, वॉर्ड नं. २५ मध्ये टोटल रस्ते आणि गटार हे सर्व कच्चे आहेत आणि सर्वात जास्त नाले वॉर्ड नं. २५ मध्ये आहे. तसेच, गेल्या तीन वर्षांपासून आपण साफसफाई टेंडर मागवित आहोत. आता हे जे पाच वर्षासाठी टेंडर मागवलेले आहे त्याची रक्कम होते ६५ करोड रुपये आणि गेल्या तीन वर्षात मला वाटते आपण एकूण ५० करोड रुपये अंदाजित पेमेन्ट केलेले असेल. ५० करोड रुपये पेमेन्ट करताना ह्या ठेकेदाराच्या ठेक्याची टर्म्स अँड कन्डीशन आहे त्याचे आपण पालन करतो का? आणि हे पालन कुठल्या अधिकाऱ्याकडे आहे याची मला माहिती देण्यात यावी. ठेकेदाराला ठेका देताना शासनाचे काही अटीशर्ती नियम आहेत त्याचे आपण पालन करतो का? त्याची मला माहिती देण्यात यावी.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

आयुक्त साहेब, सध्याच्या ठेकेदाराला फक्त चार महिन्याची मुदतवाढ द्या आणि घंटा गाडीचे संकल्प चित्र तयार करून घ्या. कचरापेटीचे संकल्प चित्र तयार करून सभागृहापुढे ठेवा. घंटा गाडीला किती खर्च येणार हे कोणालाही माहित नाही. न तुम्ही बघितली कधी न आम्ही बघितली कधी? ही घंटा गाडी नव्हे, डंपरला घंटा लावलेली घंटा गाडी तीन कम्पार्टमेंटवाली बंदिस्त गाडी असते. त्याला काहीतरी निकष पाहिजेत व या गोषवाऱ्यामध्ये काहीच नाही.

**रोहिदास पाटील :-**

ठेका घेणाऱ्याला सांगितले होते की, बंदिस्त गाड्या वाचरा किंवा त्याच्यावर कपडा वापरा. एकाही कचऱ्यावाल्या ठेकेदाराने कचरा गाडीवर कपडा टाकलेला नाही.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, सर्वोच्च न्यायालयाचे निर्देश आहेत आणि त्याच्यामध्ये पदाधिकाऱ्यांना पनिशमेंट आहे.

**मा. महापौर :-**

संबंधित विषयाचे अधिकारी या विषयाची माहिती देतील.

**नरेंद्र मेहता :-**

मॅडम, कॉन्ट्रॅक्टरला जे नियम लावतात ते आपल्याकडे आहे का? ठेकेदाराला ठेका देताना शासनाचे काही नियम आहेत त्याची आपण ठेका देताना पाहणी करता का? ते कोणाकडे आहे? एखाद्या कॉन्ट्रॅक्टरने टेंडरसाठी अप्लाय केले व त्याने शासनाच्या अटीशर्ती पूर्ण केलेल्या आहेत किंवा नाही याची पाहणी आपल्याकडे कोण करतो? माझे असे म्हणणे आहे की, ५० करोड रुपये पेमेन्टवर त्या ठेकेदाराने जेवढे कर्मचारी आहेत त्याचे प्रॉव्हिडंट फंड त्यांनी भरले पाहिजे होते आणि ते प्रॉव्हिडंट फंड ५० करोड रुपयाचे ५ करोड रुपये होतात आणि ५ करोड रुपये प्रॉव्हिडंट फंड त्या कॉन्ट्रॅक्टरने गर्हूरमेंटकडे भरलेले नाही आणि कायद्यात अशी तरतुद आहे की, कुठल्याही कॉन्ट्रॅक्टरने जर प्रॉव्हिडंट फंड भरला नाही तर त्याची प्रिन्सीपली लायबिलिटी महानगरपालिकेची आहे. तर महानगरपालिकेने त्यांच्या पेमेन्टची तपासणी केली का? तीन वर्षांपासून त्याने पाच करोड रुपयाचे पेमेन्ट केलेले आहे किंवा नाही आणि एखादा कॉन्ट्रॅक्टर निघून गेला किंवा काहीही झाले तर महापालिकेला ते पाच करोड रुपये भरावे लागणार आहे. त्यांनी आतापर्यंत पाच करोड रुपये भरले आहेत का? मग साहेब, ते पाच करोड रुपये कोण भरणार आहे? एखाद्या कर्मचाऱ्याने तक्रार केली तर ते पाच करोड रुपये आपल्याला त्या ठेकेदाराच्यावतीने भरायला लागणार आहेत. ज्यावेळी ठेकेदार लायसन्स काढतो त्यावेळी त्यामध्ये अशी कन्डीशन आहे की, प्रिन्सीपली लायबिलिटी त्यांची असणार. आता पैसे कोण भरणार आहेत? आपण की ठेकेदार? ह्याची माहिती देण्यात यावी. ऑलरेडी आता पाच करोड रुपयाची ड्यु आहे. ते आपण भरणार आहोत की, कॉन्ट्रॅक्टर भरणार आहे?

**मा. आयुक्त :-**

कॉन्ट्रक्टर भरणार.

**नरेंद्र मेहता :-**

त्याने अजून रक्कम भरलेली नाही. जोपर्यंत तो पैसे भरत नाही तोपर्यंत तुम्ही त्याचे पेमेन्ट करणार आहात की, थांबणार?

**मा. आयुक्त :-**

प्रोव्हिडंट फंडाची रक्कम त्याने भरायला पाहिजे.

**नरेंद्र मेहता :-**

समजा, त्याने ती रक्कम भरली नाही तर ....

**मा. आयुक्त :-**

त्याचे जे अॅडवॉन्स आहे त्याच्यातून ती रक्कम कापली जाईल.

**नरेंद्र मेहता :-**

समजा त्याने आतापर्यंत रक्कम भरली नाही. तर या महिन्याच्या पुढच्या महिन्याचे त्याचे जे पेमेन्ट असेल ते आपण थांबवणार का? पाच करोड रुपये आहे.

**मा. आयुक्त :-**

होय, जी काय रक्कम असेल.

**नरेंद्र मेहता :-**

ठिक आहे.

**रिटा शाह :-**

मा. महापौर मॅडम, घनकचरा प्रकल्प हा मागील सन २००२ नसून आपल्याकडे सुप्रीम कोर्टाने आदेश केल्यानंतर जेव्हा सन्मा. प्रफुल्ल पाटील हे माजी नगराध्यक्ष होते. घनकचरा प्रकल्प हा आपल्या सभागृहात पाच वर्षांपासून खूप गाजलेला आहे. घनकचरा प्रकल्प अंतर्गत आपण जेव्हा वॉर्ड निहाय साफसफाई ठेवली होती आणि त्याबद्दलचा अहवाल तत्कालिन आयुक्त श्री. आर.डी. शिंदे साहेबांच्या वेळेमध्ये झाला होता. घनकचरा प्रकल्प अंतर्गत वॉर्डनिहाय सफाई असा विषय आमच्याकडे आला होता. तो अहवाल स्थायी समितीसमोर सादर झाला आणि नंतर तो गायब झाला व त्याच्यानंतर मी सत्याग्रह करण्यासाठी बसली आणि शेवटी सगळे आले. आजपर्यंत तो जो ओरिजनल अहवाल होता तो सापडलेला नाही. त्यावेळी मा. आर.डी.शिंदे साहेब हे कमिशनर होते. घनकचरा प्रकल्पाबाबत सन २००२ पासून कोर्टाचे आदेश आहेत की, आपण घनकचरा प्रकल्पाला सुरुवात करा आणि ते सहा महिन्यात सुरु व्हायला पाहिजे आणि जर सुरु केले नाहीतर त्या अधिकाऱ्यावर कायदेशीर कार्यवाही करायची असे कोर्टाचे क्लिअरकट आदेश आहेत. आपण वॉर्डनिहाय सफाई ही करू, आपण टेंडर ही काढून घेऊ आणि आपण सर्व कर्मचारी ठेवू, औषध फवारणी करू, सर्व करू. परंतु, जेव्हा घनकचरा प्रकल्पासाठी आपल्याला स्टॅट गर्हमेंटने जी जागा अलॉटमेंट केलेली आहे. त्या प्रकल्पावर काम प्रोग्रेस आहे? आपण कचरा टाकण्यासाठी जागे-जागेवर डॅम्पिंग ग्राउन्ड शोधत आहोत. त्यासाठी ही मी उपोषणावर बसली होती. तेव्हा आपण आणि मा. उपमहापौर साहेब आले व मला बोलले की ते काम दोन महिन्यामध्ये सुरु होणार आहे. तर तो प्रकल्प कुठपर्यंत सुरु झाला आहे? मला असे वाटते की, या मिरा भाईंदर शहराचा एवढा महत्त्वाचा विषय असून ही कमिशनर साहेब किंवा कोणत्याही पदाधिकाऱ्याला काही पडलेले वाटत नाही. कमिशनर साहेब, अति महत्त्वाचा विषय चालू आहे. सुप्रीम कोर्ट म्हणजे भारत देशाचे मुख्य कोर्ट आहे आणि कोर्टाच्या आदेशाचा विषय आणलेला आहे. या सभागृहामध्ये कोणाला चर्चा करण्याची गरज वाटत नाही का?

**मा. महापौर :-**

सभागृहामध्ये शांतता ठेवा.

**रिटा शाह :-**

घनकचरा प्रकल्पासाठी स्टॅट गर्हमेंटने जी जागा अलॉटेड केलेली आहे. त्या जागेवर कचरा टाकायला सुरुवात केली का? तो प्रकल्प कुठपर्यंत आला आहे? सन २००२ पासून आज सन २००६ झाले. मग आपल्याला सुप्रीम कोर्टाच्या आदेशाप्रमाणे जो कायदा आणि त्या अधिकाऱ्यावर कार्यवाही का करू नये. ते लागू पडत नाही का? आज सहा वर्षे तो प्रकल्प सुरुच झालेला नाही. आपण नुसते वॉर्डनिहाय सफाई, वॉर्डनिहाय सफाई करत आहोत, नगरपरिषद होते तेव्हाही वॉर्ड साफ होत होते आणि नगरपालिका झाली तेव्हाही सफाई व्हायची. पण घनकचरा प्रकल्पासाठी आपण सुप्रीम कोर्टाचा विषय आणतो. त्या विषयाचे महत्त्व काय आणि आपण पाच वर्षांसाठी कॉन्ट्रक्टरला ठेका देतो. त्याच्यामध्ये कॉन्ट्रक्टर ब्लॅकलिस्टमध्ये गेले आणि त्यावेळी त्यांचा ठेका रद्द केला आणि अशा कॉन्ट्रक्टरला आपण पाच वर्षांकरिता परत परत ठेका देणार आहात का? फक्त चार महिन्यांसाठी त्यांना मुदतवाढ द्या आणि पुढे हा विषय रितसर आणा.

**शुभांगी नाईक :-**

मा. महापौर मॅडम, आपण थांबलो कशाला? मतदानाची मागणी केलेली आहे तर आपण मतदान घ्या ना.

**रिटा शाह :-**

साहेब, पहिल्यांदा घनकचरा प्रकल्पाचा जो प्रकल्प आहे त्याचा काय प्रोग्रेस आहे हे आपण आम्हांला सभागृहाला सांगा. आपण ऑफिशियली सांगा ना.

**प्रेमनाथ पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, आपण आता जो रोज ४०० टन कचरा गोळा करणार आहोत तो कचरा आपण कुठे टाकणार आहात?

**रिटा शाह :-**

साहेब, आपला प्रकल्प केव्हा पूर्ण होणार आहे त्याची हमी द्या. जी जागा आपल्याला स्टेट गर्डमेंटने अॅलॉट केली आहे. त्याला सहा वर्षे झाले आपण काहीच करू शकलो नाही. मला असे वाटते की, सर्वच गुन्हेगार आहेत. नगरसेवक, पदाधिकारी, डेप्युटी कमिशनर आणि कमिशनर. सुप्रीम कोर्टाच्या आदेशानुसार आपण सर्व गुन्हेगार आहोत. मा. महापौर मॅडम, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळाचे नागरी स्वच्छता डंपिंगबाबत पत्र आहे. ते पत्र साहेब, आपल्याकडे ही आले असेल. पण आपण आम्हाला हमी द्या की, घनकचरा प्रकल्पासाठी वॉर्डनिहाय सफाईचा आपण येथे विषय आणला. सुप्रीम कोर्टाचे आपण हाव करायचे आणि तो विषय पास करून घ्यायचे असे चालणार नाही. आता फक्त चार महिने राहिले आहेत तर आपण त्यांना त्या चार महिन्याकरिता मुदतवाढ द्या. पुढे तुमचा प्रकल्प सुरू झाल्याशिवाय आम्ही कुठलीही मंजूरी देणार नाही.

**दिनेश नलावडे :-**

मा. महापौर मॅडम, घनकचराचा विषय मा. महासभेसमोर आलेला आहे आणि आपल्याला महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळाने आपल्याला तीन नोटीसा पाठविलेल्या आहेत आणि त्यांनी नोटीसमध्ये स्पष्ट उल्लेख केलेला आहे की, सध्या या शहरामध्ये जो घनकचरा उत्पन्न होत आहे, तो कचरा ज्याठिकाणी डंपिंग ग्राऊन्ड दाखवलेला आहे त्याठिकाणी टाकायला पाहिजे असे त्यांचे निर्देश-आदेश आपल्याला आलेले आहेत. आज आपण त्याठिकाणी तो कचरा टाकतो का? त्याचे आपण पालन करतो का? आज सर्व शहरामध्ये घाणीचे वातावरण साम्राज्य पसरलेले आहे. आपण जर भाईदर पुर्वेला लक्ष दिले तर आपल्याला निश्चितपणे असे दिसून येईल की, आजदेखिल आपण प्रभागामध्ये फिरलात तर आपल्याला आतादेखिल उबबे दिसतील. हे सर्व असताना आपण पाच वर्षांचे कॉन्ट्रॅक्ट देण्याचा ठराव आणलेला आहे.

**रिटा शाह :-**

साहेब, पहिल्यांदा आपले जे आरोग्य अधिकारी आहेत त्यांनी डिव्हेअर करावे की, सध्या शहराचा कचरा नेमके कुठे टाकण्यात येत आहे? डंपिंग कुठे करतात ते पहिल्यांदा क्लिअर करा.

**दिनेश नलावडे :-**

साहेब, भाईदर पुर्वेला आजदेखिल उबबे आहेत. सगळीकडे असाच कचरा पडलेला आहे. साफसफाई बरोबर होत नाही. आम्ही वारंवार तक्रार केली. आमच्या प्रभाग समितीच्या मिटींगमध्ये देखिल आजचा हा विषय दोन दोन तास चाललेला आहे. अजून देखिल आपल्या आरोग्य डिपार्टमेंटवर ह्याचा कोणताही परिणाम झालेला नाही. औषध फवारणी बरोबर नाही.

**शुभांगी नाईक :-**

सन्मा. सदस्य दिनेश नलावडे साहेब, आता जे बोलत आहात ते प्रत्यक्षात अंमलात आणून दाखवा.

**रोहित सुवर्णा :-**

नगरसचिव साहेब, मतदानाचे काय झाले ते आपण सांगा. आपण मतदान घ्या.

**दिनेश नलावडे :-**

आपण मतदानाच्या पाठीमागे आहात, ते ठिक आहे. मा. महापौर मॅडम, आरोग्य खात्याकडून कचराचे नियोजन कसे होत आहे ह्याचा निर्णय आपण अजून याठिकाणी दिलेला नाही. त्यामुळे सगळे सदस्य हे जबाबदार राहतील.

**रोहित सुवर्णा :-**

साफसफाई होत नाही, असे सन्मा. सदस्य दिनेश नलावडे साहेब बोलले.

**दिनेश नलावडे :-**

सरकारचे आदेश आहेत की, इतरत्र कुठेही कचरा टाकायचा नाही. तरी देखिल आपला कचरा अजून त्या जागेवर, पर्सनल जागेवर जात नाही. याबद्दल जर खुलासा केला तर सभागृहासाठी अतिशय चांगले होईल.

**एस. ए. खान :-**

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलत आहे की, सध्या आपल्या येथे डंपिंगची काय परिस्थिती आहे? आपण जे ५० टन कचराची परवानगी घेतलेली आहे. आणि आता ४ ते ९० टन जो कचरा आहे. त्यासाठी काय उपाययोजना केली आहे त्याचा प्रशासनाने खुलासा करावा.

**रोहीदास पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, आम्ही ठराव दिलेला आहे. चार सदस्यांनी मागणी केलेली आहे. सभाशास्त्राप्रमाणे मतदान सुरु करा. नंतर याबाबत आपण आपसात चर्चा करा.

**रिटा शाह :-**

पहिल्यांदा मतदान कशाला? आपण जो विषय आणला आहे त्यालाच आमचा विरोध आहे तर आपण मतदान कसे काय घेणार? त्याच्यावर आम्ही कोणता तरी ठराव मान्य करणारच आहोत ना? पहिले आमची चर्चा होऊ द्या. विचार विनिमय होऊ द्या. नंतर मतदान असते

**रोहीदास पाटील :-**

आम्ही ठराव मांडलेला आहे.

**रिटा शाह :-**

मतदान अगोदरच कसे होईल?

**एस. ए. खान :-**

मॅडम, डम्पींग ग्राउंडचा खुलासा करा ना.

**रोहीदास पाटील :-**

आमचा ठराव सचिवांनी वाचावा आणि त्याच्यावर वोटिंग करा.

**रिटा शाह :-**

मॅडम, पहिल्यांदा आराग्य अधिकाऱ्यांनी आंम्हाला जाणीव करून द्यावी की, सध्या आपण कचरा कुठे डम्पिंग करतो? त्यांनी आंम्हाला सांगावे.

**दिनेश नलावडे :-**

मा. महापौर मॅडम, आता आपल्या सभागृहामध्ये विषय आलेला आहे. पावणे सात वाजून गेले आहेत. मी आपल्याला एक सुचना देत आहे की, हा विषय आपण पुढच्या मा. महासभेमध्ये घेण्यात यावा. कारण याच्यावर अजून भरपूर चर्चा शिल्लक आहे. हा विषय रितसर व्यवस्थितपणे मांडून सभागृहापुढे पुढच्या मिटींगमध्ये घेऊन यावे.

**एस. ए. खान :-**

डम्पींग ग्राउंडचा पहिल्यांदा खुलासा करण्यात यावा.

**रिटा शाह :-**

मॅडम, पहिल्यांदा माझ्या प्रश्नाचे उत्तर द्या.

**रोहित सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडम, चार नगरसेवकांनी उभे राहून मतदानाची मागणी केलेली आहे आणि हा पुढच्या मा. महासभेला विषय घेता येणार नाही. आजच तुम्हाला निर्णय घ्यावा लागेल.

**रिटा शाह :-**

मा. महापौर मॅडम, कुठलाही ठराव अंमल झालेला नाही. ऑफिशिअली वाचन झालेले नाही. अजून सदर विषयावर चर्चा चालू आहे आणि आरोग्य विभागच्या अधिकाऱ्यांनी पहिल्यांदाच डिक्लेअर करावे की, सध्या कचरा कुठे डम्पिंग करतात. पहिल्यांदा त्या प्रश्नाचे उत्तर द्यावे. नंतर पुढे कार्यवाही करावी.

**एस. ए. खान :-**

पहिल्यांदा डम्पींग ग्राउंडचा खुलासा करावा.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्यांनी विचारलेल्या प्रश्नांचा संबंधित अधिकारी खुलासा करतील.

**एस. ए. खान :-**

५० टनाचे झाले पण जे ४९० टन आहे त्याचे काय झाले? कसे काय होणार आहे? त्याचा खुलासा करावा ना.

**शिवप्रकाश भुदका :-**

मा. महापौर मॅडम, अधिकारी किस किस के प्रश्न का खुलासा करेंगे? बीस लाख रुपये मच्छर के दवाई के लिए महिने का देते है। और एक मच्छर मरता नहीं है। यह बीस लाख रुपया जो है वह जनता का पैसा यह कोई अधिकारी या किसके घरसे पैसा नहीं आता है। हमारे नागरिक टॅक्स के रुप में यह पैसा भरते है। हा महिने का बीस लाख रुपया जाता है। इसमें ठेकेदार और अधिकारी मिलकर खा जाते है। मच्छर मरता नहीं है। इसका मतलब यह पैसा किधर जाता है। आपने पहिले परिवहन समिती का ठराव किया था। भले उसमें वह ठेकेदार अपनेको पैसा देगा, पर हर महिना उनको पाच लाख रुपया, दस लाख रुपया देना पडता है। यह पैसा नागरिको का है। यह लुट ले रहे है वह अच्छा नहीं है।

**राजकुमार कांबळे :-**

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलत आहे. मिरा भाईंदर महानगरपालिका शहरातून निघणारा जो कचरा आहे. तो सध्या भाईंदर पुर्व येथे खाजगी जागेत मालकाच्या अनुमतीने तिथे टाकण्यात येतो. त्यावर मातीसुद्धा टाकण्यात येत आहे.

**रिटा शाह :-**

साहेब, म्हणून आपण सर्वोच्च न्यायालयाच्या निर्णयाचा अपमान करतो आणि त्या अंतर्गत जी सजा आणि गुन्हा व गुन्हाबद्दलची सजा नमुद केलेली आहे ती आपल्याला लागू पडते. तुम्ही त्याची नोंद करा.

**एस. ए. खान :-**

शासनातर्फे आपल्याला डम्पींग ग्राउंड दिलेले आहे. कलेक्टरतर्फे देण्यात आलेले आहे त्याच्यावर काय?

**हॅरल बोर्जिस :-**

साहेब, येथे सभागृहामध्ये वारंवार डम्पींग ग्राउंडचा उल्लेख होत आहे.

**रिटा शाह :-**

प्रायव्हेट जागेवर डम्पींग करू नये असे सर्वोच्च न्यायालयाचे आदेश आहेत.

**हॅरल बोर्जिस :-**

वास्तविक ती जागा शासनाने घनकचरा प्रक्रिया केंद्रासाठी अॅलॉट केलेली आहे. डम्पींग ग्राउंडसाठी जागा अॅलॉट केलेली नाही. घनकचरा प्रकल्पासाठी जागा दिलेली आहे.

**रिटा शाह :-**

तेच सांगते ना, घनकचरा प्रकल्पासाठी.

**हॅरल बोर्जिस :-**

याचा अर्थ डम्पींग ग्राउंड होत नाही.

**रिटा शाह :-**

सभागृह नेता आपण विषय डायव्हर्ट करू नका. ते घनकचरा प्रकल्पासाठीच केलेले आहे.

**एस. ए. खान :-**

सभागृह नेते आपण विषय डायव्हर्ट करू नका.

**हॅरल बोर्जिस :-**

मॅडम, सभागृहामध्ये वारंवार डम्पींग ग्राउंडचा उल्लेख होत होता. म्हणून मी सभागृहाला माहिती देतो की, .....

**रिटा शाह :-**

शहरातील प्रायव्हेट जागेवर डम्पींग करू नये.....

**हॅरल बोर्जिस :-**

घनकचरा प्रकल्पासाठी ती जागा अॅलॉट केलेली आहे.

**रिटा शाह :-**

सर्वोच्च न्यायालयाचे त्याबाबत क्लिअर कट आदेश आहेत.

**एस. ए. खान :-**

तिथे डम्पींग केल्यानंतरच प्रोसेस होणार आहे आणि जर डम्पींग केले नाही तर कसे काय प्रोसेस होणार? डम्पींग एके ठिकाणी आणि व प्रोसेस दुसऱ्या ठिकाणी होणार आहे का? ज्याठिकाणी डम्पींग ग्राउंड आहे तिथे डम्पींग ग्राउंड चालू करण्यात यावे. पहिले डम्पींग ग्राउंडची सुरुवात करा. त्याच्यानंतर हे काम करा.

**रोहिदास पाटील :-**

मॅडम, आम्ही मतदानाची मागणी केली आहे. आपण मतदान सुरु करा ना. सायं. ७.०० वा. सभेचे कामकाज बंद होईल.

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

आपण एक - एक लोकांना फोन करून बोलावत आहात. त्यापेक्षा आपण पुढच्या मा. महासभेत विषय घ्या आणि सर्वांना बोलावून घ्या. आता फोन करून कशाला बोलवता?

**रोहिदास पाटील :-**

सायं. ६.०५ मिनिटांनी मतदानाची मागणी केली होती. आणि त्याच्यामध्ये ५० मिनिटे घालवली.

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

सदस्यांना फोन करून मतदानाला बोलावण्याचे काम सुरु आहे. या, या मतदानाला काय चालले आहे.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य ओमप्रकाश अग्रवालजी आपल्याला माहित आहे का? कोणाचा फोन आला आहे. काही तरी तोंडात येईल ते बोलू नका. आपण बसून घ्या.

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

असे सदस्य आले आहेत.

**मा. महापौर :-**

मग आपण बघायला या. कोणाचा फोन चालू आहे. बेशिस्तपणाचे वर्तन करतात आणि तोंडात येईल ते काहीही बोलता. तुम्हाला बोलायची शिस्त राहिलेली नाही.

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

आपल्याला बोलत नाही.

**रोहिदास पाटील :-**

आपण ते आपल्यावर घेऊ नका.

**रोहित सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडम, आपण जाणून बुजून सभागृहाचा वेळ घेत आहात.

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

आपल्याला बोलत नाही. आता सभागृहामध्ये सर्व नगरसेवक यायला लागले आहेत. चार तास सभागृहात येथे हे नव्हते.

**रोहित सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडम, तुम्ही जाणूनबुजून लेट करत आहात का? म्हणजे ह्यांची संख्या वाढावी.

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

आता मतदान घ्या ना. ह्यांची संख्या वाढलेली आहे.

**रोहित सुवर्णा :-**

असे करू नका. हे चातुर्य चालत नाही.

(सभागृहात गोंधळ)

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

मॅडम, आपण सभागृहाची ही स्थिती बघा. मच्छीबाजार आहे, मच्छीबाजार. हे सभागृह नाही.

**लिओ कोलासो :-**

सन्मा. सदस्य आपण हे शब्द मागे घ्या. मच्छीबाजार म्हणून जो उल्लेख केलेला आहे तो शब्द मागे घ्या.

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

सचिव साहेब, हे काय चाललेले आहे?

**रोहिदास पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, या सभागृहाच्या कामकाजामध्ये महापौर म्हणून किती वेळ मोबाईल फोन वापरू शकता? त्याला काय नियम आहे का? सचिव साहेब, हेही रेकॉर्डवर आणा की, सभागृहाच्या कामकाजामध्ये किती वेळ मोबाईल वापरू शकता? याची माहिती आम्ही आपल्याकडे मागणी केली होती की, या सभागृहामध्ये जामर लावा. तुम्ही जामर लावले नाही. मा. आयुक्त साहेब, मी तुम्हाला विनंती केली होती की, या सभागृहामध्ये जामर लावा. तर तुम्ही जामर का लावत नाही. मतदान करा आणि तुम्ही ठराव करून घ्या. आम्ही कोर्टात जातो. एकवेळी आम्हाला चान्स द्या.

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

मा. महापौर मॅडम, ही शिस्ताची अवहेलना आहे. ही मा. महासभेची शिस्त आहे का? नाही, कशाला? सेटींग करण्याचा धंदा ह्यांचा आहे. सेटींग आम्ही करत नाही. सचिव साहेब, सायं. ७.०० वाजले आहेत आणि सायं. ७.०० नंतर सभा चालत नाही.

**मदन उदितनारायण सिंग :-**

सचिव साहेब, मा. महासभेमध्ये हे काय चालले आहे?

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

सायं. ७.०० वाजले आहेत. सचिवजी आपण राष्ट्रगीत घ्या ना.

**मदन उदितनारायण सिंग :-**

सचिव साहेब, मा. महासभेमध्ये सेटींग चालू आहे की, काय चालू आहे? यह पत्रकार देख रहे हैं की, मा. महासभा मे क्या चल रहा है।

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

सचिव साहेब, सायं. ७.०० वाजले आहेत.

**शरद पाटील :-**

सचिव साहेब, आपण मतदान घेणार आहेत की नाही? आता दोन ठराव झालेले आहेत.

**रोहिदास पाटील :-**

सचिव साहेब, तुम्हाला मतदान घ्यायला लागेल. तुम्ही काहीही टाळाटाळ करा. तुम्ही आता गळे अटकून घेऊ नका.

**ओमप्रकाश अग्रवाल / रतन पाटील :-**

सचिव साहेब, सायं. ७.०० वाजले आहेत.

**शुभांगी नाईक :-**

मा. महापौर मॅडम, शोकप्रस्ताव घ्या.

**नगरसचिव :-**

सभाकामकाज नियमानुसार .....

**रोहिदास पाटील :-**

सभा तहकुब,

**ध्रुवकिशोर पाटील :-**

अजून एक मिनिट बाकी आहे.

**रोहिदास पाटील :-**

सचिवांनी सभा तहकुब करायची आहे. वेळ संपलेली आहे.

**चंद्रकांत वैती (मा. उपमहापौर) :-**

सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील सायं ७.०० वा. सभेचे कामकाज संपते. या विषयावर आपल्याकडून ठरावासह सुचना आलेल्या आहेत. सभागृहामध्ये हा सर्व शहराच्या हिताचा विषय आहे. त्याच्यावर जी चर्चा चालू होती. तर प्रश्न असा होता की, आपण काय निर्णय घेत नाही..

**रोहिदास पाटील :-**

माईक बंद केले का?

**चंद्रकांत वैती (मा. उपमहापौर) :-**

रेकॉर्डिंग झाले नाही तरी चालेल. फक्त आपल्या सर्वांच्या माहितीसाठी मा. प्रफुल्ल पाटील साहेबांनी सांगितले की, संकल्प चित्राचा प्रश्न होता. त्या वाहनांचे संकल्प चित्र तयार केल्यानंतर जे कॉन्ट्रॅक्ट वाहन आहे. त्याच्या निर्मितीसाठी जो खर्च येणार आहे तो सुप्रीम कोर्टाच्या स्पेसिफिकेशनप्रमाणे असणार आहे. त्याचा खर्च वर्षाच्या मुदतीत वसूल होणार का नाही? म्हणून आपली त्याच विषयावर चर्चा चालू होती. आपले सदस्य नामदार ओमप्रकाश गारोडिया साहेब .....

**मिलन म्हात्रे :-**

आणि आमदार ओळखीचे आहेत.

**चंद्रकांत वैती (मा. उपमहापौर) :-**

नामदार याच्याकरिता की, सन्मा. सदस्य ओमप्रकाश अग्रवालजी आपण सभागृहात सर्व सदस्यांचे नेतृत्व करत असतात. आपण ज्या पद्धतीने एक्साईट होता. या सभागृहाला संपूर्ण अडचणीत आणाल. एक मित्र म्हणून आमचा सल्ला आहे की, आपण कामकाज करताना एवढे भावनाविवश व्हायचे नाही. आता देखिल आपण काय म्हणत होता. थोडेसे मस्करीच्या भावनेतून बोलत होता.

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

नाही. माझा शब्द धरतात. तर ही सेटींग आहे, सेटींग आणि जबाब द्यायचे होते तेव्हा तुम्ही कुठे होता?

**चंद्रकांत वैती (मा. उपमहापौर) :-**

लोक चुकीचे बोलले म्हणून त्यांच्यापेक्षा मोठी चुक तुम्ही करायची नाही. आमचे मित्रमंडळी ज्यापद्धतीने बोलले तसे बोला ना. भावनाविवश होऊ नका.

**नगरसचिव :-**

सभा कामकाजानुसार सायं. ७.०० वाजल्यानंतर सभेचे कामकाज बंद करावे लागते. मी मा. महापौर मॅडम यांना विनंती करतो की, सायं. ७.०० नंतर सभा कामकाज बंद करावे लागेल.

**मिलन म्हात्रे :-**

बंद नाही. तहकुबचे काय?

**मा. महापौर :-**

कामकाजाची वेळ संपल्यामुळे आजच्या विषयाची सभा तहकुब करण्यात येत आहे. तसेच, सभेची पुढील वेळ व वार आपल्याला कळविण्यात येईल.

**सभा तहकुब वेळ :- सायं. ७.०० वा.**

सही/-

महापौर

मिरा भाईदर महानगरपालिका

नगरसचिव

मिरा भाईदर महानगरपालिका